केवल कार्यालयीन प्रयोग हेतु

टी बोर्ड भारत

वर्ष 2020-2021 हेतु वार्षिक रिपोर्ट

14, बी.टी.एम. सरणी

कोलकाता - 700001

विषय-सूची

67वीं वार्षिक रिपोर्ट, टी बोर्ड: 2020-21

अध्याय सं.	विषय	पृष्ठ सं.
अध्याय-1	संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य	1-14
अध्याय -2	वैश्विक परिदृश्य में भारतीय चाय	15-17
अध्याय -3	वित्त	18-21
अध्याय -4	चाय विकास	22-48
अध्याय -5	चाय अनुसंधान	49-67
अध्याय -6	चाय संवर्धन	68-90
अध्याय -7	अनुज्ञापन	91-95
अध्याय -8	सांख्यिकी	96-98
अध्याय -9	मानव संसाधन विकास	99-103
अध्याय -10	हिन्दी कक्ष	104-106
अध्याय -11	सतर्कता प्रकोष्ठ	107
अध्याय -12	विधि प्रकोष्ठ व सूचना का अधिकार	108

अध्याय -1

स्थापना

संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य

बोर्ड का गठन

चाय अधिनियम 1953 के अनुच्छेद 4 के प्रावधानों के अनुरुप टी बोर्ड की स्थापना 1 अप्रैल 1954 में की गई थी । टी बोर्ड को भारत में चाय उद्योग के समग्र विकास का कार्य प्रभारित किया गया है और यह केन्द्र सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य कर रहा है ।

बोर्ड का संगठन

बोर्ड का गठन अध्यक्ष एवं भारत सरकार द्वारा नियुक्त चाय उद्योग के विभिन्न विभागों से संबन्धित 31 सदस्यों से हुआ है। प्रत्येक तीन वर्ष में बोर्ड का पुर्नगठन होता है। दिनांक 11 फरवरी, 2019 एवं 9 मार्च 2019 को जारी राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, वर्तमान बोर्ड का पुर्नगठन तीन वर्ष की अवधि हेतु किया गया है ।

टी बोर्ड का कार्य

चाय अधिनियम की धारा 10 के तहत वर्णित टी बोर्ड के कार्य व्यापक है एवं संक्षिप्त रुप से इस प्रकार प्रस्तुत है :

1. चाय बागानों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाना ।
2. चाय की गुणवत्ता में सुधार ।
3. लघु चाय कृषकों में सहकारिता प्रयासों का संवर्धन ।
4. चाय अनुसंधान एवं विकास को समर्थन ।
5. निर्यात एवं घरेलू खपत में वृद्धि हेतु संवर्धन अभियान का निष्पादन ।
6. विनियामक कार्य-चाय बागानों, फैक्ट्रियों, प्राथमिक क्रेताओं का पंजीकरण एवं चाय ब्रोकरों, नीलामी संगठनों, निर्यातकों तथा चाय अपशिष्ट डीलरों हेतु अनुज्ञापन जारी करना ।
7. स्वास्थ्य, आरोग्य शास्त्र, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के क्षेत्र में रोपण कर्मियों एवं उनकी संतानों हेतु कल्याणकारी उपाय ।
8. चाय आंकड़ों का संग्रहण एवं वितरण; तथा
9. केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी ऐसी अन्य गतिविधियाँ ।

निधि का स्रोत :

उपर्युक्त कार्य हेतु निधि केन्द्र सरकार द्वारा पूंजी तथा राजस्व शीर्ष के अंतर्गत बोर्ड को प्रदान की जाती है ।

राजस्व निधि का प्रयोग विशेषरुप से प्रशासन व स्थापना प्रभार के लिए किया जाता है जिसमें चाय पर उपकर मुख्य स्रोत है । पूंजीगत निधियों का प्रयोग बोर्ड के विविध विकासात्मक, संवर्धनात्मक एवं कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु पूंजी निधियों का प्रयोग किया जाता है । चाय अधिनियम, 1953 की धारा 25(1) के तहत भारत में उत्पादित सभी चायों पर 50 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से उपकर लगाया जाता है, केवल दार्जिलिंग चाय पर उपकर 20 पैसे प्रति किलोग्राम है । यद्दपि जीएसटी कार्यान्वयन के बाद, तैयार चाय के उत्पादन पर लागू उपकर को जीएसटी में समाविष्ट किया गया है एवं धारा 3 के खंड (सी), धारा 25 एवं 26 तथा धारा 27 की उपधारा (1) के खंड (ए) भारत के राजपत्र की धारा 1 भाग II में प्रकाशित कर नियम (संशोधन) अधिनियम, 2017 (2017 के सं. 18) के तहत निरस्त किया गया है ।

प्रशासनिक ढांचाः

चाय नियम, 1954 के नियम 3 के अनुसार बोर्ड का मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित है । अध्यक्ष गैर-कार्यपालक प्रधान है एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारी है । गुवाहाटी (असम) तथा कुनूर (तमिलनाडु) में स्थित बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में दो कार्यपालक निदेशक तैनात हैं । भारत में बोर्ड के छत्तीस (36) कार्यालय हैं जिसमें मुख्यालय/क्षेत्रीय/आंचालिक/उप-क्षेत्रीय कार्यालय शामिल है, तीन (3) चेन्नई,पालानी,तमिलनाडु में तिरुचेंदूर में टी रुम है एवं आंध्र प्रदेश में तिरुमाला में (01) टी नूक तथा विदेश में अर्थात् मॉस्को में एक (01) कार्यालय है ।

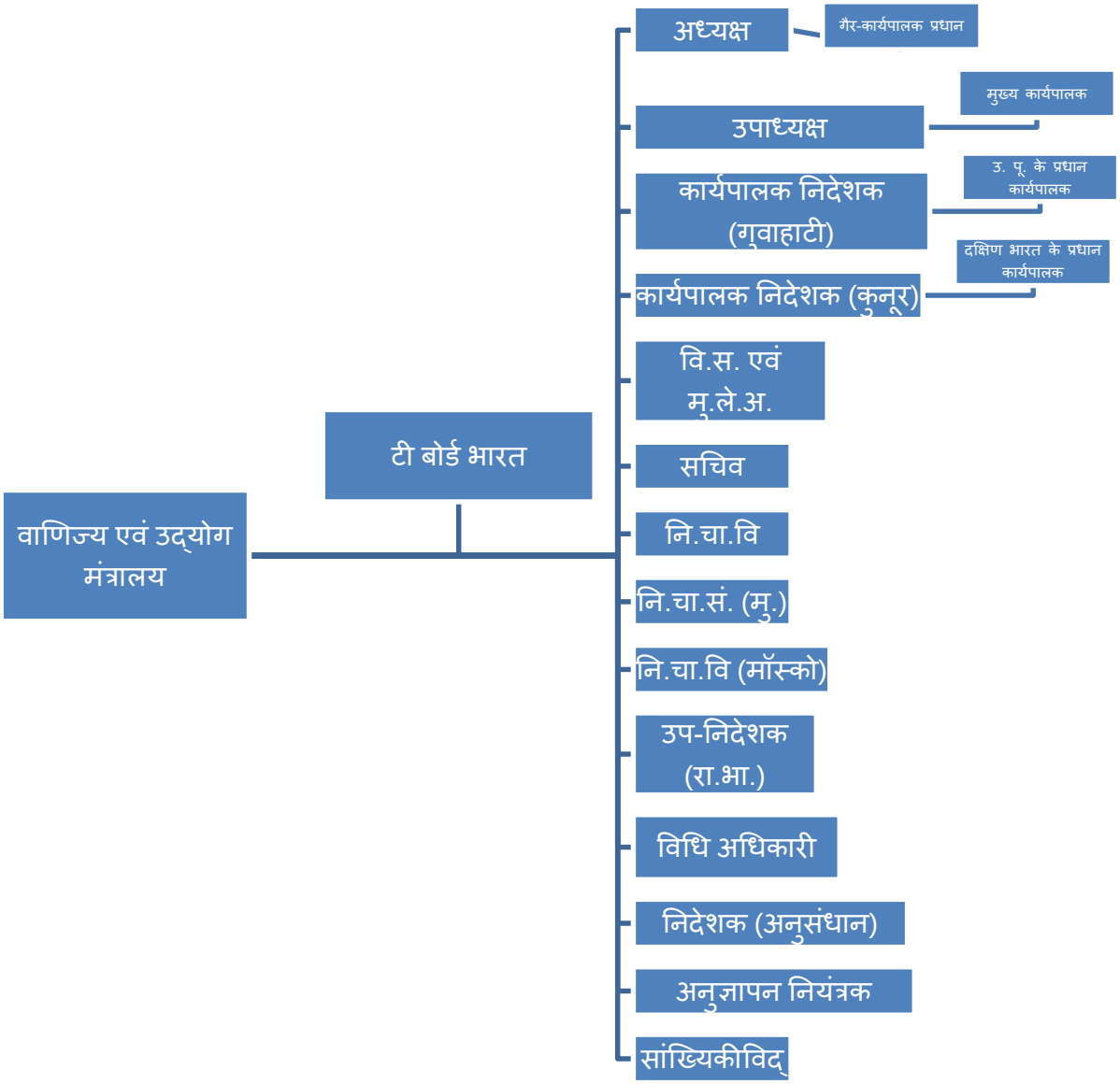

टी बोर्ड का प्रशासनिक ढ़ांचा

स्थापना विभाग की भूमिका नीति बनाना तथा चाय नियमों के प्रावधानों तथा भारत सरकार के वाणिज्य विभाग व कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी उप-नियमों, नियमों, आदेशों तथा परिपत्रों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। सचिव इस विभाग के प्रधान हैं जिसे सहायक सचिव द्वारा सहायता दी जाती है । यह बोर्ड के कर्मचारियों व अधिकारियों से संबंधित मामलों, सेवा सम्बंधी मामलों, कार्यालयों की स्थापना, जनशक्ति पदों आदि से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है । सचिवालय अनुभाग एवं भंडार शाखा सचिवालय से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है जैसे वीआईपी संदर्भ से संबंधित मामलें, बोर्ड मीटिंग का आयोजन आदि जबकि भंडार शाखा बोर्ड के सभी रिकॉर्ड व सूची रखता है ।

बोर्ड की बैठक

रिपोर्टाधीन अवधि (अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक) के दौरान तीन (03) बैठकों का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नवत है :

बोर्ड के बैठक की संख्या	स्थान	दिनांक
242वीं बोर्ड की बैठक	आभासी बैठक	10 सितम्बर, 2020
243वीं बोर्ड की बैठक	आभासी बैठक	1 दिसम्बर, 2020
244वीं बोर्ड की बैठक	आभासी बैठक	23 मार्च 2021

टी बोर्ड की जन-शक्ति

31.03.2021 तक बोर्ड की कुल जनशक्ति 399 थी {इसमें टी बोर्ड के दो अधिकारी(उपाध्यक्ष व कार्यपालक निदेशक) एवं टी बोर्ड से अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर चार अधिकारी शामिल है} । भारत में बोर्ड के कार्यालयों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों की वर्तमान क्षमता का विवरण तालिका-1 में दिया गया है ।

भारत में बोर्ड की समूहवार जनशक्ति 31.03.2021 तक

क्षेत्र	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	कुल
मुख्यालय	14	25	75	114
क्षेत्र/उप क्षेत्रीय कार्यालय	45	91	147	283
टी बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी	2	0	0	2
कुल	**61**	**116**	**222**	**399**

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछड़े वर्ग 31.03.2021 तक

	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछले वर्ग	कुल
ग्रुप ए	9	4	17	30
ग्रुप बी	19	5	31	55
ग्रुप सी	40	14	21	75
कुल	**68**	**23**	**69**	**160**

बोर्ड के कर्मचारियों का आयु-वार विवरण (प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को छोड़कर) 31.03.2021 तक

आयु वर्ग	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	कुल
18-30	3	8	5	16
31-40	20	52	59	131
41-50	15	22	64	101
51-60	21	34	94	149
कुल	**59**	**116**	**222**	**397***

*टी बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर 02 अधिकारी है जैसे उपाध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक कुन्नूर

अगले पाँच वर्षों में टी बोर्ड की सेवानिवृत्ति तालिका

वर्ष	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	कुल
2021-2022	0	7	7	14
2022-2023	3	6	12	21
2023-2024	2	7	12	21
2024-2025	4	4	14	22
2025-2026	0	3	13	16
कुल	**9**	**27**	**58**	**94**

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड की जन-शक्ति में बदलावः

पदोन्नतिः

प्रशासनिक व्यय को कमाने के साथ ही मितव्ययिता उपायों के अंश के रुप में, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने दिनांक 22.02.2017 के पत्र सं 5/1004/2015-प्लांट(सह) द्वारा यह सुझाव दिया है कि विभाग की अनुमति के बिना कोई नयी भर्ती अथवा पदोन्नति न दी जाए ।

अतिरिक्त दायित्वः

- श्री ऋषिकेश राय, उपाध्यक्ष (राजभाषा) ने 22.12.2018 से सचिव, टी बोर्ड का अतिरिक्त दायित्व संभाला तथा यह 2019-2020 एवं 2020-2021 के दौरान भी जारी रहेगा ।
- श्री उत्पल आचार्य, संयुक्त डीजीएफटी (आंचलिक), अपर महानिदेशालय विदेश व्यापार कार्यालय, कोलकाता ने 09.07.2020 से 15.07.2020 तक उपाध्यक्ष, टी बोर्ड का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया।
- श्री प्रमोद कुमार साहु, आईओएफएस (1997), वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी ने 16.07.2020 से उपाध्यक्ष, टी बोर्ड का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया।
- श्री प्रमोद कुमार साहु, आईओएफएस (1997), ने उपाध्यक्ष, टी बोर्ड के दायित्वों के साथ 08.10.2020 अपराह्न से 19.01.2021 तक वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया था।
- श्रीमती रजनीगंधा सील नस्कार, अनुज्ञापन नियंत्रक ने अपने दायित्वों के अतिरिक्त वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी का पदभार 20.01.2021 से ग्रहण किया।
- श्री दीपंकर मुखर्जी, उपनिदेशक चाय विकास ने 11.02.2021 से कार्यपालक निदेशक, टी बोर्ड गुवाहाटी का अतिरिक्त दायित्व ग्रहण किया।

त्यागपत्र एवं पदमुक्ति

- श्री अरुण कुमार रे, भा.पु.से (OR:1988), ने 08.07.2020 से उपाध्यक्ष के पद का परित्याग कर दिया।
- श्री उत्पल आचार्य, ने 15.07.2020 से उपाध्यक्ष के पद का परित्याग कर दिया।
- श्री प्रमोद कुमार साहु, आईओएफएस (1997) ने 08.10.2020 वित्तीय सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी के पद का परित्याग कर दिया।
- श्री ऋतुराज हजारिका, स.नि.चा.वि ने बोर्ड की सेवाओं से 09.10.2020 त्यागपत्र दे दिया।
- श्री संजीओ कुमार, आईएफएस (यू पीः1997) दिनांक 11.02.2021 से कार्यपालक निदेशक, गुवाहाटी के पद का परित्याग कर दिया।
- श्री सुनील कुमार के, वि.स.अ. ने बोर्ड की सेवाओं से 25.02.2021 त्यागपत्र दे दिया।

नियुक्तियाँ

- श्री प्रमोद कुमार साहु, आईओएफएस (1997), वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी की नियुक्ति दिनांक 08.10.2020 से उपाध्यक्ष,टी बोर्ड के पद पर हो गई।

सेवानिवृत्ति

- वर्ष 2020-21 में विभिन्न संवर्गो में बारह (12) कर्मचारी बोर्ड की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए।

दिवंगत

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान एक (01) कर्मचारी का निधन हो गया ।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

- श्री टी.एच.अंसारी, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने दिनांक 31.08.2020 को बोर्ड की सेवाओं से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली।
- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान छह (06) कर्मचारियों ने अन्य संवर्गो से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ग्रहण किया।

एमएसीपी लाभ

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, एमएसीपी योजना के तहत कुल 18 (अठारह) कर्मचारियों को विभिन्न संवर्गों में लाभ प्राप्त हुआ वह निम्नस्त हैः-

ग्रुप-ए	0
ग्रुप-बी	03
ग्रुप -सी	15
कुल	**18**

चिकित्सा नीति

- टी बोर्ड ने अपने कर्मचारियों के इनडोर चिकित्सा उपचार के लिए तीन साल की अवधि के लिए पूरे भारत में सीजीएचएस/सीएसएमए दरों पर विभिन्न अस्पतालों के साथ समझौता किया है।

नए चाय केन्द्र

- वर्ष 2020-2021 के दौरान टी बोर्ड ने पालानी,तमिलनाडु में एक नया चाय केन्द्र खोला है।

अनुलग्नक-I

भारत तथा विदेशों में स्थित टी बोर्ड कार्यालयों का पता

पश्चिम बंगाल और बिहार

टी बोर्ड 14, बीटीएम सारणी , कोलकाता - 700001, दूरभाष : 033-22351331/फ़ैक्स : 033-2221-5715 ईमेल : secytboard@gmail.com, secretary.tbi-wb@gov.in वेबसाइट : www.teaboard.gov.in	टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, वीरपाड़ा, प्रथम तल,ऊषा कॉम्पलेक्स, (यूनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया के पास) एम.जी. रोड,पोस्ट-वीरपाड़ा,जिला- अलिपुरद्वार, पश्चिम बंगाल-735204 फो.8609952917 ई-मेल:teaboardbirpara@gmail.com
दार्जिलिंग टी रिसर्च एंड डेव्लपमेंट सेंटर (डीटीआर एंड डीसी) आचार्य भानुपथ, कार्सियांग-734203, दार्जिलिंग फैक्सः 0354-2330218 दूरभाषः 0354-2330287 ईमेलः dtrdcteaboard@gmail.com	टी बोर्ड भारत क्षेत्रीय कार्यालय, ईस्लामपुर, पावर हाउस पाड़ा, मुख्य बस टरमीनस के विपरीत, पोस्ट ईस्लामपुर, जिला-उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल-733202 ईमेल: teaboardislampur@gmail.com
टी बोर्ड भारत, क्षेत्रीय कार्यालय, राहत बाड़ी, बाबुपाड़ा, वार्ड सं.7, पो. व जिलाः जलपाईगुड़ी-735101 पश्चिम बंगाल दूरभाष/ फैक्सः 03561-225146 ईमेलः teaboardjalpaiguri@gmail.com	टी बोर्ड,भारत आंचलिक कार्यालय "क्वालिटी कंट्रोल लैबोरेटरी बिल्डींग (3तल)", टी पार्क, भोला मोड़(न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पीछे) पो-साहुदांगी हाट, सिलीगुड़ी-735135, पश्चिम बंगाल ईमेल : siliguriteaboard@gmail.com
टी बोर्ड भारत,उपक्षेत्रीय कार्यालय, श्री कुंदन कुमार गुप्ता के परिसर में क्लब फिल्ड के करीब, ठाकुरगंज, जिला किशनगंज बिहार, पिन-855116 मोबाईल नं-9470803717 ई-मेल-teaboardsrothakurganj@gmail.com	टी बोर्ड भारत,अनुसंधान निदेशालय एवं गुणवत्ता नियंत्रण निदेशालय टी पार्क, भोला मोड़(न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पीछे) पो-साहुदांगी हाट, सिलीगुड़ी-735135, पश्चिम बंगाल ईमेलःresdirteaboardqcl@gmail.com qcl.tbi@gmail.com
टी बोर्ड भारत, उप-क्षेत्रीय कार्यालय,कार्सियांग दार्जिलिंग चाय अनुसंधान व विकास केन्द्र कैम्पस, आचार्य भानु पथ, पो-कार्सियांग, पिन-734203, जिला-दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल ई-मेलःphuriagri@gmail.com	

तमिलनाडु

कार्यपालक निदेशक टी बोर्ड, आंचलिक कार्यालय, "शेलवूड", लाईब्रेरी रोड , पोस्ट बॉक्स न. - 6,कून्नूर -643101, नीलगिरि, तमिलनाडु दूरभाष : 0423-2231638/2230316*[डी] फ़ैक्स : 0423-2232332, 2231484-आवास ईमेल : teaboardcoonoor@rediffmail.com teaboardcoonoor@rediffmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय को-ऑपरेटिव बैंक के सामने मैसूर रोड, गुडालूर-643212 द निलगिरिज, तमिलनाडु दूरभाष-04262-262316 ईमेल : teaboardgudalur@gmail.com
टी बोर्ड, 139, एलडैम्स रोड, तैनामपेट (2 तल) चेन्नई-600002, तमिलनाडु ।	टी रुम, टी बोर्ड चेन्नई सचिवालय, दुकान सं. 3, 4 सेन्ट. जॉर्ज, चेन्नई-600009 दूरभाष-044-24342754/फैक्सः044-24341650 ई मेलः teaboardchennai@sancharnet.in
टी बोर्ड भारत टी सेंटर तिरुचेंदुर मुरुगन मंदिर कोविल रोड उत्तर गेट के समीप,तिरुचेंदुर-628215	प्रभारी टी बोर्ड भारत टी सेंटर विंच स्टेशन के विपरीत पश्चिम गिरि स्ट्रीट,पालानी-624601

केरल

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय इन्दिरा गांधी रोड , विलिंगडॉन आइलैंड, कोचीन - 682003, केरल दूरभाष : 0484-2666523 फ़ैक्स : 0484-2666648 ईमेल : teaboardkochi@sancharnet.in	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, 511/1, कल्लोलिकल बिल्डिंग, पीयरमेड पोस्ट इदुक्की जिला, केरल - 685 509, दूरभाष : 04869 - 222628 ईमेल : teaboardpeermade@gmail.com

आंध्र प्रदेश

टी नूक, सी.आर.ओ. (जी) कार्यालय (रेलवे आरक्षण काउंटर के विपरित) तिरुमाला-517504, आंध्रप्रदेश

असम, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम एवं मेघालय

कार्यपालक निदेशक टी बोर्ड उत्तर पश्चिम आंचलिक कार्यालय हाउसफेड कॉम्पलेक्स, 5वां व 6 वां तल, सेंट्रल ब्लॉक बेलतला बशिष्ठ रोड, दिसपुर, गुवाहाटी -781006, दूरभाष : 0361-2228944 / 2228945 फ़ैक्स : 0361-2234251 ईमेल : teaboardguwahati@hotmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, आईटीआई रोड, पोस्ट-. इंद्रनगर, वाया-कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा-799006 दूरभाषः0381-2354639/फैक्सः0381-2354182 ईमेल: teaboard.agartala@gmail.com
लघु चाय रोपण विकास निदेशालय, जीग-जैग रोड, चौकीदींघी, शांतिनिकेतन अपार्टमेंट के विपरित, पोस्ट- डिब्रूगढ़-786001	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, क्लब रोड, सिल्चर -788 001, जिला - कछार, असम,

दूरभाष :0373-2324982 ईमेल: teaboardsgdd2017@gmail.com teaboardsgdd@gmail.com teaboarddibrugarh@gmail.com	दूरभाष : 03842-232518, ईमेल : teaboardsilchar@gmail.com
टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, प्राइवेट रेसीडेंस, 2 तल, किंगकप स्कूल के निकट, वी.आई.पी. रोड, पोस्ट-इटानगर अरुणाचल प्रदेश - 791 111 ईमेल आईडी: teaboarditanagar@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, टी रिसर्च एसोशिएशन कॉम्प्लेक्स , सिन्नामारा, जोरहाट - 785001, असम ईमेल : teaboardjorhat@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, चुनाव कार्यालय के विपरीत, जिला - सोनीतपुर, गणेश घाट, तेजपुर-784001, असम , दूरभाष : 03712-233664, ईमेल : tezpurteaboard@gmail.com	टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय एल.के. बरुआ रोड,अमोलापट्टी, जिला- सिवसागर, असम पिन- 785640 ईमेल: teaboard.sivsagar@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, ''पुण्यालय'' मारवाड़ी पट्टी, वार्ड नंबर -1 पोस्ट व जिला - गोलाघाट (असम) पिन -785621 , असम ईमेल: teaboardgolaghat@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, खर्गेस्वर रोड ,बीएसएनएल कार्यालय के निकट , जिला-तिनसुकिया, असम पिन-786125 ईमेल: tinsukiateaboard2019@gmail.com
टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- मृणाल मोनी भट्टाचार्या, फार्म मशीनरी ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट के विपरीत , पोस्ट व जिला - बिस्वनाथ चारियाली,असम ईमेल: nandyanupam3@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- श्री प्रभात दास, पोस्ट व जिला : उदालगुरी पिन-784509, असम ईमेल - nabajyotibaro73@gmail.com
टी बोर्ड, उप- क्षेत्रीय कार्यालय, लुमनॉनग्रीम,उम्सनिंग , जिला -रि-भोई , मेघालय, पिन-793105 ईमेल: teaboardumsning@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः गुनिन गोगोइ , पोस्ट -गोगामुख,जिला- धेमाजी ,असम । पिन-787034 ईमेल: rituvd@gmail.com
टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, द्वाराः- श्री हेमकांत खानीकर, 14 नंबर लाइन रोड,इलाहाबाद बैंक राजगढ़ ,डिब्रुगढ़ के विपरीत असम, पिन- 786611 ईमेल: pbaidya23@yahoo.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, जेमाबाव्क, हाई स्कूल रोड, हाउस नंबर आरके -62 , आइज़ोल, मिज़ोरम, पिन-796017
टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, पोस्ट - धर्मनगर, नॉर्थ त्रिपुरा, त्रिपुरा , पिन-799250 ईमेल: mnskrmllk@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, राजाधाप ,पशु अस्पताल के निकट पोस्ट - सोनारी ,जिला- चराईडिओ, पिन-785690 असम । ईमेल: teaboard.sonari@gmail.com

दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं महाराष्ट्र

उ.प.भा. हेतु विशेषाधिकारी टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय 13/2 जाम नगर हाउस, शाहजहाँ रोड , नई दिल्ली -110011, टेली फ़ैक्स: 011-23074179, मोबाईल : 09818007168 ईमेल: nasstats@gmail.com, daktboard@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, कालु दी हट्टी, पालमपुर, कांगड़ा, हि.प्र. दूरभाष : 01894-238171 फैक्स : 01894-238178 ईमेल : teaboardpalampurzo@gmail.com
टी बोर्ड उप क्षेत्रीय कार्यालय, लिंक रोड ,थापलिया, अल्मोड़ा, जिलाः- अल्मोड़ा, उत्तराखंड, पिन-263601 ई:मेल-teaboardalmora@gmail.com	टी बोर्ड रेशम भवन , 78, वीर नरीमन रोड, मुंबई - 400002, टेलीफोन : 022-22041699/फैक्सः022-22041699 जी.एच (टेली) 23675401 ईमेल : mumteaboard@gmail.com

रूस

टी बोर्ड ऑफ इंडिया , 4, वोरोंत्स्वो पोलये भारतीय दूतावास,मॉस्को रशियन फ़ैडरेशन, दूरभाष/ फ़ैक्स: +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 एक्स: 293 + 7(495)917 1657 आवास : +7(495)952 0524 मो. : +0079653862273 ईमेल : teaboard@indianembassy.ru dtp@indianembassy.ru

अनुलग्नक-II

बोर्ड के सदस्यों की सूची

क्र.सं.	11 फरवरी, 2019 से 10 फरवरी, 2022 तक के बोर्ड के सदस्यों का नाम		
1.	श्री प्रभात कमल बेज़बरुआ फ्लैट 41, 17 लोअर रेंज, कोलकाता-700017 पश्चिम बंगाल	अध्यक्ष	नियम 4 के उप-नियम (1) के तहत नियुक्ति [वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं. एस.ओ. 1172 (ई) दिनांक 08.03.2019 एन.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) देखें]
2.	सचिव, उद्योग, वाणिज्य एवं उपक्रम विभाग पश्चिम बंगाल सरकार कोलकाता	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
3.	अपर निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग त्रिपुरा सरकार अगरतला	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
4.	सरकार के सचिव सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम विभाग, तमिलनाडु सरकार, चेन्नई	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
5.	कृषि उत्पादन आयुक्त एवं प्रधान सचिव, कृषि विभाग, केरल सरकार, तिरुवनंतपुरम	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
6.	सरकार के सचिव व आयुक्त वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, असम सरकार, गुवाहाटी	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
7.	हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रधान सचिव (कृषि) के प्रधान सचिव, शिमला	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक

			11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
8.	श्री राजू बिस्टा, सांसद, लोकसभा **(18 सितंबर 2019 तक)**	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत सांसद का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 18/9/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 3359 देखें]
9.	श्री होरेन सिंह बे सासंद, लोकसभा **(18 सितंबर 2019 तक)**	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (बी) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 18/9/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 3359 देखें]
10.	श्रीमती शांता छेत्री सांसद, राज्यसभा	सदस्य	नियम 4 के उप-नि.म (1) के खंड (ए) के तहत संसद का प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.न.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 11/2/2019 की वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय अधिसूचना सं.एस.ओ. 783(ई) देखें]
11.	श्री बी. कुमारन, 6/415, होनाथली, बील्लीकॉम्बी (पोस्ट) नीलगिरि-643214 तमिलनाडु	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत चाय उत्पादक एवं चाय संपदा व बागानों के मालिकों का प्रतिनिधित्व [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
12.	श्री बिपन सिंहल सचिव, लघु उद्योग भारती-उत्तर बंगाल इकाई मैग टी प्राईवेट लिमिटेड प्रिमियम अपार्टमेंट, 2 तल, शिव मंदिर रोड, पंजाहीपारा, सिलिगुड़ी-734001, पश्चिम बंगाल	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
13.	श्रीमती डिकी ताशी वांगचूक ताशी उत्पल, तातोंग सरकारी स्कूल के नीचे, तातोंग, पोस्ट दारा गाँव, गंगटोक-737102, सिक्किम	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
14.	श्री किशोरीलाल अग्रवाल 1ए, 137, सेक्टर 3, साल्ट लेक कोलकाता-700096 पश्चिम बंगाल .	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]

15.	अध्यक्ष भारतीय चाय संस्थान रॉयल एक्सचेंज, 6, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700001	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
16.	सभापति, द युनाईटेड प्लांटर्स एसोसिएशन ऑफ सदर्न इंडिया, पोस्ट बॉक्स सं. 11, ग्लैनव्यूह, कुन्नूर-643101	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
17.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
18.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
19.	महासचिव असम चाहमज़दूर संघ, जीबन फुकन नगर, डिब्रुगढ़-786003, असम	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
20.	श्रीमती वीणा श्रीवास्तव पत्नी श्री महीन्द्र नाथ, ग्राम-डुग्नी, पोस्ट महाहु द-पालमपुर, जिला-कांगड़ा हिमाचल प्रदेश	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]

21.	सभापति भारतीय चाय संघ इंडिया एक्सचेंज, 4, महाराणा प्रताप सरणी 7वां तल, इंडिया एक्सचेंज प्लेस, कोलकाता-700 001	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
22.	श्री जे. रमन थुम्बानटी ग्राम व पोस्ट,ऊटी, द नीलगिरि-643002 तमिलनाडु ।	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
23.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
24.	श्री निधेश हंसमुखलाल शाह टी ट्रेडर्स व एक्सपोर्टस फोरम, **"मधुवन"**, घर हो तो ऐसा के विपरीत कमल मंदिर रोड, संस्कार सोसाईटी के निकट, सुरेन्द्रनगर-363002 गुजरात	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
25.	रिक्त	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (सी) के तहत चाय संपदाओं के मालिक तथा बागान एवं चाय उत्पादकों का प्रतिनिधित्व
26.	श्री भावेश रमेशभाई पटेल संयुक्त प्रबंध निदेशक विक्रम टी प्रोसेसर प्राइवेट लिमिटेड अजंता नगर, देवेलगाँव राजा रोड, जालना-431203, महाराष्ट्र	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
27.	श्री पी. मोहनन ताचूपुरमबिल, लांड्री, पोस्ट- लांड्री एस्टेट इडुक्की-685505, केरल	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
28.	श्री रतन नंदलाल बिदादा प्रबंध निदेशक बिदादा इंडस्ट्रीज़ प्राइवेट लिमिटेड गंगा मैंशन, सिंहागाद सोसाइटेड, कन्हेरी रोड, मोती नगर, लातुर-413512, महाराष्ट्र	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]

29.	संत श्री नानकदास महाराज सतगुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान (एनजीओ) छपरीदंगरी, पोस्ट बड़ीखाटु तेहःजयल, जिला-नागोर, राजस्थान-341301	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
30.	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना 33, पार्न विला, सेवक आश्रम रोड, देहरादून, उत्तराखंड-24800	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
31.	श्री सुनील किरवई भारतीय मजदूर संघ कार्यालय हाउस सं. 136/बी, वाटर वर्कस कॉलोनी, फायर सर्विस स्टेशन के निकट, पांडु, पोस्ट-रेस्ट कैम्प जिला-कामरुप-781012 असम	सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के, खंड (ए) के तहत प्रधान चाय उत्पादक राज्यों के सरकार के प्रतिनिधित्व की नियुक्ति [एफ.स.टी-49019/1/2018-पौध (ए) से दिनांक 09/03/2019 की एसओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 1295 (ई) देखें ।]
32.	उपाध्यक्ष, टी बोर्ड	पदेन सदस्य	नियम 4 के उप-नियम (1) के खंड (एए) के तहत नियुक्त [एफ.सं.टी-49019/1/2018-पौध(ए) से दिनांक 11/2/2019 की एमओसीआई अधिसूचना सं. एस.ओ. 783 (ई)]

अध्याय-2

वैश्विक व भारतीय चाय परिदृश्य का एक व्यापक सिंहावलोकन

वैश्विक चाय परिदृश्य

उत्तरी अमेरिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों में करीब 36 से अधिक देशों तक विस्तृत है, जिसमें जॉर्जिया और अर्जेंटीना के बीच व्यापक कृषि-जलवायु परिस्थितियों में चाय पैदा होती है । वर्ष 2020 के दौरान वैश्विक चाय उत्पादन और उपभोग क्रमशः 6269 मिलियन किग्रा और 5879 मिलियन किलोग्राम था। वर्ष 2020 के दौरान उत्पादक देशों से कुल निर्यात 1831 मिलियन किलोग्राम तक बढ़ा। मुख्य चाय उत्पादक और निर्यातक देशों में चीन, भारत, केन्या, और श्रीलंका हैं और वे क्रमशः 81% और 72% विश्व चाय का उत्पादन तथा निर्यात करते हैं। (तालिका -1)

तालिका -1

2020 के दौरान प्रमुख उत्पादक और निर्यातक देशों का उत्पादन और निर्यात में हिस्सेदारी

देश	उत्पादन		निर्यात	
	मिलियन किग्रा	विश्वव्यापी हिस्सा	मिलियन किग्रा	विश्वव्यापी हिस्सा
चीन	2986	48	349	19
भारत	1258	20	210	12
केन्या	570	9	519	28
श्रीलंका	278	4	263	14
अन्य	1177	19	490	28
विश्व योग	**6269**	**100**	**1831**	**100**

स्रोत; आईटीसी की वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2021 (भारत को छोड़कर)

2020 के दौरान भारत व श्रीलंका को छोड़कर मुख्य उत्पादक देशों के विश्वव्यापी नीलामी मूल्य में गिरावट आई ।

तालिका-2 : चाय का विश्व-व्यापी नीलामी मूल्य (यूएस$/कि.ग्रा. में)

देश	2020	2019	>/< वृद्धि 2019
भारत	2.49	2.00	0.49
बांग्लादेश	2.05	2.31	-0.26
श्रीलंका	3.40	3.05	0.35
केन्या	1.93	2.04	-0.11
मालावी (लिम्बे)	1.44	1.46	-0.02

स्रोत; आईटीसी की वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2021 भारत को छोड़कर

यद्दपि, भारत में प्रति व्यक्ति चाय की खपत अन्य देशों की तुलना में कम है, तथापि भारत की जनसंख्या के कारण चाय की खपत वैश्विक खपत का 19% हिस्सा है। देश में कुल उत्पादन का लगभग 90% हिस्से का उपयोग किया जाता है। यह विशिष्ट स्थान अन्य उत्पादक देशों, विशेष रूप से केन्या और श्रीलंका के विपरीत है जो कि किसी भी मजबूत घरेलू मांग के लिए मुश्किल नहीं है और इसलिए वे अपने अधिकांश उत्पादन का निर्यात करते हैं।

वर्ष 2020 में वैश्विक चाय की स्थिति

उत्पादन:

वर्ष 2020 के दौरान कुल वैश्विक चाय उत्पादन में वर्ष 2019 की तुलना में कोविड-19 महामारी के कारण प्रारंभिक लॉकडाउन परिस्थिति के कारण 107.80 मि.कि.ग्रा. की वृद्धि हुई केन्या को छोड़कर (तालिका-3) भारत में भी 2019 की तुलना में 2020 के दौरान चाय उत्पादन में 132.55 मि.कि.ग्रा. की गिरावट आई ।

तालिका-3: मुख्य चाय उत्पादक देशों में चाय का उत्पादन (मि.कि.ग्रा.)

देश	2020	2019	>/< वृद्धि 2018
भारत	1257.53	1390.08	-132.55
श्रीलंका	278.49	300.13	-21.64
केन्या	569.54	458.85	110.69
चीन	2986.02	2799.38	186.64
अन्य	1177.37	1212.71	-35.34
कुल विश्व उत्पादन	6268.95	6161.15	107.80

स्रोत; आईटीसी के वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2021 भारत को छोड़कर

निर्यात:

वर्ष 2020 में कुल वैश्विक निर्यात 2019 की तुलना में 78.13 मिलियन कि.ग्रा की गिरावट आई (तालिका -4)। चाय के निर्यात में गिरावट कोविड-19 महामारी के कारण मौजूद लॉकडाउन की स्थिति एवं आयात करने वाले देशों से कम मांग से जुड़े लॉजिस्टिक मुद्दों के कारण थी। जबकि भारत, श्रीलंका एवं चीन के चाय निर्यात में गिरावट आई,केन्या के चाय निर्यात में सुधार आई।

तालिका-4: प्रमुख उत्पादक देश (मिलियन किलोग्राम) का निर्यात

देश	2020	2019	>/< वृद्धि 2018
केन्या*	518.92	496.76	22.16
चीन	348.82	366.55	-17.73
श्रीलंका	262.73	289.59	-26.86
भारत	209.72	252.15	-42.43
अन्य	491.02	504.29	13.27
कुल विश्व निर्यात	**1831.21**	**1909.34**	**-78.13**

स्रोत; आईटीसी की वार्षिक सांख्यिकिक बुलेटिन 2021 (भारत को छोड़कर)

* केन्या के निर्यात में पड़ोसी अफ्रिकी उत्पादन करने वाले देश शामिल हैं

भारतीय चाय परिदृश्य

भारत में 15 राज्यों में चाय की खेती की जाती है जिसमें असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल प्रमुख चाय उत्पादक राज्य हैं। वे कुल उत्पादन का 98% हिस्सा रखते हैं। अन्य पारंपरिक राज्य जहां चाय की खेती की जाती है, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और कर्नाटक राज्य हैं। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, और सिक्किम भारत के चाय के नक्शे में प्रवेश करने वाले गैर-पारंपरिक राज्यों में शामिल हैं।

दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि और कांगड़ा जैसी दुनिया की बेहतरीन चाय जो उत्कृष्ट स्वाद, कड़कपन और चमक के लिए प्रसिद्ध हैं, भारत में उत्पादित किए जाते हैं। विविध कृषि जलवायु परिस्थितियों के साथ भारत उपभोक्ताओं के विभिन्न स्वादों और वरीयताओं के अनुकूल चाय के मिश्रण का उत्पादन करता है। प्रत्येक क्षेत्र की विशेषताएं अलग-अलग होती है जो उन्हें अन्य से अलग करती है।

उत्पादन:

वर्ष 2020-21 में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन परिस्थितियों एवं उत्तर भारत के प्रमुख चाय उत्पादन करने वाले क्षेत्रों में जलवायु के अनुकूल परिस्थितियों के कारण 2019-20 की तुलना में उत्पादन 1283.03 मि.कि.ग्रा. था जो कि 77.78 मि.कि.ग्रा. कम था ।

निर्यातः

चाय निर्यात 5311.53 करोड़ की मूल्य वसूली सहित 203.79 मि.कि.ग्रा. मात्रा थी । यह मात्रा में 37.55 मि.कि.ग्रा. तथा मूल्य वसूली में 145.57 करोड़ में कम था परन्तु इकाई मूल्य वसूली 260.64 प्रति किलोग्राम थी जो कि वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 में रु. 34.52 प्रति किलोग्राम बेहतर है।

प्राथमिक विपणन :

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान देश में कुल उत्पादित चाय का 43% सार्वजनिक नीलामियों के माध्यम से बेचा गया एवं शेष को अन्य तरीके से बेचा गया।

घरेलू प्रतिधारण :

वर्ष 2019-20 में 1135 मिलियन कि.ग्रा. के मुकाबले वर्ष 2020-21 के दौरान चाय का अनुमानित घरेलू प्रतिधारण लगभग 1107 मिलियन कि.ग्रा. रहा।

अध्याय - 3

वित्त

प्रस्तावना

टी बोर्ड को सरकार द्वारा सहायता अनुदान से निधि दी जाती है । टी बोर्ड आंतरिक अतिरिक्त बजट स्रोत (आईईबीआर) जैसे अनुज्ञप्तियों पर शुल्क ऋण एवं अग्रिमों पर ब्याज तथा विविध आय जैसे तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, आवेदन पत्रों व अन्य प्रकाशनों आदि की बिक्री द्वारा लघु राशि प्राप्त करते हैं।

टी बोर्ड को उपलब्ध सभी निधि वार्षिक संघ बजट द्वारा प्राप्त होती है । सरकार की वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन करने के विषय में चाय अधिनियम की धारा 10 में प्रतिस्थापित प्रावधानों के अनुसार टी बोर्ड द्वारा ऐसी निधि का उपयोग किया जाता है ।

उपकर प्राप्ति

वर्ष 2020-21 के दौरान चाय अधिनियम 1953 की धारा 26 के तहत उपकर की प्राप्ति में टी बोर्ड को स्थापना अंशदान के रुप में (अथ शेष छोड़कर) रु. 6550.00 लाख सरकार द्वारा विनिर्मुक्त किया गया था । 4.50 लाख रु. तथा 1.75 लाख रु. अथ शेष तथा अंत शेष था ।

अनुसंधान एवं विकास अनुदान

वर्ष 2020-21 के दौरान अनुसंधान एवं विकास अनुदान के प्रति सरकार से 1720.00 लाख की राशि प्राप्त की गयी । 17.20 लाख तथा 23.47 लाख रु. का अथ शेष तथा अंत शेष था एवं अन्य प्राप्तियाँ 0.59 लाख रु. थी ।

अनुसंधान (एएसआईडीई)

वर्ष के दौरान सरकार से इस शीर्ष के तहत कोई राशि प्राप्त नहीं हुई है । तथापि 131.92 लाख रु. एवं 211.50 लाख रु. अथ शेष तथा अंत शेष था एवं अन्य प्राप्तियाँ 5.38 लाख रु. थी ।

सहायिकी

वर्ष के दौरान सरकार से सहायिकी के रूप में 12649.00 लाख की राशि प्राप्त हुई । 29.89 लाख रु. तथा 27.03 लाख रु. अथ शेष व अंत शेष था तथा अन्य प्राप्तियाँ 453.74 लाख रु. थी ।

विशेष प्रयोजन चाय निधि-पूंजीगत

वर्ष के दौरान, एसपीटीएफ पूंजी अंशदान के प्रति सरकार से कोई राशि प्राप्त नहीं हुई ।

स्थापना प्राप्तियाँ एवं व्यय

क. प्राप्तियाँ

वर्ष 2020-21 के दौरान विभिन्न शीर्षों के तहत प्राप्तियाँ निम्नवत थी :

(**रु.** लाख में)

चाय अधिनियम की धारा 26 के तहत प्राप्त राशि	6550.00
अनुज्ञापनों/टीएमसीओ, 2003 के बाबत वसूले गए शुल्क आवेदन शुल्क शामिल	225.54
एचएसीसीपी के बाबत वसूले गए शुल्क	0.00
तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, प्रकाशनों की बिक्री, नियत	348.83

जमा पर ब्याज इत्यादि सहित विविध प्राप्तियाँ	
अग्रिम पर ब्याज	7.83
डीसीटीएम के बाबत वसूले गए पंजीकरण शुल्क, असम, डुअर्स, नीलगिरि ट्रेड चिह्न व लोगो प्रशासन	28.27
अन्य प्राप्तियाँ	0.00
कुल	**7160.47**

ख. <u>भुगतान</u>

वर्ष 2020-21 के दौरान स्थापना भुगतान निम्नवत थी:

(**रु**. लाख में)

पुस्तकालय सहित प्रशासन	2803.70
भारत में चाय संवर्धन	414.84
भारत से बाहर चाय संवर्धन	0.00
पेंशन उपदान व छुट्टी नकदीकरण सहित	2954.76
अन्य स्थापना व्यय	168.05
नई पेंशन योजना में नियोक्ता का अंशदान व विदेश सेवा अंशदान	157.49
अन्य प्रशासनिक व्यय	454.32
अचल सम्पत्तियों का क्रय	51.78
अन्य भुगतान	158.28
कुल	**7163.22**

<u>योजना गतिविधिः प्राप्ति व भुगतान</u>

ग. <u>प्राप्तियाँ</u>

विभिन्न योजनाओं के तहत वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्तियाँ :

(**रु.** लाख में)

चाय रोपण विकास सहायिकी योजना	7569.36
अनुसूचित जाति उप-योजना	271.00
गुणवत्ता उन्नयन व उत्पाद विविधिकरण योजना	101.33
मानव संसाधन विकास योजना	108.34
आर्थोडॉक्स चाय उत्पादन सहायिकी योजना	3376.76
बाजार संवर्धन योजना	666.21
चाय विनियम हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम	400.00
अनुसंधान व विकास योजना	1720.00
जनजाति क्षेत्र उप-योजना	156.00
अन्य प्राप्तियां	459.71
कुल	**14828.71**

घ. भुगतान-अनुसंधान व विकास अनुदान

(**रु.** लाख में)

टीआरए/उपासी को सहायता अनुदान	1174.20
टीआरए/उपासी के अलावा वित्तिय सहायता	0.00
परियोजना व्यय (कर्सियांग-एकीकृत चाय सुधार परियोजना)	0.00
डीटीआर व डीसी का वित्तिय उन्नयन	38.45
कार्यशाला/संगोष्ठि इत्यादि	0.00
संविदागत स्टाफ को वेतन	1.40
क्यूसीएल सिलिगुड़ी व्यय	74.10
संपदा क्रय	5.41
मूल्यांकन व अनुवीक्षण	0.00
अन्य भुगतान	355.18
कुल	1648.74

ड. <u>भुगतान(एफडी के माध्यम से शामिल) - सहायिकी</u>

(रु. लाख में)

रोपण सहायिकी योजना	7570.37
गुणवत्ता उन्नयन व उत्पाद विवधिकरण योजना	101.50
मानव संसाधन विकास योजना	108.52
आर्थोडॉक्स चाय उत्पादन सहायिकी योजना	3377.67
बाजार संवर्धन योजना	666.07
अनुसूचित जाति उप-योजना	272.85
चाय विनियम हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम	843.79
जनजाति क्षेत्र उप-योजना	155.83
कुल	13096.60

च. भुगतान- अनुसंधान योजना (एएसआईडीई)

(रु. लाख में)

व्यय	0.38
कुल	0.38

छ. भुगतान-ऋण योजना एवं चाय केंद्र

(रु. लाख में)

ऋण योजना हेतु आवर्ती कार्पस निधि	1441.65
एसपीटीएफ	2112.16
चाय केंद्र	0.46
कुल	3554.27

वर्ष 2020-21 के दौरान योजना गतिविधि पर कुल व्यय

(घ + ङ+ च) = रु. 14745.72 लाख

अध्याय-4

चाय विकास

परिचय :

चाय अधिनियम के तहत टी बोर्ड के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक चाय उत्पादन एवं बागानों की उत्पादकता बढ़ाने, चाय प्रसंस्करण, पैकेजिंग तथा मूल्य वर्धन सुविधाओं के आधुनिकीकरण और लघु चाय उत्पादकों के बीच सहकारी प्रयासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विकास योजनाओं का निरूपण एवं कार्यान्वयन है तथा चाय बागान श्रमिकों के लिए कल्याणकारी उपाय करना , जो बागान श्रम अधिनियम के प्रावधानों के पूरक हैं।

उपरोक्त गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता अनुमोदित योजनाओं के माध्यम से प्रदान की जाती है ।

विकास समिति :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विकास समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं:

1. उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, समिति के पदेन अध्यक्ष
2. श्री विवेक गोयनका, आईटीए
3. श्री राज बंसल, टीएआई
4. श्री निदेश हसमुखलाल शाह
5. डॉ. अशोक कुमार सक्सेना
6. श्री प्रशांत भंसाली, उपासी

बोर्ड/विकास समिति की बैठकें :

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड/विकास समिति की बैठक निम्नलिखित तिथियों को हुई :

बैठक संख्या	बैठक की तिथि	स्थान / तरीका
बोर्ड की 242वीं बैठक	10 सितंबर ,2020	कोलकाता / आभासी बैठक
बोर्ड की 243वीं बैठक	1 दिसंबर , 2020	कोलकाता / आभासी बैठक
बोर्ड की 244वीं बैठक	23rd March, 2021	कोलकाता / आभासी बैठक

1. **मध्यम अवधि रूपरेखा (2017-18 से 2019-20 और 2020-21 तक विस्तारित) :**

मध्यावधि रूपरेखा (2017-18 से 2019-20) के दौरान 12वीं योजना की चाय विकास एवं संवर्धन योजना को जारी रखने के लिए ईएफसी द्वारा अनुशंसित टी बोर्ड के प्रस्ताव को सरकार की स्वीकृति पत्र एफ.सं. टी-17014/2/2016-प्लांट (ए) दिनांक 29.12.2017 के माध्यम से 394.85 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्थापना व्यय गतिविधियों को छोडकर अन्य घटकों जैसे कि बागान विकास, गुणवत्ता उन्नयन और उत्पाद विविधीकरण, बाजार संवर्धन, मानव संसाधन विकास, चाय विनियमन के लिए अनुसंधान एवं विकास और राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए मिली ।

वित्त वर्ष 2019-20 एमटीएफ अवधि का अंतिम वर्ष था , जिसे पत्र संदर्भ संख्या 42(02)/पीएफ-II/2014 दिनांक 08 दिसंबर, 2020 के माध्यम से 2020-21 तक बढ़ा दिया गया था।

विभिन्न विकास योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 2020-21 में प्राप्त निधि एवं व्यय निम्नानुसार है:

सारणी : 1

2020-21 के दौरान चाय विकास और संवर्धन योजना के पीडीएस, क्यूयूपीडीएस, एचआरडी, एससीएसपी और टीएएसपी घटकों के तहत प्राप्त और वितरित निधि			
(करोड़ रुपए में)			
क्र.सं.	**योजनाएं/घटक**	**प्राप्ति**	**व्यय**
1	बागान विकास (पीडीएस)		
	क) बड़े उत्पादक क्षेत्र	69.38	69.39
	ख) लघु उत्पादक क्षेत्र	6.11	6.11
	उप - योग	**75.49**	**75.50**
2	गुणवत्ता उन्नयन और उत्पाद विविधीकरण (**क्यूयूपीडीएस)**		
	क) मूल्य वर्धन	1.00	1.00
	ख) अर्थोडोक्स चाय उत्पादन	33.75	33.75
	उप - योग	**34.75**	**34.75**
3	मानव संसाधन विकास	1.07	1.11
4	अनुसूचित जाति उप योजना	2.71	2.73
5	जनजातीय क्षेत्र उप योजना	1.56	1.59
	कुल	**115.58**	**115.67**

2. भारत में विकास कार्यालयों की मौजूदगी: दो आंचलिक कार्यालय, पूरे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए गुवाहाटी में एक और पूरे दक्षिण भारत के लिए कुन्नूर में एक हैं**,** के अलावा**,** 15 क्षेत्रीय कार्यालय और 12 उप-क्षेत्रीय कार्यालय हैं। स्थान इस प्रकार हैं:

सारणी-2

क्र.सं.	**क्षेत्रीय कार्यालय**	**क्र.सं.**	**उप-क्षेत्रीय कार्यालय**
1	सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल	1	अल्मोड़ा, उत्तराखंड
2	जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल	2	कर्सियांग, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
3	इस्लामपुर , पश्चिम बंगाल	3	ठाकुरगंज, बिहार
4	बीरपाड़ा , पश्चिम बंगाल	4	शिवसागर, असम
5	पालमपुर , हिमाचल प्रदेश	5	बिश्वनाथ चरियाली , असम
6	जोरहाट , असम	6	धर्मनगर , त्रिपुरा
7	अगरतला	7	राजगढ़ , असम
8	सिलचर, असम	8	लखीमपुर , असम
9	डिब्रूगढ़, असम	9	सोनारी , असम
10	गोलाघाट , असम	10	उदालगुरी , असम
11	तेजपुर, असम	11	उमसिंग , मेघालय
12	तिनसुकिया , असम	12	आइज़ोल , मिजोरम
13	ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश		
14	गुडलूर – तमिलनाडु		
15	पीरमीड, इडुक्की, केरल		

लघु उत्पादकों की गणना और क्यूआर कोड वाली पहचान पत्र जारी करना :

लघु चाय उत्पादकों की गणना एक सतत प्रक्रिया थी और 31.03.2021 तक गणना किए गए लघु चाय उत्पादकों की कुल संख्या इस प्रकार है:

सारणी: 3

31.03.2021 तक जारी किए गए क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्र आदि की स्थिति				
क्र. सं.	**राज्य**	**चिन्हित उत्पादकों की संख्या**	**क्षेत्र (एकड़)**	**जारी किए गए क्यूआर कोड आधारित पहचान पत्रों की सं.**
1	असम	118754	110837	76024
2	मेघालय	777	1027.34	240
3	त्रिपुरा	2886	1391	831
4	पश्चिम बंगाल और बिहार	34808	26655.87	29061
5	हिमाचल प्रदेश	1166	615.21	454
6	उत्तराखंड	1448	1261.66	332
7	मिजोरम	644	366	-
8	अरुणाचल प्रदेश	3526	7852	-
9	नागालैंड	3335	8020	1721
10	मणिपुर	484	347	-
	कुल उत्तर भारत	**167828**	**158373.08**	**108663**
11	तमिलनाडु	46997	34427.38	25516
12	कर्नाटक*	0	0	0
13	केरल	7921	5297.90	3621
	कुल दक्षिण भारत	**54918**	**39725.28**	**29137**
	कुल सम्पूर्ण भारत	**222746**	**198098.36**	**137800**
	* कर्नाटक राज्य में लघु चाय उत्पादक नहीं है ।			

जिला ग्रीन लीफ़ मूल्य निरीक्षण समितियों के माध्यम से ग्रीन लीफ़ के मूल्य का निरीक्षण:

ग्रीन लीफ़ के मूल्य के निरीक्षण के लिए विभिन्न चाय उत्पादक जिलों में जिला स्तरीय मूल्य निरीक्षण समिति की बैठकें आयोजित की गईं।

3. प्रमुख घटनाएँ-

वित्तीय वर्ष की शुरुआत कोविड -19 महामारी की पहली लहर की शुरुआत के साथ होती है। चाय बागानों के सुचारू संचालन और उत्पादन चक्र को गतिमान रखने के लिए गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों और संबंधित राज्य सरकार के कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पर्याप्त उपाय किए गए। चाय बागानों के कामकाज के लिए हितधारकों से परामर्श करके मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार किया गया था और आवश्यक अनुपालन के लिए सभी चाय उत्पादक क्षेत्रों के चाय बागानों को परिचालित किया गया था। चाय बागान क्रियाशील रहे और चाय के बागान (क्षेत्र), प्रसंस्करण (कारखाना), विपणन (नीलामी) से संबंधित सभी विकास कार्य लॉकडाउन के बावजूद जारी रहे।

विभिन्न विकास गतिविधियों के तहत आवेदन पत्र की प्राप्ति और प्रसंस्करण ऑनलाइन तरीके में जारी रखा गया था। विभिन्न हितधारकों की बैठक आभासी तरीके से आयोजित की गई। चाय बागानों के भीतर कोविड प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन में चाय के हितधारकों, राज्य सरकार और केंद्र सरकार के साथ संपर्क करने में क्षेत्र कार्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मौसम आधारित फसल बीमा योजना: टी बोर्ड द्वारा तीन जिलों गोलाघाट (असम), जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल) और नीलगिरी (तमिलनाडु) में लघु चाय उत्पादकों के लाभ हेतु योजना के संचालन

के लिए एक बीमा कंपनी को नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। इस उद्देश्य के लिए, परियोजना के कार्यान्वयन के लिए ईओआई जारी किया गया था।

हालाँकि, देश में कोविड-19 महामारी और उसके बाद के लॉक डाउन के कारण और बीमा कंपनियों के अनुरोध के आधार पर, टी बोर्ड द्वारा बोलियां जमा करने की तारीख को बढ़ाते हुए 3 शुद्धिपत्र जारी किए गए थे। अंतिम बोली जमा करने की तिथि 11.07.2020 तक थी। हालांकि, जैसा कि उल्लेख किया गया है, किसी भी बीमा कंपनी द्वारा कोई बोली जमा नहीं की गई थी। इसे देखते हुए टी बोर्ड द्वारा अधिसूचना क्रमांक. 9(27)/डीटीडी/2018 दिनांक 17.07.2020 द्वारा निविदा रद्द की गयी एवं उसी तिथि को मंत्रालय को सूचित किया गया ।

चाय फैक्ट्री बंद किया जाना: घटिया चाय के उत्पादन पर अंकुश लगाने और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए उत्तर भारत (दिसंबर, 2020 से फरवरी, 2021) में शीतकालीन सुप्त अवधि के दौरान विनिर्माण इकाई को बंद कर दिया गया था।

2021 से परे वर्ष अर्थात् वर्ष 2021-26 के लिए योजना को जारी रखा जाना : टी बोर्ड ने 967.78 करोड़ रुपये (स्थापना लागत सहित) की राशि के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया एवं सभी प्रस्तावों जैसे कि पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए क्षेत्र विशिष्ट कार्य योजना, कृषि निर्यात नीति की गतिविधि आदि को प्रस्तावित चाय विकास और संवर्धन योजना में विलय किया गया।

माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित बजट घोषणा और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के परवर्ती पत्र संदर्भ संख्या के-57013(13)/1/2021-प्लांट ए दिनांक 04/02/2021 के माध्यम से टी बोर्ड को निर्देश दिया गया था कि 1000.00 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ असम और पश्चिम बंगाल राज्य में चाय श्रमिकों विशेष रूप से महिलाओं और उनके बच्चों के कल्याण के लिए एक विशेष योजना तैयार करें। तदनुसार, यह योजना केवल असम और पश्चिम बंगाल राज्य के चाय बागानों में नियोजित चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए विशेष रूप से चाय बागान की महिला श्रमिकों और उनके आश्रित बच्चों के लिए वर्ष 2021-2026 के लिए **"प्रधान मंत्री चा श्रमिक प्रोत्साहन (पीएमसीएसपीवाई)"** के नाम और शैली में एक योजना तैयार की गई थी।

पीएमकेवीवाई-आरपीएल योजना : टी बोर्ड ने प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास परिषद (एनएसडीसी) के माध्यम से लगभग 14,700 चाय बागान श्रमिकों को प्रशिक्षण देने और कौशल को मान्यता प्रदान करने की पहल की है। इस संबंध में की गई प्रगति इस प्रकार है:

सारणी**:4**

क्र.सं.	**राज्य / केंद्रशासित प्रदेश**	**अनुमोदित लक्ष्य (संख्या)**	**नामांकित उम्मीदवार (सं.)**	**मूल्यांकित उम्मीदवार(सं.)**	**प्रमाणित उम्मीदवार(सं.)**
1.	असम	6780	2162	1575	1526
2.	केरल	979	477	358	357
3.	तमिलनाडु	2675	570	141	140
4.	त्रिपुरा	365	380	258	250
5.	पश्चिम बंगाल	3903	2972	2488	2446
	कुल	**14700**	**6561**	**4820**	**4719**

कोविड-19 के कारण, पूरे देश में 24.03.2020 से लॉकडाउन लगाया गया था एवं इसलिए प्रशिक्षण / कार्यशालाएं आदि आयोजित नहीं की जा सकीं, हालांकि सितंबर, 2020 से आंशिक रूप से यह गतिविधियाँ शुरू की गयी एवं इसलिए उपलब्धि कम थी।

4. स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी):

सरकार के निर्देशानुसार टी बोर्ड ने बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों और चाय बागानों में स्वच्छता कार्य योजना के क्रियान्वयन की पहल की। बोर्ड के कार्यालय परिसर की सफाई और आसपास के सौंदर्यीकरण और अन्य गतिविधियों के लिए 50.00 लाख रुपये की राशि खर्च की गई थी।

5. बंद टी इस्टेट:

हालांकि चाय बागानों के बंद होने के सटीक कारण ज्ञात नहीं हैं, परंतु सामान्य तौर पर रुग्णता / बंद होने के प्रमुख कारणों में दोषपूर्ण बागान प्रबंधन चलन , गिरती गुणवत्ता एवं मूल्य प्राप्ति, असहज (हालांकि आमतौर पर अस्थिर नहीं) औद्योगिक संबंध परिदृश्य , विकास दृष्टिकोण का समग्र अभाव, अत्यधिक ऋण उन्मुख वित्त पोषण रणनीति, स्वामित्व विवाद, श्रमिक अशांति आदि को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, निम्नलिखित चाय बागानों के बंद होने की सूचना दी गई :-

सारणी: 5

31.03.2021 तक देश में बंद चाय बागानों की अद्यतनीकृत स्थिति							
क्र.सं.	**टी इस्टेट का नाम**	**चाय के तहत क्षेत्र (एकड़)**	**राज्य**	**बंद होने की तिथि**	**श्रमिकों की संख्या**		**वर्तमान स्थिति**
					स्थायी	अस्थायी	
1	पानीघाटा	460.15		10.10.2015	787	0	मजदूरों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने से मजदूरों में रोष है।
2	ढेकलापाड़ा	197.00		11.03.2006	604	200 (लगभग.)	माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा आधिकारिक तौर पर संपत्ति का परिसमापन किया गया था। माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय (आधिकारिक परिसमापक) द्वारा 11 मई, 2012 को बगीचे को ई-नीलामी के लिए रखा गया था, लेकिन कोई संभावित खरीदार उपलब्ध नहीं था।
3	बुंदापानी	530.00		13.07.2013	1215	68	राज्य सरकार ने 15 अक्टूबर 2014 को बंद बुंदापानी टी.ई. की भूमि का पट्टा समाप्त होने पर अधिग्रहित कर लिया है।
4	धरानीपुर	265.00		21.10.2013	357	450 (लगभग)	राज्य सरकार ने 18 नवंबर, 2014 को बंद धरणीपुर टी.ई. की भूमि अधिग्रहित कर लिया है

5	रेडबैंक	369.00	पश्चिम बंगाल	19.10.2013	888	700 (लगभग.)	राज्य सरकार ने भूमि के पट्टा की समाप्ति पर, 21 नवंबर, 2014 को बंद रेडबैंक टी इस्टेट की भूमि अधिग्रहित कर लिया है।
6	सुरेन्द्रनगर	172.00		19.10.2013	301	150 (लगभग)	राज्य सरकार ने दिनांक 14/11/2014 के आदेश द्वारा सुरेन्द्र नगर टी.ई. की भूमि पट्टा को निरस्त कर दिया है तथा भूमि , राज्य सरकार द्वारा दिनांक 13.01.2015 को अधिग्रहित कर ली गयी है।
7	मधु	323.00		23.09.2014	947	0	अनौपचारिक सूचना के अनुसार संपत्ति की बिक्री की प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है।
8	लंकापाड़ा	758.45		16 (ई) 28.01.2016 को अधिसूचित किया गया है ।	1705	816	चाय अधिनियम की धारा 16 (ई) के तहत अधिसूचित बागान फिलहाल बंद है ।
9	टूरसा	482.30		20.10.2019	734	157	श्रमिकों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने और कुप्रबंधन के कारण श्रमिक अशांति ।
10	दूतेरियाह टी इस्टेट	444.92		09-06-19	1248	4	श्रमिकों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने और कुप्रबंधन के कारण श्रमिक अशांति ।
11	कालेज वैली	235.56		09-06-19	559	143	श्रमिकों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने और कुप्रबंधन के कारण श्रमिक अशांति ।
12	पेशोक	314.70		09-06-19	517	110	श्रमिकों की बकाया राशि आदि का भुगतान न होने और कुप्रबंधन के कारण श्रमिक अशांति ।

13	पीरमिड व लोनेट्री	679.79	केरल	01.04.2016	220	0	श्रमिकों की बकाया आदि का भुगतान न करने के कारण श्रमिक अशांति। केरल सरकार टी इस्टेट को फिर से चालू करने की प्रक्रिया में है।
14	कोट्टामाला व बोनामी टी इस्टेट	677.51		23.12.2013/ 11.10.2014	375	0	कंपनी को वर्तमान में चाय अधिनियम के तहत कंपनी के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए केरल उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश मिला है।
15	बोन्नाकोर्ड	378.00		05.03.2015	220	0	वित्तीय संकट के कारण एस्टेट प्रबंधन ने इस्टेट को छोड़ दिया है।
	कुल	6831.61			12039	4480	

चालू योजना के तहत वास्तविक एवं वित्तीय उपलब्धि का विवरण

घटक - बागान विकास गतिविधि (बड़े उत्पादक क्षेत्र):

सारणी: 6

घटक - बागान विकास योजना										
2020-21 के दौरान राज्यावार वित्तीय संवितरण और वास्तविक उपलब्धि (लाख रुपये में)										
राज्य	**गतिविधि**	**पुनर्रोपन**	**प्रतिस्थापन रोपण (एकड़)**	**रिजुविनेशन प्रूनिंग(एकड़)**	**नवीन रोपण [12वी योजना के मामले]**	**सिंचाई**	**फील्ड मशीनीकरण**	**जैविक प्रमाणन**	**मुख्यालय /अन्य प्रशासनिक व्यय**	**कुल**
असम	वित्तीय (लाख रु.)	2613.73	236.02	168.99	158.96	161.01	33.64	0.15	4.00	**3376.50**
	लाभार्थियों की संख्या	162	17	29	23	20	12	1	शून्य	**264.00**
	वास्तविक (एकड़)	1490.98	108.51	262	231.86	2406.18	280	1	शून्य	**4780.53**
त्रिपुरा	वित्तीय (लाख रु.)	शून्य	3.55	17.22	4.32	शून्य	2.76	शून्य	शून्य	**27.85**
	लाभार्थियों की संख्या	शून्य	1	4	2	शून्य	2	शून्य	शून्य	**9.00**
	वास्तविक (एकड़)	शून्य।	5.39	28.62	7	शून्य	13	शून्य	शून्य	**54.01**
पश्चिम बंगाल	वित्तीय (लाख रु.)	2911.53	268.11	125.83	18.4	23.13	12.86	शून्य	शून्य	**3359.86**

	लाभार्थियों की संख्या	231	9	57	3	4	5	शून्य	शून्य	**309.00**
	वास्तविक (एकड़)	1403.95	258.4	136.46	5	291.99	74	शून्य	शून्य	**2169.80**
तमिलनाडु	वित्तीय (लाख रु.)	52.98	शून्य	75.66	शून्य	शून्य	15.72	शून्य	शून्य	**144.36**
	लाभार्थियों की संख्या	5.00	शून्य	11	शून्य	शून्य	2	शून्य	शून्य	**18.00**
	वास्तविक (एकड़)	21.00	शून्य	132.17	शून्य	शून्य	29	शून्य	शून्य	**182.17**
केरल	वित्तीय (लाख रु.)	23.1	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	7.39	शून्य	शून्य	**30.49**
	लाभार्थियों की संख्या	2	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	1	शून्य	शून्य	**3.00**
	वास्तविक (एकड़)	11.33	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	8	शून्य	शून्य	**19.33**
सम्पूर्ण भारत	वित्तीय (लाख रु.)	**5601.34**	**507.68**	**387.70**	**181.68**	**184.14**	**72.37**	**0.15**	**4.00**	**6939.06**
	लाभार्थियों की संख्या	**400.00**	**27.00**	**101.00**	**28.00**	**24.00**	**22.00**	**1.00**	**0.00**	**603.00**
	वास्तविक (एकड़)	**2927.26**	**372.30**	**559.25**	**243.86**	**2698.17**	**404.00**	**1.00**	**0.00**	**7205.84**

घटक - गुणवत्ता उन्नयन और उत्पाद विविधीकरण :

सारणी : 7

घटक - गुणवत्ता उन्नयन और उत्पाद विविधीकरण						
2020-21 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण और वास्तविक उपलब्धि (लाख रुपये में)						
राज्य	**सूचक**	**मूल्य वर्धन**	**प्रमाणन**	**ऑर्थोडॉक्स और ग्रीन टी के लिए प्रोत्साहन (मिलियन किग्रा)**	**मुख्यालय/अन्य प्रशासनिक व्यय**	**कुल**
असम	वित्तीय (लाख रु.)	94.83	1.26	1662.4	4.006	**1762.496**
	लाभार्थियों की संख्या	7	1	229	--	**237**
	वास्तविक (एकड़)	--	--	55.41	--	**55.41**
पश्चिम बंगाल	वित्तीय (लाख रु.)	--	--	210.56	--	**210.56**
	लाभार्थियों की संख्या	--	--	54	--	**54**
	वास्तविक (एकड़)	--	--	7.01	--	**7.01**
तमिलनाडु	वित्तीय (लाख रु.)	--	--	788.37	--	**788.37**
	लाभार्थियों की संख्या	--	--	77	--	**77**
	वास्तविक (एकड़)	--	--	26.28	--	**26.28**
केरल	वित्तीय (लाख रु.)	--	--	708.26	--	**708.26**
	लाभार्थियों की संख्या	--	--	47	--	**47**
	वास्तविक (एकड़)	--	--	23.6	--	**23.6**
हिमाचल प्रदेश	वित्तीय (लाख रु.)	--	--	5.08	--	**5.08**
	लाभार्थियों की संख्या	--	--	4	--	**4**
	वास्तविक (एकड़)	--	--	0.17	--	**0.17**
अखिल भारत	वित्तीय (लाख रु.)	**94.83**	**1.26**	**3374.67**	**4.006**	**3474.766**
	लाभार्थियों की संख्या	**7**	**1**	**411**	--	**419**
	वास्तविक (एकड़)	--	--	**112.47**	--	**112.47**

बागान विकास – छोटे उत्पादकों हेतु विकास गतिविधि और विशेष पैकेज

सारणी:8

बागान विकास – छोटे उत्पादकों हेतु विकास गतिविधि और विशेष पैकेज : पार्ट-I																	
2020-21 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण और वास्तविक उपलब्धि																	
	राज्य---------→	असम		त्रिपुरा		अरुणाचल प्रदेश		मेघालय		नागालैंड		मिजोरम		पश्चिम बंगाल		बिहार	
घटक	गतिविधि	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक
	क्षेत्र कार्यालय का सुदृढ़ीकरण	46.69	--	2.01	--	--	--	0.62	--	--	--	1.05	--	8.33	--	0.81	--
लघु उत्पादक	कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम - कार्यशालाओं / प्रतिभागियों (लाभार्थियों) की की संख्या	4.99	77 1379	0.10	2 43	--	--	--	--	--	--	--	--	1.67	31 680	0.39	7 160
	नवीन रोपण (एकड़)	51.87	37.46 57	--	-- --	--	-- --	0.86	0.30 3.00	190.67	120.38 73	--	-- --	--	-- --	--	-- --
	एफपीओ को सहायता - (एसएचजी की संख्या)	2.27	1 35	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --
	कुल	**107.35**	**1471**	**2.11**	**43**	--	--	**1.48**	**3**	**190.67**	**73**	**1.05**	**0**	**10**	**680**	**1.20**	**160**

सारणी: 9

बागान विकास – छोटे उत्पादकों हेतु विकास गतिविधि और विशेष पैकेज पार्ट-II											
2020-21 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण और वास्तविक उपलब्धि											
	राज्य ---------→	तमिलनाडू		केरल		हिमचल प्रदेश		उत्तराखंड		सम्पूर्ण भारत में कुल	
घटक	गतिविधि	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक
	क्षेत्र कार्यालय का सुदृढ़ीकरण	3.60				0.02		1.44		**64.57**	**लागू नहीं है**
लघु चाय उत्पादक	कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम - कार्यशालाओं / प्रतिभागियों (लाभार्थियों) की की संख्या	2.26	21 645	0.38	8 247					**9.79**	**146** **3154**
	नवीन रोपण (एकड़)	1.96	1.60 4	3.11	13.31 27					**248.47**	**173.05** **164**
	पुनर्रोपन (एकड़)	1.47	2.30 6							**1.47**	**2.30** **6**
	रिजुविनेशन प्रूनिंग (एकड़)	40.54	29.50 347	18.07	35.21 102					**58.61**	**64.71** **449**
	सिंचाई(एकड़)	3.34	6.05 2							**3.34**	**6.05** **2**
	एफपीओ को सहायता - (एसएचजी की संख्या)									**2.27**	**1.00** **35**

विशेष पैकेज इडुक्की					33.56						**33.56**
	अपरूटिंग व पुनर्रोपन (संख्या एवं एकड़)			162.93	92					**162.93**	**92**
हिमाचल प्रदेश						4	6				**6**
	अपरूटिंग व पुनर्रोपन एवं						32			**4**	**32**
	बागान मशीनीकरण (लाभार्थियों एवं उपकरणों की संख्या)					3.06	9				**9**
							6			**3.06**	**6**
	एसएचजी को सहायता - (एसएचजी की संख्या , लाभार्थियों की संख्या)					21.50	9				**9**
							146			**21.5**	**146**
	एफपीओ/एफपीसी द्वारा नई मिनी चाय फैक्टरी की स्थापना					29.06	5				**5**
							99			**29.06**	**99**
	अन्य (ट्रेसबिलिटी / न्यूज लेटर)					0.02				**1.55**	**लागू नहीं**
	कुल	**53.17**	**1004**	**184.49**	**468**	**57.66**	**283**	**1.44**	**0**	**610.62**	**4185.00**

सारणी: **10**

अनुसूचित जाति उप योजना (एससीएसपी)																				
2020-21 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण और भौतिक उपलब्धि																				
	पूर्वोत्तर भारत(एनईआर)				**पूर्वोत्तर भारत के अलावा (ओएनईआर)**															
	असम		**त्रिपुरा**		**तमिल नाडू**		**केरल**		**कर्नाटक**		**हिमचल प्रदेश**		**उत्तराखंड**		**पश्चिम बंगाल**		**बिहार**			
गतिविधि	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक
नवीन रोपण (एकड़)								1												**1**
							0.17	0.25											**0.17**	**0.25**
रिजुविनेशन प्रूनिंग (एकड़)					5.89	57	1.44	8.00											**7.33**	**65.00**
						20.32		3.74												**24.06**
सिंचाई(एकड़)					0.16	2.00													**0.16**	**2**
						3.43														**3.43**
बागान मशीनीकरण (सं.)	32.80	61		1		1														**63**
		742	0.78	3	0.03	1													**33.61**	**746**
एसएचजी को सहायता - (एसएचजी की संख्या , एसएचजी के लघु उत्पादक की संख्या)	24.12	215			3.55	56					29.98	101	3.85	20	27.46	347			88.96	**739**
		12				1						5		1		9				**28**
एफपीओ को सहायता - (एफपीओ की संख्या, एफपीओ के लघु उत्पादकों की संख्या)	7.22	35													44.74	703			51.96	**738**
		1														4				**5**

एफपीओ/एफपीसी द्वारा नई बड़ी चाय फैक्टरी की स्थापना (सं.)											1.57	21 1	5.60	20 1					**7.17**	**41** **2**
कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम - कार्यशालाओं / प्रतिभागियों (कार्यशालाओं व लाभार्थियों) की की संख्या	0.49	180 10									0.63	360 12	4.36	202 9	2.61	136 51	0.05	30 1	**8.14**	**2137** **83**
अध्ययन दौरे (दौरे की संख्या और प्रतिभागियों की संख्या)															1.3	37 3			**1.3**	**37** **3**
इनपुट, एलसीवी आदि के लिए अलग-अलग एसटीएसटीजी को सहायता (सं.)											10.14	3 3							**10.14**	**3** **3**
शिक्षा वृत्ति (संख्या)					25.34	147	20.53	99	0.2	1	0.47	2			11.75	80			**58.29**	**329**
नेहरू पुरस्कार (सं.)					1.56	18	1.10	13							0.08	1			**2.74**	**32**
पुस्तक और वर्दी अनुदान (सं.)							0.04	1							0.68	17			**0.72**	**18**
अन्य प्रशासनिक व्यय/विविध व्यय	0.07				0.99						0.07				1.09				**2.22**	**0**
कुल	**64.70**	**491**	**0.78**	**1**	**37.52**	**281**	**23.28**	**122**	**0.20**	**1**	**42.86**	**487**	**13.81**	**242**	**89.71**	**2550**	**0.05**	**30**	**272.91**	**4205**

सारणी : 11

जनजातीय क्षेत्र उप योजना (टीएएसपी)												
2020-21 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण और वास्तविक उपलब्धि (भाग 1 एनईआर)												
उत्तर पूर्वी क्षेत्र	**असम**		**त्रिपुरा**		**अरुणाचल प्रदेश**		**नागालैंड**		**मेघालय**		**मिजोरम**	
गतिविधि	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक	वित्तीय (रु. लाख)	वास्तविक
रिजुविनेशन (एकड़)												
बागान मशीनीकरण		29		1				27				
(सं.)	11.63	495	0.29	5			18.74	1114				
एसएचजी को सहायता - (एसएचजी की संख्या , एसएचजी के लघु उत्पादकों की संख्या)							23.96	97 6				
एफपीओ/एफपीसी द्वारा नई मिनी चाय फैक्टरी की स्थापना (सं.)	34.59	2 2										
एफपीओ/एफपीसी द्वारा नई बड़ी चाय फैक्टरी की स्थापना (सं.)												
कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम - कार्यशालाओं / प्रतिभागियों (कार्यशालाओं व लाभार्थियों) की की संख्या	3.27	1170 65	1.10	396 22	0.75	270 15			0.28	90 5		
जैविक रूपांतरण (रूपांतरणों की संख्या और क्षेत्रफल)	1.56	1 1.32										
जैविक प्रमाणीकरण (प्रमाणीकरण की संख्या और क्षेत्रफल)	0.08	1 1.32										
अन्य प्रशासनिक व्यय/विविध व्यय	1.43											
कुल	**52.56**	**1203**	**1.39**	**397**	**0.75**	**270**	**42.70**	**124**	**0.28**	**90**	**0.00**	**0**

सारणी : 12

जनजातीय क्षेत्र उप योजना (टीएएसपी)												
2020-21 के दौरान राज्यवार वित्तीय संवितरण और वास्तविक उपलब्धि (भाग 1 ओएनईआर)												
पूर्वोत्तर क्षेत्र के अलावा (ओएनईआर)	**तमिलनाडू**		**केरल**		**हिमाचल प्रदेश**		**उत्तराखंड**		**पश्चिम बंगाल**		**कुल (11+12)**	
गतिविधि	वित्तीय (लाख रु.)	वास्तविक	वित्तीय (लाख रु.)	वास्तविक	वित्तीय (लाख रु.)	वास्तविक	वित्तीय (लाख रु.)	वास्तविक	वित्तीय (लाख रु.)	वास्तविक	**वित्तीय (लाख रु.)**	**वास्तविक**
		15										**15**
रिजुविनेशन (एकड़)	1.94	7.57									**1.94**	**7.57**
बागान मशीनीकरण												**57**
(सं.)											**30.66**	**1614**
एसएचजी को सहायता - (एसएचजी की संख्या , एसएचजी के लघु उत्पादक की संख्या)		151				62						**310**
	18.00	7			10.06	2					**52.02**	**15**
				6								**6**
सिंचाई(एकड़)			0.87	1.52							**0.87**	**1.52**
एफपीओ/एफपीसी द्वारा नई मिनी चाय फैक्टरी की स्थापना												**2**
											34.59	**2**
						41				40		**2007**
कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम (कार्यक्रमों की संख्या और प्रतिभागियों की संख्या)					4.27	2			0.10	2	**9.77**	**111**
जैविक रूपांतरण (रूपांतरणों की संख्या और क्षेत्रफल)												**1**
											1.56	**1.32**
जैविक प्रमाणन (प्रमाणन की संख्या और क्षेत्रफल)												**1**
											0.08	**1.32**
शिक्षा वृत्ति (सं.)									23.48	167	**23.48**	**167**
नेहरू पुरस्कार (सं.)									1.24	14	**1.24**	**14**
पुस्तक और वर्दी अनुदान (सं.)									0.16	4	**0.16**	**4**
अन्य प्रशासनिक व्यय/विविध व्यय									1.18		**2.61**	**0**
कुल	**19.94**	**166**	**0.87**	**6**	**14.33**	**103**	**0.00**	**0**	**26.16**	**225**	**158.98**	**2584**

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियों का सारांश: एससीएसपी और टीएएसपी सहित बड़े और लघु उत्पादक क्षेत्र

सारणी -13

सभी योजना	वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अखिल भारतीय वास्तविक और वित्तीय उपलब्धि (31-03-21 तक) बड़े उत्पादक + लघु उत्पादक														
	उत्तर पूर्व			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड			कुल सम्पूर्ण भारत		
प्रमुख गतिविधि	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी
पीडीएस-पुनर्रोपन/प्रतिस्थापन	3261.54	339	2005.00	3198.04	243	1667.35	245.72	137	83.35	0.00	0	0.00	6705.3	719	3755.7
पीडीएस-रिजुविनेशन	186.21	33	290.62	125.83	57	136.46	143.54	540	228.51	0.00	0	0.00	455.58	630	655.59
पीडीएस-सिंचाई	161.01	20	2406.18	23.13	4	291.99	4.37	10	11.00	0.00	0	0.00	188.51	34	2709.17
पीडीएस-मशीनीकरण	100.64	133	2652.00	12.86	5	74.00	23.14	4	38.00	3.06	6	9.00	139.7	148	2773
पीडीएस-एसएचजी/एफ़पीओ	127.95	3912	220.12	89.73	3362	108.00	28.78	1099	37.00	90.35	967	49.00	336.80445	9340	414.12
पीडीएस- कारखानों की स्थापना	34.59	2	2.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	36.23	140	7.00	70.82	142	9
क्यूयूपीडीएस	100.09	8	8.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	100.08606	8	8
ओटीपीएस	1662.40	229	55.41	210.56	54	7.01	1496.63	124	49.88	5.08	4	0.17	3374.665	411	112.47
एचआरडी-स्वास्थ्य	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
एचआरडी-शिक्षा	32.59	426	426.00	91.10	732	729.00	71.19	400	400.00	0.55	3	2.00	195.428	1561	1557
एचआरडी-प्रशिक्षण	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
कुल	**5667.02**	**5102**	**8065.33**	**3751.25**	**4457**	**3013.81**	**2013.37**	**2314**	**847.74**	**135.259**	**1120**	**67.17**	**11566.894**	**12993**	**11994.05**

वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान क्षेत्रवार उपलब्धियों का सारांश: एससीएसपी और टीएएसपी सहित लघु उत्पादक क्षेत्र

सारणी-14

एसजी+एससीएसपी+टीएएसपी	वित्त वर्ष 2020-21 (31-03-21 तक) के लिए एससीएसपी और टीएएसपी सहित लघु चाय उत्पादक क्षेत्र के तहत अखिल भारतीय वास्तविक और वित्तीय उपलब्धि														
गतिविधि	पूर्वोत्तर भारत			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल एवं उत्तराखंड			सम्पूर्ण भारत कुल		
घटक	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/ एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी
पीडीएस-पुनर्रोपन/प्रतिस्थापन	244.96	134	161.26	0.00	0	0.00	169.64	130	51.02	4.00	32	6.00	418.60	296	218.28
पीडीएस-रिजुविनेशन	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	67.88	529	96.34	0.00	0	0.00	67.88	529	96.34
पीडीएस-सिंचाई	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	4.37	10	11.00	0.00	0	0.00	4.37	10	11.00
पीडीएस-मशीनीकरण	64.24	119	2359.00	0.00	0	0.00	0.03	1	1.00	3.06	6	9.00	67.33	126	2369.00
पीडीएस-एसएचजी/एफ़पीओ	120.53	3911	219.12	87.46	3362	108.00	27.79	1099	37.00	86.27	935	43.00	322.05	9307	407.12
पीडीएस- कारखानों की स्थापना	34.59	2	2.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	36.23	140	7.00	70.82	142	9.00
कुल	**464.32**	**4166**	**2741.38**	**87.46**	**3362**	**108.00**	**269.71**	**1769**	**196.36**	**129.56**	**1113**	**65**	**951.05**	**10410**	**3110.74**

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान उपलब्धियों का सारांश: अनुसूचित जाति उप योजना के तहत

सारणी -15

वित्तीय वर्ष 2020-21 में केवल एससीएसपी के तहत अखिल भारतीय वास्तविक और वित्तीय उपलब्धि (31-03-21 तक)															
	पूर्वोत्तर भारत			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल एवं उत्तराखंड			सम्पूर्ण भारत कुल		
प्रमुख गतिविधि	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी
पीडीएस-पुनर्रोपन/प्रतिस्थापन	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.17	1	0.25	0.00	0	0.00	0.17	1	0.25
पीडीएस-रिजुविनेशन	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	7.33	65	24.06	0.00	0	0.00	7.33	65	24.06
पीडीएस-सिंचाई	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.16	2	3.43	0.00	0	0.00	0.16	2	3.43
पीडीएस-मशीनीकरण	33.58	62	745.00	0.00	0	0.00	0.03	1	1.00	0.00	0	0.00	33.61	63	746
पीडीएस-एसएचजी/एफ़पीओ	31.90	430	23.00	77.25	2482	68.00	4.54	56	1.00	49.03	686	30.00	162.72	3654	122
पीडीएस- कारखानों की स्थापना	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	7.17	41	2.00	7.17	41	2
एचआरडी-स्वास्थ्य	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
एचआरडी-शिक्षा	0.00	0	0.00	12.51	98	98.00	48.77	279	279.00	0.47	2	2.00	61.75	379	379
एचआरडी-प्रशिक्षण	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
कुल	**65.48**	**492**	**768**	**89.76**	**2580**	**166**	**61**	**404**	**308.74**	**56.67**	**729**	**34**	**272.91**	**4205**	**1276.74**

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान उपलब्धियों का सारांश: अनुसूचित जनजाति उप योजना के तहत

सारणी -16

वित्तीय वर्ष 2020-21 में केवल एससीएसपी के तहत अखिल भारतीय वास्तविक और वित्तीय उपलब्धि (31-03-21 तक)															
	पूर्वोत्तर भारत			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल एवं उत्तराखंड			सम्पूर्ण भारत कुल		
प्रमुख गतिविधि	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी	उपयोग की गई निधि (रु. लाख में)	लाभार्थियों की संख्या	(एकड़) / मिलियन किग्रा / कार्यक्रमों की सं./उपकरणों की संख्या/एसटीजी
पीडीएस-पुनर्रोपन/प्रतिस्थापन	1.56	1	3.12	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	1.56	1	3.12
पीडीएस-रिजुविनेशन	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	1.94	15	7.57	0.00	0	0.00	1.94	15	7.57
पीडीएस-सिंचाई	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.87	6	1.52	0.00	0	0.00	0.87	6	1.52
पीडीएस-मशीनीकरण	30.66	57	1614.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	30.66	57	1614
पीडीएस-एसएचजी/एफ़पीओ	30.87	2024	116.12	1.28	40	2.00	18.00	151	7.00	14.33	103	4.00	64.4845	2318	129.12
पीडीएस- कारखानों की स्थापना	34.59	2	2.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	34.59	2	2
एचआरडी-स्वास्थ्य	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
एचआरडी-शिक्षा	0.00	0	0.00	24.88	185	185.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	24.88	185	185
एचआरडी-प्रशिक्षण	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
कुल	**97.68**	**2084**	**1735.24**	**26.16**	**225**	**187**	**20.81**	**172**	**16.09**	**14.3345**	**103**	**4**	**158.9845**	**2584**	**1942.33**

एसएचजी/एफपीओ और एफपीसी का विवरण: 2020-21 के दौरान भुगतान की गई सहायता राशि

सारणी -17

2020-21 के दौरान एसएचजी, एफपीओ और एफपीसी को दी गई वित्तीय सहायता												
	2020-21									कुल (एसएचजी, एफपीओ और एफपीसी)		
	एसएचजी			एफ़पीओ			एफ़पीसी					
राज्य	एसएचजी की संख्या	सदस्यों की संख्या	राशि (रु. लाख में)	एफपीओ की संख्या	सदस्यों की संख्या	राशि (रु. लाख में)	एफपीसी की संख्या	सदस्यों की संख्या	राशि (रु. लाख में)	कुल संख्या	सदस्यों की संख्या	राशि (रु. लाख में)
असम	14	238	31.35	1	26	2.27	0	0	0	15	264	33.62
त्रिपुरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
नगालैंड	6	90	23.95	0	0	0	0	0	0	6	90	23.95
मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मेघालय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मणिपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - पूर्वोत्तर भारत	**20**	**328**	**55.3**	**1**	**26**	**2.27**	**0**	**0**	**0**	**21**	**354**	**57.57**
पश्चिम बंगाल	6	148	13.15	7	880	59.05	0	0	0	13	1028	72.2
बिहार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - उत्तर बंगाल	**6**	**148**	**13.15**	**7**	**880**	**59.05**	**0**	**0**	**0**	**13**	**1028**	**72.2**
तमिलनाडु	0	0	0	3	150	9	0	0	0	3	150	9
केरल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कर्नाटक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - दक्षिण भारत	**0**	**0**	**0**	**3**	**150**	**9**	**0**	**0**	**0**	**3**	**150**	**9**
हिमाचल प्रदेश	14	336	52.45	0	0	0	0	0	0	14	336	52.45
उत्तराखंड	1	21	13.02	0	0	0	0	0	0	1	21	13.02
अंश योग - हिमाचल एवं उत्तराखंड	**15**	**357**	**65.47**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**15**	**357**	**65.47**
कुल	**41**	**833**	**133.92**	**11**	**1056**	**70.32**	**0**	**0**	**0**	**52**	**1889**	**204.24**

सारणी-18

2020-21 के दौरान नए एसएचजी, एफपीओ और एफपीसी का गठन												
2020-21										**कुल (एसएचजी, एफपीओ और एफपीसी)**		
	एसएचजी			**एफ़पीओ**			**एफ़पीसी**					
राज्य	**नए एसएचजी की संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**क्षेत्रफल**	**नए एफपीओ की संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**क्षेत्रफल**	**नए एफपीसी की संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**क्षेत्रफल**	**कुल संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**राशि (रु. लाख में)**
असम	2	30	12.68	0	0	0	1	15	11.2	3	45	23.88
त्रिपुरा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अरुणाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
नागालैंड	1	15	7.23	0	0	0	0	0	0	1	15	7.23
मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
मेघालय	0	0	0	1	20	20	0	0	0	1	20	20
मणिपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - पूर्वोत्तर भारत	**3**	**45**	**19.91**	**1**	**20**	**20**	**1**	**15**	**11.2**	**5**	**80**	**51.11**
पश्चिम बंगाल	0	0	0	4	308	179.32	0	0	0	4	308	179.32
बिहार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - उत्तर बंगाल	**0**	**0**	**0**	**4**	**308**	**179.32**	**0**	**0**	**0**	**4**	**308**	**179.32**
तमिलनाडु	0	0	0	2	52	38.87	0	0	0	2	52	38.87
केरल	2	44	33.43	0	0	0	0	0	0	2	44	33.43
कर्नाटक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - दक्षिण भारत	**2**	**44**	**33.43**	**2**	**52**	**38.87**	**0**	**0**	**0**	**4**	**96**	**72.3**
हिमाचल प्रदेश	3	76	14.374	0	0	0	0	0	0	3	76	14.374
उत्तराखंड	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग हिमाचल एवं उत्तराखंड	**3**	**76**	**14.37**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**	**76**	**14.37**
कुल	**8**	**165**	**67.71**	**7**	**380**	**238.19**	**1**	**15**	**11.2**	**16**	**560**	**317.10**

एसएचजी/एफपीओ और एफपीसी का विवरण: **2011-12** से **2020-21** के दौरान नए समूहों का गठन

सारणी-19

पिछले 10 वर्षों (2011-12 से 2020-21) में गठित नए एसएचजी, एफपीओ और एफपीसी												
(2011-12 से 2020-21)										**कुल (एसएचजी, एफपीओ और एफपीसी)**		
	एसएचजी			**एफ़पीओ**			**एफ़पीसी**					
राज्य	**नए एसएचजी की संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**क्षेत्रफल**	**नए एफपीओ की संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**क्षेत्रफल**	**नए एफपीसी की संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**क्षेत्रफल**	**कुल संख्या**	**सदस्यों की संख्या**	**राशि (रु. लाख में)**
असम	154	6769	6166.05	150	7731	6543.41	10	444	633.83	314	14944	13343.29
त्रिपुरा	0	0	0	20	996	562.46	0	0	0	20	996	562.46
अरुणाचल प्रदेश	7	217	419.27	0	0	0	0	0	0	7	217	419.27
नागालैंड	33	612	1024.33	1	56	133.18	2	42	69.29	36	710	1226.8
मिजोरम	9	845	190	0	0	0	0	0	0	9	845	190
मेघालय	0	0	0	10	342	419.97	0	0	0	10	342	419.97
मणिपुर	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - पूर्वोत्तर भारत	**203**	**8443**	**7799.65**	**181**	**9125**	**7659.02**	**12**	**486**	**703.12**	**396**	**18054**	**16161.79**
पश्चिम बंगाल	33	1431	586.724	65	6659	5248.123	0	0	0	98	8090	5834.847
बिहार	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - उत्तर बंगाल	**33**	**1431**	**586.724**	**65**	**6659**	**5248.123**	**0**	**0**	**0**	**98**	**8090**	**5834.847**
तमिलनाडु	19	280	140.42	185	9761	6594.782	0	0	0	204	10041	6735.202
केरल	61	3224	1937.63	2	72	49.3	2	100	634	65	3396	2620.933
कर्नाटक	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंश योग - दक्षिण भारत	**80**	**3504**	**2078.05**	**187**	**9833**	**6644.082**	**2**	**100**	**634**	**269**	**13437**	**9356.135**
हिमाचल प्रदेश	28	633	313.204	0	0	0	0	0	0	28	633	313.204
उत्तराखंड	7	163	84.46	0	0	0	0	0	0	7	163	84.46
अंश योग हिमाचल एवं उत्तराखंड	**35**	**796**	**397.664**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	35	796	397.664
कुल	**351**	**14174**	**10862.1**	**433**	**25617**	**19551.23**	**14**	**586**	**1337.12**	**798**	**40377**	**31750.44**

महत्वपूर्ण विकास गतिविधियों के फोटोग्राफ

डोक चाय बागान , बिहार में एसटीजी हेतु अध्ययन दौरा

एसएचजी राखालहाट, प.बं में एक दिवसीय कार्यशाला

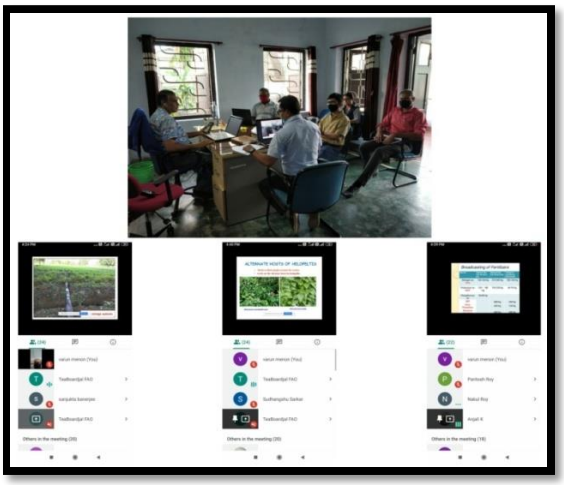

उत्पादकों को आभासी परामर्शी सेवाएँ

जलपाईगुड़ी , पश्चिम बंगाल में चाय सहयोग ऐप्प के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत में एक चाय कारखाने में चाय की गुणवत्ता पर निगरानी

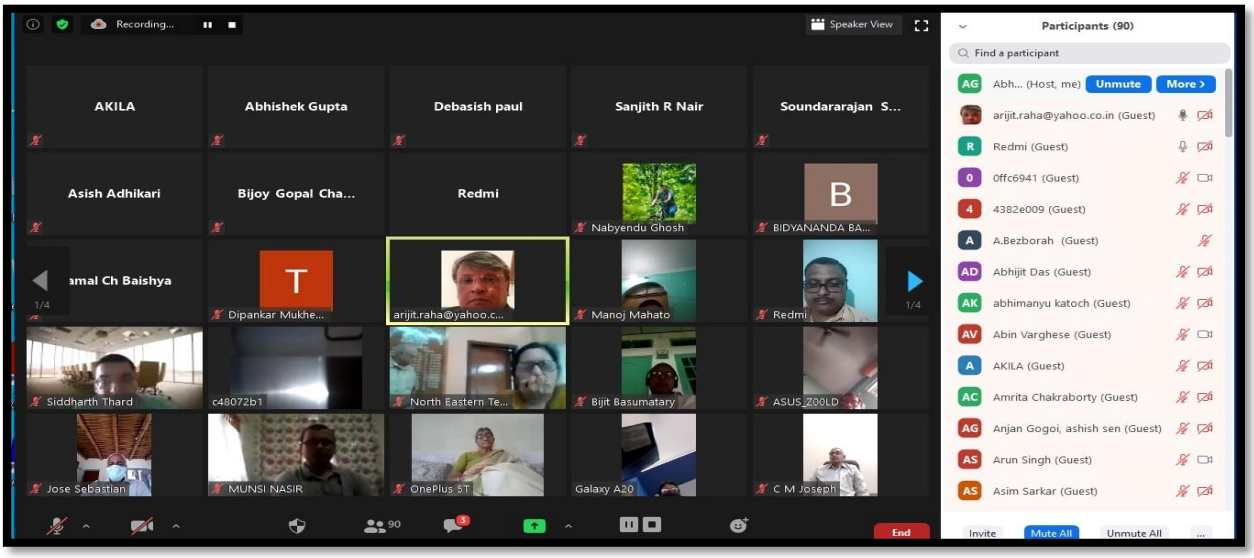

आंचलिक कार्यालय, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित आभासी हितधारक बैठक: मुद्दों का हल निकालते हुए

डुमिन्डिकग्रे गांव, वेस्ट गारो हिल्स, मेघालय में एफ़पीओ प्रबंधन पर कार्यशाला का आयोजन

प्रूनिंग पर कार्यशाला - रोंग्राम, गारो हिल्स, मेघालय

दक्षिण भारत में क्षमता निर्माण कार्यक्रम

दक्षिण भारत में लघु चाय उत्पादकों का प्रशिक्षण

<u>कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए बगानों का कामकाज</u>

अध्याय - 5
अनुसंधान

टी बोर्ड की अनुसंधान गतिविधियां तीन चाय शोध संस्थानों ; पूर्वोत्तर भारत के लिए टीआरए, दक्षिण भारत के लिए उपासी और दार्जिलिंग चाय उद्योग के लिए डीटीआर एंड डीसी/क्यूसीएल , के माध्यम से संचालित की जा रही हैं ।

चाय अधिनियम के अनुसार, चाय उद्योग के लिए एक नियामक निकाय के रूप में टी बोर्ड भारत अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए निधि प्रदान कर रहा है और देश में चाय के उत्पादन को बढ़ाने और निरंतर आधार पर गुणवत्ता में सुधार करने के लिए चाय अनुसंधान की सुविधा प्रदान कर रहा है।

टी बोर्ड का अनुसंधान निदेशालय देश में चाय अनुसंधान का समन्वय और मूल्यांकन करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चाय अनुसंधान गतिविधियों के परिणामों का उपयोग उद्योग के लाभ के लिए किया जा सके।

चाय उद्योग की आवश्यकता के अनुरूप आवश्यकता आधारित अनुसंधान परियोजनाएं तैयार की जा रही हैं और समय-समय पर चाय शोध संस्थानों (टीआरआई) सहित विभिन्न संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

वित्तीय वर्ष के दौरान चाय शोध संस्थानों (टीआरआई) द्वारा वितरित और उपयोग की जाने वाली अनुसंधान एवं विकास निधि इस प्रकार है:

टीआरए, जोरहाट, असम - 49% (सहायता-अनुदान)-रु.13.,36,92.495.00, टीआरए- 31% (अनुसंधान परियोजनाओं के लिए)-रु. 41,84,000.00; उपासी, वलपराई, कोयंबटूर-49% (सहायता-अनुदान) - रु. 1,25,26,421.00; डीटीआर एंड डीसी, कार्सियोंग - रु. 40,51,770.48; क्यूसीएल, सिलीगुड़ी - रु. 77,28,444.12 ।

टी बोर्ड भारत द्वारा वित्त पोषित सभी चाय शोध संस्थानों (टीआरआई) की अनुसंधान गतिविधियों की प्रगति और उपलब्धियां

अनुसंधान गतिविधियों में चाय बागान, कारखाने और प्रयोगशाला के क्षेत्रों को शामिल किया गया एवं इसमें पौध सुधार / कल्टीभार(कृषिजोपजाति) , पौध उत्पादन (कृषि विज्ञान और मृदा विज्ञान), पौध संरक्षण (कीट विज्ञान, पैथोलॉजी, सूक्ष्म जीव विज्ञान / माइक्रोबायोलॉजी), गुणवत्ता वृद्धि (जैव रसायन, विनिर्माण / प्रसंस्करण, चाय परीक्षण) और नियामक अनुसंधान जैसे कीटनाशक अवशेष / एमआरएल, भारी धातु और आइरन फिलिंग आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पहलू शामिल थे ।

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान की गई प्रमुख प्रगति और उपलब्धियों का सार नीचे दिया गया है -

ए. टीआरए (चाय शोध संघ) :

- चाय की झाड़ियों के लिए पत्तेदार(फोलियर) स्प्रे के रूप में जैविक आधारित पौध वृद्धि उत्तेजक (बूस्टर) के रूप में कुछ वाणिज्यिक उत्पादों का मूल्यांकन किया।
- चाय उगाने वाली मृदा के लिए पोटाश के कुछ वैकल्पिक स्रोत की क्षमता का मूल्यांकन।
- चाय बागानों में चाय अपशिष्ट से बड़े पैमाने पर ह्यूमिक सब्सट्रेट घोल तैयार करने का असल मसविदा (प्रोटोकॉल) विकसित किया।

- मृदा में पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ाकर नाइट्रोजन(एन) , फास्फोरस(पी) और पोटाश(के) की उर्वरक खुराक को कम करने के लिए एक माइक्रोबियल कंसोर्टियम की प्रभावकारिता सिद्ध करना , जिससे चाय उत्पादकता में सुधार होगा।

- चाय अपशिष्ट से कम्पोस्ट तैयार करने के लिए चाय अपशिष्ट के पुनर्चक्रण की विधि विकसित करना। विकसित तकनीक पोषक तत्वों से भरपूर मृदा अमेंडमेंट तैयार करने के लिए बड़े पैमाने पर (टन में) चाय अपशिष्ट का उपयोग करने में सक्षम बनाएगी ।

- लंबी अवधि के परीक्षण के तहत आशाजनक बीज प्रजनक (सीड स्टॉक) की उपज और शरीरक्रियात्मक कार्य-निष्पादन (फिजियोलोजिकल परफॉर्मेंस) का मूल्यांकन किया गया। स्टॉक 673 के बाद सैंट 643 ने कंट्रोल टीएस 520 की तुलना में अधिक उपज दिखाई। इन प्रजनकों से विनिर्मित सीटीसी चाय की कड़ापन, चमक, तीव्रता और गुणवत्ता या तो अधिक थी या कंट्रोल बीज प्रजनक के बराबर थी।

- दीर्घावधि परीक्षण के तहत 527 सीरीज क्लोनों के उपज कार्य-निष्पादन की तुलना कंट्रोल (TV1 और TV20) की उपज से की गई। कंट्रोल की तुलना में क्लोन 527/4 में उच्चतम उपज दर्ज की गई।

- कंट्रोल के रूप में टीवी1 के साथ पांच (5) ट्रिपलोइड क्लोनों की फसल उपज का आकलन किया गया। इन क्लोनों में से क्लोन 615/11 में उच्च फसल उपज दर्ज की गई थी।

- कंट्रोलों (टीवी1 और टीवी30) के साथ जर्मप्लाज्म 650 (बोरभेट्टा संतति चयन) के फसल उपज डेटा का मूल्यांकन किया गया। इन जर्मप्लाज्म में से 650/12 के बाद 650/1 ने अधिक उपज दी।

- क्लोनल सलेक्शन कार्यक्रम के तहत, उद्योग के लिए उपयोगी बेहतर चाय कल्टीभार के विकास की दिशा में आगे की कार्रवाई के लिए डफलेटिंग चाय एस्टेट के ओल्ड ग्रोन सीड सेक्शन से 112 चाय की झाड़ियों का चयन किया गया था।

- वर्तमान में एनबीआरआरडीसी, नागरकाटा के अनुसंधान प्लॉट में चार दीर्घकालिक परीक्षण प्रगति पर हैं। फसल रिकॉर्ड, ऑर्गेनोलेप्टिक परीक्षण, जैव रासायनिक विश्लेषण निरंतर आधार पर दर्ज किए जा रहे हैं।
- दो आशाजनक क्लोन जैसे कि लखीपारा 29 और लखीपारा 14 को विभिन्न चाय इस्टेटों में वाणिज्यिक चाय इस्टेटों में बर्धन (ग्रोईंग) पस्थिति के तहत उनकी क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए भेजा गया था।

- 14 नागरकाटा चाय क्लोनों का आंकलन 20 ईएसटी-एसएसआर प्राइमरों के माध्यम से किया गया। 20 प्राइमरों में से 9 ने बहुरूपता दिखाया। छह क्लोनों ने शुष्कता सहन करने की क्षमता दिखाई और छह क्लोनों ने गुणवत्ता विशेषताओं वाले होने की क्षमता दिखाई, जिनमें से पांच क्लोन शुष्कता सहिष्णु क्लस्टर के पास रखे गए थे।

- पहाडों पर चाय उगाने के लिए एनबीआरआरडीसी में विभिन्न संयोजनों सहित कुल 34 बाइक्लोनल संकर विकसित किए गए, जिनका बीज उत्पादन, अनुकूलता लक्षण आदि के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है। ये बाइक्लोनल संयोजन इस प्रकार हैं : L56 X HP12, TT22 X L9/34, TA17 X BJ19, B5/63 X BJ5, TV20 X S.3A/3, CB38 X B5/63, TA17 X TV26, BJ5 X TV19, HB19 X BJ19, TV14 X TV17, TV1 X S.3A/3, R2 X T383, R2 X T78, R14 X AV2, P1404 X B157, P1404 X AV2, R2 X AV2, SS6 X CB38, TV20 X TT22, BJ5 X L/51, TV1 X TV14, TV26 X S.3A/3, TA17 X CB38, TV14 X HP12, TV26 X GT30, TA17 X AV2, L/51 X BJ5, L9/34 X TV19, TV19 X CB38, TV20 X L9/34, TV20 X SS42, TV26 X BJ19, TV18 X L/51, TV20 X P1258.

- निम्नलिखित जर्मप्लाज्म के पुष्प अंगों (फ्लोरल पार्ट) का डीयूएस गुण निर्धारण का कार्य पूरा कर लिया गया है- St. 643, St. 673, P-7, KP 6.25, HLK2314, SS6, SS40A, Mornoi30, CB43, Dhul41, DT1, P-36, GP19, LG4, CB27, 299/9, 480/13. 480/17, N-89, MRG1, H137, 63.1, 16.2.15, 14.5.35, 119.4, P-133, SA, LV18N, LV21, TG22, B/6/51, 19/11/20, 19/11/50 and 19/33/1.

- सैलिसिलिक एसिड (एसए) @1.0 एमएम, उसके बाद एमओपी@2% ने कंट्रोल के संबंध में शुद्ध प्रकाश संश्लेषण में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई। पत्तियों में पानी की क्षमता 2% एमओपी में अधिक दर्ज की गई, उसके बाद सैलिसिलिक एसिड @ 1.0 एमएम और ग्लाइसिन बीटाइन @ 100 एमएम पर्ण स्प्रे में दर्ज की गयी । एसए और एमओपी के बाद वाष्पोत्सर्जन अनुपात में कमी पाई गई।

- एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन - एनपीके (आरएनपीके) + जैव उर्वरक कंसोर्टीयम (एज़ोस्पिरिलम, एज़ोटोबैक्टर, पीएसएफ (या पीएसबी) और केएसबी) की 75% अनुशंसित मात्रा @ 100-200 लीटर / हेक्टेयर की दर से चाय की उपज (1432-1501 किलोमीट्रिक टन प्रति एकड़) हुई, जो 100% आरएनपीके (1496 किलोमीट्रिक टन प्रति एकड़) के बराबर है। 100% NPK उपचारित भूखंड के परिणामस्वरूप सभी एकीकृत उपचारों (69-82 mg/kg) की तुलना में K2O (109 mg/kg) वाली काफी अधिक मृदा उपलब्ध हुई। मृदा माइक्रोबियल बायोमास सी विभिन्न उपचारों के तहत 160 मिलीग्राम / किग्रा (50% एनपीके + कंसोर्टियम उपचार के तहत) से 227 मिलीग्राम / किग्रा (100% एनपीके) तक भिन्न है। एनपीके की अनुशंसित मात्रा का 75% जैव उर्वरक के संघ के साथ मिलकर पीएल (55-58 किग्रा / प्लॉट) की उपज 100% एनपीके उपचारित भूखंड (60 किग्रा / प्लॉट) के बराबर है।

- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान चाय प्रूनिंग कूड़ा-कर्कट (एमपी), छायावृक्ष कूड़ा-कर्कट, साधारण वृक्षों के झुरमुट, मुर्गीपालन कूड़ा-कर्कट (एलपी/एमपी) से तैयार बायोचार्स(एक प्रकार का चारकोल) में पीएच, जैविक कार्बन, कुल नाइट्रोजन, कुल P_2O_5 और कुल K_2O तत्व क्रमशः 10.6- 11.8, 38.0-41.7%, 1.21-1.31%, 0.75-0.82% और 1.18-2.21% भिन्न पाये गए । बायोचार आधारित जैविक खाद (एक निश्चित अनुपात में बायोचार के साथ समृद्ध वर्मीकम्पोस्ट और बायोफर्टिलाइजर को मिलाकर तैयार किया गया) के मृदा अनुप्रयोग ने पूर्ण नियंत्रण या वर्मीकम्पोस्ट, बायोचार या बायोफर्टिलाइज़र की तुलना में लाभकारी सूक्ष्मजीवों जैसे एज़ोटोबैक्टर, एज़ोस्पिरिलम और पीएसबी की पर्याप्त मात्रा में आबादी वृद्धि का संकेत दिया , यदि इसका अनुप्रयोग पृथक रूप से किया जाता है ।
- असम के बागानों की तुलना में दुआर्स/तराई के चाय बागानों के तहत मृदा में उपलब्ध पोटाश को बढ़ाने में पोटाश में घुलनशील बैक्टीरिया का प्रभाव अधिक प्रभावी पाया गया, जो क्रमशः 13.6 से 23.2% और 6.0-11.1% दर्शाता है।

- 2%, 5% और 10% डोलोमाइट के अलग-अलग योग द्वारा कारखाने के चाय अपशिष्ट (टीडबल्यू) के अपघटन पर अध्ययन किया गया। ट्राइकोडर्मा (@10 L/1000 किग्रा चाय अपशिष्ट) का उपयोग सेल्युलोज डीकंपोजर के रूप में किया जाता था। चौथे दिन से ही, अनुपचारित चाय अपशिष्ट की तुलना में पूरे उपचारित चाय अपशिष्ट नमूने में रंग परिवर्तन दिखाई दे रहा था। अपघटन के माध्यम से उपचारित चाय अपशिष्ट में कार्बन की कमी , प्रयोग के 10 दिनों के बाद दर्ज की गई, जो 10-12% से भिन्न है। पीएच 2% से कम, 5%, 10% डोलोमाइट और ट्राइकोडर्मा उपचरित चाय अपशिष्ट क्रमशः 8.74, 9.11, 9.57 और 8.32 थे। अनुपचारित चाय अपशिष्ट में pH 7.72 था। उपचारित चाय अपशिष्ट में नाइट्रोजन तत्व 2.23 से 3.07% तक भिन्न होती है।

बी. <u>उपासी :</u>

- टी बोर्ड भारत द्वारा वित्त पोषित एक शोध परियोजना में कार्य प्रगति पर है, जिसमें उच्च उपज के साथ गुणवत्ता क्लोन तैयार करने के लिए प्रजनन, यांत्रिक हार्वेस्टिंग के लिए उपयुक्त क्लोन विकसित करने के लिए वृद्ध नवांकुर (ओल्ड सीडलिंग) चाय में सलेक्शन कार्य, नए कलम संयोजनों का मूल्यांकन, वंश-वृद्धि तकनीक में परिवर्तन, नई अंतराल और रोपण शैली तथा यांत्रिक हार्वेस्टिंग के लिए उपयुक्त नवोदित चाय बागान में परिवर्तित करने के लिए नवोदित चाय पौधे का रखरखाव शामिल हैं ।

- वर्ष के दौरान F2 संततियों(प्रोगेनी) को विकसित करने का प्रयास जारी रखा जा रहा है। F2 प्रजनन को बढ़ाने के लिए कुल 193 फूलों का परागण किया गया और नर्सरी में 28 सफल बीजों को एकत्र करके अंकुरित किया गया। उपासी-9 X याबुकीता, सीआर-6017 X याबुकीता और टीआरएफ़-**4 X** एसए-**6** के बीच नियंत्रित संकरण किया गया।

- मशीनीकरण के क्षेत्र में, मिट्टी में गड्ढा खोदने हेतु एक परिष्कृत बरमा का मूल्यांकन उसकी गड्ढा खोदने की दक्षता के लिए किया गया था। एक परिष्कृत बरमा एक व्यक्ति द्वारा संचालित किया जा सकता है और 45 सेमी X 30 सेमी के माप के साथ 600 गड्ढा खोद लेने के लिए उपयोगी था।

- वर्ष के दौरान ओचिआई व्हील माउंटेड चाय हार्वेस्टर का मूल्यांकन बड़े पैमाने पर बागान परीक्षण में इसकी परिचालन दक्षता के लिए किया गया था। हार्वेस्टर को रूपांतरित क्लोनल चाय बागान में 15% ढलान तक संचालित किया जा सकता है।

- यांत्रिक हार्वेस्टिंग के लिए उपयुक्त क्लोनल पौधों को उगाने के लिए संशोधित वानस्पतिक प्रजनन तकनीक का अध्ययन किया गया । संशोधित वानस्पतिक प्रजनन तकनीक के माध्यम से उगाए गए क्लोनल पौधों को **23000** पौधे / हेक्टेयर की संख्या के साथ **130 X 50 X 50 X 50** सेमी की संशोधित अंतराल पर बागान में लगाया गया है। एक परिपक्व चाय के बागान में **22** इंच की उचाई पर छंटाई(प्रूनिंग) की गई और यांत्रिक हार्वेस्टिंग की सुविधा के लिए एक सघन प्लकिंग टेबल निर्धारित करने के लिए पत्तियों के चार स्तरों को छोड़ दिया गया।

- वर्ष के दौरान उपासी-**9 X** टीआरआई-**2024** की **F1** संततियों में फेनोटाइपिंग की गई। **95** अलग-अलग चाय झाड़ियों से हरी पत्ती के नमूने एकत्र किए गए और कैफीन, कैरोटीनॉयड, क्लोरोफिल, एंथोसायनिन, अमीनो एसिड, कैटेचिन और पॉलीफेनोल्स के लिए विश्लेषण किया गया।

- पर्पल चाय के लिए उपयुक्त अनुवृद्धियों (एक्सेशन) का चयन करने के लिए नीलगिरी, वायनाड और अन्नामलाई में उपलब्ध पुरानी नवांकुर(सीडलिंग) आबादी में क्लोनल सलेक्शन कार्य किया गया था। बागान मूल्यांकन के लिए क्लोनल आबादी बढ़ाने के लिए नर्सरी में एंथोसायनिन से भरपूर एक सलेक्शन का प्रजनन किया गया था । सिल्वर टिप्स के लिए उपयुक्त संभावित चाय झाड़ियों का चयन करने के लिए अन्नामलाई , नीलगिरी, मुन्नार और वायनाड में पुरानी नवांकुर(सीडलिंग)चाय की आबादी की जांच की गई।

- चाय क्लोन उपासी-28, टीआरएफ़-1 और टीआरएफ़-2 का अध्ययन रूट स्टॉक(प्रकन्द) क्लोन उपासी -2, उपासी -9, एटीके और टीआरआई-2025 के साथ कलम बांधने की संगतता के लिए किया गया था। उपासी -9 और टीआरआई- 2025 पर कलम बांधे गए क्लोन टीआरएफ़-2 ने भी स्वयं जड़वत (सेल्फ रूटेड) रूट स्टॉक क्लोन की तुलना में उपज में अधिक वृद्धि दर्ज की। इसी प्रकार उपासी -28 को उपासी -9 और टीआरआई- 2025 पर कलम बांधा गया, जिसके परिणामस्वरूप स्वयं जड़वत रूट स्टॉक क्लोन की तुलना में उपज में अधिक वृद्धि दर्ज की।

- वर्ष के दौरान चाय में खरपतवारों पर नियंत्रण के लिए इसकी जैव-प्रभावकारिता के लिए ग्लूफ़ोसिनेट अमोनियम 20 एसएल का मूल्यांकन किया गया। परिणामों से पता चला कि 450 लीटर पानी/एकड़ में 2.5 लीटर की दर से ग्लूफ़ोसिनेट अमोनियम घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार दोनों को नियंत्रित करता है।

- कैल्सिप्रिल को चाय में डोलोमाइट के विकल्प के रूप में उपयोग हेतु पहचान की गयी। कैल्सिप्रिल का अनुप्रयोग मिट्टी के पीएच में सुधार करने के लिए और डोलोमाइट के अनुप्रयोग के बराबर उपयोगी था। एमओपी के कई विकल्पों में, सबसे कम क्लोराइड तत्व वाले पोटेशियम स्कोनाइट को अम्लीय मिट्टी में फायदेमंद पाया गया, जो चाय के लिए पोटेशियम(के) के साथ मैग्नीशियम (एमजी) और सल्फर (एस) का आसानी से उपलब्ध कराता है। एक साल के प्रायोगिक अध्ययन से पता चला है कि सूखे के मौसम में यूरिया के साथ पोटैशियम स्कोनाइट के **1%** पत्ते के प्रयोग (फोलियर अनुप्रयोग) से उपज में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

- कई महत्वपूर्ण कीटनाशकों जिन्हे वर्तमान में उपयोग हेतु संस्तुत की गई है, का ओविसाइडल गतिविधि के लिए अध्ययन किया गया था। उपचार के बाद के परिणाम 4 वें, 6 वें, 8 वें, 10 वें, 12 वें दिन 15 वें दिन दर्ज किए गए थे, तब अनुप्रयोग के पश्चात पता चला कि परीक्षण किए गए एसारिसाइड्स में, प्रोपरगाइट @ 1 मिली / एल, हेक्सीथियाज़ॉक्स @ 0.8 मिली / एल, स्पाइरोमेसिफेन @ 0.6 मिली/एल , प्रोपरगाईट + हेक्सिथियाजोक्स @0.7+0.3 मिली/एल ml/L&0.5+0.4ml/L, प्रोपरगाईट + स्पाइरोमेसिफेन @0.8+0.2 मिली/एल और 0.6 एमएल+0.4 मिली/लीटर, स्पाइरोमेसिफेन(0.4एमएल)+ हेक्सिथियाजोक्स (0.4एमएल)/लेंडाकोडेडाकारीसाइड

का छिड़काव, एनए-89 ने 15 दिनों की निगरानी अवधि के दौरान 100% ओविसाइडल गतिविधि प्रदर्शित हुई थी।

- बीस अलग-अलग अणुओं (सिंथेटिक कीटनाशक) और दो जैव-कीटनाशकों (नीम का तेल और सिमरूबग्लौका के बीज का तेल) का मूल्यांकन प्रयोगशाला परिस्थितियों में चाय के मच्छरों के खिलाफ किया गया, जिसमें **45** उपचार शामिल थे। मूल्यांकन किए गए कीटनाशकों में बीटा साइफ्लुथ्रिन **8.49% +** इमिडाक्लोप्रिड **19.81% +** ओडी (**1.25** मिली/ली), एमेमेक्टिन बेंजोएट **5** एसजी (**0.4** ग्राम/ली) + डेल्टामेथ्रिन **2.8** ईसी (**0.25** मिली/ली), फ्लुपीराडिफ्यूरोन **17.09** एसएल **1.5** और **2.0** मिली/ एल, सल्फोक्साफ्लोर**50%** डब्ल्यूजी (**0.5** ग्राम/लीटर), थियाक्लोप्रिड **21.7** एससी (**0.5** मिली/ली) + डेल्टामेथ्रिन**2.8**ईसी (**0.35** मिली/ली), थियाक्लोप्रिड **21.7** एससी (**0.6** मिली/ली) + डेल्टामेथ्रिन **2.8** ईसी (**0.3** मिली/ एल), टॉल्फेनपाइर्ड**15%** ईसी @ **1.5** और **2.0** मिली/ली द्वारा उपचार के बाद **24** घंटे के बाद वयस्कों की **100%** मृत्यु दर के साथ मर कर गिरने की त्वरित प्रभाव देखी गयी ।

- चाय अपशिष्ट को जैव उर्वरक में रूपान्तरण का अध्ययन गमले में जीवाणुओं की वृद्धि (पॉट कल्चर) परीक्षण के तहत किया गया था और परिणामों पर प्रकाश डाला गया कि इसमें कार्बनिक कार्बन रूपांतरण होता है, जिससे लाभकारी रोगाणुओं का उपयोग करके अपघटन प्रक्रिया के दौरान नाइट्रोजन और फॉस्फोरस के स्तर में वृद्धि होती है।

- माइक्रोबियल मेटाबोलाइट्स पर एनटीआरएफ वित्त पोषित परियोजना ने कृत्रिम परिवेशीय तथा प्राकृतिक परिवेशीय पस्थितियों में ब्लिस्टर और ग्रे ब्लाइट रोगों के खिलाफ चयनित माइक्रोबियल कल्चर फिल्ट्रेट्स की जैव प्रभावकारिता की पुष्टि की।

- पौध संरक्षण अनुसंधान कार्यक्रम में संभावित कवकनाशी और कीटनाशकों की पहचान कार्य वरीयता सूची में है। चाय में अवशेषों की समस्या से बचने के साथ-साथ रोगों के संतोषजनक नियंत्रण के लिए हरित रसायन के साथ नए अणुओं का पता लगाने का प्रयास किया जाता है। वर्ष के दौरान ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25%+टेबुकोंनाजोल 50% डबल्यूजी के संयोजन का 125 ग्रा/एकड़ की दर से परीक्षण किया गया और परिणामों ने साबित किया कि संयोजन ने ब्लिस्टर ब्लाइट रोग पर प्रभावी रूप नियंत्रित किया और इसे वर्तमान में अनुशंसित मानक अनुसूची शामिल किया जाना था। एक और नया ग्रीन ट्राईएंगल मोल्यूकुल थिफ्लुज़ामाइड 24% एससी @ 200 एमएल / एकड़ का अनुप्रयोग ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट दोनों रोगों को नियंत्रित करता है। कैप्टन 70% + हेक्साकोनाजोल 5% डबल्यूपी और हेक्साकोनाजोल 4% + कार्बेनडजीम 16% एससी के संयोजन और क्रेसोक्सिम मिथाइल 50% एससी के प्रत्यक्ष अनुप्रयोग का भी मूल्यांकन किया गया। ट्राइकोडर्माविराइड @ 2.5L / एकड़ के साथ बोरिक एसिड @ 110 ग्रा. + सीओसी @ 210ग्रा. के साथ टीएमबी के गंभीर हमले के बाद चाय के खेतों की अच्छी रिकवरी हुई।

- चाय जीनोमिक्स अध्ययन से पता चला है कि 17.28% जैविक प्रक्रिया में, 46.30% आणविक कार्य और 36.42% सेलुलर घटकों में शुष्कता से संबंधित लक्षणों के एन्नोटेटेड ट्रांस्क्रिप्ट समृद्ध थे । इसी तरह, रोग संबंधी लक्षणों के एन्नोटेटेड ट्रांस्क्रिप्ट 17.82% जैविक प्रक्रिया, 46.92% आणविक कार्य और 35.26% सेलुलर घटकों में समृद्ध थे।

- ताजी पत्तियों और मुरझाई पत्तियों में भी एंजाइम गतिविधि का अध्ययन किया गया था। परिणामों से पता चला कि, पॉलीफेनोल ऑक्सीडेज, पॉलीफेनोल पेरोक्सीडेज और β-D-ग्लूकोसिडेज जैसी एंजाइम गतिविधि, परीक्षण किए गए क्लोनों के बावजूद सूखे पत्तों की तुलना में ताजी पत्तियों में अधिक थी।

- उपासी टीआरआई और चाय उगाने वाले विभिन्न जिलों के क्षेत्रीय केंद्रों ने **7603** आकलनों वाले **3455** मृदा नमूनों का विश्लेषण किया। **1683** आकलनों को शामिल करते हुए कुल **488** मृदा अमेंडमेंट**,** उर्वरक और कृषि रसायनों का विश्लेषण किया गया। इनके अलावा**, 936** आकलनों को शामिल करते हुए एफएसएसएआई विनिर्देशों एवं अन्य गुणवत्ता मानकों हेतु 160 चाय के नमूनों का विश्लेषण किया गया था। इसकी शुद्धता और विशिष्टताओं के लिए कुल **16** डोलोमाइट और **26** लाइम सल्फर का परीक्षण किया गया।
- आइरन फिलिंग्स के लिए कुल **48** तैयार चाय के नमूनों का विश्लेषण किया गया।

- रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान कनिष्ठ स्तर के अधिकारियों**,** कर्मचारियों**,** पर्यवेक्षकों और श्रमिकों के लाभ के लिए कुल **867** दौरे और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

- इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वेबिनार के माध्यम से कक्षा सत्र में हार्वेस्टिंग विधि**,** लाइम सल्फर की तैयारी**,** छिड़काव तकनीक पर बागान स्तरीय निदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

ग. <u>डीटीआर & डीसी एवं क्यूसीएलः</u>

ग.1. <u>टीआर एंड डीसी ,कर्सियोंग, दार्जिलिंग</u>

<u>परियोजना का नाम</u>: उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए प्रजनन के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तरीकों के एकीकरण के माध्यम से नए क्लोनों का विकास।

- विभिन्न संकरण संयोजन (B157XAV2, B668XN DEVI, B157XB668, T78XP312, P312XT135, T135XB157, B157XP312, T78XGOLKUNDA, T135XAV2) का पुष्प(फ्लोरल) अध्ययन किया गया। पुष्प का आकार नंदा देवी में सबसे बड़ा और टी-78 का सबसे छोटा है। सभी अनुवृद्धियों (एक्सेशन) में 5 गहरे हरे रंग के बाह्यदल होते हैं। बी-

668 में अधिकतम पंखुड़ी संख्या यानी 8 पंखुड़ियां देखी गईं , जबकि अन्य में 06 पंखुड़ियां हैं। बी-668 और टी-135 में परागकोश का रंग हल्का पीला होता है, लेकिन अन्य में पीले रंग का परागकोश होता है। यह देखा गया कि सभी क्लोनों के फूलों में समान प्रकार के वर्तिकाग्र(स्टिग्मा) होते हैं। एवी-2 और बी-157 में परागकोश काउंट सबसे ज्यादा और टी-135 में सबसे कम था।

- आकृतिक(मोर्फोलोजिकल) प्रेक्षण, ऑर्गेनोलेप्टिक और जैव-रासायनिक मूल्यांकन के आधार पर कंट्रोलों की तुलना में 15 परीक्षण क्लोनों को प्रमुखता से देखा गया। नतीजतन, इन प्रमुख क्लोनों के कार्य-निष्पादन के लिए विभिन्न स्थानों की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने के लिए दार्जिलिंग के विभिन्न चाय इस्टेटों को बीज रोपण सामग्री आपूर्ति की गई।

- डीयूएस केंद्र के प्लॉट का रखरखाव किया जाता था, कृषि पद्धतियों जैसे निराई, सिंचन, छंटाई(प्रूनिंग) आदि समय-समय पर किया जाता था। डीटीआरडीसी, कर्सियोंग में लगाए गए अनुवृद्धियों (एक्सेशन) या क्लोनों की विशिष्टता, स्थिरता और एकरूपता (डीयूएस) की जांच के लिए, बागानों का भी रखरखाव किया गया था और सभी कृषि पद्धतियों का अनुसरण मानक दिशानिर्देशों के अनुसार किए गए थे।

- टीएस 569 की एफ़1 आबादी के आकृतिक(मोर्फोलोजिकल) और फोनोटिपिकल लक्षण - निर्धारण का अध्ययन किया गया। एफ़1 आबादी के डीयूएस लक्षण - निर्धारण में एवी2 वाले पौधे मादा जनक के रूप में टी78 वाले पौधों की तुलना में अर्ध - लम्बवत स्वभाव की ओर अधिक प्रवृति की लक्षण दिखाते हैं।

- टीएस 569 की एफ़1 आबादी को सिद्ध करने के लिए टीएस 569 के बीजों को टी78 से और एवी2 को थर्बो चाय इस्टेट से पृथक रूप से एकत्र किया गया था। सिंकर फ्लोटर परीक्षण के बाद बीजों को स्फोटन(क्रैकिंग) के लिए रेत की क्यारी में स्थानांतरित किया गया था। फिर, अंकुरित बीजों को आगे की प्रजनन के लिए मिट्टी से भरी पॉलीथिन ट्यूबों में बोया गया।

- तीन अलग-अलग संयोजनों जैसे एवी-2Xपी-312, एवी-2Xबी-157 और पी-312Xबी-157 के लिए डीटीआरडीसी के नए स्थापित हाइब्रिडाइजेशन प्लॉट के आकृतिक पर्यवेक्षण और डीयूएस लक्षण-निर्धारण किया गया । प्रेक्षणों की रिकॉर्डिंग के दौरान एवी-2 और पी-312 की वृद्धि की प्रवृति लम्बवत थीं, जबकि यह बी157 चाय क्लोन में अर्ध-लम्बवत देखी गई थी।

- पी-312 में अधिक मात्रा में और बी-157 में कम मात्रा में फेनिलएलनिन अमोनिया लाइएज (पीएएल) गतिविधि पाई गई।

- ❖ तनाव सहिष्णुता का पता लगाने के लिए चयनित क्लोनों की प्रोलाइन तत्व का आकलन किया गया था और इसने अन्य क्लोनों की तुलना में पी-312 में प्रोलाइन की अधिक मात्रा को दिखाया।

- ❖ क्लोरोफिल तत्व का आकलन एसपीएडी मान के रूप में किया गया था। एसपीएडी रीडिंग की गणना दो संचरण मान के आधार पर की जाती है, 650 एनएम पर लाल बत्ती का संचरण, जो क्लोरोफिल द्वारा अवशोषित होता है और 940 एनएम पर अवरक्त(इंफ्रारेड) प्रकाश का संचरण होता है, जिस पर कोई क्लोरोफिल अवशोषण नहीं होता है। प्रेक्षण से संतति पौधों में उच्चतम एसएपीडी मान अन्य संततियों की तुलना में मादा जनक के रूप में एवी-2 के साथ देखा गया।

- ❖ मौजूदा दार्जिलिंग क्लोनों जैसे कि - एवी-2, पी-312, टी-78 और बी157 का चयन टीटीवी-1 कंट्रोल के साथ किया जाता है । चयनित दार्जिलिंग क्लोनों जैसे- टीटीवी-1, एवी-2, पी-312, टी-78 और बी157 के एलसी-एमएस विश्लेषण से कई पॉपीफेनोल और फ्लेवोनोइड यौगिक पाए गए। एलसी-एमएस डेटा से यह देखा गया कि क्लोन टीटीवी1 (31) में पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनोइड्स के लिए अधिक संख्या में पीक पाए गए, इसके बाद एवी-2 (26), पी-312 (25), टी-78 (24) और बी-157 (23) में पाये गए थे । सभी क्लोनों के लिए सभी क्रोमैटोग्राम में कैफीन द्वारा अधिकतम विस्तार देखा गया, इसके बाद एपिगैलोकैटेचिंगलेट, कैटिचिंगलेट, (-) - एपिगैलोकैटेचिन, एपिकेचिन, कैटेचिन में देखा गया । इन मूल यौगिकों के साथ सभी पांच क्लोनों में कई अन्य यौगिकों का भी पता लगाया जाता है।

- ❖ दार्जिलिंग चाय क्लोन के लिए पर्याप्त (पासपोर्ट) डेटाबेस टीआरए द्वारा प्रदान की गई जानकारी और डीटीआर एंड डीसी में उपलब्ध जानकारी के आधार पर तैयार किया गया था।

ग.2 <u>गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (क्यूसीएल) , टी बोर्ड , टी पार्क , सिलीगुड़ी</u> :

क्यूसीएल एक एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त और एफएसएसएआई द्वारा अधिसूचित चाय परीक्षण प्रयोगशाला है , जो प्रत्यक्ष रूप से टी बोर्ड भारत के अधीन कार्य कर रही है।

ग.2.1 चाय परीक्षण प्रभाग:

- ➢ क्यूसीएल ने ट्रांजिशन ऑडिट (आईएसओ 17025:2005 से आईएसओ 17025:2017 तक) को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और योग्यता प्राप्त कर ली है तथा यह अब मार्च, 2021 से आईएसओ 17025:2017 के तहत कार्य कर रहा है - जो परीक्षण और अंशांकन(कैलिब्रेशन) प्रयोगशालाओं का नवीनतम संस्करण है ।

- वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान, एफएसएसएआई मापदंडों के विश्लेषण के लिए कुल 1017 ग्राहक नमूने प्राप्त हुए, पीपीसी अनुपालन परीक्षण और फ्लेवर्ड चाय के आकलन से 68.28 लाख रुपए की आय सृजित हुई। ।

- क्यूसीएल ने एफ़एसएसएआई मानक के अनुसार ब्लैक टी के विभिन्न मापदंडों के परीक्षण का पूरा दायरा सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। क्यूसीएल पहले से ही ब्लैक टी के लिए सभी मापदंडों के साथ ग्राहक के नमूनों का परीक्षण कर रहा है एवं परीक्षण रिपोर्ट जारी कर रहा है।

- क्यूसीएल के परीक्षण शुल्क की मौजूदा दर के संशोधन को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है एवं दिनांक 1.01.2021 से क्यूसीएल में परीक्षण शुल्क की संशोधित दरें प्रभावी हुई है तथा इस प्रकार से यह लागत प्रभावी आय सृजन का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं।

- जल की गुणवत्ता में सुधार, अत्यधिक महंगे उपकरणों के लिए समर्पित विद्युत लाइन, सौर पैनल के सफल संचालन, अपशिष्ट निपटान के मामले में प्रयोगशाला का ढांचागत उन्नयन का कार्य पूरा कर लिया गया है।

- क्यूसीएल ने परीक्षण में बेहतर परिशुद्धता और सटीकता के लिए आईएलसी और पीटी कार्यक्रमों में भाग लिया है।

- लैब आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण (आईक्यूसी) में सुधार किया गया है।

- प्रयोगशाला में परीक्षण सुविधा के समग्र सुधार के लिए नमूना प्राप्ति से लेकर नमूना प्रवाह, रिपोर्ट सृजन से लेकर प्रेषण तक की गतिविधियों को सुव्यवस्थित किया।

ग.2.2 मृदा प्रभाग:

इस प्रभाग में नियमित मृदा परीक्षण गतिविधियाँ के साथ-साथ दो बाह्य वित्तपोषित परियोजनाएँ प्रगति पर हैं।

i. **<u>परियोजना का नाम</u>** ***:*** दार्जिलिंग की चाय मृदा से पोटाश में घुलनशील सूक्ष्मजीवों का पृथककरण एवं पोटाश जैव-उर्वरक सूत्रण के विकास के लिए उनकी पोटाश घुलनशीलता दक्षता का मूल्यांकन (एनटीआरएफ, टी बोर्ड, कोलकाता द्वारा वित्त पोषित)

❖ अलग-अलग पीएच में उगने के लिए पृथक होने की क्षमता का संचालन जीवाणु-संबंधी कल्चर में संरोपण करके किया गया था। चयनित पोटेशियम में घुलनशील जीवाणुओं के कार्य-निष्पादनका मूल्यांकन तीन दिनों और सात दिनों के लिए परिवेशी तापमान **28 ±**

20C पर प्रयोगशाला की नियंत्रित स्थिति में इन-विट्रो (कृत्रिम परिवेशी) कल्चर माध्यम में किया गया है।

- ❖ पोटैशियम में घुलनशील जीवाणुओं को पीएच के विभिन्न स्तरों पर माइका के साथ और बिना माइका का संरोपण किया गया। कॉलोनी(आबादी) के आस-पास के हेलो ज़ोन को मापा गया और घुलनशीलता क्षमता की गणना खांडेपार्कर की विधि का पालन करते हुए घुलनशील व्यास और वृद्धि व्यास को **100** से गुणा करके की गई।

- ❖ दार्जिलिंग के विभिन्न चाय बागानों की मृदा से पोटेशियम में घुलनशील दस आइसोलेट्स(एकक) की पहचान एमटीसीसी, चंडीगढ़ से **16s rRNA** अनुक्रम डेटा के आधार पर इसकी निकटतम प्रजातियों के लिए की गई थी। सबसे प्रमुख केएसएम की पहचान सेराटिया एसपी, बेसिलस एसपी , इंटेरोबेक्टरएसपी, लेलियोटियाएसपी , स्टाफाइलोकोक्कस एसपी एवं क्लेब्सीयेल्ला एसपी के रूप में की गई।

- ❖ अगर प्लेट पर लेलियोटिया, बैसिलस और क्लेबसिएला के साथ एंटरोबैक्टर और सेरेटिया के साथ सेरेटिया के दोहरे और तीन प्रतियों के संरोपण द्वारा संगगता परीक्षण किया गया था। पृथक बैक्टीरिया के संगगता परीक्षण से पता चला कि कोई भी आइसोलेट्स एक दूसरे को बाधित नहीं करता है।

ii. **<u>परियोजना का नाम :</u>** दार्जिलिंग और असम चाय के विकास और उत्पादकता में सुधार के लिए माइक्रोबियल इनोकुलेंट्स का विकास (राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन (एनएमएचएस), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)

- ❖ दार्जिलिंग पहाड़ियों के सभी चाय उगाने वाले क्षेत्रों को कवर करने के लिए विशिष्ट चाय बागानों का चयन किया गया था। प्रत्येक बागान से सैंपलिंग स्थान के निकट की राइजोस्फेरिक, गैर-राइजोस्फेरिक मृदा और पत्ती के नमूने के कम से कम दो नमूने एकत्र किए गए थे।

- ❖ दार्जिलिंग के विभिन्न चाय बागानों से एकत्रित मृदा के नमूनों को राइजोस्फेरिक और गैर-राइजोस्फेरिक मिट्टी में रोगाणुओं के लिए 10^{-7} तक क्रमिक रूप से तनुकरण करके पृथक किया गया था। कुल **66** रोगाणुओं को राइजोस्फेरिक नमूनों से पृथक किया गया है और पृथक रोगाणुओं की शुद्ध कल्चर को आगे की पहचान और बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए **4** डिग्री सेल्सियस पर संग्रहीत किया गया था। माइक्रोस्कोप के तहत ग्राम स्टेनिंग विधियों द्वारा प्रत्येक सूक्ष्म जीव का आकृतिक अध्ययन प्रगति पर है। स्टार्च हाइड्रोलिसिस, कैसिइन हाइड्रोलिसिस फॉस्फेट घुलनशीलता आदि के साथ पृथक रोगाणुओं का शारीरिक विश्लेषण प्रगति पर है।

- **16S rRNA** जीन एम्पलीकॉन्स के वी**4** रीज़न की अनुक्रमण (सीक्वेंसिंग) पूरी कर ली गई है और **NCCS** पुणे में **ITS** रीजन सीक्वेंसिंग चल रही है। चाय राइजोस्फीयर और गैर-राइजोस्फीयर मृदा के **16S rRNA** जीन एम्प्लिकॉन अनुक्रमण का जैव इन्फॉर्मैटिक्स विश्लेषण चल रहा है।

ग.2.3 <u>मृदा विश्लेषणात्मक सेवाएं</u>:

- अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक, दार्जिलिंग के विभिन्न बागानों से प्राप्त मृदा के कुल 408 नमूने और पत्ती के 04 नमूनों का परीक्षण किया गया और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट संबंधित बागान को खनिज कमियों को सुधारने, मिट्टी के पीएच को ठीक करने और प्रत्येक बागानों के पृथक-पृथक उर्वरक -कार्यक्रम तैयार करने हेतु सिफारिशों के साथ भेजा गया है।

डी. <u>आईएचबीटी पालमपुर (हिमाचल प्रदेश)</u>

i. **<u>परियोजना का नाम:</u> -** चाय पत्ती की तुड़ाई (हार्वेस्टिंग) एवं चाय कृषि कार्यों के मशीनीकरण के लिए मशीनों का विकास (पूरा कर लिया गया है)। मुख्य प्रगति इस प्रकार है:

- वन मैन प्लकिंग मशीन (मॉडल ASPEE TLPH25), टू मेन प्लकिंग मशीन (मॉडल OCHIAIV8 वर्ल्ड 1210), हैंड शीयर/बड़ी कैची (ब्लेड की लंबाई 27 सेमी, चौड़ाई 3.4 सेमी, हैंडल 34.5 सेमी, वजन 1.46 किलोग्राम, वॉल्यूम 0.05 घन मीटर के संग्रहण थैली के साथ), हैंड प्लकिंग (मैनुअल स्टैंडर्ड प्लकिंग) का प्रयोग चाय पत्ती की तुड़ाई(हार्वेस्टिंग) के लिए इस्तेमाल किया गया। सभी यांत्रिक प्लकिंग विधियों के परिणामस्वरूप प्लकिंग अंतराल को 6-7 दिनों (हैंड प्लकिंग) से 10-12 दिनों तक बढ़ा दिया गया, फलस्वरूप पूरे सीजन और संकट- काल दिनों की आवश्यकता के दौरान कुल प्लकिंग की संख्या कम हो गई। प्रून किया हुआ एवं प्रून नहीं किया हुआ चाय बागानों में वन मैन प्लकिंग मशीन के साथ कुल मिलाकर संकट-काल की आवश्यकता एक-छठे से एक-आठवें तक और टू मैन प्लकिंग मशीन के साथ एक-नौवें से एक-ग्यारहवें तक कम हो जाती है। यहां तक कि शियर प्लकिंग ने भी श्रम की आवश्यकता को घटाकर आधा कर दिया है।
- परिणामों से पता चला कि हाथ से प्लाक(तोड़ने) करने की तुलना में यांत्रिक तरीकों से जैसे कि शियर(कतरनी), वन मैन प्लकिंग मशीन और वन मैन प्लकिंग मशीन से तोड़ी(प्लक) की गई चाय की झाड़ियों में शक्तिहीनता था । इसी तरह की प्रवृत्ति स्टोमेटल कंडक्टेंस (जीएस) के मामले में भी देखी गई, जहां मैनुअल प्लकिंग की तुलना में सभी यांत्रिक तरीकों में कमी का एक सामान्य प्रवृत्ति (चाय की झाड़ियों के स्टोमेटल कंडक्टेंस में) था।

- यह देखा गया है कि छिड़काव के यांत्रिक तरीके छिड़काव के मैनुअल तरीके की तुलना में अधिक किफायती थे। छिड़काव की इकाई लागत बैटरी चालित स्प्रेयर के साथ सबसे कम थी और इसकी दक्षता मैनुअल स्प्रेयर की तुलना में लगभग दोगुनी थी। हालांकि, बागानी क्षेत्र के त्वरित कवरेज के लिए, पावर स्प्रेयर मैनुअल स्प्रेयर की तुलना में कम लागत के साथ 6 गुना दक्ष था।
- लीफ शॉर्टर मशीन , मशीन की सफलता को चाय के तीन ग्रेड (श्रेणी) के रूप में दिखाती है, जैसे कि कटे पत्ते (कट लीफ़), बारीक पत्ते / फ़ाइन लीफ (1-पत्ती और कली, और 2-पत्ती और कली) और खुरदरी(रफ) पत्तियां यानी दो से अधिक पत्ती और कली एवं परिणाम को सारणीबद्ध करते समय चाय के इन तीन ग्रेड पर विचार किया गया था । परिणामों से यह स्पष्ट है कि एक समान ग्रेड वाली हरी चाय की पत्तियों को डिवाइस द्वारा अलग किया गया है और एकरूपता प्रतिशत बहुत अधिक था, जिसे खाली आँखों से देखकर भी आंका जा सकता है। एक समान ग्रेड वाली चाय की हरी पत्तियां एक समान ग्रेड वाली चाय निर्मित कर सकती हैं।

- प्रौद्योगिकी निदर्शन और परीक्षण के लिए, चाय खेती के मशीनीकरण के विभिन्न पहलुओं पर कुल 20 निदर्शन कार्यक्रम किसानों के बागान के साथ-साथ संस्थान के चाय प्रायोगिक फार्म में आयोजित किए गए, जैसे कि मशीनीकृत चाय की प्लकिंग(तुड़ाई), स्किफिंग, प्रूनिंग(छंटाई), रिजुविनेशन प्रूनिंग , बरमा का उपयोग करके चाय रोपण, उच्च मात्रा वाली इलेक्ट्रिक स्प्रेयर, निराई आदि। । शियर प्लकिंग (बड़ी कैची द्वारा प्लकिंग) को मशीनीकरण का सबसे सरल रूप माना जाता था, जहां इस पद्धति से श्रम उत्पादकता दोगुनी (60 किग्रा) पाई गई थी। वन मैन प्लकिंग मशीन के मामले में, हाथ से प्लकिंग करने की तुलना में प्लकिंग दक्षता 8 गुना थी। यह एक दिन में 300-400 किलो ताजी चाय की पत्तियां प्लक कर सकता था। इसने ढलान वाले इलाके के लिए आशा दिखायी , जहां बड़ी मशीन के संचालन में कठिनाई होती थी। टू मेन प्लकिंग मशीन के लिए, हाथ से तोड़ने की तुलना में 15 गुना दक्षता थी, एक दिन में 600-1000 किलोग्राम ताजी चाय की पत्तियों को प्लक किया जा सकता है ।

ii. **<u>परियोजना का नाम</u>***:* उत्पादकता, गुणवत्ता और तनाव सहिष्णुता के लिए प्रजनन के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक तरीकों के एकीकरण के माध्यम से नए क्लोन का विकास (परियोजना पूरा हो गया है)

- संकरण कार्य के लिए नई लाये गए किस्मों के साथ प्रजनन प्लॉट की नींव रखना - उपज, गुणवत्ता और ब्लिस्टर में सुधार के उद्देश्यों के साथ, चीन हाइब्रिड चाय जीनोटाइप के सुधार के लिए चल रहे अंतर-वैविध्य (इंटर वैरिएटल) संकरण कार्यक्रम के तहत छह संकरण संयोजनों को शामिल करते हुए जनक प्रकार के सात (एसए -6 X उपासी-9, उपासी-9 X

एसईएफ-02, एसए -6 X एवी -2, उपासी-9 X कांगड़ा आशा , उपासी-9 X बीएस-49, उपासी-9 x बीएस-68) संयोजनों के बीच संकरण किए गए थे। ,

- चाय प्रायोगिक प्लॉट में बाइक्लोनल बीज स्टॉक विकसित करने के लिए क्लोनल संगतता पर अध्ययन किए गए और इस तरह नियंत्रित संकरण के माध्यम से बाइक्लोनल बीज स्टॉक का विकास सुनिश्चित किया गया।

- संगत क्लोनल संयोजनों के बीच नियंत्रित संकरण किया गया; एफ़1 संतति को विकसित किया गया और विभिन्न एफ़1 संतति को बागान की परिस्थितियों (रोपण के तीसरे वर्ष) के तहत रोपित किया गया, वर्तमान में पौधे की ऊंचाई (m), शाखाओं की संख्या , शाखाओं की लंबाई (मिमी), पत्ती की लंबाई (सेमी), पत्ती की चौड़ाई (सेमी), इंटरनोड की लंबाई (सेमी) एवं पौधे का फैलाव (मीटर में व्यास), उनकी प्रारंभिक वृद्धि और ताक़त के संबंध में आकृतिक आधार पर लक्षण का निर्धारण किया जा रहा है। । संभावित एफ़1 संततियों को भी नर्सरी परिस्थितियों में अच्छे जनक के रूप में उनके कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए प्रजनन के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

- चयनित क्लोनों की कुछ मदर बुश हैं - (ए) **03-6, (**बी) **03-55, (**सी) **03-70** और (डी) **03-104**। चार चयनित क्लोनों में से **03-6** को पौधे की ऊंचाई के लिए बेहतर पाया गया (**1.72** मीटर) और इसमें कुल पॉलीफेनोल तत्व **14.65%** है । जबकि**,** क्लोन **03-55** में **13.01%** की कुल पॉलीफेनोल तत्व देखी गई और इसे टहनी की लंबाई (**155** सेमी) और पौधे के प्रसारण व्यास (**2.35** मीटर) के लिए बेहतर पाया गया। हालांकि**,** क्लोन **03-70** को टहनी की लंबाई (**159** सेमी) के लिए बेहतर पाया गया और इसमें कुल पॉलीफेनोल तत्व **15.53%** है । क्लोन **03-104** को टहनियों की संख्या के लिए बेहतर पाया गया और इसमें कुल पॉलीफेनॉल तत्व **11.68%** है। इसके अलावा इन सभी चयनित क्लोनों ने ब्लिस्टर ब्लाइट के खिलाफ प्रतिरोध दिखाया। क्लोन **03-70** ने अन्य रोग प्रतिरोधी क्लोनों की तुलना में कुल पॉलीफेनोल तत्व और टहनी की लंबाई के संबंध में उच्च मात्रा का प्रदर्शन किया**,** जिन्हें संभावित नए क्लोन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

- **पर्पल चाय के जीनोटाइप का चयन -** पर्पल चाय के कलमों को बगानी परिस्थितियों में लगाया गया था। पांच जीनोटाइप (पीटी-**5,** पीटी-**7,** पीटी-**9,** पीटी-**12** और पीटी-**17)** के **14** पौधे क्रमशः **2-2** पंक्तियों में उगाए गए थे। चयनित पर्पल चाय के जीनोटाइप में**,** पीटी -**7** ने अप्रैल के दौरान **1.98%** और मई के दौरान **2.00%** की उच्च एंथोसायनिन तत्व दिखाई और पीटी -**8** ने अप्रैल और मई के महीने में क्रमशः **2.38%** और **2.36%** की एंथोसायनिन तत्व दिखाई। जबकि**,** पीटी-**8** ने भी अप्रैल (17.55) के दौरान टीपीसी की उच्च मात्रा प्रदर्शित की। इसलिए**,** अन्य पर्पल चाय क्लोन की तुलना में अधिकतम कुल फेनोलिक तत्व और

उच्च एंथोसायनिन तत्व वाले पीटी -**8** को संभावित नए पर्पल चाय के क्लोन के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

घ. **विश्व-भारती विश्वविद्यालय , शांतिनिकेतन , पश्चिम बंगाल।**

<u>परियोजना का नाम</u>: फॉस्फेट में घुलनशील राइजोबैक्टीरिया का उपयोग करके चाय के कवक रोगों के खिलाफ जैव-कीटनाशक का विकास (परियोजना सम्पूर्ण कर ली गयी है)

- चाय रोगजनकों (पैथोजेन्स) , पेस्टलोशिया और फुसैरियम के खिलाफ चयनित बायोकंट्रोल स्ट्रेन (जो दो अलग-अलग स्रोतों से चुने गए थे : चाय राइजोस्फीयर और लाइकोपोडियमराइजोस्फीयर) की क्षमता का परीक्षण किया गया है।

- दो बर्कहोल्डरिया प्रजातियाँ, जैसे कि बी. ट्रोपिका और बी. अनमे, जिसे लाइकोपोडियमराइज़ोस्फीयर से पृथक किया गया है तथा एक क्लोनल चाय कल्टीभार से पृथक किए गए एक रॉड के आकार का ग्राम नेगेटिव आइसोलेट ने जबरदस्त काइटिनेस उत्पादन क्षमता दिखाई है। वे विभिन्न प्रकार के चिटिन सबस्ट्रेट्स (झींगा, कीट पंख, कोलाइडल चिटिन, और पेस्टलोटिया सहित फंगल मायसेलिया से प्राप्त चिटिन) का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हैं और या तो किटोसन या साधारण शर्करा का उत्पादन करते हैं। बायोकंट्रोल स्ट्रेन से प्राप्त काइटिनेस को आंशिक रूप से सेल मुक्त सतह पर तैरनेवाला अर्थात सुपर्नाटेंट लेकर , 80 प्रतिशत अमोनियम सल्फेट कट , डायलिसिस , इसके बाद जेल वैद्युतकणसंचलन (एलेक्ट्रोफोरेसिस) द्वारा परिष्कृत किया गया था। काइटिनेस ने किटिन सबस्ट्रेट्स का उपचार किया जो मुख्य रूप से किटोसन यौगिकों से युक्त था, प्रयोगात्मक डायकोट प्लॉट में कई रक्षा गतिविधियों को प्रवित्त करता है। जिन गतिविधियों को प्रवित्त किया गया था , उनमें फेनिल एलानिन अमोनिया लाइसेज, काइटिनेस, बीटा ग्लूकेनेस और पेरोक्सीडेज हैं।

- एक ही बायोकंट्रोल ओर्गनिज़्म का उपयोग करके उम्र बढ़ने तथा जीर्णता को प्रवित्त करने वाली एथिलीन उत्पादन को रोकने के लिए क्षमता की जाँच की गई । दूसरे वर्ष के दौरान यह केवल गुणात्मक तरीके से केवल एक बायोकंट्रोल स्ट्रेन मे दर्ज की गई थी। इसके बाद स्ट्रेनों की एसीसी डेमिनमिनस उत्पादन क्षमता के बारे में विस्तार से जांच की गई हुई और इसकी मात्रा निर्धारित की गई। यह ज्ञात है कि 1-एमिनोसाइक्लोप्रोपेन-1-कार्बोक्जिलिक एसिड (एसीसी) को आम तौर पर एसीसी ऑक्सीडेज द्वारा एथिलीन में परिवर्तित किया जाता है, लेकिन कुछ कुशल पीजीपीआर स्ट्रेन इसे अल्फाकेटो ब्यूटायरेट और अमोनिया में परिवर्तित कर सकते हैं और इस प्रकार अवांछित एथिलीन सृजन को रोकते हैं और इस प्रकार जल्दी उम्र बढ़ने और बुढ़ापा को रोकते हैं। तीनों स्ट्रेन इस एंजाइम का बहुत कुशलता से उत्पादन करते हैं , जो चाय के पौधों में भी काम करता है।

- साइडेरोफोर उत्पादन और इसकी मात्रा का निर्धारण विभिन्न टीवी क्लोनों से अलग किए गए सभी स्ट्रेनों में उनके राइजो- और फाइलो-स्फीयर के साथ-साथ लाइकोपोडियमराइजोस्फीयर से अलग किए गए उपभेदों से किया गया था। चाय रोगजनकों(पैथोजेन) के खिलाफ स्ट्रेन द्वारा पैराललिएंटीपैथोजेनिक अध्ययन भी संचालित किया गया है। इन विट्रो (कृत्रिम परिवेशीय) अध्ययनों में साइडेरोफोर उत्पादन और एंटी पेस्टलोशिया गतिविधि के बीच एक शानदार सकारात्मक सहसंबंध देखा गया है।

- विश्वविद्यालय के ग्रीन हाउस में कुछ नवोदित चाय पौधों का रखरखाव किया जा रहा है। गमले मे लगाए गए इन चाय पौधे के राइजोस्फीयर में उनकी उत्तरजीविता के लिए बायोकंट्रोल स्ट्रेन का परीक्षण किया गया। एक नियमित अंतराल में उनके कई एंटीबायोटिक प्रतिरोध के साथ स्ट्रेनों के पुन: पृथककरण की जाँच की गई है। यह परिणाम एक वर्ष की अवधि में जैव नियंत्रण स्ट्रेनों की बहुत अच्छी उत्तरजीविता का संकेत देते हैं।

- सभी प्रयोगों का अंतिम लक्ष्य एक प्रभावी जैव-औषधि तैयार करना है , जो कवक चाय रोगजनकों (फंगल टी पैथोजेन) को मारने के लिए उपयुक्त है, मूल लाभकारी मृदा माइक्रोफ्लोरा को नहीं मारेगा और बागान के फसल में कुछ मान वर्धन कर सकता है। इस कारण से ट्राइकोडर्मा को चाय बागान की मृदा से अलग किया गया था, और आइसोलेट्स की क्षमता की भी जाँच की गई थी कि क्या उनके पास लाभकारी मृदा माइक्रोफ्लोरा के साथ संभावित प्रतिरोध है या नहीं। प्रायोगिक परिणामों ने संकेत दिया कि उनका सक्षम (वाणिज्यिक और प्रायोगिक दोनों आइसोलेट्स) ट्राइकोडर्मा एसपी के साथ कोई प्रतिरोध नहीं है। दोनों बायोकंट्रोल स्ट्रेनों और ट्राइकोडर्मा प्रजातियों ने संयोजन में काम किया। वे नाइट्रोजन स्थिरीकरण को संचालित करने वाली सायनोबैटेरिया को भी नहीं मारते हैं। ये सभी निष्कर्ष चाय की फसल के अनुप्रयोग में ओर्गनिज़्म की उपयुक्तता को बहुत प्रभावी होने का संकेत देते हैं।

- होस्ट प्रतिरक्षा जीन की एक्स्प्रेशन का अध्ययन करके फसलीय पौधों में प्रतिरक्षा को प्रेरित करने के लिए बायोकंट्रोल स्टेनों की क्षमता की भी जाँच की गई। एक टीवी क्लोन से पृथक किए गए चने के एक ग्राम ऋणात्मक आइसोलेट द्वारा चाय के पौधों की जड़ प्रणाली में कालोनी प्रजनन करने के साथ-साथ चने के पौधे (एक गैर-चाय वार्षिक फसल) पर कालोनी प्रजनन करने की क्षमता का परीक्षण फ्लोरोसेंस डाई और जीएफपी बाइंडिंग अध्ययन के माध्यम से किया गया था , जो चाय के पौधे की जड़ प्रणाली में कालोनी प्रजनन करने की क्षमता की पुष्टि करता है। ।

- कल्चर के इनोकुला को लंबे समय तक परिरक्षण और आसान अनुप्रयोग के लिए कैल्शियम एल्गिनेट में इनकैप्सुलेट किया जा सकता है। सभी चार स्ट्रेनों को विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला में अच्छी तरह से रखा गया है और अनुरक्षित किया जा रहा है। संभावित

इनोकुला में अपार क्षमताएँ हैं और इसका उपयोग चाय की फसल में परीक्षण, अनुवर्ती प्रमाणन तथा वाणिज्यिक अनुप्रयोग आदि के लिए किए जाने की उम्मीद है।

ड़. टी बोर्ड अंचल कार्यालय , पालमपुर

- लघु चाय उत्पादक के बगानों में अनुकूलन के माध्यम से प्रौद्योगिकी निदर्शन एवं अंतरण के उद्देश्यों से हिमाचल प्रदेश के चाय बागानों में बागान प्रबंधन के लिए उपलब्ध अनुसंधान एवं विकास प्रौद्योगिकियों के तुलनात्मक मूल्यांकन और व्यवहार्यता पर एक परियोजना संचालित की गयी । हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक चाय बगानों में उनके कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए अन्य चाय उगाने वाले राज्यों जैसे दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल से नर्सरी से लाए गए नए रोपण सामग्री के साथ बागान निदर्शनों का प्रायोगिक बंदोबस्त किया गया था।

- मापित छटाई (लोप्पिंग) एवं अतिरिक्त शेड थिनिंग द्वारा छाया के नियमन के लिए हीव टी प्रूनर, प्रूनिंग, स्किफिंग, लेन कटिंग और टेलीस्कोपिक ट्री प्रूनर मशीन के उपयोग के माध्यम से जीर्ण-शीर्ण चाय प्रौद्योगिकियों के पुनरुद्धार के लिए निदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

- विधि प्रदर्शनी कार्यक्रम के माध्यम से पिटिंग , फिलिंग , रोपण एवं फ्रेम निर्माण चरणों द्वारा नवांकुर चाय प्लॉट प्रतिष्ठापन और प्रबंधन के लिए पहल की गई थी ।

- एवी-**2,** टीनाली**,** आरआर-144**,** टीवी-1**,** टीवी-9**,** एस3ए3**,** पीबी-312**,** सीपी-1 जैसी किस्मों की आपूर्ति लघु चाय उत्पादकों को छोटे खंड में रोपण **,** एक - दूसरे तथा मानक कांगड़ा जाट के तुलना में और उनके विकास आवर्तन (रिदम)**,** फ्लशिंग और ब्रांचिंग पैटर्न का अध्ययन करने के लिए की गई थी।

- ऊपर दी गई किस्मों की मदर बुश का विकास किया जा रहा है।

- प्रोजेक्ट-पालमपुर फंडिंग ने बहु-फसली व प्रजातियों के परिस्थितियों में बाग -फसलों के सहयोग से**,** वेरीएटल लक्षण के साथ-साथ मृदा -जल संरक्षण और समग्र बागान प्रबंधन प्रथाओं के संबंध में ज्ञान के अधिक प्रसार को संभव बनाया है। अपनाए गए बागान और पहले से विकसित ब्लॉक **,** निदर्शन इकाइयों के रूप में काम कर रहे हैं।

- एसटीडब्ल्यू, विश्वविद्यालय और केवीके के सहयोग से किसानों के स्तर पर किस्मों को अपनाने और प्रौद्योगिकी में सुधार और कार्यान्वयन के प्रयास किए जा रहे हैं।

विनियामक मुद्दे - नियामक अनुसंधान गतिविधियों के क्षेत्रों में, टी बोर्ड , व्यापार के लिए तकनीकी बाधाओं (टीबीटी), गैर-टैरिफ बाधाओं (एनटीबी) जैसे मुद्दो को देखता है एवं चाय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) से कीटनाशक अवशेषों और एमआरएल आदि से संबंधित तकनीकी जानकारी प्राप्त करता है और विभिन्न सरकारी विभागों/नियामक निकायों (सीआईबी और आरसी, एफएसएसएआई, बीआईएस आदि) को मानकों के विकास और समय-समय पर उनके संशोधन पर विचार करने और अपनाने के लिए प्रस्तुत करता है ।

बैठकें और कार्यशालाएं :

- पीपीसी पर गठित तकनीकी समूह की 13वीं बैठक 19 नवंबर , 2020 को विडियो कोंफेरेंस के माध्यम से आयोजित की गई थी। बैठक में कीटनाशक अवशेषों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

- चाय उद्योग के लिए पीपीसी संस्कारण - 12 (नवंबर 2020) जारी किया गया था।

- रिपोर्टाधीन अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करने के उद्देश्य से 24 नवंबर 2020 को विडियो कोंफेरेंस के माध्यम से 75वीं टीआरएलसी बैठक आयोजित की गई थी।

अनुसंधान निदेशालय के प्रतिनिधियों ने चाय अनुसंधान संस्थानों और सरकार द्वारा अनुमोदित नियामक निकाय (प्रबंधन परिषद, ट्रस्टी, वैज्ञानिक सलाहकार समिति आदि) द्वारा आयोजित विभिन्न आभासी बैठकों में भाग लिया है।

अध्याय-6
चाय संवर्धन

परिचय :

टी बोर्ड के प्राथमिक कार्यों में से एक कार्य भारत को वैश्विक स्तर पर गुणवत्ता युक्त चाय के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से संवर्धनात्मक क्रियाकलाप करना है। लक्ष्यित बाज़ारों में भारतीय चाय की बढ़ती बाज़ार की हिस्सेदारी तथा बढ़ती घरेलू खपत बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार एवं वर्गों की भारतीय चाय के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में संवर्धनात्मक प्रयास किए जा रहें हैं। चुनिन्दा देशों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है जहां बड़े पैमाने पर निर्यात की वृद्धि की संभावना है। निर्यात को बढ़ावा देने तथा विदेशी बाज़ारों में भारतीय चाय की क़िस्मों के विपणन के लिए भारतीय निर्यातकों को हर संभव सहायता उपलब्ध करायी जा रही है ।

टी बोर्ड संवर्धन निदेशालय का एक कार्य जेनेरिक संवर्धनात्मक क्रियाकलापों को करना है जो ब्राण्ड इक्विटि तथा अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भारतीय चाय की मांग और घरेलू बाज़ार में चाय की खपत को बढ़ाने पर लक्ष्यित है। विश्व के कुल चाय निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 11% है तथा केन्या, चीन और श्रीलंका के बाद भारत चौथे स्थान पर है। चीन के बाद भारत विश्व में काली चाय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक एवं उपभोक्ता है। विगत एक दशक के दौरान भारत से लगभग 200-250 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान कुल 203.79 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात दर्ज किया गया ।

2020-21 के दौरान चाय निर्यात का अवलोकन :

2020-21 के दौरान भारत से कुल 203.79 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ जिससे 5311.53 करोड़ रु० प्राप्त हुए । विगत वर्ष 2019-20 के दौरान 241.34 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात हुआ था और उससे 5457.10 करोड़ रु० का व्यापार हुआ था ।

तुलनात्मक स्थिति संक्षेप में नीचे सारणी में प्रस्तुत है :

2020-21					2019-20				
मात्रा मि.कि. ग्रा. में	कीमत करोड़ रु० में	कीमत $ में	इकाई दर रु०/प्रति कि.ग्रा.	इकाई दर ($/कि. ग्रा)	मात्रा मि.कि. ग्रा. में	कीमत करोड़ रु० में	कीमत $ में	इकाई दर रु०/प्रति कि.ग्रा.	इकाई दर ($/कि. ग्रा)
203.79	5311.53	716.86	260.64	3.52	241.34	5457.10	768.93	226.11	3.19

प्रमुख गंतव्यवार निर्यात परिदृश्य अनुलग्नक -1 में प्रस्तुत है।

2020-21 के दौरान संवर्धनात्मक क्रियाकलापों का अवलोकन

2020-21 के दौरान पूरे विश्व में कोरोना महामारी के फैलने तथा उसके बाद विश्वभर में लॉक डाउन के प्रतिबंधों के कारण धरातल स्तर पर संवर्धनात्मक क्रियाकलापों को कर पाने की स्थिति नहीं थी । तथापि, टी बोर्ड ने वर्चुअल बी2B बैठकों तथा मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि प्रमुख महत्वपूर्ण निर्यात देशों के दूतावासों /मिशन/ वाणिज्य दूतावासों के सहयोग से क्रेता- विक्रेता बैठकें आयोजित करके विभिन्न संवर्धनात्मक क्रियाकलाप किए । टी बोर्ड ने चाय व्यापार के साथ संपर्क कार्य भी बनाए रखा, व्यापार संबंधी पूछताछ में भाग लिया, प्रमुख बाज़ारों के लिए गुणवत्ता और सुरक्षा विनियमन संबंधी विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की । बोर्ड ने रूस, कज़खस्तान, ईरान, मिस्र, अमेरिका, जर्मनी, जापान, सऊदी अरब

आदि प्रमुख बाज़ारों में भारतीय चाय की मांग बढ़ाने तथा बाज़ार की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मॉस्को स्थित विदेश कार्यालय तथा टी बोर्ड मुख्यालय के माध्यम से चाय व्यापारियों को निर्यात संबंधी नई जानकारियों एवं बाज़ार तथा व्यापार सूचनाओं से अवगत कराया । अन्य क्रियाकलापों में इंडिया टी की छवि को बरकरार रखने के लिए विभिन्न प्रचारात्मक कार्य तथा टी बोर्ड भारत के प्रति एक सकारात्मक रूप में लोगों का विचार बदलने वाले कार्य शामिल थे । विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय के बारे में सोशल मीडिया, जैसे- ट्विटर,फेस्बुक के माध्यम से चलाए गए अभियान भी जागरूकता बढ़ाने में काफी असरदार साबित हुए हैं ।

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान आयोजित प्रमुख कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है :

मई 2020

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के उपलक्ष्य में प्रचार अभियान :

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस- टी बोर्ड के सोशल मीडिया मंच पर - फेस्बुक, ट्विटर तथा इंस्टाग्राम के माध्यम से 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस बड़े धूम-धाम से मनाया गया । पूरे विश्व में कोरोना महामारी के मद्दे नज़र राष्ट्रव्यापी लॉक डाउन के कारण धरातल स्तर पर संवर्धनात्मक क्रियाकलाप नहीं किए जा सके। इसलिए डिजिटल मंच के माध्यम से इस विशेष दिन के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया । अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के उपलक्ष्य में 'India Tea & Me' शीर्षक से फेस्बुक में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जो बहुत लोकप्रिय सिद्ध हुआ । प्रतिभागियों ने 'India Tea' के अपने विशेष क्षणों को दर्शाते हुए एक हज़ार से भी अधिक तस्वीरें, वीडियो, उपहार आदि सोशल मीडिया पर पोस्ट किए ।

असम जहां भारत का कुल 50% चाय उत्पादन होता है, में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस और उसके महत्व के बारे में बड़ी संख्या में एसएमएस के माध्यम से लाभदायक संदेश हितधारकों को भेजे गए।

दक्षिण भारत में 21 मई 2020 को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाने के लिए तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में स्थानीय समाचार पत्रों में इस्तेहार डिज़ाइन किए गए और प्रकाशित किए गए । स्थानीय रेडियो स्टेशनों पर चाय का प्रचार कार्यक्रम और उससे जुड़ी पहेलियों पर आयोजित कार्यक्रम प्रसारित किए गए । तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक में आम लोगों तक पहुँचने के लिए स्थानीय मातृ भाषाओं में बड़ी संख्या में एसएमएस भेजे गए ।

जून 2020

विशेष संस्करण - ई- नीलामी

21 मई अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर दो उत्तम पत्तियाँ और एक कली को चुनने और प्रसंस्कृत करने के एक प्रतिकात्मक पहल के रूप में पूरे भारत से लगभग 300 चाय बागानों ने भाग लिया । उनके बागान प्रबंधन और कर्मचारियों /कामगारों ने कुछ खास चाय के निर्माण में अथक मेहनत की ।

ये सीमित संस्करण के चाय बहुत ही कुशलतापूर्वक और अति दक्ष हाथों से तैयार किए गए थे जो विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय के गुण, स्वाद और महक को दर्शाते थे।

ये चाय अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस विशेष संस्करण- ई- नीलामी पर 22 जून, 2020 को पेश किए गए थे । यह विशेष नीलामी पूरे देश में सभी छः (6) पंजीकृत नीलामी केन्द्रों यथा- कोलकाता, गुवाहाटी, सिलीगुड़ी, कोचिन, कूनूर और कोयम्बटूर में आयोजित किया गया था और यह अखिल भारतीय नीलामी नियमों द्वारा शासित था । इस पहल को सोशल मीडिया मंच के माध्यम से

प्रचारित किया गया तथा इस नीलामी में सर्वोच्च कीमत हासिल करने वाले शीर्ष के 10 चाय बागानों के नाम भी सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट किए गए ।

जुलाई 2020

कोरोना महामारी के फैलने तथा उसके बाद विश्वभर में लॉक डाउन के प्रतिबंधों के कारण धरातल स्तर पर संवर्धनात्मक क्रियाकलाप नहीं किया जा सके । इसके अलावा वर्क फ्रोम होम के कारण अब आम आदमी सोशल मीडिया मंच पर पहले से अधिक सक्रिय देखे जा रहें हैं क्योंकि सामाजिक दूरी के वर्तमान परिदृश्य में अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने का यह एक मुख्य साधन बन गया है। इसलिए डिजिटल मंच के माध्यम से भारतीय चाय के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया गया । अन्य लाभकारी सामग्रियों जैसे- अदरक, इलायची, केसर, हल्दी, दालचीनी, शहद, नींबू आदि के साथ भारतीय चाय बनाने की रचनात्मक विधियां फेस्बुक और ट्विटर हैंडल्स पर सांझा किए गए । हमारे अनुयायिओं को 'Did You Know' शीर्षक से एक विशेष खंड द्वारा रोचक इंटरैक्टिव सामग्री के माध्यम से विभिन्न प्रकार के चाय के बारे में जागरूक भी किया गया । अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर आयोजित ई-नीलामी में सर्वोच्च कीमत हासिल करने वाले शीर्ष के चाय बागानों के वीडियो फ़ेसबुक पृष्ठ पर साझा किए गए जहां 2,25,000 से भी अधिक दर्शक समूह है।

अगस्त 2020

भारतीय चाय निर्यातकों का मिस्र के आयातकों और अन्य हितधारकों के साथ वर्चुअल बी2बी बैठक:

24 अगस्त, 2020 को भारत के दूतावास, काहिरा और टी बोर्ड भारत द्वारा संयुक्त रूप से एक वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन किया गया था ।

इस बी2बी बैठक के आयोजन करने के पीछे मुख्य उद्देश्य मिस्र में भारतीय चाय निर्यातकों के लिए नेटवर्किंग अवसर विकसित करना तथा आवश्यक व्यवसायिक बढ़त पैदा करना था ।

आदरणीय श्री राहुल कुलश्रेष्ठ, मिस्र में भारत के राजदूत, भारत दूतावास, काहिरा ने मिस्र में भारतीय चाय निर्यात को सुगम बनाने के लिए आवश्यक नेतृत्व का परिचय दिया । अनेक विशिष्ट वक्ताओं ने इस वर्चुअल बी2बी बैठक में भाग लिया जिनमें आदरणीय श्री राहुल कुलश्रेष्ठ, मिस्र में भारत के राजदूत, भारत दूतावास, काहिरा, श्री पी.के.साहू, उपाध्यक्ष टी बोर्ड भारत, श्री एहमद यूसिफ़ मंसौर, उप-सभापति, सामान्य आपूर्ति वस्तु प्राधिकरण, काहिरा, डॉ.ईहाबमोराद, कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय खाद्द सुरक्षा प्राधिकरण, काहिरा, श्री समेह ज़ाकी, उप- अध्यक्ष, काहिरा चेम्बर ऑफ कॉमर्स, श्री कबीर खालीद, केंद्रीय क्रेता प्रबन्धक, लूलू ग्रुप, काहिरा, श्री मुहम्मद हीज़ा, प्रबन्धक निदेशक, मिस्र विजन, काहिरा, श्री विवेक गोएंका, अध्यक्ष, भारतीय चाय संघ, श्री प्रशांत भंसाली, उप-सभापति, उपासी, श्री दीपक शाह, अध्यक्ष, दक्षिण भारत चाय निर्यातक संघ और अन्य विशिष्ट मेहमान तथा मिस्र के आयातक एवं भारत के चाय निर्यातक शामिल थे । इस वर्चुअल बी2बी बैठक में लगभग 60 प्रतिनिधि मंडलों ने भाग लिया था ।

टी बोर्ड उपाध्यक्ष श्री पी.के.साहू, ने कहा कि 2019 में भारत ने लगभग 1390 मिलियन किलोग्राम चाय का उत्पादन किया तथा 248 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया था । भारत में विभिन्न प्रकार की चाय की खेती की जाती है, जैसे - दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि, कांगड़ा, दोआर्स - तराई, सिक्किम, त्रिपुरा आदि । इसके अलावा भारत सभी प्रकार की चाय यथा - ब्लैक, ग्रीन, व्हाइट,येल्लो,ऊलोंग, आर्थोडॉक्स, सीटीसी आदि का भी विनिर्माण करता है। भारत विभिन्न फ़ारमैट्स में भी चाय की आपूर्ति करता है, जैसे - बल्क टी,

पैकेज्ड टी,टी बैग्स, स्पैशलिटी टी, इंस्टेंट टी, आरटीडी, प्रेमिक्सेस इत्यादि । मिस्र परंपरागत रूप से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार रहा है।

समेह ज़ाकी, उपाध्यक्ष, काहिरा चेम्बर ऑफ कॉमर्स, ने आयातकों एवं निर्यातकों को एक साथ लाने के लिए इस कार्यक्रम की सराहना की ।

श्री मोहम्मद हीज़ा, प्रबन्धक निदेशक, मिस्र विजन, काहिरा ने कहा कि मिस्र अब भी एक विशुद्ध रूप से खुला चाय बाज़ार है जहां खुले चाय की कुल खपत 95% से अधिक है।

वर्चुअल बी2बी बैठक विचारों को साझा करने, मिस्र के बाज़ार की नब्ज़ समझने के दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ । बैठक की चर्चा सफल रही ।

उत्तर प्रदेश पर केन्द्रित उत्तर-पूर्व के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक :

उत्तर पूर्व से चाय की मांग को बढ़ावा देने के लिए टी बोर्ड ने 18 अगस्त 2020 को उत्तर प्रदेश पर केन्द्रित उत्तर-पूर्व के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन किया । इस बैठक में उत्तर प्रदेश तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से आए थोक एवं फुटकर व्यापारी आकर्षित हुए क्योंकि वे उत्तर -पूर्व के विक्रेताओं से ठोस मुख्य व्यवसाय में संलग्न हो सकेंगे ।

असम सहित उत्तर - पूर्व राज्यों से चाय की मांग बढ़ाने का यह एक प्रयास था तथा उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, बिहार झारखंड जैसे प्रति व्यक्ति कम खपत वाले गैर चाय उत्पादक राज्यों में चाय के असली आस्वादन, सुगंध, महक एवं स्वास्थ्यवर्धक गुणों को उपलब्ध कराना था ।

अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए असम सरकार के आयुक्त एवं सचिव, डॉ. के.के. द्विवेदी ने उल्लेख किया कि असम सरकार ने चाय उद्योग पर हमेशा विशेष ध्यान दिया है । लॉकडाउन के दौरान यही वह उद्योग है जिसे सबसे पहले खोलने की अनुमति दी गई थी । उन्होनें कहा कि स्पैशलिटी टी आने वाले समय की मांग है। असम सरकार ग्रीन टी, ओर्गेनिक टी, व्हाइट टी, येल्लो टी आदि जैसी स्पैशलिटी टी की खेती करने वाले असम चाय रोपकों के लिए विशेष पैकेज लेकर आ रही है।

टी बोर्ड उपाध्यक्ष - श्री पी.के.साहू ने असम चाय को और लोकप्रिय बनाने पर विशेष बल दिया क्योंकि यह एक विश्व प्रसिद्ध चाय है। उन्होनें कहा कि यह कोई साधारण चाय नहीं है बल्कि हमारे जीवन के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक पेय है। उन्होनें यह भी बताया कि उत्तर - पूर्व क्षेत्र भारतीय चाय उत्पादन का लगभग 53% चाय उत्पादन करता है और इसलिए व्यापक तरीके से उत्तर - पूर्व चाय के संवर्धन की जरूरत है।

टी बोर्ड भारत के उत्तर - पूर्व अंचल में कार्यकारी निदेशक, श्री संजीओ कुमार ने उल्लेख किया कि टी बोर्ड ने मार्च, 2020 के दौरान उड़ीसा में असम चाय के लिए एक गहन जागरूकता अभियान चलाया था । उन्होनें यह भी बताया कि टी बोर्ड के पास अन्य राज्यों, जैसे- उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के लिए भी ऐसी योजनाएँ हैं और इन क्षेत्रों में अपार संभावनाएँ हैं जिनका अभी तक दोहन नहीं हुआ है। उन्होनें उत्तर प्रदेश से आए क्रेताओं को एक समूह बनाने का आह्वान किया तथा व्यावसायिक अवसरों -जिसमें टी बोर्ड सहयोग कर सकता है - का लाभ उठाने के लिए उत्तर-पूर्व का दौरा करने का आग्रह किया ।

प्रमुख निर्यातकों एवं संघों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इंटरैक्टिव बैठक :

" वर्तमान परिस्थिति में भारतीय चाय के निर्यात के लिए भावी रणनीति " (Way Forward for Indian Tea Exports in the Current Situation) विषय पर प्रमुख निर्यातकों एवं संघों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 10 अगस्त, 2020 को एक इंटरैक्टिव बैठक का आयोजन हुआ था । इस बैठक की अध्यक्षता श्री पी.के.साहू, उपाध्यक्ष टी बोर्ड ने की । इस बैठक में प्रमुख निर्यातकों के अलावा अन्य उपस्थित सदस्यों में श्री

विवेक गोएङ्का, अध्यक्ष आईटीए, श्री अंशुमान कनोरिया, अध्यक्ष भारतीय चाय निर्यातक संघ, श्री सी.श्रीधरन, अध्यक्ष, उपासी टी कमिटि, श्री प्रशांत भंशाली, उपाध्यक्ष उपासी, श्री दीपक शाह, अध्यक्ष दक्षिण भारत चाय निर्यातक संघ, श्री राज बंसल, भारतीय चाय संघ शामिल थे ।

सितंबर 2020

4 सितंबर, 2020 को उत्तर बंगाल के हितधारकों के साथ बैठक :

उत्तर बंगाल में चाय की निर्यात क्षमता का पता लगाने के उद्देश्य से उत्तर बंगाल चाय उद्योग के हितधारकों के साथ 4 अगस्त 2020 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी । इस बैठक के परिपृष्ठ में श्री पी.के.साहू, उपाध्यक्ष टी बोर्ड ने कहा कि 30 नवम्बर 2019 को हुई बोर्ड की 241वीं बैठक के दौरान माननीय बोर्ड सदस्य श्री बिपान सिंगल ने डूयर्स-तेराई क्षेत्र से चाय निर्यात को कैसे बढ़ाया जाए इस पर विचार करने के लिए उत्तर बंगाल चाय उद्योग के हितधारकों के लाभार्थ एक सेमिनार आयोजित करने का आग्रह किया था ।

उपरोक्त एजेंडा के बारे में उपाध्यक्ष ने कहा कि गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण मापदंड है। अर्थात् चाय ''निर्यात योग्य गुणवत्ता '' के मानकों के अनुकूल होनी चाहिए । यह सुनिश्चित करना अति महत्वपूर्ण है कि निर्यात की जाने वाली चाय उम्दा हो ।

बैठक में बोलते हुए श्री बिपान सिंगल ने कहा कि निर्यात आवश्यकताओं के बारे में हितधारकों को शिक्षित करने के लिए सिलीगुड़ी, डूयर्स, तराई, दार्जिलिंग में आयात-निर्यात सेमीनारों का आयोजन किया जाना चाहिए । उन्होनें आगे यह भी कहा कि उत्तर बंगाल को चाय व्यवसाय में प्रमुखता मिलनी चाहिए।

बोर्ड सदस्य ने कहा कि लोग डूयर्स और तराई चाय के बारे में ज्यादा नहीं जानते हैं और इसलिए डूयर्स और तराई चाय के लिए विशेष प्रचारात्मक पहल करने की जरूरत है। सिलीगुड़ी में प्रत्यक्ष निर्यात आधारभूत संरचना का निर्माण किया जाना चाहिए तथा निर्यातकों को माल भाड़ा में सब्सिडि दी जानी चाहिए । माननीय बोर्ड सदस्य ने एक्सपोर्ट क्लस्टर्स बनाने की भी बात कही ।

भारतीय चाय संघ के सचिव, श्री सुजीत पात्रा ने कहा कि भावी क्रेताओं के लिए निर्यात सहायता बढ़ाए जाने की जरूरत है। उत्पादककर्ताओं को संभावित बाज़ारों तक ले जाया जाना चाहिए और अंतर्राष्ट्रीय क्रेताओं को यहाँ बुलाना चाहिए तथा उन्हें यहाँ की चाय दिखायी जानी चाहिए। 'ब्राण्ड बेंगल' के तहत चाय का व्यापार करने की जरूरत है।

बैठक का दूसरा अर्धसत्र दार्जिलिंग को समर्पित था । श्री अंशुमान कनोरिया, अध्यक्ष- भारतीय चाय निर्यात संघ ने कहा कि निर्यात बाज़ार के अलावा घरेलू बाज़ार को भी विकसित करने की जरूरत है। घरेलू बाज़ार के लिए और अधिक विपणन की आवश्यकता है। जेनेरिक प्रचारात्मक अभियानों का आयोजन किया जाना चाहिए । घरेलू बाज़ार में दार्जिलिंग चाय के लिए एक समान अवसर होना चाहिए ।

श्री अशोक लोहिया, अध्यक्ष चामोंग टी एक्सपोर्ट लिमिटेड ने दार्जिलिंग जीआई को संरक्षित करने की वकालत की । उन्होनें कहा कि दार्जिलिंग चाय आज केवल जीआई के कारण जीवित है। उन्होनें आगे कहा कि 25-30% फसल के नुकसान तथा मांग की कमी के कारण, चाय की कीमत नहीं बढ़ रही है।

बिहार और झारखंड पर केन्द्रित उत्तर-पूर्व के चाय के संवर्धन के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक :

उत्तर-पूर्व चाय क्षेत्र के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक की श्रृंखला में बिहार और झारखण्ड के लिए 18 सितंबर, 2020 को दूसरी वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया था । इस वर्चुअल बैठक ने लक्ष्यित राज्यों से थोक एवं खुदरा व्यापारियों को आकर्षित किया जहां वे उत्तर-पूर्व के विक्रेताओं के साथ ठोस मुख्य व्यवसाय में संलग्न हुए । बिहार और झारखण्ड से क्रेताओं, थोक विक्रेताओं, फुटकर विक्रेताओं,उत्पादक कर्ताओं तथा पैकेट बेचने वालों ने इस वर्चुअल बैठक में भाग लिया ।

इस बैठक में टी बोर्ड उपाध्यक्ष श्री पी.के.साहू ने कहा कि भारत दूसरा सबसे बड़ा चाय उत्पादक तथा 252 मिलियन किलोग्राम निर्यात के साथ चौथा सबसे बड़ा निर्यातक देश है। हमारे देश की प्रति व्यक्ति चाय की औसत खपत विश्व मानकों की तुलना में कम है। उन्होनें बताया भारत इसमें 20वें स्थान पर है।

बिहार के प्रधान सचिव, उद्योग विभाग डॉ.एस. सिद्धार्थ ने टी बोर्ड से उत्पादकों का अपना उत्पाद स्थानीय बाज़ार में बेचने में मदद करने के लिए किशनगंज में एक चाय नीलामी केंद्र खोलने का आग्रह किया। उन्होनें उत्तर-पूर्व के चाय उत्पादकों से किशनगंज में प्रसंस्करण एवं विनिर्माण सुविधा केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया ।

डॉ. एस. सरवणा कुमार, सचिव, कृषि विभाग, बिहार ने बताया कि बिहार में केवल किशनगंज जिला में चाय रोपण होता है।

उत्तर - पूर्व चाय उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वालों में असम,त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के मैक लेओड रस्सेल, सियांग टी एंड इंडस्ट्रीज़, एंडर्सन टी एस्टेट्स, पापुमपरे टी एस्टेट, सिरु रिजो टी कंपनी, बोरगांग टी कंपनी, विष्णु टी कंपनी का नाम प्रमुख है।

बिहार और झारखण्ड से क्रेताओं, थोक विक्रेताओं, फुटकर विक्रेताओं,उत्पादक कर्ताओं तथा पैकेट बेचने वालों ने वर्चुअल बैठक में भाग लिया ।

28 सितंबर, 2020 को भारत चाय संवर्धन तथा आगे प्रवेश के लिए संयुक्त अरब अमीरात और अन्य संभावित खाड़ी देशों यथा कुवैत, ओमान और क़तर पर केन्द्रित वर्चुअल बी2बी बैठक :

28 सितंबर, 2020 को भारत चाय संवर्धन तथा आगे प्रवेश के लिए संयुक्त अरब अमीरात और अन्य संभावित खाड़ी देशों यथा- कुवैत, ओमान और क़तर पर केन्द्रित वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन किया गया था । टी बोर्ड भारत ने भारतीय चाय के निर्यात पर नए सिरे से फोकस करने तथा आयात के नजरिए से पूर्वोक्त खाड़ी देशों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत महावाणिज्य दूतावास, दुबई के सहयोग से 28 सितंबर 2020 को एक क्रेता -विक्रेता वर्चुअल बैठक का आयोजन किया ।

अक्टूबर 2020

7 अक्टूबर, 2020 को आयोजित वर्चुअल चाय सम्मेलन :

टी बोर्ड भारत और असम सरकार के सहयोग से भारतीय वाणिज्य महासंघ (सीआईआई) ने 7 अक्टूबर, 2020 को डिजिटल सम्मेलन, चाय उद्योग से संबन्धित विभिन्न प्रकार की चाय और उत्पादों की प्रदर्शनी तथा क्रेता-विक्रेता बैठक सहित एक वर्चुअल चाय सम्मेलन का आयोजन किया था । इस वर्चुअल सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. के. के. द्विवेदी, आयुक्त एवं सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग असम सरकार की उपस्थिति में श्री चन्द्र मोहन पटोवारी, माननीय परिवहन, उद्योग एवं वाणिज्य, संसदीय मामले एवं बीज मंत्री द्वारा किया गया ।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित प्रमुख वक्ताओं में श्री पी.के.साहू, उपाध्यक्ष टी बोर्ड भारत, श्री संजीओ कुमार, कार्यकारी निदेशक, टी बोर्ड भारत एवं अन्य शामिल थे । इस वर्चुअल चाय सम्मेलन में नियमित प्रदर्शनी की ही भाँति वर्चुअल स्टल्स् थे जहां उत्पादककर्ताओं और विनिर्माताओं ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए तथा क्रेता एवं चाय के पारखियों ने वर्चुअली स्टॉल्स का मुआयना किया । इसके अतिरिक्त वहाँ बी2बी तथा बी2सी दोनों क्रेता-विक्रेता बैठकें हुईं ।

12 अक्टूबर, 2020 को रूसी बाज़ार के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन :

टी बोर्ड भारत ने रूस में भारतीय चाय क्षेत्र के उन्नत विपणन के लिए मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से 12 अक्टूबर 2020 को एक वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन किया । इस बी2बी बैठक का मुख्य उद्देश्य रूस में बढ़ती भारतीय चाय के निर्यात के अवसर तथा साधन तलाशना, भारतीय चाय (बल्क तथा पैकेज्ड) की निरंतर आपूर्ति सुलभ करने तथा भारतीय चाय ब्राण्ड के प्रदर्शन के लिए डेडिकटेड शेल्फ स्पेस संरक्षित करने के लिए प्रमुख सुपर मार्केट फुटकर विक्रेताओं के साथ समुचित सहयोग का अवसर तलाशना तथा अधिक मात्रा में चाय के निर्यात के अतिरिक्त मूल्य संवर्धित चाय निर्यात पर बल देना था।

रूसी संघ में भारतीय दूतावास के माननीय भारतीय दूत श्री डी.बी. वेंकटेश वर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए निर्यातकों से भारतीय चाय की उन्नत पैकेजिंग के लिए रूसी कंपनियों के साथ संयुक्त सांझेदारी स्थापित करने का अनुरोध किया । श्री पी.के.साहू, उपाध्यक्ष टी बोर्ड भारत ने कहा कि भारतीय बाज़ार की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सुपरमार्केट्स, रिटेल चेन के साथ गठबंधन तथा संयुक्त सांझेदारी करने की जरूरत है। इस बैठक में प्रमुख आयातक, मॉस्को में भारत के दूतावास के अधिकारीगण, भारत के चाय संघों के प्रतिनिधि - आईटीए, आईटीईए, यूपीएएसआई (उपासी), एसआईटीईए तथा बड़ी संख्या में भारतीय चाय निर्यातक उपस्थित थे । इस वर्चुअल बैठक में दोनों तरफ से लगभग 100 हितधारकों ने भाग लिया ।

29-31 अक्टूबर, 2020 को बायोफ़ैक इंडिया के वर्चुअल संस्करण में टी बोर्ड की प्रतिभागिता

टी बोर्ड भारत ने 29 -31 अक्टूबर 2020 तक डिजिटल फ़ारमैट में हुई नुएर्नबर्ग मेस्से भारत द्वारा आयोजित बायोफ़ैक इंडिया (अंतर्राष्ट्रीय जैविक उत्पाद प्रदर्शनी एवं सम्मेलन) के 12वें संस्करण तथा नैचरल एक्सपो इंडिया (अंतर्राष्ट्रीय प्राकृतिक उत्पाद प्रदर्शनी एवं सम्मेलन) के तीसरे संस्करण में भाग लिया । दोनों कार्यक्रम कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किए गए थे और ये जैविक एवं प्राकृतिक उद्योग जगत के सभी प्रमुख उद्योगपतियों को एकल मंच पर ई - कनैक्ट करने पर लक्ष्यित थे । मुख्य प्रदर्शनी एवं सम्मेलन कार्यक्रम के अतिरिक्त इस कार्यक्रम की श्रृंखला में CEO's Forum, अंतर्राष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक, विक्रेता विकास कार्यक्रम आदि शामिल थे । इस कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों के क्रेताओं ने भाग लिया तथा विदेशी एवं घरेलू क्रेताओं के साथ बी2बी बैठकें भी हुईं ।

9-11 अक्टूबर, 2020 में दिल्ली बाज़ार, मॉस्को में आयोजित भारतीय चाय संवर्धन :

"दिल्ली बाज़ार" भारतीय वस्तुओं का एक बाज़ार एवं भारतीय रेस्तरां का एक फूड कोर्ट युक्त मॉस्को शहर में आयोजित एक भारतीय मेला है। इस कार्यक्रम के दौरान भारतीय संस्कृति के प्रशंसकों और आगंतुकों के लिए भाषण तथा कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं । 9-11 अक्टूबर, 2020 तक चले इस कार्यक्रम के दौरान कई प्रकार की भारतीय खुली चाय यथा- दार्जिलिंग, असम, ऑर्थोडॉक्स, असम सीटीसी, नीलगिरि ऑर्थोडॉक्स तथा सिक्किम चाय प्रदर्शित की गई । आगंतुकों के लिए चाय का आस्वादन लेने का भी इंतजाम था । अपने स्वाद और सुगंध के लिए इन चायों को बहुत सराहा गया । भारतीय चाय खरीदने के लिए आगंतुकों की भीड़ लग गई और वे ऐसी उम्दा गुणवत्ता वाली चाय खरीदने के लिए उत्सुक थे ।

नवम्बर 2020

30 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2020 तक आयोजित एसोचैम आयुष मेला में टी बोर्ड की प्रतिभागिता:

टी बोर्ड ने एक वर्चुअल स्टॉल तथा विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय का प्रदर्शन करते हुए 30 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2020 तक आयोजित एसोचैम (ASSOCHAM) आयुष मेला के वर्चुअल संस्करण में भाग लिया । इस प्रदर्शनी ने व्यापार घरानों तथा योग, आयुर्वेद, होम्योपैथी, हर्बल, यूनानी और सिद्ध में संलग्न लोगों के लिए अपने उत्पाद एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान किया । इस कार्यक्रम ने उद्योग जगत

के विभिन्न सुविख्यात पेशेवरों और वक्ताओं से मिलने का एक सुअवसर प्रदान किया । इस वर्चुअल मेले ने वार्तालाप करने, व्यापार से व्यापार बैठकों, विनिर्माताओं, निर्यातकों एवं अन्य संबद्ध सेवाओं द्वारा उत्पादों को प्रदर्शित करने का एक सुअवसर भी प्रदान किया ।

डॉ.राजेश कोटेचा, सचिव, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार इस मेला के अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि थे । टी बोर्ड भारत की ओर से श्री एस.सौंदराराजन,निदेशक चाय विकास, ने चाय के स्वास्थ्य लाभों पर तकनीकी शिक्षण-सत्र को संबोधित किया । इसके अतिरिक्त अन्य शिक्षण-सत्र भी हुए, जैसे - प्रतिरक्षा एवं होम्योपैथी सम्मेलन, विटामिन - डी शिक्षण-सत्र, औषधीय पौधों की भूमिका पर शिक्षण-सत्र इत्यादि ।

16 नवम्बर, 2020 को आयोजित संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ वर्चुअल बी2बी बैठक

टी बोर्ड भारत ने न्यूयॉर्क में स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से भारत के चाय निर्यातकों और चाय बिरादरी तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ 16 नवम्बर 2020 को एक वर्चुअल बी2बी बैठक का आयोजन किया । श्री रणधीर जयसवाल, काउंसेल जनरल ने माना कि भारतीय चाय की अमेरिका में एक अच्छी पहचान है परंतु हम इसमें और बेहतर कर सकते हैं। चाय पारखियों/विशेषज्ञों के समक्ष नई किस्म की चाय उत्पादों को लाने की अपर संभावना है। उन्होनें कहा कि हमें चाय में और मूल्य संवर्धन करने, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को आधुनिक बनाने तथा उद्योग को और उदार बनाने की जरूरत है। उन्होनें कहा कि भारत और अमेरिका के बीच चाय सम्बन्धों को और प्रगाढ़ बनाने की अपार संभावना है।

टी बोर्ड उपाध्यक्ष श्री पी.के.साहू ने अपने भाषण में कहा कि जहां तक चाय का संबंध है भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका का संबंध बहुत प्रगाढ़ है। चाय पीने के मामले में अमेरिका और भारत के स्वाद एक जैसे हैं । भारत विविध कृषि- जलवायुवीय परिस्थितियों से सम्पन्न है और यहाँ अलग -अलग क्षेत्रों से विभिन्न प्रकार के चाय की पैदावार होती है, जैसे- दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि, कांगड़ा, दूयर्स - तेराई, सिक्किम इत्यादि । संयुक्त राज्य अमेरिका चाय का एक बड़ा उपभोक्ता है और भारत के पास अमेरिका की सभी चाय संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है । भारत में अनेकों प्रकार के चाय की पैदावार होती है तथा सभी प्रकार की चाय,जैसे - काली चाय, हरी, स्वेत, पीली, ऊलोंग, ऑर्थोडॉक्स, सीटीसी चाय इत्यादि का निर्माण होता है। भारत विभिन्न रूपों जैसे-बल्क टी, पैकेज्ड टी, टी बैग्स, स्पैशलिटी टी, इंस्टेंट टी, आरटीडी, प्रेमिक्सेस इत्यादि में चाय की आपूर्ति करता है। भारत पूरे विश्व में चाय पीने वाली आबादी की जरूरतों को पूरा करता है। भारत ही एकमात्र वह देश है जहां हर प्रकार की चाय मिलती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में चाय परिदृश्य पर चर्चा करते हुए अमेरिकी चाय संघ तथा स्पैशलिटी टी संस्थान के सभापति श्री पीटर गोग्गी ने कहा कि कोविड-19 के कारण अमेरिका में चाय उद्योग पर प्रभाव पड़ा है। परंतु घरेलू खपत तथा स्पैशलिटी टी क्षेत्र में वृद्धि देखी गई है। जहां तक अमेरिका में चाय का संबंध है उसे सम्पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला में स्वास्थ्य और कल्याण, "प्राकृतिकता", उत्पाद जुड़ाव और स्थिरता के रूप में देखा जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में चाय के ट्रेण्ड पर बात करते हुए उत्तर अमेरिका चाय महाप्रबंधक सुश्री लेरेन मिल्लर ने बताया कि 50% अमेरिकी उपभोक्ता औसत सप्ताह में चाय पीते हैं और 39% लोगों ने बताया कि कोविड के बाद से वे चाय पी रहे हैं । उन्होनें यह भी बताया कि गर्म चाय की खपत बढ़ रही है। वर्तमान में जहां आईस्ड टी (ठंडी चाय) बनाम गर्म चाय की खपत का अनुपात 50:50 है,वहीं गर्म चाय की मांग आईस्ड टी (ठंडी चाय) की अपेक्षा बढ़ रही है। उन्होनें आगे यह भी बताया कि वृद्धि के 70% कारणों में स्वास्थ्य लाभों- जिनमें नींद और पाचन संबंधी कारण अधिक है, वहीं चाय की "प्रतिरक्षा" क्षमता एक उभरता हुआ अवसर है।

इस बैठक में अन्य गणमान्य वक्ताओं में सुश्री सिंडी बिगेलो, निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी - बिगेलो टी कंपनी, सुश्री एमी डूबिन,संस्थापक जानम टी, श्री आज़म मेनॉन, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय चाय संघ, श्री अंशुमान कनोरिया, अध्यक्ष भारतीय चाय निर्यात संघ, श्री प्रशांत भंशाली, अध्यक्ष उपासी (UPASI), श्री दीपक शाह, अध्यक्ष, दक्षिण भारतीय चाय निर्यातक संघ और अन्य थे ।

25 नवम्बर, 2020 को आयोजित उत्तर-पूर्व चाय के संवर्धन एवं पुन: प्रवर्तन के लिए आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना पर लक्ष्यित वर्चुअल बी2बी बैठक :

उत्तर-पूर्व चाय क्षेत्र के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक की श्रृंखला में तीसरी बैठक आंध्रा प्रदेश और तेलंगाना राज्य के लिए 25 नवम्बर, 2020 को आयोजित की गई थी ।

बैठक में उपस्थित प्रमुख वक्ताओं में श्री प्रभात बेजबरूआ, अध्यक्ष टी बोर्ड, श्री पी.के.साहू, उपाध्यक्ष टी बोर्ड, श्री एम.के. साहरिया, श्री एस.वी.गिरिधरा राव, संयुक्त निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार, श्री रमाकांतानानी, अध्यक्ष, फ़ैडरेशन ऑफ तेलंगाना चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FTCCI) श्री सुरेन्द्र अगरवाल,सचिव,तेलंगाना टी मेर्चेंट्स एसोशिएशन और अन्य शामिल थे ।

26 नवम्बर, 2020 को आयोजित वैश्विक बाज़ार कड़ी और व्यवसाय विकास चाय सम्मेलन का दूसरा वर्चुअल सत्र

वैश्विक बाज़ार कड़ी और व्यवसाय विकास चाय सम्मेलन का दूसरा वर्चुअल सत्र टी बोर्ड भारत और भारतीय उद्योग महासंघ द्वारा 26 नवम्बर, 2020 को आयोजित किया गया था । इस बैठक में शामिल गणमान्य व्यक्तियों में श्री प्रभात बेजबरूआ, अध्यक्ष टी बोर्ड, श्री एस. सौंदराराजन, निदेशक चाय विकास, श्री बिद्यानंद बरकाकोटी, अध्यक्ष, द टी कोंक्लेव एंड प्रोप्राइटर, महालक्ष्मी टी एस्टेट, श्री डान बोल्टोन, द टी जर्नी एवं अन्य थे ।

28 नवम्बर, 2020 को आयोजित 19वीं सीआईआई ब्राण्ड कोंक्लेव में प्रायोजन एवं वर्चुअल स्टॉल

टी बोर्ड ने 28 नवम्बर, 2020 को 19वीं सीआईआई ब्राण्ड कोंक्लेव का प्रायोजन एवं वर्चुअल स्टॉल का आयोजन किया जहां विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय, जैसे- दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि, कांगड़ा, मसाला चाय इत्यादि का प्रदर्शन किया गया । विश्व मार्केटिंग के मशहूर हस्ती प्रोफेसर फिलिप कोटलर ब्राण्ड कोंक्लेव के 19वीं संस्करण में मुख्य प्रवक्ता थे ।

दिसम्बर 2020

9-11 दिसम्बर,2020 को आयोजित विश्व चाय और कॉफी एक्स्पो में टी बोर्ड की प्रतिभागिता:

भारतीय चाय बोर्ड ने वर्चुअल स्टॉल तथा दार्जिलिंग,असम, नीलगिरि, कांगड़ा, सिक्किम, डूयर्स - तेराई और अन्य प्रकार की चायों का प्रदर्शन करते हुए 9-11 दिसम्बर 2020 तक चलने वाले विश्व चाय और कॉफी एक्स्पो के वर्चुअल संस्करण में भाग लिया ।

इस वर्ष विश्व चाय और कॉफी एक्स्पो का वर्चुअल संस्करण पेय पदार्थ, डेयरी और तरल खाद्य उद्योग के लिए ड्रिंक टेक्नालॉजी - इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर तथा पैकमैक प्रसंस्करण एवं पैकेजिंग उद्योग एशिया एक्स्पो भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के संयोजन से हुआ । प्रदर्शनी के दौरान औद्योगिक स्वचालन एवं पैकेजिंग उद्योग, पेय पदार्थों में नवाचार(Innovation in Beverages), ई-कॉमर्स और पैकेजिंग,नई और सतत प्रद्योगिकियां (Newer and Sustainable Technologies), सततता एवं पैकेजिंग (Sustainability &

Packaging) इत्यादि विषयों पर विभिन्न सम्मेलन आयोजित किए गए । प्रदर्शनी के दौरान क्रेता-विक्रेता बैठकें भी आयोजित की गईं ।

टी बोर्ड द्वारा 27-28 दिसम्बर, 2020 को आयोजित असम चाय जनजाति छात्र संघ के 73वें स्थापना दिवस का प्रायोजन :

टी बोर्ड ने असम के चराईदेओ जिला के लकूया में 27-28 दिसम्बर, 2020 को आयोजित असम चाय आदिवासी छात्र संघ के 73वें स्थापना दिवस का प्रायोजन किया । असम चाय जनजाति समुदाय को सुदृढ़ करने में इस संघ की अहम भूमिका रही है।

जनवरी, 2021

22-24 जनवरी, 2021 को मॉस्को में आयोजित भारतीय मेला "दिल्ली बाज़ार" में टी बोर्ड की प्रतिभागिता

टी बोर्ड ने मॉस्को शहर में 22-24 जनवरी, 2021 तक आयोजित भारतीय मेला " दिल्ली बाज़ार " में भाग लिया । इस कार्यक्रम के दौरान कई प्रकार की भारतीय खुली चाय यथा- दार्जिलिंग, असम, ऑर्थोडॉक्स, असम सीटीसी, नीलगिरि ऑर्थोडॉक्स तथा सिक्किम चाय प्रदर्शित की गई । आगंतुकों के लिए इन चाय का आस्वादन लेने की भी सुविधा थीं । अपने स्वाद और सुगंध के लिए इन चायों को बहुत सराहा गया । भारतीय चाय खरीदने के लिए आगंतुकों की भीड़ लग गई और वे ऐसी उम्दा गुणवत्ता वाली चाय खरीदने के लिए लोग उत्सुक थे ।

"भारत का भौगोलिक संकेत उत्सव (GIFI)" में टी बोर्ड की प्रतिभागिता

टी बोर्ड भारत ने "भारत का भौगोलिक संकेत उत्सव (GIFI)" में भौगोलिक संकेत (जीआई) के रूप में पंजीकृत चायों यथा - दार्जिलिंग,असम, नीलगिरि और कांगड़ा चाय का प्रदर्शन किया । "भौगोलिक संकेतों (जीआई) एवं इसके उत्पाद समुदाय को सुदृढ़, संवर्धित तथा सशक्त करना " विषय पर आधारित 9 जनवरी से 2021 से 8 फरवरी 2021 तक आयोजित यह एक वर्चुअल सम्मेलन था । यह उपभोक्ताओं और उत्पादकों, भारत के सभी पंजीकृत जीआई के प्रदर्शन एवं संवर्धन तथा ग्रामीण समुदाय की आजीविका एवं अर्थव्यवस्था को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम था ।

राजस्थान के उदयपुर में आयोजित " आत्मनिर्भर भारत 2021" सम्मेलन में टी बोर्ड की प्रतिभागिता :

टी बोर्ड ने 11-12 जनवरी, 2021 तक राजस्थान के उदयपुर में आयोजित सम्मेलन सह प्रदर्शनी " आत्मनिर्भर भारत 2021" में भाग लिया । इस कार्यक्रम के दौरान चाय के स्वास्थ्य लाभों पर पोस्टेर्स और बैनर प्रदर्शित किए गए । इस अवसर पर जारी स्मारिका (souvenir) में चाय के स्वास्थ्य लाभों पर इश्तेहार भी प्रकाशित किया गया ।

असम के डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान में टी बोर्ड द्वारा प्रायोजित " असम चा जनो गोष्ठी जातियो महासभा " का आयोजन :

टी बोर्ड द्वारा प्रायोजित " असम चा जनो गोष्ठी जातियो महासभा " का आयोजन 23-25 जनवरी, 2021 तक दुलियाजान, डिब्रूगढ़, असम में हुआ । असम चा जनो गोष्ठी जातियो महासभा असम के वृहत चाय जनजाति के 100 से भी अधिक जातियों एवं समुदाय का एक संयुक्त मंच है। टी बोर्ड ने चाय जनजाति, स्वयं सहायता समूह एवं सांस्कृतिक समूहों द्वारा चाय सहित विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए बने 200 स्टॉल्स का प्रायोजन (sponsor) किया ।

फरवरी 2021

Biofach/Vivaness e-special 2021 के वर्चुअल संस्करण में टी बोर्ड भारत की प्रतिभागिता

टी बोर्ड भारत ने 17-19 फरवरी, 2021 तक नूर्नबर्ग मेस्से द्वारा आयोजित 100% जैविक उत्पाद को समर्पित अग्रणीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में से एक Biofach/Vivaness e-special 2021 वर्चुअल संस्करण में भाग लिया । इस प्रदर्शनी में चाय सहित प्रमाणित जैव उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला देखने का अवसर मिला । प्राषंगिक विषयों पर सेमिनार और सम्मेलन आयोजित किए गए जैसे - 'जैविक, सतत और जिम्मेदारपूर्ण उपभोग के क्षेत्र में उभरते देश के रूप में आयुर्वेद की भूमि - भारत '(भारत - आयुर्वेद की भूमि जैविक टिकाऊ और जिम्मेदार खपत में एक उभरते हुए नेता के रूप में बढ़ती वृद्धि का गवाह है) , ' जैविक आंदोलन और जापान में बाज़ार ' (जापान में जैविक आंदोलन और बाजार) , 'जैविक खाद्यों के लिए अमेरिका में सफल प्रवेश ' जैविक खाद्य पदार्थों के लिए अमेरिकी बाजार में सफल प्रवेश' इत्यादि । टी बोर्ड ने इस मंच से विभिन्न भारतीय चाय एवं उन पर अङ्ग्रेज़ी और जर्मन दोनों भाषाओं में प्रचारात्मक साहित्य प्रदर्शित किए ।

4th इमरजिंग नॉर्थ ईस्ट में टी बोर्ड भारत की प्रतिभागिता :

टी बोर्ड ने एसोचैम द्वारा 19 फरवरी 2021 को गुवाहाटी में तथा 20-21 फरवरी 2021 को डिब्रूगढ़, असम में आयोजित तीन दिवसीय व्यवसाय सम्मेलन और प्रदर्शनी - "4th इमरजिंग नॉर्थ ईस्ट 2021" में निर्मित स्टॉल के माध्यम से भाग लिया। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे ।

19.2._2020 को व्यवसाय और नेटवर्किंग सम्मेलन के दौरान श्री एस.सौंदराराजन, निदेशक चाय विकास ने असम सहित उत्तर-पूर्व क्षेत्र में चाय उद्योग के प्राथमिक एवं विभिन्न विशेषताओं तथा वहाँ पारिस्थितिकी तंत्र विकसित और सुदृढ़ करने में टी बोर्ड की भूमिका के बारे में अवगत कराया ।

डिब्रूगढ़ के स्टॉल के माध्यम से भारतीय चाय का प्रचार करने और उसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार की चाय प्रदर्शित की गई । स्टॉल में आए लोगों को चाय के स्वास्थ्य लाभों के बारे में पर्याप्त जानकारी दी गई । केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली की उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा और बढ़ गई । माननीय मंत्री महोदय ने टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा भी किया । उन्होनें लघु चाय उत्पादकों के चाय संवर्धन के लिए टी बोर्ड द्वारा उठाए गए कदम की सराहना की ।

उड़ीसा पर केन्द्रित उत्तर-पूर्व चाय का संवर्धन एवं पुन: प्रवर्तन के लिए वर्चुअल बी2बी बैठक में टी बोर्ड की प्रतिभागिता :

उत्तर-पूर्व क्षेत्र के चाय विक्रेताओं के लिए व्यवसायिक बढ़त उत्पन्न करने की एक योजना के रूप में तुलनात्मक रूप से प्रति व्यक्ति कम चाय की खपत वाला राज्य- उड़ीसा को ध्यान में रखकर 10 फरवरी 2021 को एक वर्चुअल क्रेता- विक्रेता बैठक (बीएसएम) का आयोजन किया गया । उड़ीसा से आए अनेक चाय विक्रेताओं को एक संरचित फ़ारमैट में उत्तर-पूर्व के दस (10) चाय विक्रेताओं से इंटरैक्टिव मोड पर मिलाया गया ।

तेज़पुर, असम में टी बोर्ड द्वारा प्रायोजित "Tea Preparation and Brewing Competition" कार्यक्रमः

टी बोर्ड भारत ने तेज़पुर ऑनलाइन (एक ई- कॉमर्स मंच) के सहयोग से - "Brew your Way" शीर्षक से 21 फरवरी, 2021 को तेज़पुर, असम में उत्तर-पूर्व भारत का प्रथम राज्यस्तरीय "Tea Preparation & Brewing Competition" का आयोजन किया था । विशुद्ध "असम चाय" पर आधारित तीन परिभाषित वर्गों यथा "दुग्ध चाय", "गैर-दुग्ध चाय'(द्राब)" तथा "मिश्रण विज्ञान पर आधारित इनफ़्यूजन" पर प्रतियोगिता हुई जिसमें असम से 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया । प्रत्येक वर्ग से तीन विजेताओं को नक़द पुरस्कार के साथ प्रमाण-पत्र और उपहार भी दिये गए ।

उत्तर-पूर्व राज्य में अपने तरह के इस पहले कार्यक्रम में प्रतिभागियों एवं आगंतुकों की ओर से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली तथा असम मूल के एकमात्र चाय और इसकी स्वाद, सुगंध और विशेषता के बारे में जागरूकता और रुचि बढ़ाई गई ।

गुवाहाटी, असम में निर्यात सम्मेलन :

असम के गुवाहाटी में 19 फरवरी, 2021 को एक निर्यात सम्मेलन का आयोजन हुआ जहां असम के क्षमतावान जिलों से निर्यात संवर्धन को बढ़ावा देने की दिशा में असम सरकार और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफ़टी) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। श्री चन्द्र मोहन पटोवारी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री,असम सरकार और डॉ. के. के. द्विवेदी, प्रधान सचिव,उद्योग एवं वाणिज्य विभाग,असम सरकार ने इस क्षेत्र से निर्यात संवर्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में अवगत कराया । उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, असम सरकार की ओर से आमंत्रित श्री जयदीप बिस्वास, उप-निदेशक चाय संवर्धन ने इस निर्यात सम्मेलन में भाग लिया । अपनी प्रस्तुति के दौरान श्री बिस्वास ने असम चाय उद्योग के विरासत और परम्पराओं पर संक्षिप्त टिप्पणी दी तथा टी बोर्ड द्वारा उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए हाल ही में उठाए गए विभिन्न कदमों पर विस्तार से चर्चा की।

नीलगिरिज में भारतीय चाय के लिए प्रचारात्मक पहल :

नीलगिरि की यात्रा पर आए पर्यटकों में और अधिक जागरूकता लाने के लिए टी बोर्ड आंचलिक कार्यालय, कूनूर ने भारतीय चाय के प्रचार की दृष्टि से 10 ट्रैफिक बैरीकेड्स पर कलाकारी करके 9 फरवरी 20201 को नीलगिरिज के पुलिस निरीक्षक (एसपी) को सौंपा ।

मार्च 2021

इंडस फूड 2021 में टी बोर्ड की प्रतिभागिता :

टी बोर्ड भारत ने 20-21 मार्च 2021 को ग्रेटर नोएडा के India Exposition Mart में आयोजित इंडस फूड 2021 में भाग लिया । इंडस फूड खाद्य, पेय और डेयरी उत्पादों के सबसे व्यापक और महंगे व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में से एक है। वैश्विक क्रेताओं को देश के सर्वोत्तम खाद्य एवं कृषि उत्पादों से परिचित कराने के लिए चुनिन्दा भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से मिलने के लिए खाद्य एवं पेय उद्योग से कुछ नामचीन वैश्विक क्रेता इस प्रदर्शनी में इक्कठा हुए । इस व्यापार मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री प्रताप चंद्र सारंगी, माननीय लघु, छोटे और मझोले उद्यम राज्य मंत्री तथा मत्स्य, पशु -पालन और डेयरी मंत्रालय के कर कमलों द्वारा हुआ ।

अलग -अलग क्षेत्रों से लगभग 330 निर्यातकों ने अपने अपने पवेलियन स्थापित किए । इंडस फूड 2021 में भारत के चार राज्यों से विषयगत भागीदारी देखी गई जिनमें उड़ीसा, हरियाणा, तमिलनाडु और जम्मू- कश्मीर राज्य के उद्योग एवं एमएसएमई शामिल थे । 2021 में कुल 52 से अधिक देशों से 800+ वैश्विक क्रेताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया । अफ्रीकी देशों, यूरोपियन संघ, खाड़ी देशों, बांग्लादेश, बेलारूस, नेपाल, रूस, ताजिकिस्तान, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान और संयुक्त राज्य अमेरिका से व्यापार शिष्टमंडल इंडस फूड 2021 में उपस्थित हुए थे ।

अनुलग्नक -1

2020-21 के दौरान प्रमुख देशवार निर्यात

देश	2020-21					2019-20				
	परिमाण (मि.कि.ग्रा.)	मूल्य (करोड़ रु०)	मूल्य (यूएस मि.डॉलर)	इकाई दर (रु०/कि.ग्रा.)	इकाई दर (डॉलर /कि.ग्रा.)	परिमाण (मि.कि.ग्रा.)	मूल्य (करोड़ रु०)	मूल्य (यूएस मि.डॉलर)	इकाई दर (रु०/कि.ग्रा.)	इकाई दर (डॉलर /कि.ग्रा.)
रूसी संघ	35.60	645.87	87.10	181.39	2.45	44.81	712.77	100.43	159.05	2.24
यूक्रेन	2.49	47.20	6.35	189.17	2.55	3.48	53.24	7.50	152.83	2.15
कज़खस्तान	9.19	204.27	27.63	222.04	3.01	9.02	161.19	22.71	178.81	2.52
अन्य सीआईएस	1.80	38.87	5.24	215.94	2.91	2.21	40.63	5.73	185.43	2.61
कुल सीआईएस	**49.08**	**936.21**	**126.32**	**190.75**	**2.57**	**59.52**	**967.83**	**136.37**	**162.65**	**2.29**
यू.के.	10.26	311.82	42.07	303.88	4.10	10.97	262.26	36.95	239.12	3.37
निदरलैंड	3.07	140.62	18.97	458.38	6.18	3.69	139.73	19.69	379.17	5.34
जर्मनी	8.46	262.88	35.49	310.85	4.20	9.36	250.13	35.24	267.37	3.77
आयरलैंड	1.89	102.25	13.83	545.00	7.32	1.77	104.03	14.66	589.38	8.30
पोलैंड	5.66	125.94	16.99	222.33	3.00	5.81	107.84	15.20	185.47	2.61
यू.एस.ए.	12.06	507.14	68.56	420.77	5.68	12.50	379.02	53.41	303.34	4.27
कनाडा	1.93	82.13	11.09	424.72	5.75	2.02	67.98	9.58	335.88	4.73
यू.ए.ई.	13.60	339.93	45.99	249.94	3.38	12.61	280.00	39.45	222.00	3.13
ईरान	28.35	756.21	101.74	266.85	3.59	46.86	1293.03	182.19	275.96	3.89
सऊदी अरब	4.98	144.59	19.53	291.28	3.92	5.59	149.47	21.06	267.62	3.77
मिस्र (A.R.E)	1.34	19.57	2.64	145.71	1.97	3.15	40.98	5.77	130.08	1.83
अफगानिस्तान	0.76	11.17	1.51	146.41	1.99	2.17	26.84	3.79	123.89	1.75
बांग्लादेश	0.31	10.64	1.46	344.12	4.71	2.03	27.19	3.83	134.30	1.89
चीन	11.88	214.95	28.97	180.93	2.44	12.72	200.16	28.20	157.42	2.22
सिंगापुर	1.12	37.46	5.07	337.19	4.53	0.85	19.90	2.80	234.13	3.30
श्री लंका	1.39	28.43	3.86	204.63	2.78	1.88	31.80	4.48	168.82	2.38
केन्या	0.67	11.69	1.58	172.55	2.36	0.51	8.25	1.16	160.87	2.27
जापान	3.43	153.62	20.73	448.36	6.04	5.19	191.36	26.96	369.07	5.20
पाकिस्तान						3.29	35.02	4.93	106.59	1.50
ऑस्ट्रेलिया	2.71	113.80	15.37	418.09	5.67	2.48	89.01	12.54	359.64	5.07
अन्य देश	40.84	1000.48	135.09	244.98	3.31	36.37	785.27	110.67	215.54	3.04
कुल	**203.79**	**5311.53**	**716.86**	**260.64**	**3.52**	**241.34**	**5457.10**	**768.93**	**226.11**	**3.19**

तस्वीरें

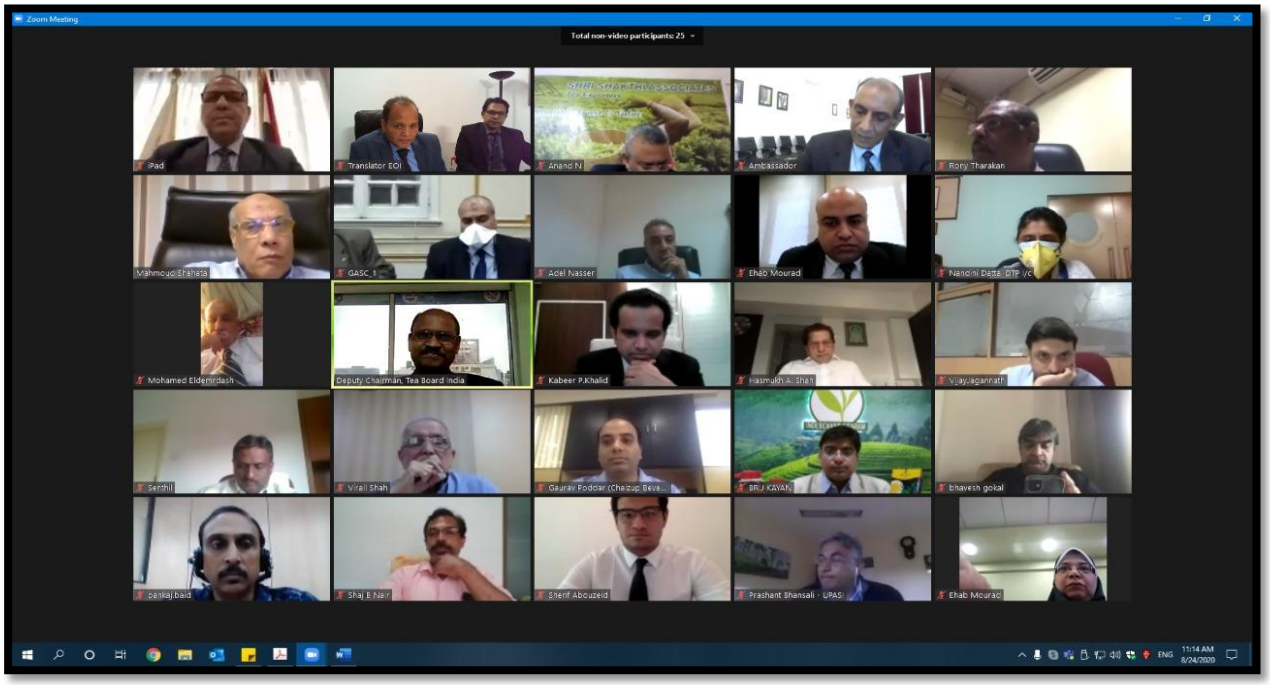

काहिरा स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से 24 अगस्त, 2020 को आयोजित भारतीय चाय निर्यातों का मिस्र के आयातकों और अन्य हितधारकों के साथ वर्चुअल बी2बी बैठक

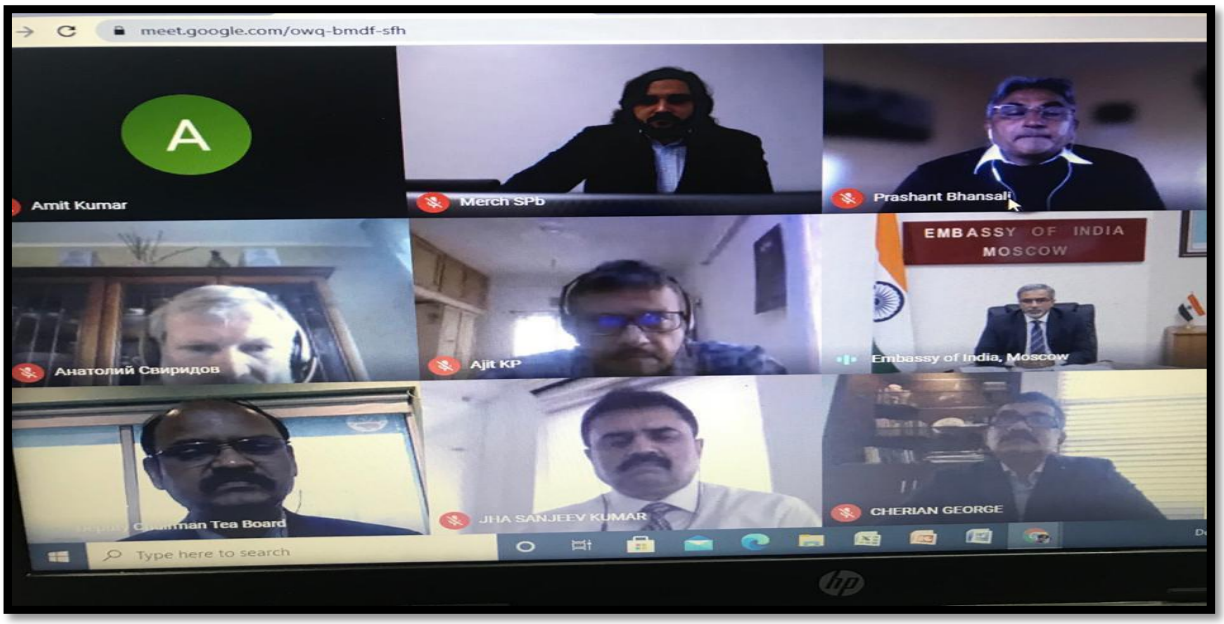

रूसी बाज़ार के लिए 12 अक्टूबर, 2020 को आयोजित वर्चुअल बी2बी बैठक में श्री पी. के. साहू, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत (नीचे सबसे बायीं ओर)

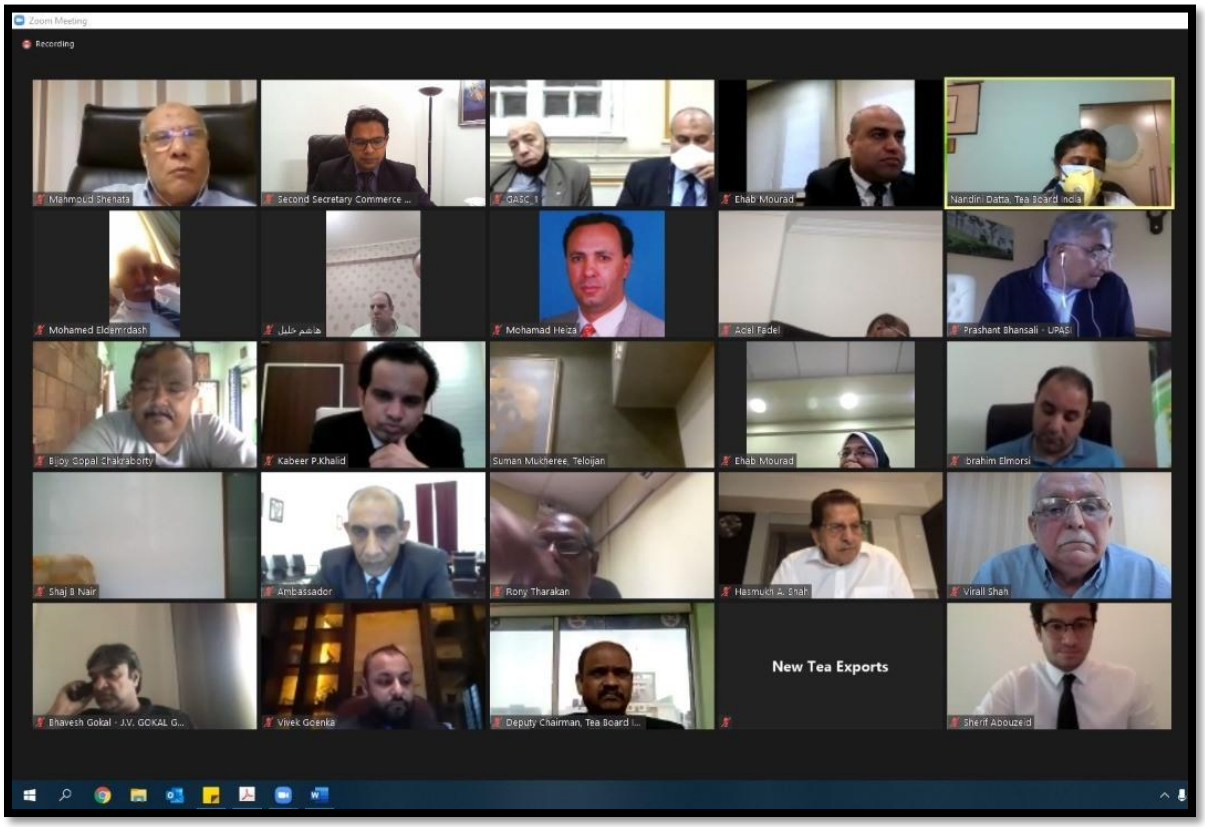

सी संघ में भारतीय दूतावास के माननीय भारतीय दूत श्री डी.बी. वेंकटेश वर्मा रूसी बाज़ार के लिए 12 अक्टूबर, 2020 को आयोजित वर्चुअल बी2बी बैठक को संबोधित करते हुए

30 अक्टूबर, 2020 को आयोजित एसोचम आयुष मेला के वर्चुअल संस्करण में चाय के स्वास्थ्य लाभों पर टी बोर्ड भारत द्वारा प्रस्तुतिकरण

30 अक्टूबर -1 नवम्बर ,2020 तक एसोचम आयुष मेला के वर्चुअल संस्करण में टी बोर्ड भारत का वर्चुअल स्टॉल

30 अक्टूबर -1 नवम्बर, 2020 तक एसोचम आयुष मेला के वर्चुअल संस्करण में टी बोर्ड भारत का वर्चुअल स्टॉल

9-11 अक्टूबर, 2020 तक मॉस्को में आयोजित दिल्ली बाज़ार में भारतीय चाय का संवर्धन (प्रमोशन)

9-11 अक्टूबर, 2020 तक मॉस्को में आयोजित दिल्ली बाज़ार में भारतीय चाय का संवर्धन(प्रमोशन)

न्यू यॉर्क स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा भारत के चाय निर्यातकों और अमेरिका के चाय बिरादरी और आयातकों के साथ 16 नवम्बर, 2020 को आयोजित वर्चुअल बी2बी बैठक

न्यू यॉर्क स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा भारत के चाय निर्यातकों और अमेरिका के चाय बिरादरी और आयातकों के साथ 16 नवम्बर, 2020 को आयोजित वर्चुअल बी2बी बैठक में श्री पी. के. साहू, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत (सबसे ऊपर)

न्यू यॉर्क स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा भारत के चाय निर्यातकों और अमेरिका के चाय बिरादरी और आयातकों के साथ 16 नवम्बर, 2020 को आयोजित

वर्चुअल बी2बी बैठक

22-24 जनवरी, 2021 तक मॉस्को में आयोजित "दिल्ली बाज़ार" में भारतीय चाय का संवर्धन (प्रमोशन)

20-21 फरवरी, 2021 तक डिब्रूगढ़, असम में आयोजित 4th इमरजिंग नॉर्थ ईस्ट में टी बोर्ड भारत की प्रतिभागिता

21 फरवरी, 2021 को तेज़पुर, असम में टी बोर्ड द्वारा प्रायोजित "Tea Preparation and Brewing Competition" कार्यक्रम

21 फरवरी, 2021 को तेज़पुर, असम में आयोजित "Tea Preparation and Brewing Competition" में टी मॉकटेल का प्रदर्शन

20-21 मार्च, 2021 में ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंडस फूड में टी बोर्ड की प्रतिभागिता

अध्याय-7

अनुज्ञापन

परिचय:

भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विभिन्न वैधानिक और नियामक आदेशों के कार्यान्वयन के लिए लाइसेंसिंग शाखा बोर्ड की एक महत्वपूर्ण शाखा है। लाइसेंसिंग शाखा विभिन्न लाइसेंसिंग गतिविधियों को करने के लिए जिम्मेदार है जिसमें चाय व्यवसाय करने के लिए हितधारकों को विभिन्न लाइसेंस जारी करने के साथ-साथ अन्य गतिविधियां जैसे नियामक नीतियां बनाना, मौजूदा नियंत्रण आदेशों में संशोधन, लाइसेंस जारी करने के लिए दिशानिर्देश तैयार करना, निगरानी और विनियमन शामिल हैं। समय-समय पर जारी केंद्र सरकार और चाय बोर्ड के विभिन्न निर्देशों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए हितधारकों की गतिविधियों। विभाग नीलामी प्रणाली की निगरानी, निर्यात और आयात की गुणवत्ता की निगरानी आदि के लिए भी जिम्मेदार है, जो चाय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विनियामक प्रावधान

चाय अधिनियम की धारा 30 की उप-धारा (3) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित निम्नलिखित वैधानिक प्रावधान अस्तित्व में हैं जो संपूर्ण लाइसेंसिंग और नियामक गतिविधियों को नियंत्रित करते हैं :-

1. **चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003**
2. **चाय (वितरण व निर्यात) नियंत्रण आदेश, 2005**
3. **चाय अपशिष्ट (नियंत्रण) आदेश, 1959**
4. **चाय भंडारण (अनुज्ञापन), आदेश 1989**

ऑनलाइन लाइसेंसिंग प्रणाली का परिचय

बोर्ड ने विभिन्न नियंत्रण आदेशों के तहत सभी प्रकार के लाइसेंसिंग आवेदनों को जारी करने और नवीनीकरण करने के लिए अप्रैल, 2018 से ऑनलाइन लाइसेंस प्रणाली शुरू की है। इस ऑनलाइन लाइसेंसिंग प्रणाली ने लाइसेंसिंग आवेदनों की हार्ड कॉपी जमा करने की मौजूदा मैनुअल प्रक्रिया को बेहतर और पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया, आवेदनों के समय पर निपटान, ऑनलाइन स्थिति ट्रैकिंग आदि के साथ बदल दिया है।

जारी किए गए लाइसेंसों का विवरण

वित्तीय वर्ष 2020-21 हेतु देश में जारी अनुज्ञापनों की संख्या साथ ही संग्रहीत राजस्व की मात्रा तालिकाबद्ध रूप में निम्नवत है :-

क्र.सं .	नियंत्रण आदेश	अनुज्ञापन पंजीकरण की प्रकृति	जारी अनुज्ञापन/ पंजीकरण/प्रमाणपत्रों की संख्या
1	चाय विपणन (नियंत्रण) आदेश, 2003	विनिर्माण इकाईयों को अनापत्ति प्रमाणपत्र	26
		विनिर्माण इकाईयों का पंजीकरण	30
		क्रेता पंजीकरण	216
		ब्रोकर अनुज्ञापन	24
		नीलामी आयोजक अनुज्ञापन	7
		लघु चाय फैक्ट्री का प्रमाणपत्र	14
2	चाय वितरण (नियंत्रण) आदेश, 2005	निर्यातक अनुज्ञापन	534 (468 ताज़े, 65 नवीकरण एवं स्थायी 1)
		वितरण अनुज्ञापन	41
3	चाय अपशिष्ट (नियंत्रण) आदेश, 1959	चाय अपशिष्ट अनुज्ञापन	638 (265 ताज़े एवं 373 नवीकरण)
4	चाय भंडारण नियंत्रण आदेश, 1989	चाय भंडारण अनुज्ञापन	129 (71 ताज़े एवं 58 नवीकरण)
5	चाय अधिनियम,1953	रोपण परमिट, विस्तार/प्रतिस्थापन रोपण परमिट	7
6	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी जीएसआर 694 (ई) दिनांक 11.10.99	फ्लेवर चाय विनिर्माता का पंजीकरण	25
7	विदेश व्यापार नीति, भारत सरकार	पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)	174 (134 ताज़े एवं 40 नवीकरण)
8	चाय अधिनियम	पंजीकृत सम्पदा के स्वामित्व में परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	6
		पंजीकृत कारखानों के स्वामित्व में परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	18
		बागान पंजीकरण	2
		कुल	**1891**

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान लाइसेंस शुल्क और पंजीकरण शुल्क के रूप में कुल 1,96,35,317/- रुपये का राजस्व एकत्र किया गया है।

नियामक प्रावधान :

- वर्ष 2020-2021 के दौरान विनियामक अनुपालन को कम करने के साथ-साथ 'कारोबार करने में आसानी' पर सरकार की नीति को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित प्रस्तावित किया गया हैं।
  - आवेदन शुल्क की प्राप्ति पर निर्यातक लाइसेंस, चाय अपशिष्ट लाइसेंस और चाय भंडारण लाइसेंस का स्वत: नवीनीकरण।
  - विभिन्न लाइसेंस/परमिट/पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आवश्यक वर्तमान दस्तावेजों को कम करना।
- लघु चाय कृषकों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने के लिए, चाय बोर्ड ने चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 के तहत मूल्य साझा करने के फार्मूले पर एक अध्ययन करने के लिए नई निविदा जारी की है क्योंकि इससे पहले का अध्ययन 2008 में किया गया था।

पैन इंडिया मॉड्यूल के तहत ई-नीलामी :

चाय की नीलामी कीमतों की उचित खोज के लिए प्रतिस्पर्धी तरीके से खरीदारों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्पादित चाय का निपटान करने का एक साधन है। 1861 में कलकत्ता में स्थापित पहले चाय नीलामी केंद्र के बाद से एक सदी से भी अधिक समय से सार्वजनिक चाय की नीलामी ने भारत में चाय के प्राथमिक विपणन के मुख्य माध्यम के रूप में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सार्वजनिक चाय की नीलामी थोक पैकेज में केवल लूज़ चाय को संभालती है। इसमें शामिल हितधारकों में नीलामी आयोजक, 'तैयार चाय' के निर्माता (विक्रेता), नीलामीकर्ता/दलाल, क्रेता और गोदाम शामिल हैं, ये सभी टी बोर्ड के पंजीकृत हितधारक हैं।

देश में सात (07) पंजीकृत नीलामी केंद्र हैं, जैसे कोलकाता, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी, कुन्नूर, कोचीन, कोयंबटूर और टी सर्व जहां नीलामी वर्तमान में अखिल भारतीय ई-एक्शन तंत्र के तहत टी बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान अखिल भारतीय मॉड्यूल के तहत ई-नीलामी के माध्यम से बेची और खरीदी गई चाय की मात्रा इस प्रकार है:

नीलामी केन्द्र	अप्रैल 2019 से मार्च 2020		अप्रैल 2020 से मार्च 2021	
	मात्रा(मिकिग्रा)	मूल्य (रु/किग्रा)	मात्रा(मिकिग्रा)	मूल्य (रु/किग्रा)
कोलकाता लीफ	131.42	171.67	100.08	232.69
कोलकाता डस्ट	34.27	162.13	29.29	224.73
कुल कोलकाता	**165.68**	**169.70**	**129.36**	**230.89**
गुवाहाटी लीफ	119.54	137.26	101.19	215.85
गुवाहाटी डस्ट	51.03	145.76	46.49	222.33
कुल गुवाहाटी	**170.57**	**139.80**	**147.69**	**217.89**
सिलिगुड़ी लीफ	123.13	135.22	114.46	200.95
सिलिगुड़ी डस्ट	16.23	130.46	15.71	194.42
कुल सिलिगुड़ी	**139.36**	**134.67**	**130.17**	**200.17**
कोचीन लीफ़	6.09	138.82	10.00	159.50
कोचीन डस्ट	36.58	115.84	34.93	154.00
कुल कोचीन	**42.66**	**119.11**	**44.93**	**155.22**
कुन्नूर लीफ़	38.99	83.99	51.14	135.72
कुन्नूर डस्ट	18.69	88.03	17.87	132.65
कुल कुन्नूर	**57.68**	**85.30**	**69.02**	**134.92**
कोयंबटूर लीफ़	4.25	93.35	7.44	141.46
कोयंबटूर डस्ट	8.96	97.41	8.04	137.82
कुल कोयंबटूर	**13.21**	**96.11**	**15.48**	**139.57**
टीसर्व लीफ़	**0.00**	**0.00**	2.66	118.97
टीसर्व डस्ट	**0.00**	**0.00**	2.04	124.49
कुल टीसर्व	**0.00**	**0.00**	**4.70**	**121.36**
समग्र कुल	**589.17**	**139.18**	**541.34**	**197.88**

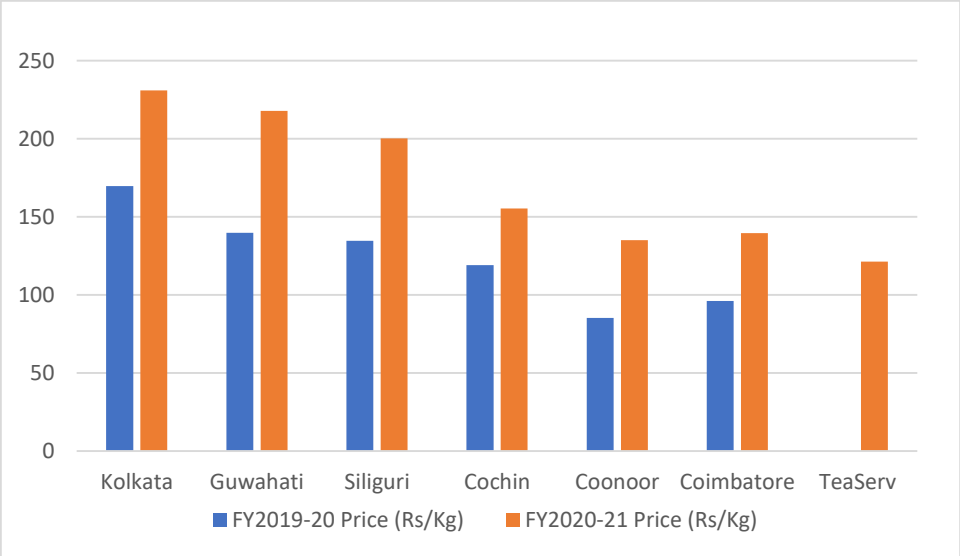

31 मार्च, 2021 (वित्त वर्ष 2020-21) की स्थिति के अनुसार, चाय बोर्ड द्वारा बिक्री के बाद के लेनदेन से रु.4.35 करोड़ (कर सहित) एकत्र किए गए हैं।

उपलब्धियां:-

- **<u>जोरहाट नीलामी मंच का कार्यान्वयन:-</u>** मौजूदा नीलामी प्रणाली के अलावा, टी बोर्ड ने असम चाय क्लस्टर की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जोरहाट के लिए एक अलग इलेक्ट्रॉनिक नीलामी मंच स्थापित करने में भी सक्रिय पहल की थी। यह देश के कुल चाय उत्पादन में असम चाय (50% से अधिक) के योगदान को देखते हुए किया गया था। यह नीलामी मंच वर्तमान में विभिन्न मूल्य वर्धित सेवाओं जैसे सेंट्रल वेयरहाउसिंग, खरीदार को चाय की डिलीवरी के लिए लॉजिस्टिक्स आदि के साथ असम क्लस्टर की चाय की आवश्यकता को पूरा कर रहा है।

  निविदा प्रक्रिया के माध्यम से जोरहाट नीलामी के संचालक के रूप में टी बोर्ड ने मेसर्स एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड का चयन किया है। जोरहाट नीलामी का संचालन दिनांक 1 जून 2020 से शुरू हो गया है। अखिल भारतीय औसत मूल्य रु. 223.26/- की तुलना में अर्थोडॉक्स चाय के लिए इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से जून, 2020 से मार्च, 2021 की अवधि के लिए प्राप्त उच्चतम मूल्य रु. 940/- है। बोर्ड ने पहली बार इस प्लेटफॉर्म के जरिए एक्स-फैक्ट्री नीलामी का प्रयोग भी शुरू किया है।
- **<u>टीसर्व</u>:**- इंडकोसर्व,तमिलनाडु सरकार द्वारा शासित टीसर्व ने अक्टूबर 2020 से टी बोर्ड के अखिल भारतीय मॉड्यूल को अपनाया है।

- **<u>क्लाउड एनवायरनमेंट की ओर अग्रसित</u>:**- नीलामी प्रणाली के बुनियादी ढांचे पर, बोर्ड क्लाउड वातावरण में संपूर्ण सेवाओं की मेजबानी की नवीनतम तकनीक की ओर अग्रसित हुआ, जिसके लिए एमईआईटीवाई (MeiTY) पैनलबद्ध क्लाउड सेवा प्रदाता (मैसर्स साइफ्यूचर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड) को निविदा के माध्यम से बोर्ड द्वारा चुना गया है। नीलामी अवसंरचना पर इसने बोर्ड को लागत कम करने में भी सक्षम बनाया है। ई-नीलामी की संपूर्ण होस्टिंग अवसंरचना को 25.05.2020 से क्लाउड एनवायरनमेंट में स्थानांतरित कर दिया गया है।

- **<u>नीलामी सुधार</u>:**- आईआईएम, बंगलौर अपेक्षित सुधारों, यदि कोई हो, के लिए मौजूदा ई-नीलामी मंच का अध्ययन करने के लिए लगा हुआ था। आईआईएम की प्रमुख सिफारिशों में से एक जापानी नीलामी मॉडल की शुरूआत है। इस संबंध में आवश्यक प्रणाली का विकास पूरा कर लिया गया है और 3 मार्च, 2021 को कुन्नूर, कोयंबटूर और टीसर्व केंद्रों पर पायलट रन आयोजित किया गया है।

अध्याय -8
सांख्यिकी

प्रस्तावना:

चाय बोर्ड की सांख्यिकी शाखा के प्राथमिक कार्यों में चाय उद्योग के सभी पहलुओं एवं कृषि, उत्पादन,उत्पादकता, देश में उत्पादित विभिन्न प्रकार की चाय, प्राथमिक बाजार मूल्य,निर्यात,चाय निर्यात गंतव्य स्थान एवं चाय रोपण आदि में संलग्न कामगारों के अंतर्गत व्यापारिक क्षेत्रों से संबन्धित सांख्यिकीक आकड़ों को एकत्रित करना ,उनका मिलान करना तथा प्रसार करना शामिल है। ऐसी सूचनाएं बोर्ड, भारत सरकार एवं उद्योग के नीति निर्णय प्रक्रिया में आवश्यक इनपुट उपलब्ध करवाती हैं।

सांख्यिकीय सूचना का प्रसार

साप्ताहिक नीलामी मूल्य, मासिक उत्पादन एवं निर्यात संबंधी सूचनाओं को बोर्ड के वेबसाइट www.teaboard.gov.in. पर व्यवसाय, उद्योग, अनुसंधान विज्ञान आदि के लिए अपलोड किया जाता है ।

चाय मूल्यों का अनुवीक्षण:

सांख्यिकीय शाखा क्रमश: रोपण फसलों के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) से संबंधित वाणिज्य मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य व सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को नीलामी मूल्य की अपेक्षित सूचनाओं का अनुवीक्षण उपलब्ध कराता है । विभिन्न शहरों/नगरों में चाय के खुदरा मूल्य का अनुवीक्षण भी सांख्यिकी शाखा द्वारा किया जाता है ।

कर एवं शुल्क

उत्पाद शुल्क: इंस्टैंट चाय पर 12.5 प्रतिशत यथा मूल्य जो शीर्ष 2101.2010 के तहत आता है ।

निर्यात शुल्क : शून्य

आयात शुल्क: निर्यातोन्मुख इकाई (इओयू) एवं विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (सेज़) इकाईयों द्वारा पुन: निर्यात के प्रयोजन हेतु आयातित चायों पर आयात शूल्क शून्य है । यद्दपि, घरेलू बाजार हेतु आयाति त चायों पर प्राथमिक आयात शुल्क का 100 प्रतिशत और 10 प्रतिशत अधिभार तथा प्राथमिक शुल्क एवं अधिभार पर 4 प्रतिशत का विशेष अतिरिक्त शुल्क को आकर्षित करेगा (1 मार्च 2002 से) । प्रति कैलेण्डर वर्ष में श्रीलंका से 15 मि.कि.ग्रा. तक आयातित चाय पर प्राथमिक शुल्क का 7.5 प्रतिशत की रियायत के अलावा अन्य सामान्य अधिकार लागू रहेगा ।

उत्पाद एवं सेवा कर :

चाय पर वर्तमान जीएसटी दर 5% है अर्थात् 2.5% सीजीएसटी+2.5%एसजीएसटी । अन्तर्प्रदेशीय पूर्ति के क्षेत्र में, चाय पर आईजीएसटी की दर 5% है ।

वर्ष 2020-21 के दौरान चाय उद्योग व व्यापार की स्थिति

उत्पादनः

उत्तर भारत में मुख्य चाय उत्पादक क्षेत्रों में विपरीत जलवायु परिस्थिति एवं कोविड-19 के कारण भारत में वर्ष 2020-21 में अब तक का सर्वोच्च चाय उत्पादन 1283.03 मि.कि.ग्रा. है जो 2019-20 की तुलना में 77.78 मि.कि.ग्रा. कम है ।

मुख्य चाय उत्पदाक राज्य असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं केरल ने कुल चाय उत्पादन में 97.36% का योगदान दिया जबकि शेष अंश का योगदान अन्य राज्यों ने किया । कुल चाय उत्पादन में से सीटीसी का योगदान 91% रहता है जबकि आर्थोडॉक्स व ग्रीन टी का 9% अंश रहता है ।

संगठित क्षेत्रः

1569 चाय संपदाएं है । इन क्षेत्रों में 923 विपणन इकाई स्थापित है । 2020-21 के दौरान उत्पादन के संगठित क्षेत्र का अंश 49.71% देखा गया ।

लघु चाय उत्पादकः

लघु चाय उत्पादकों का कुल चाय उत्पादन वर्ष दर वर्ष बढ़ता जा रहा है । वर्ष 2020-21 के दौरान लघु उत्पादकों के उत्पादन का अंश 50.29% देखा गया ।

निर्यातः

चाय निर्यात 5311.53 करोड़ की मूल्य वसूली सहित मात्रा में 203.79 मि.कि.ग्रा. थी। 34.52 रु. प्रति कि.ग्रा. द्वारा बेहतर इकाई मूल्य वसूली के कारण मात्रा में 37.55 मि.कि.ग्रा. तथा मूल्य में 145.57 करोड़ रु. कम थी।

भारत से चाय का निर्यात

वर्ष	मात्रा (मि.कि.ग्रा.).	मूल्य (रु. करोड़ में)	इकाई मूल्य (रु./कि.ग्रा.)	थोक चाय		मूल्यवर्धक चाय	
				मात्रा (मि.कि.ग्रा.).	मूल्य (रु. करोड़ में)	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	मूल्य (रु. करोड़ में)
2019-20	241.34	5457.10	226.11	212.30	4226.97	29.04	1230.13
2020-21	203.79	5311.53	260.64	171.67	3800.35	32.12	1511.18

यह ध्यान दिया गया कि 2020-21 के दौरान कुल निर्यात का करीब 15.76% मूल्यवर्द्धन रुप (पैकेट चाय, टी बैग एवं इंस्टैंट टी) जबकि बाकी थोक रुप में ही निर्यात किया गया ।

भारत में चाय का आयात

वर्ष 2020-21 के दौरान, सीआईएफ मूल्य 464.24 करोड़ रु. सहित चाय निर्यात 27.75 मि.कि.ग्रा. है जबकि 2019-20 में सीआईएफ मूल्य 231.76 करोड़ सहित 15.54 मि.कि.ग्रा. रहा । 2020-21 में चाय निर्यात में वृद्धि का प्राथमिक कारण चाय उत्पादन में कमी एवं पुर्ननिर्यात हेतु मूल्यवर्द्धन है।

नीलामी में चाय मूल्य

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान देश में कुल चाय उत्पादन का 43% जन नीलामी द्वारा तथा बाकी अंश अन्य माध्यम द्वारा बेचा गया ।

2020-21 के दौरान लंबी अवधि से स्थिर चाय मूल्यों में सुधार आया। विगत वर्ष की तुलना में उत्तर भारत में औसत मूल्य में 67.81 रु. प्रति कि.ग्रा. (45.65%) की वृद्धि हुई एवं दक्षिण भारत में 43.88 रु. प्रति कि.ग्रा. (45.46%) की वृद्धि हुई । 2019-20 की तुलना में समग्र समग्र अखिल भारतीय औसत नीलामी मूल्य में 2020-21 के दौरान 59.32 प्रति किलोग्राम (43.09%) वृद्धि हुई।

वर्ष	उत्तर भारत		दक्षिण भारत		अखिल भारत	
	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	औसत मूल्य (रु./कि.ग्रा.)	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	औसत मूल्य (रु./कि.ग्रा.)	मात्रा (मि.कि.ग्रा.)	औसत मूल्य (रु./कि.ग्रा.)
2019-20	477.10	148.55	126.44	96.52	603.54	137.65
2020-21	407.38	216.36	139.66	140.40	547.04	196.97

घरेलू प्रतिधारणः

चाय की अनुमानित घरेलू प्रतिधारण 2020-21 में 1107 मि.कि.ग्रा. की तुलना में 2019-20 में करीब 1154 मि.कि.ग्रा. रही ।

अध्याय-9

श्रम कल्याण

परिचय :

चाय अधिनियम 1953 में यथा अनिवार्य, टी बोर्ड के उद्देश्यों एवं कार्यों में से एक कार्य है कल्याणकारी उपायों में सहायता प्रदान करना जिससे बेहतर कार्य स्थिति प्राप्त किया जा सके एवं श्रमिकों व उनके आश्रितों के लिए बेहतर सुविधाएं व प्रोत्साहन प्रदान करना । चूँकि रोपण कर्मचारियों का विनियामक एवं

कल्याण रोपण श्रम अधिनियम के तहत आता है एवं इसे संबंधित राज्य सरकार द्वारा लागू किया जाता है, बोर्ड द्वारा चालू की गई कल्याणकारी गितविधियाँ अनुपूरप प्रकृति की है एवं सामान्य कल्याणकारी उपायों को कवर करती है। एमटीएफ अवधि (2017-18 से 2019-20 जिसे आगे 31.03.2021 तक बढ़ा दिया गया था) के दौरान बोर्ड की समग्र चाय विकास एवं संवर्धन योजना के मानव संसाधन विकास घटक (एचआरडी) के तहत श्रम कल्याण के उपाय किए गए थे। टी बोर्ड की कल्याणकारी योजनाएं जेंडर न्यूट्रल (निष्पक्ष) हैं।

श्रम कल्याण समिति :

बोर्ड की श्रम कल्याण समिति बोर्ड के सलाहकार निकाय के रूप में अपनी क्षमता के अनुसार मार्गदर्शन करती है।

बोर्ड को विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी क्रियाकलापों के कार्यान्वयन की दिशा में सहायता करने वाली इस समिति में रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित सदस्य थे :

1. उपाध्यक्ष, चाय बोर्ड, समिति का पदेन अध्यक्ष
2. श्री रूपेश गोवाला
3. श्री पी. मोहनन
4. श्री सुनील किरवई

बोर्ड/कल्याणकारी समिति की बैठकें:

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड/कल्याणकारी समिति की बैठकें निम्नलिखित तारीखों को हुईं:

बैठक संख्या	बैठक की तारीख	स्थान /माध्यम
242वीं बोर्ड की बैठक	10th सितम्बर, 2020	कोलकाता/वीसी
243वीं बोर्ड की बैठक	1st दिसंबर, 2020	कोलकाता/वीसी
244वीं बोर्ड की बैठक	23rd मार्च, 2020	कोलकाता/वीसी

मानव संसाधन विकास घटक:

चाय बागान श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के जीवन एवं रहन-सहन में सुधार करने के लिए मानव संसाधन विकास के घटक निम्नलिखित तीन वृहद क्षेत्रों पर लक्ष्यित है :

(क) स्वास्थ्य:

i) **चाय बागान क्षेत्रों के निकट उपचार सुविधाएं बढ़ाने तथा गैर पारंपरिक क्षेत्रों में चिकित्सा उपकरण, उपसाधनों एवं एम्ब्युलेन्स तथा कुछ अस्पतालों में कामगारों एवं उनके आश्रितों के लिए बेड आरक्षित करने के लिए अस्पताल (चाय बागान का अस्पताल नहीं)/ मेडिकल क्लीनिक्स के लिए पूंजीगत अनुदान:**

क्षय रोग, कैंसर,कुष्ठ रोग, नेत्ररोग, हृदय,किडनी रोग इत्यादि के उपचार के लिए विशेष चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना जोकि चाय बागान श्रमिकों एवं उनके आश्रितों को चाय बागान अस्पताल में सुलभ नहीं थे; विशेष गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में एक्स - रे मशीन, सर्जिकल औज़ार एवं एम्ब्युलेन्स के लिए अनुदान भी मंजूर किया गया था । अस्पतालों में चाय बागान श्रमिकों के लिए बेड के रख - रखाव की दिशा में विशेष आवश्यक आवर्ती अनुदान की मंजूरी का भी प्रावधान था ।

अनुदान की मात्रा : उपकरण के पूंजीगत लागत का 30% भार आवेदक द्वारा वहन किया जाना था तथा बोर्ड का अनुदान 70% तक सीमित किया गया जिसकी अधिकतम सीमा 8.0 लाख या दोनों में से जो भी कम है ।

ii) **चाय बागान श्रमिकों पर निर्भर विशेष अस्पतालों में विकलांग व्यक्तियों/कैंसर और हृदय रोगियों/किडनी प्रत्यारोपण के लिए वित्तीय सहायता:**

कामगारों पर आश्रित विक्लांग व्यक्तियों को बैशाखी, कैलीपर के जूते, कृत्रिम पैर, कान की मशीन, व्हील चेयर और हाथ से चलाने वाली पैडेलिंग ट्राइ साइकिल इत्यादि खरीदने के लिए वित्तीय सहायता की अनुमति दी गई थी । विशेषीकृत अस्पतालों में चाय रोपण कामगारों और उनके आश्रितों को - कैंसर और हृदय रोग से पीड़ित रोगियों के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान था ।

अनुदान की मात्रा: (क) विकलांग व्यक्तियों के लिए वास्तविक खर्च जिसकी अधिकतम सीमा 50000/- रु० तक जो भी न्यून हो । (ख) चाय रोपण कर्मियों के आश्रितों में कैंसर व हृदय रोग से पीड़ितों को स्पेशलिटी अस्पतालों में वास्तविक आधार पर वित्तिय सहायता प्रदान करना।

(ख) शिक्षा :

i) **चाय रोपण कर्मचारियों के प्रतिपाल्यों के लिए शैक्षणिक वृत्तिः**

श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रोत्साहन दिया गया।

अनुदान की मात्रा: वास्तविक आधार पर ट्यूशन फीस के लिए अधिकतम सीमा 20000.00 रुपये तक है एवं छात्रावास शुल्क के लिए वास्तविक आधार पर 2/3 छात्रावास शुल्क के लिए अधिकतम सीमा के अधीन 20000.00 रुपये तक है।

ii) **चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के लिए नेहरू पुरस्कार की विशेष योजना**:

टी बोर्ड ने चाय बागान श्रमिकों के मेधावी छात्रों के लिए "नेहरू पुरस्कार" नामक एक विशेष योजना लागू की है।

अनुदान की मात्रा: इस योजना में चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के दसवीं/माध्यमिक स्तर के लिए 8000/- रुपये और 10000/- रुपये कक्षा बारहवीं/एच.एस. स्तर के लिए एकमुश्त अनुदान प्रदान किया गया।

iii) **चाय बागान के जरूरतमंद और योग्य बच्चों या गंभीर प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित बच्चों को किताब और स्कूल वर्दी अनुदान की योजना:**

मुख्य रूप से बंद चाय बागानों के जरूरतमंद छात्रों को उनकी पढ़ाई जारी रखने के लिए किताबें या वर्दी खरीदने के लिए सहायता दी गई थी।

अनुदान की मात्रा: रु.4000/- प्रति वार्ड प्रति वर्ष ।

iv) **भारत स्काउट्स और गाइड्स के लिए वित्तीय सहायता:**

भारत स्काउट्स और गाइड्स के लिए वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत बोर्ड की तरफ से दी जाने वाली अनुदान राशि जिला स्काउट्स/गाइड्स संस्थापकों के पदों के रख-रखाव के लिए वेतन और भत्तों के भुगतान, प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रभारों की प्रतिपूर्ति, रैलियां कराने के भुगतान, जम्बूरिस आदि, तथा चाय बागान स्काउट्स/गाईड्स आदि के लिए वर्दी क्रय हेतु भुगतान के लिए की जाती है ।

अनुदान की मात्रा: (अ) पूर्ण कालिक जिला स्काउट्स/गाइड्स संस्थापकों के लिए मासिक वेतन 10,000/- थी तथा 5,000/- रु. प्रति माह की दर से यात्रा भत्ता तय किया गया था।

प्रशिक्षण शिविर: भोजन और टिफ़िन का शुल्क रु.500/- प्रति व्यक्ति प्रति दिन; आकस्मिक शुल्क @ 200 / - प्रति उम्मीदवार प्रति प्रशिक्षण और वाहन भत्ता 200 / - रुपये तक

वार्षिक जिला रैली: भोजन और टिफिन शुल्क 500/- रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन से अधिक नहीं; आकस्मिक प्रभार रु.200/- और वाहन भत्ता रु.200/- तक।

राज्य रैली/ कंपोरीस: अल्पाहार और टिफ़िन के लिए प्रति व्यक्ति रु० 500 प्रति दिन; तथा यात्रा भत्ता 200 रुपये तक ।

नेशनल जंबूरीस: अल्पाहार और टिफ़िन के लिए प्रति व्यक्ति 500 रु० प्रति दिन ; आकस्मिक प्रभार 200-/रु० प्रति उम्मीदवार प्रति प्रशिक्षण तथा यात्रा भत्ता 200 रुपये तक ।

वर्दी अनुदान : प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष रु० 2500/- ।

(ग) प्रशिक्षण:

चाय रोपण कामगारों के बच्चों व उनके आश्रितों को अल्पकालिक व्यवसायिक प्रशिक्षण/स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पाठ्यक्रम के लिए टी बोर्ड की वित्तीय सहायता योजनाः

चाय रोपण क्षेत्र में लोगों के लिए रोज़गार के अवसर प्रदान करने के लिए, बोर्ड ने व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संस्थानों/संगठनों को वित्तिय सहायता प्रदान किया । चाय रोपण कर्मचारियों के आश्रितों को छह महीनो से एक वर्ष की अवधि हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम जैसे राजमिस्त्री का काम, बिजली/टीवी मरम्मत करने, बढ़ईगीरी के लिए कौशल विकास, सैनिटरी इकाई आदि के लिए अनुदान संस्वीकृत किया गया है ।

अनुदान की मात्रा: तीन से एक वर्ष की अवधि वाले एक कोर्स के लिए अधिकतम 2.00 लाख रुपये है ।

(घ) चाय रोपण पर अध्ययन:

क. उद्देश्य: आईआईपीएम, आईआईएम, आईसीडब्ल्यूएआई और अन्य एजेंसियों जैसे पेशेवर संस्थानों के माध्यम से चाय उद्योग के महत्वपूर्ण पहलुओं पर किसी भी आवश्यकता के अनुसार अध्ययन/पायलट योजनाओं का प्रारंभ करना

ख. निधि की मात्रा: समय-समय पर आवश्यकता एवं अनुमोदन के अनुसार।

ग. अनुबंध: संस्थान/संगठन को बोर्ड के साथ एक समझौता करना चाहिए जैसा कि बोर्ड द्वारा रुपांकित किया जाएगा।

घ. पात्रता: i. संस्थान/संगठन सरकारी मान्यता प्राप्त/अनुमोदित होना चाहिए।

ii. संस्थान/संगठन का टिन/टैन/ पैन सं होनी चाहिए।

भुगतान का प्रकार: ई-ट्रांसफर/आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से।

सारणी : 1

घटक – मानव संसाधन विकास

2019-20 के दौरान राज्य-वार वित्तीय संवितरण एवं भौतिक उपलब्धि

		स्वास्थ्य			शिक्षा					प्रशिक्षण				
राज्य	**गतिविधि**	चिकित्सा उपकरण का क्रय	दिव्याङ्ग जनों को सहायक उपकरण खरीदने के लिए वित्तीय सहायता	कैंसर /हृदय रोगियों (संख्या) को वित्तीय सहायता	वृत्ति (सं)	नेहरु पुरस्कार (सं)	प्राकृतिक आपदा /बंद बागानों से प्रभावित बागानों को पुस्तक एवं वर्दी अनुदान	भारत स्काउट्स एंड गाइड्-प्रशिक्षण शिविर / रैलियाँ, जंबूरीस / मुक़ाबला (शिविर की संख्या और विद्यार्थी हितधारकों की संख्या)		व्यावसायिक प्रशिक्षण (पाठ्यक्रमों संख्या तथा विद्यार्थी हितधारकों की संख्या)		XI योजना पूंजी अनुदान-/ स्कूल कॉलेज की संख्या	अन्य (बैंक प्रभार सहित)	**कुल**
असम	राशि (लाख में)				30.31	2.28							1.76	**34.35**
	भौतिक				400	26								
पश्चिम बंगाल	राशि(लाख में)				36.23	5.20	5.08	7.2						**53.71**
	भौतिक				263	56	127		3					
तमिलनाडु	राशि(लाख में)				1.59	0.78								**2.37**
	भौतिक				7	9								
केरल	राशि(लाख में)				18.27	1.14	0.64							**20.05**
	भौतिक				75	14	16							
हिमाचल प्रदेश	राशि(लाख में)				0.08									**0.08**
	भौतिक				1									
अखिल भारत	राशि(लाख में)	0.00	0.00	0.00	86.48	9.40	5.72	7.20	0.00	0.00	0.00	0.00	1.76	**110.56**
	भौतिक	0.00	0.00	0.00	746	105	143	0	3	0	0	0	0	**997**

सारणी-2

मानव संसाधन विकास-एससीएसपी व टीएएसपी शामिल			
मुख्य गतिविधि	**व्यवहरित निधि (रु.लाख में)**	**लाभार्थियों की सं**	**क्षेत्र (हे.) / मिलियन किग्रा/घटनाओं की सं/ उपकरणों की सं/एसटीजीएस**
मासंवि - स्वास्थ्य	0.00	0	0.00
मासंवि-शिक्षा	195.43	1561	1557.00
मासंवि-प्रशिक्षण	0.00	0	0.00
कुल	**195.428**	**1561**	**1557**

सारणी-3

वित्तिय वर्ष 2020-21 हेतु भौतिक व वित्तिय उपलब्धियां (31-03-21 तक)															
	उत्तर पूर्व			पश्चिम बंगाल बिहार शामिल			दक्षिण भारत			हिमाचल व उत्तराखंड			अखिल भारत कुल		
प्रमुख गतिविधि	**व्यवहरित निधि (रु.लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**क्षेत्र (हें)/मिलियन किग्रा/घटनाओं की सं/उपकरण की सं/एसटीजीएस**	**व्यवहरित निधि (रु.लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**क्षेत्र (हें)/मिलियन किग्रा/ घटनाओं की सं/उपकरण की सं/एसटीजीएस**	**व्यवहरित निधि (रु.लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**क्षेत्र (हें)/मिलियन किग्रा/ घटनाओं की सं/उपकरण की सं/एसटीजीएस**	**व्यवहरित निधि (रु.लाख में)**	**लाभार्थियों की संख्या**	**क्षेत्र (हें)/मिलियन किग्रा/ घटनाओं की सं/उपकरण की सं/एसटीजीएस**	**व्यवहरित निधि (रु.लाख में))**	**लाभार्थियों की संख्या**	**क्षेत्र (हें)/मिलियन किग्रा/घटनाओं की सं/उपकरण की सं/एसटीजीएस**
मा सं वि-स्वस्थय	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0
मा सं वि-शिक्षा	32.59	426	426.00	91.10	732	729.00	71.19	400	400.00	0.55	3	2.00	195.428	1561	1557
मा सं वि-प्रशिक्षण	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0.00	0	0.00	0	0	0

अध्याय-10

हिन्दी कक्ष

प्रस्तावना

26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होते ही अनुच्छेद 343(1) के अनुसार हिन्दी संघ की राजभाषा बनी । भारत सरकार को यह दायित्व दिया गया कि वह राजभाषा हिन्दी का प्रचार एवं विकास इस प्रकार करें कि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके। हिंदी भाषा के प्रगामी प्रयोग हेतु निरंतर प्रयास स्वभाविक था । अपनी स्थापना के समय से ही हिन्दी कक्ष राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा नियम 1976 के प्रावधानों के अनुसार बोर्ड में राजभाषा कार्यान्वयन के कार्य का दायित्व निभा रहा है । राजभाषा नीति एवं बोर्ड के महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अनुवाद से संबंधित कार्यों का निष्पादन बोर्ड के उपनिदेशक(रा.भा.) के पर्यवेक्षणाधीन की जाती है ।

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन

समीक्षाधीन वर्ष 2020-21 के दौरान भारत सरकार की मुख्य नियामक अधिनियम राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), में विहित सभी प्रलेखों को पूर्णरूपेण द्विभाषी रूप में अर्थात् हिन्दी एवं अंग्रेजी में एक साथ जारी किए गए है।

हिन्दी में पत्राचार

हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अनिवार्यत: हिन्दी में ही दिये गए। वार्षिक कार्यक्रम 2020-21 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सघन प्रयास किये गए।

हिन्दी में रिपोर्ट

संसद में रखे जानेवाले सभी प्रतिवेदन जैसे वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, वार्षिक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन आदि हिन्दी में भी तैयार किए गए । इसके अलावा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट भी हिन्दी में तैयार किए गए । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली को इनका नियमित रूप से प्रेषण किया गया ।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समय-समय पर तीन राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित हुई, जिसमें सहायक/वरिष्ठ सहायक/सह प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को भी हिन्दी कार्य करने की शैली में प्रशिक्षित किया गया । विभिन्न सरकारी कार्यालयों से आगत प्रवक्ताओं ने सत्र संचालित किए । इसके फलस्वरूप कार्मिकों में व्यवहारिक/प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रति अभिरूचि पैदा हुई ।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

राजभाषा के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा कामकाज में इसे बढ़ावा देने हेतु हिन्दी सप्ताह का आयोजन 22-26 फरवरी,2021 को किया गया था । इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । क्षेत्रीय कार्यालयों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित हुए ।

हिन्दी वेबसाईट

ई-गवर्नेंस के इस युग में नीति कार्यान्वय की दिशा में इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम बन गया है। टी बोर्ड की भी हिंदी में अपनी वेबसाइट www.teaboard.gov.in है, क्योंकि आज भी हिन्दी अधिकांश भारतीय जनता की भाषा है । टी बोर्ड के हिंदी वेबसाईट को अंग्रेजी संस्करण से मेल रखते हेतु तथा हिंदी संस्करण को समय-समय पर अद्यतन किये जाने के संबंध गहन प्रयास किए गए, जो एक सतत प्रक्रिया है ।

टॉलिक की गतिविधियों में सहभागिता

राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने से संबंधित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता (नराकास) की गतिविधियों में बोर्ड सक्रिय रूप से भाग लिया ।

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें :

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति(ऑलिक) की वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में बैठके आयोजित हुई तथा बहुत ही उपयोगी निर्णय लिए गए ।

कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी प्रयोग हेतु प्रोत्साहन योजना

बोर्ड ने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रोत्साहन योजना को प्रचारित किया जिसका उद्देश्य हिन्दी की कामकाज में गति लाना था । अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इसका लाभ लिया । कुछेक कर्मचारियों ने इस योजना में हिस्सा लिया एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया ।

संघ की राजभाषा में कार्य करने हेतु वार्षिक कार्यक्रम

वर्ष 1967 में संसद द्वारा पारित राजभाषा संकल्प में यह निर्देश दिया गया था कि भारत सरकार एवं अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार कर कार्यान्वित करेगी जिससे हिन्दी के प्रसार एवं विकास को गति मिले । वर्ष 2020-21 का कार्यक्रम इसी क्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है । इस वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से हम संघ के राजकीय कार्यों के लिए अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को लाने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की गति तेज की गयी । निर्धारित लक्ष्यों की कुछ हद तक प्राप्ति भी हुई है । फिर भी टी बोर्ड में बहुत हद तक कार्य अंग्रेजी में ही होता रहा ।

11

सतर्कता प्रकोष्ठ

टी बोर्ड के सचिव बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रुप कार्य करते हैं। सतर्कता प्रकोष्ठ के समग्र कार्यकलापों को मुख्य सतर्कता अधिकारी के पर्यवेक्षणाधीन किया जाता है । सचिव के अतिरिक्त सतर्कता प्रकोष्ठ के कुल दो कार्याधिकारी हैं ।

सतर्कता प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य है सरकार/केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित करना, जिसे नियमित रूप से अनुपालित किया जाता है । सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए जाने के साथ-साथ सरकार को मासिक व तिमाही रिपोर्ट भी प्रस्तुत की जाती है । बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी के सलाह पर निविदा और निवारक सतर्कता इत्यादि संबंधी सभी पहलुओं का अनुसरण बोर्ड द्वारा किया जाता है । बोर्ड के विधि अधिकारी भी सतर्कता अधिकारी के रूप में कार्य करते हैं । सतर्कता प्रकोष्ठ का दूसरा महत्वपूर्ण कार्य है,केन्द्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देश के अनुसार बोर्ड में प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करना, जिसमें चाय बोर्ड के सभी कार्याधिकारियों को चाय बोर्ड की बुनियादी सतर्कता लक्ष्य की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए दक्षता एवं पारदर्शिता के शपथ-संदेश के माध्यम से उन्हें शपथ दिलायी जाती है । वर्ष के दौरान सतर्कता प्रकोष्ठ को एक भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है एवं आज की तिथि तक एक भी सतर्कता मामले लंबित नहीं हैं ।

अध्याय -12

विधि, आईपीआर प्रकोष्ठ पर रिपोर्ट एवं सूचना का अधिनियम, 2005

चाय बोर्ड का विधि प्रकोष्ठ, विधि अधिकारी के अधीन कार्य करता है । चाय बोर्ड का विधि प्रकोष्ठ बोर्ड के मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों द्वारा अग्रेषित सभी विधिक मामलों का पर्यवेक्षण करता है । प्रकोष्ठ बोर्ड के नामिकागत सॉलिसिटर/विधि फॉर्म, विधिक सलाहकारों एवं केन्द्रिय सरकार परिषदों के साथ बोर्ड की ओर से सम्पर्क स्थापित करता है । दिनांक 31.03.2021 तक 129 मामले लंबित थे । समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, 07 नए मामले आए एवं 23 मामले वापस कर लिए गए । दिनांक 31.03.2021 तक कुल मामलों की संख्या 113 थी । आईपीआर प्रकोष्ठ बौद्धिक संपदा अधिकार संबंधी सभी मामलों की भी देखभाल करता है, कानूनों के अधीन इसमें बोर्ड द्वारा पंजीकृत भारत एवं विदेश में विभिन्न लोगो चिह्न/शब्द चिह्न शामिल है। रिपोर्टाधीन वर्ष में इस प्रकोष्ठ ने निर्यात से पूर्व दार्जिलिंग चाय की शुद्धता को प्रमाणीकृत करते हुए 1513 सं. उत्पत्ति प्रमाणपत्र (सीओओ) जारी किए है । इसके अतिरिक्त, प्रकोष्ठ ने दार्जिलिंग के चिह्न, असम अर्थोडॉक्स, नीलगिरि अर्थोडॉक्स, असम लोगो, नालगिरि लोगो, इंडिया टी लोगो, एवं डुआर्स-तराई लोगो के प्रयोग के लिए 155 अनुमतियों का नवीकरण किया है एवं 29 जारी किए है तथा इस तरह आईईबीआर के अंश के रुप में 2128847.83 रु. एकत्रित किए हैं।

आरटीआई प्रकोष्ठ, नियत समय के भीतर सूचना का अधिकार 2005 के तहत आवेदनों के निपटान व अपील करने के लिए उत्तरदायी है साथ ही मंत्रालय को मासिक एवं वार्षिक विवरण भेजने के लिए भी उत्तरदायी है तीन मनोनीत जन सूचना अधिकारियों में से एक, विधि अधिकारी केन्द्रक अधिकारी है । रिपोर्टाधीन वर्ष में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत 37 आवेदन प्राप्त हुए हैं एवं निपटा दिए गए हैं ।

FOR OFFICIAL USE ONLY

THE BOARD INDIA

ANNAUL REPORT

FOR THE YEAR 2020-2021

14, B.T.M. SARANI

KOLKATA - 700 001

INDEX

67TH ANNUAL REPORT OF THE BOARD: 2020 - 2021

Chapter No.	Subject	Page Number
Chapter-1	Organizational Set-up and Functions	1-11
Chapter-2	India Tea in the International Perspective	12-14
Chapter-3	Finance	15-18
Chapter-4	Tea Development	19-44
Chapter-5	Tea Research	45-57
Chapter-6	Tea Promotion	58-80
Chapter-7	Licensing	81-85
Chapter-8	Statistics	86-88
Chapter-9	Human Resource Development	89-94
Chapter-10	Hindi Cell	95-96
Chapter-11	Vigilance Cell	97
Chapter-12	Legal Cell & RTI	98

CHAPTER- 1

ORGANIZATIONAL SET-UP AND FUNCTIONS

Constitution of the Board

Tea Board India was established on 1st April 1954 as per the provisions of Section 4 of the Tea Act, 1953. The Board is assigned with the overall development of the tea industry in India and functioning under the administrative control of the Central Government under Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry.

Organization of the Board:

The Board comprises of a Chairman and 31 members appointed by Government of India representing different sections of the Tea Industry. The Board is reconstituted in every three years. The existing Board was reconstituted vide Gazette notifications dated 11th February 2019 and 9th March 2019 for a period of three years.

Functions of Tea Board:

The functions of the Tea Board span across a wide spectrum as defined under Section 10 of the Tea Act, which briefly include:

1. Increasing production and productivity of tea plantations;
2. Improving quality of tea;
3. Promoting co-operative efforts among small tea growers;
4. Supporting tea research and development;
5. Undertaking promotion campaigns for increasing exports and domestic consumption;
6. Regulatory functions - Registration of tea gardens, factories, primary buyers and issue of licenses for tea brokers, auction organizers, exporters and tea waste dealers;
7. Welfare measures for plantations workers/their wards in the area of health, hygiene, training and education;
8. Collection and dissemination of tea statistics; and
9. Such other activities as are assigned from time to time by the Central Government.

Source of Funds:

Funds for the aforesaid functions are provided to the Board by the Government of India under capital and revenue heads.

The revenue funds are being used exclusively for the administrative and establishment charges for which cess levied on tea is the major source. Capital Funds are used for implementation of various developmental, promotional and welfare schemes of the Board. Under Section 25(1) of the Tea Act, 1953, tea cess used to be levied on all teas produced in India at the rate of 50 paisa per kg., except Darjeeling teas for which only 20 paisa per kg is levied. However, after implementation of the GST, the said cess on made tea has been subsumed with the GST and consequently clause (c) of section 3, section 25 and 26 and clause (a) of sub-section (1) of section 27 have been repealed vide Taxation Laws (Amendment) Act, 2017 (No 18 of 2017) published in Part II Section I of official Gazette of India.

Administrative Set-up:

As per Rule 3 of the Tea Rules, 1954, the Head Office of the Board is located in Kolkata, West Bengal. The Chairman is the Non-Executive head and the Deputy Chairman is the Chief Executive Officer. Two Executive Directors are stationed at Guwahati (Assam) and Coonoor (Tamil Nadu). As of now, the Board has thirty six (36) offices including Head office/ Zonal/Regional/Sub-Regional offices, three (3) tea room in Chennai, Palani, Tiruchendur in Tamil Nadu and one (1) tea nook at Tirumala in Andhra Pradesh within India and one (1) abroad i.e. Moscow

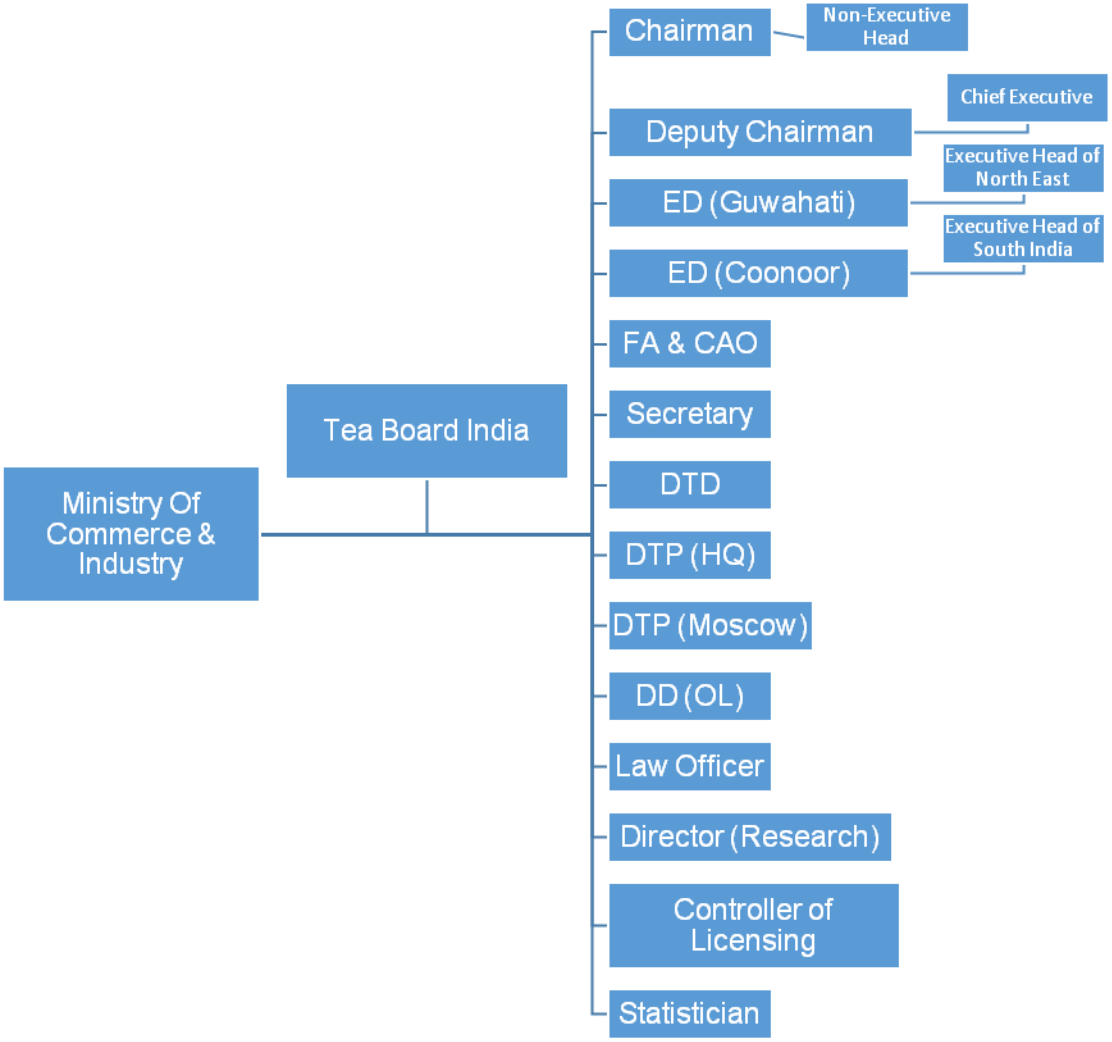

ADMINISTRATIVE SETUP OF TEA BOARD

The role of the Establishment Department is to act as the formulator of policy and ensuring compliance to the provisions of Tea Rules and By-Laws as well as rules, orders, circulars, memorandums issued by the Department of Commerce and Department of Personnel and Training, Government of India. The Department is headed by the Secretary and assisted by the Assistant Secretary. It deals with all the matters related to Board's staff & officials, service matters, establishment of offices, manpower positions etc. The Secretariat Section and the Stores maintains all the matters related to the Secretariat viz., deals will all VIP references, conducting Board meetings etc., while the Store Section keeps the records of inventories of the Board.

Meeting of the Board

For the period (April 2020 to March 2021) under report 03(Three) Board meetings were held and the details are as under:

Board Meeting Number	Venue	Date
242nd Meeting of the Board	Virtual Meeting	10th September 2020
243rd Meeting of the Board	Virtual Meeting	1st December 2020
244th Meeting of the Board	Virtual Meeting	23rd March 2021

Man-Power of Tea Board

The total man-power of the Tea Board as on 31.03.2021 was 399 {including two officers on deputation to Tea Board (Deputy Chairman & Executive Director, Coonoor) and four officials on deputation from Tea Board to other organization}. The break-up of existing strength of the officers and staff members under different categories in Board's different offices in India is shown below.

Group-wise Man power of the Board in India as on 31.03.2021

Regions	Group A	Group B	Group C	Total
Head Office	14	25	75	114
Regional/Sub Regional Offices	45	91	147	283
Officers on deputation to Tea Board	2	-	-	2
TOTAL	**61**	**116**	**222**	**399**

Details of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Class as on 31.03.2021

	SC	ST	OBC	Total
Group A	9	4	17	30
Group B	19	5	31	55
Group C	40	14	21	75
TOTAL	**68**	**23**	**69**	**160**

Age wise profile of the Board's Employee (Excluding officers on deputation) as on 31.03.2021

Age Groups	Group A	Group B	Group C	Total
18-30	3	8	5	16
31-40	20	52	59	131
41-50	15	22	64	101
51-60	21	34	94	149
TOTAL	**59**	**116**	**222**	**397**

* 02 Number of officers are on Deputation viz. Dy. Chairman & ED, Coonoor.

Retirement chart of Tea Board for next five Financial Years

Year	Group A	Group B	Group C	Total
2021-2022	0	7	7	14
2022-2023	3	6	12	21
2023-2024	2	7	12	21
2024-2025	4	4	14	22
2025-2026	0	3	13	16
TOTAL	**9**	**27**	**58**	**94**

Changes in Man power of the Tea Board during the year under review:

Promotions:

- As a part of the austerity measures as well as reducing of administrative expenditure, the Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India vide letter No. 5/1004/2015-Plant (Coord) dated 22.02.2017 has advised Tea Board not to undertake any fresh recruitment and promotion without prior approval of the Department.

Additional responsibilities:

- Dr. Rishikesh Rai, Dy. Director (Hindi) took additional responsibility of Secretary, Tea Board w.e.f. 22.12.2018 and continued to hold the said charge during 2019-2020 & 2020-2021.
- Shri Utpal Acharya, Joint DGFT (Zonal), Additional Directorate General of Foreign Trade Office, Kolkata, took the additional charge of Deputy Chairman, Tea Board from 09.7.2020 to 15.07.2020.

- Shri Pramod Kumar Sahoo, IOFS (1997), Financial Advisor & Chief Accounts Officer, took the additional charge of Deputy Chairman, Tea Board from 16.07.2020.
- Shri Pramod Kumar Sahoo, IOFS (1997), hold the additional charge of Financial Advisor & Chief Accounts Officer from 08.10.2020 (AN) to 19.01.2021 in addition to his normal duties of Deputy Chairman, Tea Board.
- Smt. Rajanigandha Seal Naskar, Controller of Licensing, took the additional charge of Financial Advisor & Chief Accounts Officer w.e.f. 20.01.2021 in addition to her normal duties of Controller of Licensing.
- Shri Dipankar Mukherjee, Deputy Director of Tea Development took the additional charge of Executive Director, Tea Board, Guwahati from 11.02.2021.

Resignation and relinquishments:

- Shri Arun Kumar Ray, IPS (OR: 1988), relinquished the charge of the Deputy Chairman w.e.f. 08.07.2020.
- Shri Utpal Acharya, relinquished the charge of the Deputy Chairman w.e.f. 15.07.2020.
- Shri Pramod Kumar Sahoo, IOFS (1997), relinquished the charge of the Financial Advisor & Chief Accounts Officer (FA&CAO) on 08.10.2020 (FN).
- Shri Rituraj Hazarikia, ADTD resigned from Board's service w.e.f. 09.10.2020.
- Shri Sanjio Kumar, IFS (UP: 1997), relinquished the charge of the Executive Director, Guwahati w.e.f. 11.02.2021.
- Shri Sunilkumar K, FAO resigned from Board's service w.e.f. 25.02.2021.

Appointments:

- Shri Pramod Kumar Sahoo, IOFS (1997), Financial Advisor & Chief Accounts Officer appointed to the post of Deputy Chairman, Tea Board, Kolkata w.e.f. 08.10.2020 (FN).

Superannuation:

- Twelve (12) officials in different cadres were superannuated from the Board's services during the year 2020-21.

Deceased:

- One (01) official expired during the year under report.

Voluntary Retirement:

- Shri T.H. Ansari, Assistant Director (OL) took voluntarily retirement from the services of Board on 31.08.2020.
- Six (06) officials in other cadres took voluntarily retirement from the services during the year under reporting.

MACP benefits:

During the year under report, the benefit under MACP Scheme has been extended in favour of total 18 (eighteen) officials in different cadres as under:

Group-A	0
Group-B	03
Group-C	15
Total	**18**

Medical Policy:

- Tea Board has made tie-up agreement with different hospitals at CGHS/CSMA rates all over India for a period of three years for indoor medical treatment of its employees.

New Tea Centre:

- Tea Board has opened one new Tea Centre at Palani, Tamilnadu during the year 2020-2021.

Annexure-I
Addresses of Tea Board Offices in India and Abroad

West Bengal & Bihar

Tea Board India 14, BTM Sarani, Kolkata - 700 001. Tel. :033-22351331/Fax: 033-2221-5715 E-mail : secytboard@gmail.com secretary.tbi-wb@gov.in Website : www.teaboard.gov.in	Tea Board India, Regional Office, Birpara, 1st Floor, Usha Complex, (Beside United Bank of India), M. G. Road, P.O. Birpara, Dist. Alipurduar, West Bengal. Pin: 735204 Mob: - 8609952917. Email: teaboardbirpara@gmail.com
Darjeeling Tea Research and Development Centre (DTR & DC) Acharya Bhanu Path, Kurseong – 734 203, Darjeeling Telefax: 0354-2330218 Tel: 0354-2330287 Email: dtrdcteaboard@gmail.com	Tea Board India, Regional Office, Islampur, Power House Para, Opposite to Main Bus Terminus, PO: Islampur, Dist. Uttar Dinajpur, W.B. 733202 Email: teaboardislampur@gmail.com
Tea Board India, Regional Office, Rahut Bari, Babupara, Ward No. 7, P.O. & Dist. : Jalpaiguri-735 101, West Bengal. Telephone: 03561-225146 Email: teaboardjalpaiguri@gmail.com	Tea Board India, Regional Office, "Quality Control Laboratory Building(3rd Floor)",Tea Park, Bhola More, (Behind New Jalpaiguri Railway Station),P.O. Sahudangi Hat, Siliguri – 735 135, West Bengal. Email id: siliguriteaboard@gmail.com
Tea Board India, Sub Regional Office, The Premises of Shri Kundan Kumar Gupta, Near Club Field, Thakurganj, Dist. Kishanganj, Bihar, Pin – 855116, Mobile no.- 9470803717 Email: teaboardsrothakurganj@gmail.com	Tea Board India, Research Directorate and Quality Control Laboratory Tea Park, Bhola More, (Behind New Jalpaiguri Railway Station), P.O. Sahudangi Hat, Siliguri – 735 135, West Bengal. Email Id: resdirteaboardqcl@gmail.com, qcl.tbi@gmail.com
Tea Board India, Sub-Regional Office, Kurseong, Darjeeling Tea Research and Development Centre Campus, Acharya Bhanu Path, PO: Kurseong, PIN: 734 203, Dist.: Darjeeling, West Bengal. Email: phuriagri@gmail.com	

Tamil Nadu

The Executive Director Tea Board, Zonal Office, "SHELWOOD", Library Road, Post Box No. 6, Coonoor – 643 101, The Nilgiris, Tamil Nadu Tel: 0423-2231638/2230316*[D] Fax: 0423-2232332, 2231484-Res E-mail: teaboardzocoonoor@gmail.com teaboardcoonoor@rediffmail.com	Tea Board, Regional Office, In front of Co-operative Bank, Mysore Road, Gudalur-643 212, The Nilgiris, Tamil Nadu Tel: 04262-262316 Email: teaboardgudalur@gmail.com
Tea Board, 139, Eldams Road, Teynampet (2nd floor),Chennai – 600 002, Tamil Nadu.	Tea Room, Tea Board Chennai Secretariat, Shop No. 3, 4th St. George, Chennai-600 009, TEL: 044-24342754/Fax: 044-24341650, E-mail: teaboardchennai@sancharnet.in

Tea Board India Tea Center Tiruchendur Murugan Temple Kovil Road Near North Gate, Tiruchendur - 628215.	In-Charge Tea Board India Tea Center Opp: Winch Station West Giri Street, Palani- 624601

Kerala

Tea Board, Regional Office, Indira Gandhi Road, Willingdon Island, Cochin – 682 003, Kerala Tel: 0484-2666523 Fax: 0484-2666648 E-mail: teaboardkochi3@gmail.com	Tea Board, Regional Office, 511/1, Kallolickal Building, Peermade Post, Idukki District, Kerala-685 509 Tel: 04869-222628 Email: teaboardpeermade@gmail.com

Andhra Pradesh

Tea Nook, Near C.R.O.(G) Office, (opposite to Railway Reservation Counter), Tirumala– 517 504, Andhra Pradesh

Assam, Tripura, Arunachal Pradesh, Mizoram and Meghalaya

The Executive Director Tea Board,North Eastern Zonal Office, Housefed Complex, 5th& 6th floor, Central Block, Beltola-Basistha Road, Dispur, Guwahati – 781006. Ph: 0361-2228944/2228945 Fax: 0361-2234251 Email:teaboardguwahati@hotmail.com	Tea Board, Regional Office, ITI Road, PO:Indranagar, via-Kunjaban, Agartala, Tripura-799006 Tel: 0381-2354639/Fax: 0381-2354182 Email:teaboard.agartala@gmail.com
Small Growers Development Directorate, Zig-Zag Road, Chowkidinghee, Opp. to Shantiniketan Apartment, P.O. : Dibrugarh-786 001 Tel: 0373-2324982 E-mail: teaboardsgdd2017@gmail.com teaboardsgdd@gmail.com teaboarddibrugarh@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Club Road, Silchar – 788 001, Dist: Cachar, Assam. Tel: 03842-232518 E-mail: teaboardsilchar@gmail.com
Tea Board, Regional Office, Private Residence, 2nd Floor, Near Kingcup School, V.I.P Road, P.O: Itanagar, Arunachal Pradesh-791 111 E.mail: teaboarditanagar@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Tea Research Association Complex, Cinnamara, Jorhat – 785 001, Assam E-mail: teaboardjorhat@gmail.com
Tea Board, Regional Office, Opposite Election Office, Dist. : Sonitpur, Ganesh Ghat, Tezpur-784 001, Assam.Tel: 03712-233664 E-mail: tezpurteaboard@gmail.com	Tea Board, Sub-Regional Office, L.K. Baruah Road, Amolapatty, Dist: Sivsagar, Assam, PIN: 785640 E-mail: teaboard.sivsagar@gmail.com
Tea Board, Regional Office, “Punyalaya”, Marwari Patty, Ward No-1, P.O. & Dist: Golaghat (Assam), PIN: 785621, Assam E-mail: teaboardgolaghat@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Khargeswar Road, Near BSNL Office, Dist: Tinsukia, Assam, PIN: 786 125 E-mail: tinsukiateaboard2019@gmail.com
Tea Board, Sub Regional Office, C/O Mrinal Moni Bhattacharyya, Opposite Farm Machinery Training and Testing Institute, P.O. & Dist: Biswanath Chariali Assam, E-mail: nandyanupam3@gmail.com	Tea Board, Sub Regional Office, C/O Shri Prabhat Das, P.O. & Dist: Udalguri, PIN: 784509, Assam, PIN: 784509, E-mail: nabajyotibaro73@gmail.com

Tea Board, Sub Regional Office, Lumnongrim, Umsning, Dist: Ri-bhoi, Meghalaya, PIN: 793105 E-mail: teaboardumsning@gmail.com	Tea Board, Sub Regional Office, C/O GuninGogoi, P.O. : Gogamukh, PIN: 787034 Dist: Dhemaji, Assam. E-mail: riturvd@gmail.com
Tea Board, Sub Regional Office, C/O Shri HemkantaKhanikar, 14 No Line Road, Opposite Allahabad Bank, Rajgarh, Dibrugarh, Assam, PIN: 786611 E-mail: pbaidya23@yahoo.com	Tea Board, Sub Regional Office, Zemabawk, High School Road, House No RK- 62, Aizwal, Mizoram, PIN: 796017
Tea Board, Sub Regional Office, P.O. : Dharmanagar, Dist: North Tripura, Tripura, PIN: 799250 E-mail: mnskrmllk@gmail.com	Tea Board, Sub Regional office, Rajadhap, Near Veterinary Hospital, P.O.: Sonari, Dist: Charaideo, PIN: 785690, Assam E-mail: teaboard.sonari@gamil.com

Delhi, Himachal Pradesh, Uttarakhand & Maharashtra

Special Officer for NWI Tea Board, Regional Office 13/2 Jam Nagar House,Shahjahan Road, New Delhi – 110 011 Telefax: 011-23074179, Mob: 09818007168 E-mail:nasstats@gmail.com, daktboard@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Kalu Di Hatti, Palampur, Kangra, HP Tel-01894-238171/Fax-01894238178 E-mail: teaboardpalampurzo@gmail.com
Tea Board Sub Regional Office, Link Road, Thapalia, Almora, Dist: Almora, Uttarakhand, PIN: 263601 E-mail: teaboardalmora@gmail.com	Tea Board Resham Bhavan, 78, Veer Nariman Road, Mumbai – 400 002. Tel: 022-22041699/Fax: 022-22041699 G.H. (Tel): 2367 5401 E-mail: mumteaboard@gmail.com

Russia

Tea Board of India, 4, Vorontsovo Poyle Indian Embassy , Moscow Russian Federation Tel/Fax +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 Ext 293 + 7(495)917 1657 Res +7(495)952 0524, Mob +0079653862273 E mail: teaboard@indianembassy.ru dtp@indianembassy.ru

Annexure-II List of Board Members.			
Sl. No.	**Name of the Board Members for the year 11th February, 2019 to 10th February, 2022**		
1.	Shri Prabhat Kamal Bezboruah Flat 41, 17 Lower Range, Kolkata - 700 017, West Bengal	Chairman	Appointed under sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1172(E) dated 08/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
2.	Secretary, Department of Industry, Commerce and Enterprises, Government of West Bengal, Kolkata	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
3.	Additional Director, Department of Industries & Commerce, Government of Tripura, Agartala	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
4.	Secretary to Government, Micro, Small and Medium Enterprises Department, Government of Tamil Nadu, Chennai	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
5.	Agricultural Production Commissioner and Principal Secretary, Agriculture Department, Government of Kerala, Thiruvananthapuram	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
6.	Commissioner and Secretary to the Government, Industries and Commerce Department, Government of Assam, Guwahati	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
7.	Principal Secretary (Agriculture) to the Government of Himachal Pradesh, Shimla	Member	Representing the Government of the principal tea growing States appointed under clause (a) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
8.	Shri Raju Bista Member of Parliament, Lok Sabha **(From 18th September, 2019)**	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.3359 (E) dated 18/9/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
9.	Shri Horen Sing Bey Member of Parliament, Lok Sabha **(From 18th September, 2019)**	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.3359 (E) dated 18/9/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

10.	Shrimati Shanta Chhetri Member of Parliament, Rajya Sabha	Member	Representing Parliament under clause (b) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
11.	Shri B. Kumaran, 6/415, Honnathali, Billicombi (Post), Nilgiris-643 214 Tamil Nadu.	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
12.	Shri Bipan Syngal, Secretary, Laghu Udyog Bharati – Unit North Bengal Mag Tee Private Limited, Premium Apartment, 2nd Floor, Shiv Mandir Road, Punjahipara, Siliguri-734 001, West Bengal	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
13.	Mrs. Diki Tashi Wangchuk Tashi Utpal, Below Tatong Government School, Tatong, P.O. Dara Gaun, Gangtok-737102, Sikkim	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
14.	Shri Kishorilal Agarwal IA, 137, Sector 3, Salt Lake Kolkata-700096, West Bengal.	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
15.	Chairman, Indian Tea Association, Royal Exchange, 6, Netaji Subhas Road, Kolkata - 700 001	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
16.	President, The United Planters' Association of Southern India, Post Box No. 11, Glenview, Coonoor - 643 101	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
17.	Vacant	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4.
18.	Vacant	Member	Representing owners of tea estates and gardens and growers of tea under clause (c) of sub-rule (1) of rule 4.
19.	General Secretary, Assam Chah Mazdoor Sangh, Jiban Phukan Nagar, Dibrugarh - 786 003, Assam	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
20.	Ms. Veena Srivastava W/o Shri Mahinder Nath, Village- Dugni, P.O. Mahahoo The-Palampur, District-Kangra, Himachal Pradesh	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E)

			dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
21.	President Tea Association of India, India Exchange, 4, Maharana Pratap Sarani, 7th Floor, India Exchange Place, Kolkata - 700 001	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
22.	Shri J. Raman Thummanatty Village & Post, Ooty, The Nilgiris - 643 002 Tamil Nadu	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
23.	Vacant	Member	Representing persons employed in Tea Estates and Gardens under clause (d) of sub-rule (1) of rule 4.
24.	Shri Nidhesh Hasmukhlal Shah Tea Traders & Exporters Forum, “Madhuvan”, Opp. Ghar Ho to Eaisa, Kamal Mandir Road, Near Sanshkar Society, Surendranagar -363 002,Gujarat	Member	Representing dealers including both exporters and internal traders of tea under clause (e) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
25.	Vacant	Member	Representing dealers including both exporters and internal traders of tea under clause (e) of sub-rule (1) of rule 4.
26.	Shri Bhavesh Rameshbhai Patel Joint Managing Director, Vikram Tea Processor Pvt. Ltd., Ajantha Nagar, Develgaon Raja Road, Jalna - 431 203, Maharashtra	Member	Representing manufacturer of tea under clause (f) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
27.	Shri P. Mohanan Tachupurambil , Londry P.O., Londry Estate Idukki-685 505, Kerala	Member	Representing manufacturer of tea under clause (f) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
28.	Shri Ratan Nandlal Bidada Managing Director, Bidada Industries Pvt. Ltd., Ganga Mansion, Sinhagad Society, Kanheri Road, Moti Nagar, Latur - 413 512, Maharashtra	Member	Representing consumers of tea under clause (g) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
29.	Sant Shri Nanakdas Maharaj Satguru Kabir Ashram Sewa Sansthan (NGO), Chhapri Dungri, P.O. Badi Khatu, Teh: Jayal, Distt: Nagor, Rajasthan - 341 301	Member	Representing consumers of tea under clause (g) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
30.	Dr. Ashok Kumar Saxena 33, Parn Villa, Scwak Ashram Road, Dehradun, Uttarakhand - 248 001	Member	Representing other interests under clause (h) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

31.	Shri Sunil Kirwai Bharatiya Mazdoor Sangh Karyalaya, House No. 136/B, Water Works Colony, Near Fire Service Station, Pandu, P.O. - Rest Camp Dist. Kamrup - 781 012 Assam	Member	Representing other interests under clause (h) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.1295(E) dated 09/3/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]
32.	Deputy Chairman, Tea Board	Ex-Officio Member	Appointed under clause (aa) of sub-rule (1) of rule 4. [Vide MoCI Notification No.S.O.783(E) dated 11/2/2019 from F.No.T-49019/1/2018-Plant(A)]

CHAPTER - 2

INDIA TEA IN THE INTERNATIONAL PERSPECTIVE

Broad over view of the Global and Indian Tea Scenarios:

More than 36 countries spread over all the continents except North America having a varied range of agro-climatic conditions between Georgia and Argentina grow tea. The global tea production and consumption during 2020 was 6269 million kg and around 5879 million kg respectively. Total exports from the producing countries during 2020 added up to 1831 million kg. Major tea producing and exporting countries are China, India, Kenya, and Sri Lanka and they account for 81% and 72% of world production and exports respectively. (Table-1)

Table-1

Production and Export share of major producing and exporting countries during 2020

Country	Production		Export	
	Million Kg	Global share	Million Kg	Global share
China	2986	48	349	19
India	1258	20	210	11
Kenya	570	9	519	28
Sri Lanka	278	4	263	14
Others	1177	19	490	28
World Total	**6269**	**100**	**1831**	**100**

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2021 except India

World auction prices during 2020 by the major producing countries shows a decline in all producing countries except India and Sri Lanka.

TABLE-2: WORLD AUCTION PRICE OF TEA (IN US$/KG)

COUNTRY	2020	2019	>/< OVER 2019
India	2.49	2.00	(+)0.49
Bangladesh	2.05	2.31	(-)0.26
Sri Lanka	3.40	3.05	(+)0.35
Kenya	1.93	2.04	(-)-0.11
Malawi (Limbe)	1.44	1.46	(-)0.02

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2021 except India

The tea consumption in India accounts for 19% of the global consumption due to its population even though the per capita consumption is lower. Almost 90% of the total production is consumed within the country. This distinct position is in sharp contrast with other producing countries, particularly Kenya and Sri Lanka which hardly have any strong domestic demand and hence they are able to export most of their production.

The Global Tea situation in 2020

Production:

Total global tea production during 2020 increased by 107.80 million kgs as compared to the year 2019 in spite of the initial lockdown conditions existed due to COVID-19 pandemic, (Table-3). In India, tea production during 2020 was decreased by 132.55 million kgs compared to 2019.

Table-3: Tea production in major tea producing countries (Million Kgs)

Country	2020	2019	>/< over 2019
India	1257.53	1390.08	(-)132.55
Sri Lanka	278.49	300.13	(-)21.64
Kenya	569.54	458.85	(+)110.69
China	2986.02	2799.38	(+)186.64
Others	1177.37	1212.71	(-)35.34
Total world Production	**6268.95**	**6161.15**	**(+)107.80**

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2021 except India

Exports:

Total global tea exports in 2020 decreased by 78.13 million kgs over 2019 (Table-4). The decline of tea exports was attributable to lockdown conditions existed due to COVID-19 pandemic and associated logistical issues with reduced demand from importing countries. While tea exports of India, Sri Lanka & China decreased, Kenya improved the tea exports.

Table-4: Exports of major producing countries (Million Kgs)

Country	2020	2019	>/< over 2019
Kenya*	518.92	496.76	(+)22.16
China	348.82	366.55	(-)17.73
Sri Lanka	262.73	289.59	(-)26.86
India	209.72	252.15	(-)42.43
Others	491.02	504.29	(+)13.27
Total world Exports	**1831.21**	**1909.34**	(-)78.13

Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2021 except India

* Kenya's export include the neighboring African countries produce

Indian Tea Scenario

In India tea is cultivated in 15 states of which Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala are the major tea growing states. They account for 98% of the total production. Other traditional states where tea is grown are Tripura, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Bihar and Karnataka. The non-traditional states that have entered the tea map of India include Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland, and Sikkim.

World's finest teas like Darjeeling, Assam, Sikkim, Nilgiris and Kangra which are famous for their delicate flavor, strength and brightness are produced in India. With diverse agro climatic conditions, India produces medley of teas suited to different tastes and preferences of consumers. The characteristics of each region are distinct, which sets them apart from one another in many different ways.

Production:

In the year 2020-21 production was 1283.03 million kgs a decrease of 77.78 million kgs over 2019-20 due to initial lockdown conditions existed due to COVID-19 and adverse climatic conditions that prevailed in major tea growing areas in North India.

Exports:

Tea Exports were 203.79 million kgs in quantity with value realization of Rs. 5311.53 Crs. It was lower by 37.55 million kgs in quantity and Rs. 145.57 Crs in value but the unit price realization was Rs. 260.64 per Kg, improved by Rs.34.53 per Kg in 2020-21 as compared to 2019-20.

Primary Marketing:

During the year under report about 43% of total tea produced in the country was sold through public auctions and the remaining through other modes.

Domestic Retention:

The apparent domestic retention of tea for the year 2020-21 was around 1107 million kgs as against 1135 million kgs in 2019-20.

CHAPTER - 3

FINANCE

INTRODUCTION

Tea Board is funded through Grant-in-Aid by Govt. of India. Tea Board generates a meager amount from Internal Extra Budgetary Resource (IEBR) through fees on licenses, interest on loan & advances and miscellaneous receipts such as sale of liquid tea, sale of green leaves, sale of application forms and other publications etc.

All funds available to the Tea Board are routed through the Annual Union Budget. Such funds are utilised by Tea Board as enshrined in Section 10 of the Tea Act subject to the delegation of financial powers of the Government.

CESS PROCEEDS

During the year 2020-21 an amount of Rs.6550.00 lakhs (excluding opening balance) was released by the Government towards proceeds of cess under section 26 of Tea Act, 1953 as Establishment contribution to the Tea Board. There was an opening balance & closing balance of Rs. 4.50 lakh & Rs.1.75 lakh.

RESEARCH & DEVELOPMENT GRANTS

During the year 2020-21, a sum of Rs.1720.00 lakh was received from Government towards Research and Development Grants. There was an opening balance & closing balance of Rs. 17.20 lakh & Rs.23.47 lakh and other receipts of Rs.0.59 lakh.

RESEARCH (ASIDE)

During the year no amount was received from Govt. under this head. However, there was an opening balance & closing balance of Rs. 131.92 lakh & Rs.211.50 lakh and other receipts of Rs.5.38 lakh.

SUBSIDY

A sum of Rs.12649.00 lakh was received from Govt. towards subsidy during the year. There was an opening balance & closing balance of Rs.29.89 lakh & Rs.27.03 lakh and other receipts of Rs.453.74 lakh.

SPECIAL PURPOSE TEA FUND - CAPITAL

During the year, no amount was received from Govt. towards SPTF Capital Contribution.

ESTABLISHMENT RECEIPTS & PAYMENTS

A. Receipts

Receipts during the year 2020-21 under different heads are as under:

(Rs. in lakh)

Money received under Section 26 of Tea Act	6550.00
Fees realized on account of licenses/ TMCO 2003 including Application Fees	225.54

Fees realized on account of HACCP	0.00
Miscellaneous Receipts including sale of liquid tea, sale of green leaves, sale of publications, interest on fixed deposit etc.	348.83
Interest on Advance	7.83
Registration fees realized on account of DCTM, Assam, Dooars & Nilgiri Trade Mark & Logo Administration	28.27
Other Receipts	0.00
TOTAL	**7160.47**

B. PAYMENTS

Establishment Payments during the year 2020-21 was as under:

(Rs. in lakh)

Administration including Library	2803.70
Tea Promotion in India	414.84
Tea Promotion outside India	0.00
Pension including Gratuity& Leave Encashment	2954.76
Other Establishment Expenses	168.05
Employer's contribution to New Pension Scheme & Foreign Service Contribution	157.49
Other Administration Expenses	454.32
Fixed Assets Purchased	51.78
Other Payments	158.28
TOTAL	**7163.22**

SCHEME ACTIVITY: RECEIPTS & PAYMENTS

C. Receipts

Receipts during the year 2020-21 under different Schemes are as under:

(Rs. in lakh)

Tea Plantation Development Subsidy Scheme	7569.36
Schedule Caste Sub Plan	271.00
Quality Upgradation & Product Diversification Scheme	101.33

Human Resource Development Scheme	108.34
Orthodox Tea Production Subsidy Scheme	3376.76
Market Promotion Scheme	666.21
National Programme for Tea Regulation	400.00
Research & Development Scheme	1720.00
Tribal Area Sub Plan	156.00
Other receipts	459.71
Total	**14828.71**

D. Payments – Research & Development Grants. **(Rs. in Lakh)**

Grant in aid to TRA /UPASI	1174.20
Financial Support other than TRA/UPASI	0.00
Project Expenses (Kurseong-Integrated Tea Improvement Project)	0.00
Up-gradation of DTR & DC	38.45
Workshop / Seminar etc.	0.00
Salary to Contractual Staff (H.O.)	1.40
QCL Siliguri Expenses	74.10
Assets Purchase	5.41
Evaluation & Monitoring	0.00
Other payments	355.18
Total	**1648.74**

E. PAYMENTS (INCLUDING FD MADE) - SUBSIDY **(Rs. in lakh)**

Plantation Subsidy Scheme	7570.37
Quality Up-gradation & product Diversification Scheme	101.50
Human Resource Development Scheme	108.52
Orthodox Tea Production Subsidy Scheme	3377.67
Market Promotion Scheme	666.07
Scheduled Caste Sub Plan	272.85

National Programme for Tea Regulation	843.79
Tribal Area Sub Plan	155.83
TOTAL	**13096.60**

F. PAYMENTS–RESEARCH SCHEME (ASIDE)

(Rs. in Lakh)

Expenditure	0.38
TOTAL	0.38

G. PAYMENTS – LOAN SCHEME & TEA CENTRE

(Rs. in lakh)

Revolving Corpus Fund For Loan Scheme	1441.65
SPTF	2112.16
TEA CENTRE	0.46
TOTAL	**3554.27**

TOTAL PAYMENTS ON SCHEME ACTIVITY DURING THE YEAR 2020-21

= (D +E + F) = Rs. 14745.72 lakh

CHAPTER - 4

TEA DEVELOPMENT

Introduction:

One of the important functions of the Tea Board under the Tea Act is formulation and implementation of development schemes aimed at increasing tea production and productivity of plantations, modernization of tea processing, packaging and value addition facilities and encouraging co-operative efforts amongst small tea growers and also welfare measures for tea garden workers that are supplementary to the provisions of the Plantation Labour Act.

Financial assistance for the above activities is extended through approved schemes

Development Committee:

The Development Committee comprises of the following members during the year under report:

1. Dy. Chairman, Tea Board, Ex-officio Chairman of the Committee
2. Shri Vivek Goenka, ITA
3. Shri Raj Bansal, TAI
4. Shri Nidesh Hashmukhlal Shah
5. Dr. Ashok Kr. Saxena
6. Shri Prashant Bhansali , UPASI

Meetings of the Board/Development Committee:

During the year under report the Board/Development Committee met on the following dates:

Meeting Number	Date of the meeting	Place/Mode
242nd Meeting of the Board	10th September,2020	Kolkata/VC
243rd Meeting of the Board	1st December, 2020	Kolkata/VC
244th Meeting of the Board	23rd March, 2021	Kolkata/VC

VC- Virtual mode

1. Medium Term Framework (2017-18 to 2019-20 & extended till 2020-21):

Approval of the Government of the proposal of Tea Board as recommended by the EFC for continuation of the Tea Development & Promotion Scheme of the 12th Plan during the Medium term Framework (2017-18 to 2019-20) was conveyed vide letter F. No. T-17014/2/2016-Plant (A) dated 29.12.2017 with an outlay Rs.394.85 crores for activities other than establishment expenses including the components of Plantation Development, Quality Up gradation & Product Diversification, Market Promotion, Human Resource Development, Research & Development and National Program for Tea Regulation.

FY 2019-20 was the terminal year of the MTF Period which was extended up to 2020-21 vide letter Ref.No 42(02)/PF-II/2014 dated 08th December, 2020.

Fund Received and Expenditure in the year 2020-21 under various developmental schemes is as under:

Table: 1

Fund Received and Disbursed under the PDS,QUPDS, HRD, SCSP & TASP components of the Tea Development and Promotion Scheme during 2020-21			
(Rs. in Crs.)			
Sl. no	**Schemes/Component**	**Receipt**	**Expenditure**
1	Plantation Development		
	a) Big Grower sector	69.38	69.39
	b)Small tea grower sector	6.11	6.11
	Sub-Total	**75.49**	**75.50**
2	Quality up-gradation and Product Diversification		
	a) Value addition	1.00	1.00
	b) Orthodox Tea Production	33.75	33.75
	Sub-Total	**34.75**	**34.75**
3	Human Resource Development	1.07	1.11
4	Scheduled Caste Sub Plan	2.71	2.73
5	Tribal Area Sub Plan	1.56	1.59
	Total	**115.58**	**115.67**

2. Presence of Development Offices in India: Apart from two Zonal Offices, one each at Guwahati for the entire North Eastern States and Coonoor for the entire South India, there are 15 Regional offices and 12 sub-regional offices. The location are as follows:

Table-2

Sl.No	Regional Offices:	Sl.No	Sub-Regional Offices
1	Siliguri, West Bengal	1	Almorah, Uttarakhand
2	Jalpaiguri, West Bengal	2	Kurseong, Darjeeling, WB
3	Islampur, West Bengal	3	Thakurganj, Bihar
4	Birpara, West Bengal	4	Sivsagar, Assam
5	Palampur, Himachal Pradesh	5	Biswanath Chariali, Assam
6	Jorhat, Assam	6	Dharmanagar, Tripura
7	Agartala	7	Rajgarh, Assam
8	Silchar, Assam	8	Lakhimpur, Assam
9	Dibrugarh, Assam	9	Sonari, Assam
10	Golaghat, Assam	10	Udalguri, Assam
11	Tezpur, Assam	11	Umsing, Meghalaya
12	Tinsukia Assam	12	Aizawl, Mizoram
13	Itanagar, Arunachal Pradesh		
14	Gudalur – Tamil Nadu		
15	Peermade, Idukki, Kerala		

Enumeration of Small Growers and issue of identity card with QR code:

The enumeration of small tea growers was an ongoing process and the total numbers of small tea growers enumerated till 31.03.2021 are as follows:

Table: 3

Status of QR code based cards issued etc. up to 31.03.2021				
Sl. No	**State**	**No of Growers Identified**	**Area (Ha)**	**No of QR code based cards issued**
1	Assam	118754	110837	76024
2	Meghalaya	777	1027.34	240
3	Tripura	2886	1391	831
4	West Bengal & Bihar	34808	26655.87	29061
5	Himachal Pradesh	1166	615.21	454
6	Uttarakhand	1448	1261.66	332
7	Mizoram	644	366	-
8	Arunachal Pradesh	3526	7852	-
9	Nagaland	3335	8020	1721
10	Manipur	484	347	-
	Total N. India	**167828**	**158373.08**	**108663**
11	Tamil Nadu	46997	34427.38	25516
12	Karnataka*	0	0	0
13	Kerala	7921	5297.90	3621
	Total S. India	**54918**	**39725.28**	**29137**
	Total All India	**222746**	**198098.36**	**137800**
	* No small tea growers in the state of Karnataka			

Monitoring of Green leaf price through District Green Leaf Price Monitoring Committees:

District Level Price Monitoring Committee meetings were held at different tea growing districts for monitoring of green leaf price.

3. Major Events

The financial year begins with the onset of the 1st wave of Covid-19 pandemic. Sufficient measures were taken following MHA guidelines and the concerned State Government Covid protocols for smooth functioning of the tea gardens and keep the production cycle on move. SOP for functioning of the tea gardens was prepared in consultation with the stakeholders and circulated to the tea gardens across all the tea growing regions for necessary compliances. Tea gardens remain functional and all the development works related to plantation (field), processing (factory), Marketing (auctioning) of teas were continued in spite of the lockdown.

The receipt and processing of application under various development activities were continued in the online mode. Various stakeholders meeting were conducted in virtual mode. The field office plays a vital role in liaising with the tea stakeholder, the State Government and the Central Government in implementation of Covid protocols within the tea gardens.

Weather based crop insurance Scheme: It was decided by Tea Board to engage one insurance company for operationalizing the Scheme for the benefit of the small tea growers in the three districts at Golaghat (Assam), Jalpaiguri (West Bengal) and Nilgiris (Tamil Nadu). For this purpose, EOI was floated for implementation of the project

However, due to COVID-19 Pandemic and subsequent lock down in the country and based on the request of the Insurance Companies, 3 Corrigendum were issued by Tea Board extending the date of submission of bids. The last bid submission date was up to 11.07.2020. However, no bid was submitted by any insurance company as noted. In view of this, the Tender was cancelled by Tea Board vide Notification no. 9(27)/DTD/2018 dated 17.07.2020 and informed to the Ministry on the same date.

Factory Closure: The manufacturing unit were closed during the period of winter dormancy in North India (December, 2020 to February, 2021) in order to curb the production of sub-standard teas and to improve the quality.

Continuation of the scheme for the year beyond 2021 i.e., 2021-26: Tea Board submitted the proposal for an amount of Rs. 967.78 Crores (including establishment cost) and all the proposals viz., Sector Specific Action Plan for the North Eastern Regions, activity of the agriculture export policy etc., were merged in to the proposed Tea Development and Promotion Scheme.

Based on the budget announcement made by Honourable Union Minister of Finance and subsequent letter Ref.No.K-57013(13)/1/2021-Plant A dated 04/02/2021 from Ministry of Commerce & Industry, Tea Board was directed to device a special scheme for the welfare of tea workers especially women and their children in the state of Assam & West Bengal with a total outlay of Rs.1000.00 Crores. Accordingly, the scheme was devised for the welfare of the tea garden workers especially the tea garden women workers and their dependent children employed in the tea gardens of the State of Assam and West Bengal only in the name and style of “Pradhan Mantri Cha Shramik Protsahan Yojana (PMCSPY)” for the year 2021-2026.

PMKVY-RPL Program: Tea Board has taken initiative to provide training and skill recognition of about 14,700 tea garden workers through National Skill Development Council (NSDC) under the PMKVY. The progress made in this regard are as under:

Table: 4

S. No	State/Union Territory	Targets Approved(no.)	Candidates Enrolled (no.)	Candidates Assessed (no.)	Candidates Certified (no.)
1.	Assam	6780	2162	1575	1526
2.	Kerala	979	477	358	357
3.	Tamil Nadu	2675	570	141	140
4.	Tripura	365	380	258	250
5.	West Bengal	3903	2972	2488	2446
	Total	**14700**	**6561**	**4820**	**4719**

Due to lockdown was imposed across the country for COVID-19 outbreak, from 24.03.2020 onwards, Training/workshops etc. could not be undertaken. However these activities commenced partially from September, 2020 and hence achievement was less.

4. Swacchta Action Plan (SAP):

As per direction of the Government, Tea Board took initiative for implementation of the Swacchta Action Plan in different offices of the Board and tea gardens. An amount of Rs.50.00 lakhs was spent towards cleaning of Board’s office premises and beautification of surroundings and other activities.

5. Closed Tea Estates:

Although the exact reasons for the closure of the tea gardens are not known but, in general the key reasons for sickness / closure can be attributed to poor garden management practice, falling quality and price realizations, Uneasy (though usually not volatile) industrial relations scenario, overall lack of development perspective, Highly debt oriented funding strategy, ownership disputes, Labour unrest etc., During the year under report, following tea gardens were reported closed:-

Table: 5

Updated status of closed tea gardens in the country as on 31.03.2021							
Sl. No.	Name of the T.E.	Area under Tea (Ha)	State	Date of Closure	No. of Workers		Current Status
					Permanent	Temporary	
1	Panighata	460.15	West Bengal	10.10.2015	787	0	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc.
2	Dheklapara	197.00		11.03.2006	604	200 (Approx.)	The estate was officially liquidated by the Hon'ble Calcutta High Court. The garden was put up for e-auction by the Hon'ble Calcutta High Court (Official Liquidator) on 11th May,2012, but no prospect buyer was available
3	Bundapani	530.00		13.07.2013	1215	68	The State Govt. has taken possession of the land of the closed Bundapani T.E on 15th Oct, 2014, on expiry of lease of land.
4	Dharanipur	265.00		21.10.2013	357	450 (Approx.)	The State Govt. has taken possession of the land of the closed Dharanipur T.E on 18th Nov,2014
5	Redbank	369.00		19.10.2013	888	700 (Approx.)	The State Govt. has taken possession of the land of the closed Redbank T.E on 21st Nov, 2014, on expiry of lease of land.
6	Surendranagar	172.00		19.10.2013	301	150 (Approx.)	The State Government has cancelled the Land Lease of Surendra Nagar T.E by an order dated 14/11/2014 and the Land has been taken over by the state

							Government on 13.01.2015
7	Madhu	323.00		23.09.2014	947	0	As per un official information , the process of sale of the property is under process
8	Lankapara	758.45		16E Notified on 28.01.2016	1705	816	The garden was notified under section 16 (E) of Tea Act presently closed.
9	Toorsa	482.30		20.10.2019	734	157	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
10	Dooteriah T E	444.92		09-06-19	1248	4	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
11	Kalej Valley	235.56		09-06-19	559	143	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
12	Peshok	314.70		09-06-19	517	110	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement
13	Peermade & Lonetree	679.79	Kerala	01.04.2016	220	0	Labour unrest due to non settlement of labour dues etc. The Govt. of Kerala is in the process of reopening of the estate.
14	Kottamala & Bonami T.E	677.51		23.12.2013 / 11.10.2014	375	0	The company has got a stay order from the Kerala High Court prohibiting action against the company presently under Tea Act.
15	Bonnacord	378.00		05.03.2015	220	0	Estate Management has abandoned the estate due to financial crisis.
	Total	6831.61			12039	4480	

Details of Physical and Financial achievement under ongoing scheme

COMPONENT - PLANTATION DEVELOPMENT ACTIVITY (Big Growers Sector):

Table: 6

COMPONENT - PLANTATION DEVELOPMENT SCHEME State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21 (Rs. In Lakhs)										
State	**Activity**	**Replantation**	**Replacement planting(ha)**	**Rejuvenation pruning (ha)**	**New planting [12th Plan Cases]**	**Irrigation**	**Field Mechanization**	**Organic Certification**	**HO/Other Administrative Expenses**	**Total**
Assam	Financial (Lakh Rs.)	2613.73	236.02	168.99	158.96	161.01	33.64	0.15	4.00	**3376.50**
	no. of beneficiary	162	17	29	23	20	12	1	--	**264.00**
	Physical (Ha.)	1490.98	108.51	262	231.86	2406.18	280	1	--	**4780.53**
Tripura	Financial (Lakh Rs.)	--	3.55	17.22	4.32	--	2.76	--	--	**27.85**
	no. of beneficiary	--	1	4	2	--	2	--	--	**9.00**
	Physical (Ha.)	--	5.39	28.62	7	--	13	--	--	**54.01**
West Bengal	Financial (Lakh Rs.)	2911.53	268.11	125.83	18.4	23.13	12.86	--	--	**3359.86**
	no. of beneficiary	231	9	57	3	4	5	--	--	**309.00**
	Physical (Ha.)	1403.95	258.4	136.46	5	291.99	74	--	--	**2169.80**
Tamil Nadu	Financial (Lakh Rs.)	52.98	--	75.66	--	--	15.72	--	--	**144.36**
	no. of beneficiary	5.00	--	11	--	--	2	--	--	**18.00**
	Physical (Ha.)	21.00	--	132.17	--	--	29	--	--	**182.17**

Kerala	Financial (Lakh Rs.)	23.1	--	--	--	--	7.39	--	--	**30.49**
	no. of beneficiary	2	--	--	--	--	1	--	--	**3.00**
	Physical (Ha.)	11.33	--	--	--	--	8	--	--	**19.33**
All India	Financial (Lakh Rs.)	**5601.34**	**507.68**	**387.70**	**181.68**	**184.14**	**72.37**	**0.15**	**4.00**	**6939.06**
	no. of beneficiary	**400.00**	**27.00**	**101.00**	**28.00**	**24.00**	**22.00**	**1.00**	**0.00**	**603.00**
	Physical (Ha.)	**2927.26**	**372.30**	**559.25**	**243.86**	**2698.17**	**404.00**	**1.00**	**0.00**	**7205.84**

COMPONENT – QUALITY UPGRADATION AND PRODUCT DIVERSIFICATION:

Table: 7

COMPONENT – QUALITY UPGRADATION AND PRODUCT DIVERSIFICATION						
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21 (Rs. In Lakh)						
State	**Indicators**	**Value addition**	**Certification**	**Incentive for Orthodox & Green tea (million kg)**	**HO/Other Administrative Expenses**	**TOTAL**
Assam	Financial (Lakh Rs.)	94.83	1.26	1662.4	4.006	**1762.496**
	no. of beneficiary	7	1	229	--	**237**
	Physical (mkg.)	--	--	55.41	--	**55.41**
West Bengal	Financial (Lakh Rs.)	--	--	210.56	--	**210.56**
	no. of beneficiary	--	--	54	--	**54**
	Physical (Ha.)	--	--	7.01	--	**7.01**
Tamil Nadu	Financial (Lakh Rs.)	--	--	788.37	--	**788.37**
	no. of beneficiary	--	--	77	--	**77**
	Physical (Ha.)	--	--	26.28	--	**26.28**
Kerala	Financial (Lakh Rs.)	--	--	708.26	--	**708.26**
	no. of beneficiary	--	--	47	--	**47**
	Physical (Ha.)	--	--	23.6	--	**23.6**
Himachal Pradesh	Financial (Lakh Rs.)	--	--	5.08	--	**5.08**
	no. of beneficiary	--	--	4	--	**4**

Plantation Development –Small Growers' Development Activity and Special Packages

Table:8

Plantation Development –Small Growers' Development Activity and Special Packages : Part-I																	
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21																	
	State ---------→	**Assam**		**Tripura**		**Arunachal Pradesh**		**Meghalaya**		**Nagaland**		**Mizoram**		**West Bengal**		**Bihar**	
Component	**Activity**	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
	Strengthening of field office	46.69	--	2.01	--	--	--	0.62	--	--	--	1.05	--	8.33	--	0.81	--
Small Growers	Workshop & Training Programme - no. of workshops/ participants (beneficiaries)	4.99	77 1379	0.10	2 43	--	--	--	--	--	--	--	--	1.67	31 680	0.39	7 160
	New planting(ha)	51.87	37.46 57	--	-- --	--	-- --	0.86	0.30 3.00	190.67	120.38 73	--	-- --	--	-- --	--	-- --
	Assistance to FPOs - (no. of SHGs)	2.27	1 35	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --
	TOTAL	**107.35**	**1471**	**2.11**	**43**	**--**	**--**	**1.48**	**3**	**190.67**	**73**	**1.05**	**--**	**10**	**680**	**1.20**	**160**

Table: 9

Plantation Development - Small Growers' Development and Special Packages Part-II											
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21											
	State ---------→	**Tamil Nadu**		**Kerala**		**Himachal Pradesh**		**Uttarakhand**		**All India Total**	
Component	**Activity**	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	**Financial (Rs. Lakh)**	**Physical**
	Strengthening of field office	3.60	--	--	--	0.02	--	1.44	--	**64.57**	**NA**
Small Tea Growers	Workshop & Training Programme - no. of workshops/ participants	2.26	21	0.38	8	--	--	--	--	**9.79**	**146**
			645		247		--		--		**3154**
	New planting(ha)	1.96	1.60	3.11	13.31	--	--	--	--	**248.47**	**173.05**
			4		27		--		--		**164**
	Replanting (ha)	1.47	2.30	--	--	--	--	--	--	**1.47**	**2.30**
			6		--		--		--		**6**
	Rejuvenation pruning (ha)	40.54	29.50	18.07	35.21	--	--	--	--	**58.61**	**64.71**
			347		102		--		--		**449**
	Irrigation(ha)	3.34	6.05	--	--	--	--	--	--	**3.34**	**6.05**
			2		--		--		--		**2**
	Assistance to FPOs - (no. of SHGs)	--	--	--	--	--	--	--	--	**2.27**	**1.00**
			--		--		--		--		**35**

Special Package Idukki		--	--		33.56	--	--	--	--		**33.56**
	Uprooting & Replanting (no. and ha.)	--	--	162.93	92	--	--	--	--	**162.93**	**92**
Special Package Himachal Pradesh & Uttarakhand		--	--	--	--	4	6	--	--	**4**	**6**
	Uprooting & Replanting &	--	--	--	--		32	--	--		**32**
	Field Mechanization (no. of beneficiaries and equipment)	--	--	--	--	3.06	9	--	--	**3.06**	**9**
		--	--	--	--		6	--	--		**6**
	Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of beneficiaries)	--	--	--	--	21.50	9	--	--	**21.5**	**9**
		--	--	--	--		146	--	--		**146**
	Setting up new Mini Tea Factory by FPO / FPC	--	--	--	--	29.06	5	--	--	**29.06**	**5**
		--	--	--	--		99	--	--		**99**
	Others(Traceability / News letter)	--	--	--	--	0.02		--	--	**1.55**	**NA**
	TOTAL	**53.17**	**1004**	**184.49**	**468**	**57.66**	**283**	**1.44**	**0**	**610.62**	**4185.00**

Table: 10

SCHEDULE CASTE SUB PLAN (SCSP)																				
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21																				
	NER				ONER														Total	
	Assam		Tripura		Tamil Nadu		Kerala		Karnataka		Himachal Pradesh		Uttarakhand		West Bengal		Bihar			
Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
New planting (ha)	--	--	--	--	--	--	0.17	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**0.17**	**1**
	--	--	--	--	--	--		0.25	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--		**0.25**
Rejuvenation pruning (ha.)	--	--	--	--	5.89	57	1.44	8.00	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**7.33**	**65.00**
	--	--	--	--	--	20.32		3.74	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--		**24.06**
Irrigation(ha)	--	--	--	--	0.16	2.00	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**0.16**	**2**
	--	--	--	--		3.43	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--		**3.43**
Field Mechanization (no.)	32.80	61	0.78	1	0.03	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**33.61**	**63**
		742		3		1														**746**
Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of Small Growers of SHGs)	24.12	215	--	--	3.55	56	--	--	--	--	29.98	101	3.85	20	27.46	347	--	--	**88.96**	**739**
		12		--		1	--	--	--	--		5		1		9		--		**28**
Assistance to FPOs - (no. of FPOs, no. of Small Growers of FPO)	7.22	35	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	44.74	703	--	--	**51.96**	**738**
		1		--		--		--	--	--		--		--		4				**5**

Setting up new Big Tea Factory by FPO / FPC (No.)	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1.57	21	5.60	20	--	--	--	--	**7.17**	**41**
	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--		1		1		--	--	--		**2**
Workshop/ Training Programme (no. of programs and no. of participants)		180	--	--	--	--	--	--	--	--		360		202		1365		30		**2137**
	0.49	10	--	--	--	--	--	--	--	--	0.63	12	4.36	9	2.61	51	0.05	1	**8.14**	**83**
Study Tours (no. of Tours and no. of participants)	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	-- --	--	--	--		37	--	--		**37**
		--		--		--		--	--	--		--		--	1.3	3		--	**1.3**	**3**
Assistance to individual STSTGs for Inputs, LCV etc.(No.)	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--		3	--	--	--	--	--	--		**3**
		--	--		--		--	--	--	--	10.14	3		--	--	--	--	--	**10.14**	**3**
Education Stipend(no)	--	--	--	--	25.34	147	20.53	99	0.2	1	0.47	2			11.75	80	--	--	**58.29**	**329**
Nehru Award (no)	--	--	--	--	1.56	18	1.10	13	--	--	--	--	--	--	0.08	1	--	--	**2.74**	**32**
Book & uniform grant(No.)	--	--	--	--	--	--	0.04	1	--	--	--	--	--	--	0.68	17	--	--	**0.72**	**18**
Other Administrative Expenses/ Miscellaneous Expenditure	0.07	--	--	--	0.99	--	--	--	--	--	0.07	--	--	--	1.09	--	--	--	**2.22**	**0**
TOTAL	64.70	491	0.78	1	37.52	281	23.28	122	0.20	1	42.86	487	13.81	242	89.71	2550	0.05	30	**272.91**	4205

Table: 11

Tribal Area Sub Plan (TASP)												
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21 (Part 1 NER)												
North Eastern Region	**Assam**		**Tripura**		**Arunachal Pradesh**		**Nagaland**		**Meghalaya**		**Mizoram**	
Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical
Rejuvenation (Ha.)	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		--		--		--		--		--		--
Field Mechanization (no.)	11.63	29	0.29	1	--	--	18.74	27	--	--	--	--
		495		5		--		1114		--		--
Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of Small Growers of SHGs)-	--	--	--	--	--	--	23.96	97	--	--	--	--
		--		--		--		6		--		--
Setting up new Mini tea Factory by FPO/FPC	34.59	2	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		2		--		--		--		--		--
Setting up new Big tea Factory by FPO/FPC	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		--		--		--		--		--		--
Workshop/ Training Programme (no. of programs and no. of participants)	3.27	1170	1.10	396	0.75	270	--	--	0.28	90	--	--
		65		22		15		--		5		--
Organic Conversion (no. of cases and Area)	1.56	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		1.32		--		--		--		--		--
Organic Certification (no. of cases and Area)	0.08	1	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
		1.32		--		--		--		--		--
Other Administrative Expenses/ Miscellaneous Expenditure	1.43		--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
TOTAL	**52.56**	**1203**	**1.39**	**397**	**0.75**	**270**	**42.70**	**124**	**0.28**	**90**	**0.00**	**0**

Table: 12

Tribal Area Sub Plan (TASP)												
State-wise Financial Disbursement and Physical Achievement during 2020-21 (Part 2 ONER)												
ONER	**Tamil Nadu**		**Kerala**		**Himachal Pradesh**		**Uttarakhand**		**West Bengal**		**Total (11+12)**	
Activity	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	Financial (Rs. Lakh)	Physical	**Financial (Rs. Lakh)**	**Physical**
Rejuvenation (Ha.)	1.94	15 7.57	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	**1.94**	**15** **7.57**
Field Mechanization (no.)	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	**30.66**	**57** **1614**
Assistance to SHGs - (no. of SHGs, no. of Small Growers of SHGs)-	18.00	151 7	-- --	-- --	10.06	62 2	-- --	-- --	-- --	-- --	**52.02**	**310** **15**
Irrigation(ha)	--	-- --	0.87	6 1.52	--	-- --	--	-- --	--	-- --	**0.87**	**6** **1.52**
Setting up new Mini tea Factory by FPO/FPC	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	--	-- --	**34.59**	**2** **2**
Workshop/ Training Programme (no. of programs and no. of participants)	--	-- --	--	-- --	4.27	41 2	--	-- --	0.10	40 2	**9.77**	**2007** **111**
Organic Conversion (no. of cases and Area)	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	**1.56**	**1** **1.32**
Organic Certification (no. of cases and Area)	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	-- --	**0.08**	**1** **1.32**
Education Stipend(no)	--	--	--	--	--	--	--	--	23.48	167	**23.48**	**167**
Nehru Award (no)	--	--	--	--	--	--	--	--	1.24	14	**1.24**	**14**
Book & uniform grant(No.)	--	--	--	--	--	--	--	--	0.16	4	**0.16**	**4**
Other Administrative Expenses	--	--	--	--	--	--	--	--	1.18		**2.61**	**0**
TOTAL	**19.94**	**166**	**0.87**	**6**	**14.33**	**103**	**0.00**	**0**	**26.16**	**225**	**158.98**	**2584**

Region wise Summary of achievements during the F Y 2020-21: Big & Small Growers' sector including SCSP & TASP

Table -13

All Scheme	All India Physical and Financial Achievement for the F Y 2020-21 (till 31-03-21) BG+SG														
	North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal & Uttarakhand			All India Total		
Major Activity	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs
PDS-Replantation/Replacement	3261.54	339	2005.00	3198.04	243	1667.35	245.72	137	83.35	--	--	--	6705.3	719	3755.7
PDS-Rejuvenation	186.21	33	290.62	125.83	57	136.46	143.54	540	228.51	--	--	--	455.58	630	655.59
PDS-Irrigation	161.01	20	2406.18	23.13	4	291.99	4.37	10	11.00	--	--	--	188.51	34	2709.17
PDS- Mechanization	100.64	133	2652.00	12.86	5	74.00	23.14	4	38.00	3.06	6	9.00	139.7	148	2773
PDS-SHGs/FPOs	127.95	3912	220.12	89.73	3362	108.00	28.78	1099	37.00	90.35	967	49.00	336.80445	9340	414.12
PDS- Setting up of factories	34.59	2	2.00	--	--	--	--	--	--	36.23	140	7.00	70.82	142	9
QUPDS	100.09	8	8.00	--	--	--	--	--	--	0.00	0	0.00	100.08606	8	8
OTPS	1662.40	229	55.41	210.56	54	7.01	1496.63	124	49.88	5.08	4	0.17	3374.665	411	112.47
HRD-Health	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
HRD-Education	32.59	426	426.00	91.10	732	729.00	71.19	400	400.00	0.55	3	2.00	195.428	1561	1557
HRD-Training	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	**5667.02**	**5102**	**8065.33**	**3751.25**	**4457**	**3013.81**	**2013.37**	**2314**	**847.74**	**135.259**	**1120**	**67.17**	**11566.894**	**12993**	**11994.05**

Region wise Summary of achievements during the F Y 2020-21: Small Growers' Sector including SCSP & TASP

Table -14

SG+SCSP+TASP	All India Physical and Financial Achievement UNDER Small Tea Grower Sector including SCSP & TASP for the F Y 2020-21(till 31-03-21)														
Activity	North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal & Uttarakhand			All India Total		
Components	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs
PDS-Replantation/ Replacement	244.96	134	161.26	--	--	--	169.64	130	51.02	4.00	32	6.00	**418.60**	**296**	**218.28**
PDS-Rejuvenation	--	--	--	--	--	--	67.88	529	96.34	--	--	--	**67.88**	**529**	**96.34**
PDS-Irrigation	--	--	--	--	--	--	4.37	10	11.00	--	--	--	**4.37**	**10**	**11.00**
PDS-Mechanization	64.24	119	2359.00	--	--	--	0.03	1	1.00	3.06	6	9.00	**67.33**	**126**	**2369.00**
PDS-SHGs/FPOs	120.53	3911	219.12	87.46	3362	108.00	27.79	1099	37.00	86.27	935	43.00	**322.05**	**9307.00**	**407.12**
PDS- Setting up of factories	34.59	2	2.00	--	--	--	--	--	--	36.23	140	7.00	**70.82**	**142**	**9.00**
Total	**464.32**	**4166**	**2741.38**	**87.46**	**3362**	**108.00**	**269.71**	**1769**	**196.36**	**129.56**	**1113**	**65**	**951.05**	**10410**	**3110.74**

Summary of achievements during the F Y 2020-21: Under Schedule Caste Sub Plan

Table -15

All India Physical and Financial Achievement UNDER SCSP ONLY for the F Y 2020-21(till 31-03-21)																
	North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal & Uttarakhand			All India Total		
Major Activity	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefic iaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefic iaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipment/ STGs
PDS-Replantation/Replacement	--	--	--	--	--	--	0.17	1	0.25	--	--	--	0.17	1	0.25
PDS-Rejuvenation	--	--	--	--	--	--	7.33	65	24.06	--	--	--	7.33	65	24.06
PDS-Irrigation	--	--	--	--	--	--	0.16	2	3.43	--	--	--	0.16	2	3.43
PDS- Mechanization	33.58	62	745.00	--	--	--	0.03	1	1.00	--	--	--	33.61	63	746
PDS-SHGs/FPOs	31.90	430	23.00	77.25	2482	68.00	4.54	56	1.00	49.03	686	30.00	162.72	3654	122
PDS- Setting up of factories	--	--	--	--	--	--	--	--	--	7.17	41	2.00	7.17	41	2
HRD-Health	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
HRD-Education	--	--	--	12.51	98	98.00	48.77	279	279.00	0.47	2	2.00	61.75	379	379
HRD-Training	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	65.48	492	768	89.76	2580	166	61	404	308.74	56.67	729	34	272.91	4205	1276.74

Summary of achievements during the F Y 2020-21: Under Schedule Tribe Sub Plan

Table -16

All India Physical and Financial Achievement UNDER SCSP ONLY for the F Y 2020-21(till 31-03-21)															
	North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal & Uttrakhand			All India Total		
Major Activity	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipme nt/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipme nt/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciaries	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipme nt/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciarie s	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipme nt/ STGs	Fund Utilized (Rs. In Lakh)	No. of benefi ciarie s	Area (ha.) / Million Kg/No. of Events/ No. of equipme nt/ STGs
PDS-Replantation / Replacement	1.56	1	3.12	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1.56	1	3.12
PDS-Rejuvenation	--	--	--	--	--	--	1.94	15	7.57	--	--	--	1.94	15	7.57
PDS-Irrigation	--	--	--	--	--	--	0.87	6	1.52	--	--	--	0.87	6	1.52
PDS-Mechanization	30.66	57	1614.00	--	--	--	--	--	--	--	--	--	30.66	57	1614
PDS-SHGs/FPOs	30.87	2024	116.12	1.28	40	2.00	18.00	151	7.00	14.33	103	4.00	64.4845	2318	129.12
PDS- Setting up of factories	34.59	2	2.00	--	--	--	--	--	--	--	--	--	34.59	2	2
HRD-Health	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
HRD-Education	--	--	--	24.88	185	185.00	--	--	--	--	--	--	24.88	185	185
HRD-Training	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	97.68	2084	1735.24	26.16	225	187	20.81	172	16.09	14.3345	103	4	158.9845	2584	1942.33

Details of SHGs/FPOs & FPCs: Assistance paid during 2020-21

Table -17

Financial Assistance given to SHG, FPO & FPC during 2020-21												
	2020-21									Total (SHG, FPO & FPC)		
	SHGs			FPOs			FPCs					
State	No. of SHG	no of members	Amount (Rs. In Lakh)	No. of FPO	no of members	Amount (Rs. In Lakh)	No. of FPC	no of members	Amount (Rs. In Lakh)	Total No.	no of members	Amount (Rs. In Lakh)
Assam	14	238	31.35	1	26	2.27	--	--	--	15	264	33.62
Tripura	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Arunachal Pradesh	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Nagaland	6	90	23.95	--	--	--	--	--	--	6	90	23.95
Mizorum	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Meghalaya	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Manipur	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub total NE	**20**	**328**	**55.3**	**1**	**26**	**2.27**	--	--	--	**21**	**354**	**57.57**
West Bengal	6	148	13.15	7	880	59.05	--	--	--	13	1028	72.2
Bihar	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sikkim	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub total NB	**6**	**148**	**13.15**	**7**	**880**	**59.05**	--	--	--	**13**	**1028**	**72.2**
Tamil Nadu	--	--	--	3	150	9	--	--	--	3	150	9
Kerala	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Karnataka	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub total S I	--	--	--	**3**	**150**	**9**	--	--	--	**3**	**150**	**9**
Himachal Pradesh	14	336	52.45	--	--	--	--	--	--	14	336	52.45
Uttrakhand	1	21	13.02	--	--	--	--	--	--	1	21	13.02
Sub total HP & Uttk	**15**	**357**	**65.47**	--	--	--	--	--	--	**15**	**357**	**65.47**
Total	**41**	**833**	**133.92**	**11**	**1056**	**70.32**	--	--	--	**52**	**1889**	**204.24**

Details of SHGs/FPOs & FPCs: Formation of new groups during 2020-21

Table-18

Formation of New SHG, FPO & FPC during 2020-21												
	2020-21									Total (SHG, FPO & FPC)		
	SHGs			FPOs			FPCs					
State	No. of new SHG	no of members	Area	No. of new FPO	no of members	Area	No. of new FPC	no of members	Area	Total No.	no of members	Amount (Rs. In Lakh)
Assam	2	30	12.68	--	--	--	1	15	11.2	3	45	23.88
Tripura	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Arunachal Pradesh	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Nagaland	1	15	7.23	--	--	--	--	--	--	1	15	7.23
Mizoram	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Meghalaya	--	--	--	1	20	20	--	--	--	1	20	20
Manipur	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total NE	**3**	**45**	**19.91**	**1**	**20**	**20**	**1**	**15**	**11.2**	**5**	**80**	**51.11**
West Bengal	--	--	--	4	308	179.32	--	--	--	4	308	179.32
Bihar	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sikkim	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total NB	--	--	--	**4**	**308**	**179.32**	--	--	--	**4**	**308**	**179.32**
Tamil Nadu	--	--	--	2	52	38.87	--	--	--	2	52	38.87
Kerala	2	44	33.43	--	--	--	--	--	--	2	44	33.43
Karnataka	0	0	0	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total S I	**2**	**44**	**33.43**	**2**	**52**	**38.87**	--	--	--	**4**	**96**	**72.3**
Himachal Pradesh	3	76	14.374	--	--	--	--	--	--	3	76	14.374
Uttrakhand	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total HP & Uttk	**3**	**76**	**14.37**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**3**	**76**	**14.37**
Total	**8**	**165**	**67.71**	**7**	**380**	**238.19**	**1**	**15**	**11.2**	**16**	**560**	**317.10**

Details of SHGs/FPOs & FPCs: Formation of new groups during 2011-12 to 2020-21

Table-19

New SHG, FPO & FPC formed in last 10 years (2011-12 to 2020-21)												
(2011-12 to 2020-21)										Total (SHG, FPO & FPC)		
	SHGs			FPOs			FPCs					
State	No. of new SHG	no of members	Area	No. of new FPO	no of members	Area	No. of new FPC	no of members	Area	Total No.	no of members	Amount (Rs. In Lakh)
Assam	154	6769	6166.05	150	7731	6543.41	10	444	633.83	314	14944	13343.29
Tripura	--	--	--	20	996	562.46	--	--	--	20	996	562.46
Arunachal Pradesh	7	217	419.27	--	--	--	--	--	--	7	217	419.27
Nagaland	33	612	1024.33	1	56	133.18	2	42	69.29	36	710	1226.8
Mizoram	9	845	190	--	--	--	--	--	--	9	845	190
Meghalaya	--	--	--	10	342	419.97	--	--	--	10	342	419.97
Manipur	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total NE	**203**	**8443**	**7799.65**	**181**	**9125**	**7659.02**	**12**	**486**	**703.12**	**396**	**18054**	**16161.79**
West Bengal	33	1431	586.724	65	6659	5248.123	0	0	0	98	8090	5834.847
Bihar	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sikkim	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total NB	**33**	**1431**	**586.724**	**65**	**6659**	**5248.123**	--	--	--	**98**	**8090**	**5834.847**
Tamil Nadu	19	280	140.42	185	9761	6594.782	--	--	--	204	10041	6735.202
Kerala	61	3224	1937.63	2	72	49.3	2	100	634	65	3396	2620.933
Karnataka	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Sub Total S I	**80**	**3504**	**2078.05**	**187**	**9833**	**6644.082**	**2**	**100**	**634**	**269**	**13437**	**9356.135**
Himachal Pradesh	28	633	313.204	--	--	--	--	--	--	28	633	313.204
Uttrakhand	7	163	84.46	--	--	--	--	--	--	7	163	84.46
Sub Total HP & Uttk	**35**	**796**	**397.664**	--	--	--	--	--	--	35	796	397.664
Total	**351**	**14174**	**10862.1**	**433**	**25617**	**19551.23**	**14**	**586**	**1337.12**	**798**	**40377**	**31750.44**

Photographs of Important Development Activities

Study tour for STGs at Doke tea garden, Bihar

One day workshop at Rakhalhat SHG,WB

Virtual advisory services to growers Awareness of Chai Sahyog app, Jalpaigri, WB

A vigil on the quality of tea at a tea factory in South India

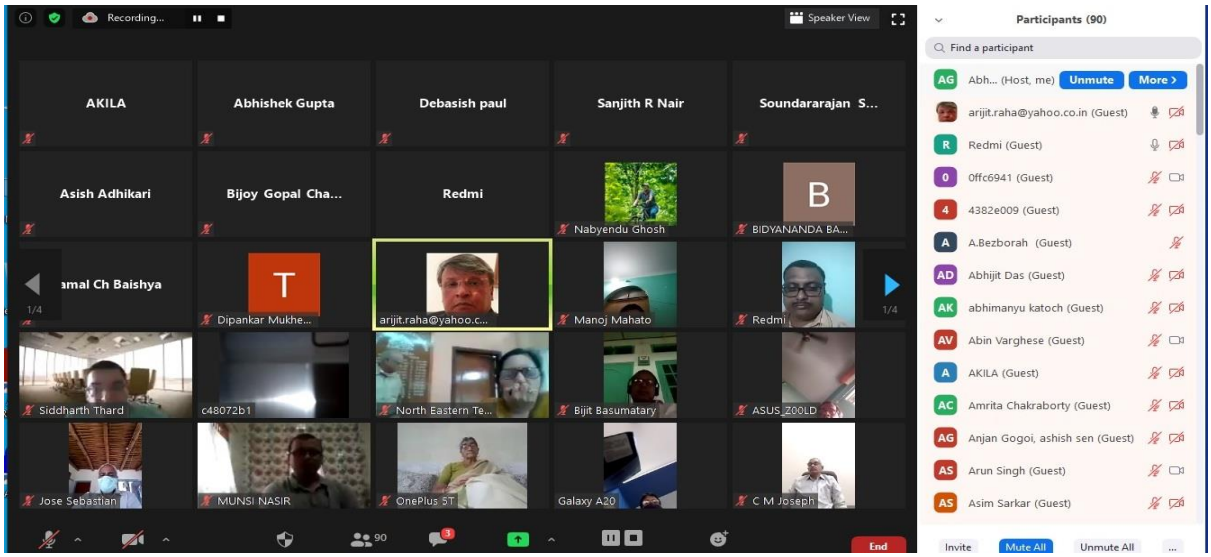

Virtual stakeholder meeting organized by the Zonal Office, Guwahati, Assam: Addressing the issues

Workshop management of FPO, Dumindikgre village, West Garo Hills, Meghalaya

Workshop on pruning – Rongram, Garo hills, Meghalaya

Capacity building program in South India

Training of small tea growers in South India

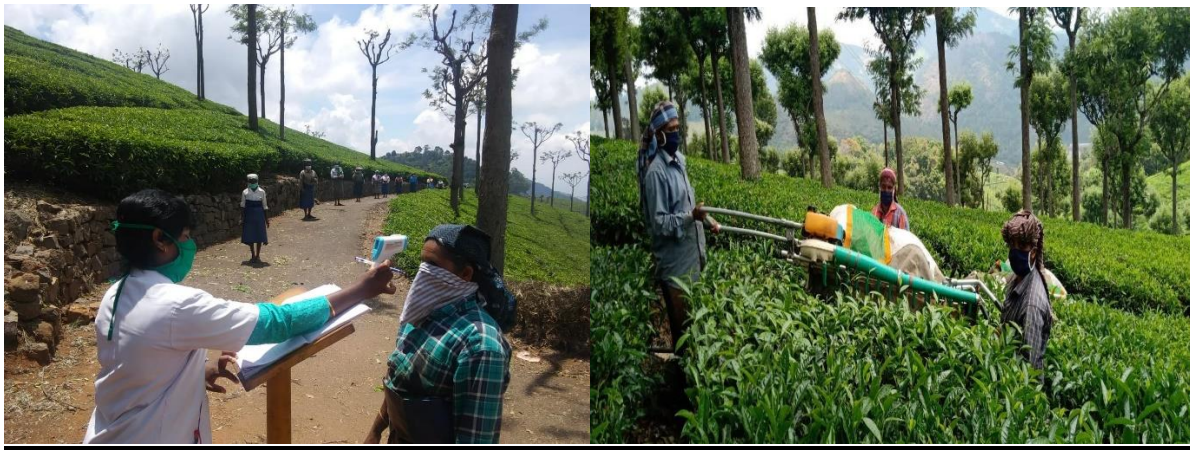

Functioning of tea gardens following Covid-19 protocol

CHAPTER - 5

RESEARCH

The research activities of Tea Board are being conducted through three tea research institutes ; TRA for North-East India, UPASI for South India and DTR&DC/QCL for Darjeeling Tea Industry.

Accordingly to Tea Act, Tea Board India as a regulatory body for tea industry has been providing fund for R & D activities and facilitate tea research in the country in order to increase tea production and improve quality on a continuous basis.

The Research Directorate of Tea Board co-ordinates and evaluates tea research in the country to ensure that outcomes of tea research activities are utilized for the benefit to the Industry.

The need based research projects are being formulated in line with the requirement of tea industry and financial assistance are provided to various institutes including Tea Research Institutes (TRIs) from time to time.

The R&D fund disbursed and utilized by Tea Research Institutes (TRIs) during the financial year are as follows:

TRA, Jorhat, Assam – 49% (Grant-in-Aid) - Rs.13.,36,92.495.00 ,TRA - 31% (for Research projects) - Rs. 41,84,000.00; UPASI, Valparai, Coimbatore - 49% (Grant-in-Aid) - Rs. 1,25,26,421.00 ; DTR&DC, Kurseong - Rs. 40,51,770.48 ; QCL, Siliguri - Rs. 77,28,444.12

Progress and achievements of research activities of all Tea Research Institutes (TRIs) funded by Tea Board India

The research activities covered the areas of field, factory and laboratory and included different kea aspects e.g., plant improvement/cultivar development, plant production (agronomy and soil science), plant protection (entomology, pathology, microbiology), quality enhancement (biochemistry, manufacturing/processing, tea testing) and regulatory research like pesticide residue/MRL, heavy metals and iron filing etc.

The salient progress and achievements made during the year under report are summarized below –

A. TRA :

- Evaluated few commercial products as organic based plant growth stimulant (booster) as foliar spray for tea bushes.
- Evaluated potential of some alternative source of potash for tea-growing soil.
- Developed the protocol of large-scale preparation of humic substrate solution from tea waste in tea gardens.
- Establishing efficacy of a microbial consortium for reducing fertilizer doses of N, P and K by enhancing nutrient availability in soil and that in turn will improve tea productivity

- Developing method of recycling tea waste for preparing compost from tea waste. The developed technique will enable to utilize tea waste in large-scale (in tons) for preparing a nutrient-rich soil amendment.

- Yield and physiological performance of promising seed stocks under long term trial were assessed. The Stock 673 followed by St. 643 showed higher yield over control TS 520. The strength, brightness, briskness and quality of CTC tea manufactured from these stocks were either higher or at par with the control seed stock.

- Yield performances of 527 series clones under the long term trial were compared with the yield of controls (TV1 and TV20). The highest yield was recorded in Clone 527/4 over the control.

- Crop yield of five (5) triploid clones along with TV1 as control were assessed. Among the clones high crop yield was recorded in clone 615/11.

- Crop yield data of germplasm 650 (Borbhetta progeny selection) were assessed along with the controls (TV1 and TV30). Among these germplasm 650/12 followed by 650/1 produced higher yield.

- Under clonal selection programme, 112 tea bushes were selected from the old seed grown section of the Dufflating tea estate for further follow up action towards development of superior tea cultivars useful to the industry.

- Presently four long term trials are under progress in the research plot of NBRRDC, Nagrakata. Crop record, organoleptic testing, biochemical analysis are being recorded on a continuous basis.

- Two promising clones Lakhipara 29 and Lakhipara 14 were sent to different tea estate to evaluate their potential under the growing condition in commercial tea estates.

- 14 Nagrakata tea clones were assessed through 20 EST-SSR primers. Out of 20 primers 9 showed polymorphism. Six clones showed probability of having drought tolerance and six clones showed probability of having quality attributes, out of which five clones placed near to the drought tolerant cluster.

- Totally 34 numbers of biclonal hybrids including different combinations for hills were developed at NBRRDC which are being evaluated for seed production, compatibility features etc. These biclonal combinations are : L56 X HP12, TT22 X L9/34, TA17 X BJ19, B5/63 X BJ5, TV20 X S.3A/3, CB38 X B5/63, TA17 X TV26, BJ5 X TV19, HB19 X BJ19, TV14 X TV17, TV1 X S.3A/3, R2 X T383, R2 X T78, R14 X AV2, P1404 X B157, P1404 X AV2, R2 X AV2, SS6 X CB38, TV20 X TT22, BJ5 X L/51, TV1 X TV14, TV26 X S.3A/3, TA17 X CB38, TV14 X HP12, TV26 X GT30, TA17 X AV2, L/51 X BJ5, L9/34 X TV19, TV19 X CB38, TV20 X L9/34, TV20 X SS42, TV26 X BJ19, TV18 X L/51, TV20 X P1258.

- DUS characterization of floral parts of the following germplasm have been completed-St. 643, St. 673, P-7, KP 6.25, HLK2314, SS6, SS40A, Mornoi30, CB43, Dhul41, DT1, P-36, GP19, LG4, CB27, 299/9, 480/13. 480/17, N-89, MRG1, H137, 63.1, 16.2.15, 14.5.35, 119.4, P-133, SA, LV18N, LV21, TG22, B/6/51, 19/11/20, 19/11/50 and 19/33/1.

- Salicylic acid (SA) @1.0 MM, followed by MOP@2% showed significant increase in net photosynthesis with respect to control. Leaf water potential was recorded higher

in MOP@2% followed by Salicylic acid @1.0mM and Glycine betaine@100mM foliar spray. Transpiration ratio was found to be decreased in SA followed by MOP.

- Integrated Nutrient Management - 75% recommended doses of NPK (RNPK) + biofertilizer consortium (Azospirilum, Azotobacter, PSF (or PSB) and KSB) @ 100-200 L /ha produced yield of tea (1432-1501 KMTH) at par with 100% RNPK (1496 KMTH).100% NPK treated plot resulted in significantly higher build up soil available K_2O (109 mg/kg) over all the integrated treatments (69-82 mg/kg). Soil microbial biomass C varied from 160 mg/kg (under 50% NPK + Consortium treatment) to 227 mg/kg(100% NPK) under different treatments. 75% of recommended quantity of NPK in combination with consortium of biofertilizer produced yield of plot (55-58 kg/plot) at par with 100% NPK treated plot (60 kg/plot).

- The pH, organic C, total N, total P_2O_5 and total K_2O contents in biochars prepared from tea pruning litters (MP), shade tree litters, ordinary woods, poultry litters (LP/MP) during the period under report varied from 10.6-11.8, 38.0-41.7%, 1.21-1.31%, 0.75-0.82% and 1.18-2.21% respectively. Soil application of biochar based organic manure (prepared by blending enriched vermicompost and biofertilizer with biochar at a certain proportion) indicated substantial build up of population of beneficial microorganisms viz., Azotobacter, Azospirilum and PSB over absolute control or vermicompost, biochar or biofertilizer when applied separately.

- Effect of potash solubilising bacteria was found to be more effective in increasing soil available potash under tea estates of Dooars/Terai as compared to tea fields of Assam, indicating 13.6 to 23.2% and 6.0-11.1% respectively.

- Study was conducted on the decomposition of factory Tea Waste (TW) by separate addition of 2% ,5% and 10% dolomite. *Tricoderma* (@10 L/1000 kg TW) which were used as cellulose decomposer. From the 4th day itself, there was a visible colour change in the entire treated TW sample as compared to untreated TW. Loss of carbon through decomposition, recorded after 10 days of experimentation, in the treated TW varied from 10-12%. pH under 2%, 5%,10% dolomite and *Tricoderma* treated TW were 8.74, 9.11, 9.57 and 8.32 respectively. pH in the untreated TW was 7.72. N content varied from 2.23 to 3.07% in the treated TW.

B. <u>UPASI :</u>

- Work in one of the research project funded by Tea Board India is under progress which includes breeding for raising quality clones with high yield, selection work in the old seedling tea for developing clones suitable for mechanical harvesting, evaluation of new graft combinations, modification in propagation technique, new spacing and planting style and training of young tea to convert young tea plants suitable for mechanical harvesting.

- During the year an attempt was made to develop F2 progenies which is being continued. A total of 193 flowers were pollinated to raise F2 generation and 28 successful seeds were collected and germinated in the nursery. Controlled hybridization was carried out between UPASI-9 X Yabukita, CR-6017 X Yabukita and TRF-4 X SA-6.

- In the area of mechanization, a modified earth auger was evaluated for its efficiency for pitting. The modified earth auger can be operated by one person and was useful to take pits up to 600 numbers with a dimension of 45 cm X 30 cm.

- During the year Ochiai wheel mounted tea harvester was evaluated for its operational efficiency in a large scale field trial. The harvester can be operated up to 15 % slope in a modified clonal tea field.

- Studies on the modified vegetative propagation technique to grow clonal plants suitable for mechanical harvesting are continuing. Clonal plants which were raised through modified vegetative propagation technique have been planted in the field following a modified spacing of 130 X 50 X 50 X 50 cm with a plant population of 23000 pants / ha. In a mature tea field pruning was carried out at 22 inches and tipped high leaving four tiers of leaves to establish a compact plucking table to facilitate mechanical harvesting.

- During the year phenotyping was carried out in the F1 progenies of UPASI-9 X TRI-2024. Green leaf samples from 95 individual bushes were collected and analysed for caffeine, carotenoids, chlorophyll, anthocyanin, amino acids, catechins and polyphenols.

- Clonal selection work was carried out in the old seedling populations available in the Nilgiris, Waynaad and Anamallais to select accessions suitable for purple tea. One selection rich in anthocyanin was multiplied in the nursery to raise clonal population for field evaluation. Screening of the old seedling tea populations in the Anamallais, Nilgiris, Munnar and Waynaad was carried out to select potential bushes suitable for silver tips.

- The tea clones UPASI-28, TRF-1 and TRF-2 were studied for graft compatibility with the root stock clones UPASI-2, UPASI-9, ATK and TRI-2025. The clone TRF-2 grafted on UPASI-9 and TRI 2025 also exhibited yield increase over the self-rooted root stock clones. Similarly UPASI-28 grafted on UPASI-9 and TRI 2025 also resulted increase in yield over the self-rooted root stock clones.

- During the year Glufosinate ammonium 20 SL was evaluated for its bio-efficacy for the control of weeds in tea. Results revealed that Glufosinate ammonium at the rate of 2.5 L in 450 L of water/ha controlled both the grasses and broad leaved weeds.

- Calciprill was identified as an alternate for dolomite in tea. Application of Calciprill was useful to correct the soil pH and comparable to dolomite application. Among the many substitutes for MOP, Potassium Schoenite with lowest chloride content was found to be beneficial on acidic soils, which provides a readily available supply of K with Magnesium (Mg) and Sulfur (S) to tea. The one year experimental study revealed that foliar application of 1 % of Potassium schoenite along with urea during the drought season shown significant improvement in yield.

- More important pesticides that are currently recommended were studied for their ovicidal action. The post treatment results were recorded on 4^{th}, 6^{th}, 8^{th}, 10^{th}, 12^{th} and 15^{th} day after the application revealed that among the tested acaricides, spraying of Propargite @1ml/L, Hexythiazox @ 0.8ml/L, Spiromesifen @ 0.6 ml/L, Propargite + Hexythiazox @ 0.7+0.3ml/L & 0.5+0.4ml/L, Propargite + Spiromesifen @ 0.8+0.2 ml/L & 0.6 ml+0.4 ml/L, Spiromesifen (0.4ml) + Hexythiazox (0.4ml) /Landacoded acaricide NA-89 had exhibited 100% ovicidal activity during the observation period of 15 days.

- Twenty different molecules (synthetic insecticides) and two bio-pesticides (neem oil and *Simaroubaglauca* seed oil) were evaluated under laboratory conditions against tea mosquito bug, involving 45 treatments. Among the insecticides evaluated, Beta cyfluthrin 8.49 % + Imidacloprid19.81 % OD (1.25 ml/L), Emamectin Benzoate 5SG(0.4g/L)+Deltamethrin 2.8EC (0.25ml/L), Flupyradifurone

17.09 SL @ 1.5 & 2.0 ml/L, Sulfoxaflor 50%WG (0.5g/L), Thiacloprid 21.7 SC (0.5 ml/L)+Deltamethrin 2.8EC (0.35ml/L), Thiacloprid 21.7SC(0.6ml/L)+ Deltamethrin2.8EC(0.3ml/L), Tolfenpyrd 15% EC @ 1.5 & 2.0 ml/L showed quick knock down effect with 100% mortality of adults after 24 hours following the treatments.

- The conversion of tea waste into biofertilizer was studied under pot culture experiment and the results highlighted that the organic carbon conversion takes place which increased the Nitrogen and Phosphorous levels during the decomposition process using beneficial microbes.

- The NTRF funded project on Microbial metabolites confirmed the bio efficacy of selected microbial culture filtrates against blister and grey blight diseases under *in vitro* and *in vivo* conditions.

- Identification of potential fungicides and pesticides is a priority in the plant protection research programme. Efforts are taken to find out new molecules with green chemistry to avoid the issue of residues in tea as well as satisfactory control of the diseases. During the year a combination of Trifloxystrobin 25%+Tebuconazole 50 % WG was tested @ 125 g/ha and the results proved that the combination gave effective control of blister blight disease and was next to the currently recommended standard schedule. Another new green triangle molecule Thifluzamide 24% SC @ 200 mL/ha controlled both blister blight and grey blight diseases. A combination of Captan 70% + Hexaconazole 5% WP and Hexaconazole 4% + Carbendazim 16% SC and straight application of Kresoxim methyl 50% SC were also evaluated. *Trichodermaviride* @ 2.5L/ha along with Boric acid @ 110 g + COC @ 210g gave good recovery of the tea fields after severe TMB attack.

- Tea genomics study showed that, the annotated transcripts of drought related traits were enriched in 17.28% of biological process, 46.30% of molecular function and 36.42% of cellular components. Likewise, the annotated transcripts of disease related trait were enriched in 17.82% of biological process, 46.92% of molecular function and 35.26% of cellular components.

- The enzyme activity was also studied in fresh leaves and withered leaves. The results revealed that, the enzyme activity such as polyphenol oxidase, polyphenol peroxidase and β-D-glucosidase were higher in fresh leaves when compared to withered leaves irrespective of clones tested.

- UPASI TRI and the regional centers in the different tea growing districts analysed 3455 soil samples involving 7603 estimations. Totally 488 soil amendments, fertilizers and agrochemicals were analysed involving 1683 estimations. Apart from these 160 tea samples were analysed for FSSAI specifications and other quality parameters involving 936 estimations. A total of 16 dolomite and 26 lime sulphur were tested for its purity and the specifications.

- A total of 48 made tea samples were analyzed for Iron filings.

- During the period under report, totally 867 visits and training programmes were conducted for the benefits of junior level executives, staff, supervisors and workers.

- Under this training programme, class room session through webinar and field level demonstration on method of harvesting, preparation of Lime sulphur, spraying techniques have been conducted.

C. DTR&DC and QCL :

C.1 DTRDC, Kurseong, Darjeeling

Title of the project: Development of new clones through integration of conventional and non-conventional methods of breeding for productivity, quality and stress tolerance.

- Floral study of different hybridization combination (B157XAV2, B668XN DEVI, B157XB668, T78XP312, P312XT135, T135XB157, B157XP312, T78XGOLKUNDA, T135XAV2) was done. The flower size is highest in Nanda Devi and smallest is T-78. All accessions have 5 dark green sepals. Highest petal count i.e. 8 petals was observed in B-668 while others have 06 numbers of petals. The colour of anther is light yellow in B-668 and T-135 but others have yellow coloured anther. It was observed that flowers of all clones consisted similar type of stigma. Anther count was highest in AV-2 & B-157 and lowest in T-135.

- Based on morphological observation, organoleptic and bio-chemical evaluation 15 numbers of test clones were observed prominent when compared with controls. Consequently, nucleus planting materials of these prominent accessions supplied to different tea estates of Darjeeling to evaluate the response of different locations for the performance of these prominent clones.

- The plots of DUS centre were maintained, cultural operations like weeding, watering, pruning, etc were done from time to time. For the checking of distinctiveness, stability and uniformity (DUS) of the accessions or clones planted at DTRDC, Kurseong, the fields were also maintained and all cultural operations were performed as per standard guidelines.

- Morphological and phonotypical characterization of F1 population of TS 569 was studied. In DUS characterization of F1 population plants having AV2 as female parent showed growth habit more towards semi erect nature as compare to plants having T78 as female parent.

- Seeds of TS 569 were separately collected from T78 and AV2 from Thurbo TE to establish F1 population of TS 569. After performing the sinker floater test seeds were transferred in sand bed for cracking. Then, the germinated seeds were sown in polythene tubes filled with soil for further propagation.

- Morphological observations and DUS characteristics of newly established hybridization plot of DTRDC for three different combinations namely AV-2 X P-312, AV-2 X B-157 and P-312 X B-157 were taken. During recording observations growth habits of AV-2 and P-312 was erect while semi erect was observed in the B157 tea clone.

- Phenylalanine ammonia lyase (PAL) activity was found in higher amount in P-312 and in lower amount B-157.

- For the detection of stress tolerance proline content of the selected clones were estimated and it showed larger amount of accumulation of proline in P-312 in comparison with other clones.

- Chlorophyll content was estimated in terms of SPAD value. SPAD readings are calculated based on two transmission values, the transmission of red light at 650 nm, which is absorbed by chlorophyll and the transmission of infrared light at 940

nm, at which no chlorophyll absorption occurs. From observation highest SAPD value was observed in progeny plants with AV-2 as female parent in comparison with other progeny.

- ❖ The existing Darjeeling clones are selected, namely AV-2, P-312, T-78 and B157 along with control i.e. TtV-1. From the LC-MS analysis of selected Darjeeling clones namely TtV1, AV2, T78, P-312 and B-157 several popyphenol and flavonoid compounds was found. From the LC-MS data it was seen that more number of peaks for polyphenols and flavonoids was found in the clone TtV1 (31), followed by AV-2 (26), P-312 (25), T-78 (24) and B-157 (23). Highest area was observed for caffeine in all the chromatograms for all the clones followed by Epigallocatechingallate, Catechingallate, (-)-Epigallocatechin, Epicatechin, Catechin. With these basic derivatives several other compounds are also detected in all the five clones.

- ❖ Passport database for Darjeeling tea Clone was prepared by the information provided by TRA and available information at DTR&DC.

C.2 Quality Control laboratory (QCL), Tea Board, Tea Park, Siliguri:

QCL is an NABL accredited and FSSAI notified tea testing laboratory functioning directly under Tea Board India.

C.2.1 Tea Testing Division:

- ➢ QCL has successfully completed and qualified the transition audit (from ISO 17025:2005 to ISO 17025:2017) and now operating under ISO 17025:2017 w.e.f March 2021- the latest version of Testing and Calibration laboratories.

- ➢ During FY 2020-21, a total of 1017 customer samples were received for analysis of FSSAI parameters, PPC compliance test and flavoured tea estimation generating an income is Rs. 68.28 lakhs.

- ➢ QCL has successfully completed the full scope of testing of various parameters of Black tea as per FSSAI standard. QCL is already testing and issuing the test reports for customer samples with full parameters for Black tea.

- ➢ The revision of the existing rate of testing charges of QCL has been approved by the Board and w.e.f 01.01.2021, revised rates of testing charges at QCL are effective paving the way for cost effective income generation.

- ➢ Infrastructural upliftment of the lab in terms of improvement of water quality, dedicated electric line for high end instruments, successful running of solar panel, waste disposal has been completed.

- ➢ QCL has participated in the ILC and PT progrmmes for better accuracy and precision in testing

- ➢ Lab Internal Quality Control (IQC) has been improved.

- ➢ Streamlined the activities from sample receipt to sample flow, report generation to dispatch for overall improvement of the testing facility at the Lab.

C.2.2 Soil Division:

Two externally funded research projects are under progress in this division along with routing soil testing activities.

i. ***Project Title:*** Isolation of potash solubilising microorganisms from tea soil of Darjeeling and evaluation of their potash solubilisation efficiency towards development of potash bio-fertilizer formulation (Funded by NTRF, Tea Board, Kolkata)

- The ability of isolates to grow at different pH was carried out by inoculating bacterial culture. Performance of selected potassium solubilizing bacteria has been evaluated *in-vitro* culture medium in controlled condition of laboratory at ambient temperature 28 ± 2^0C for three days and seven days.

- The potassium solubilizing bacteria were inoculated with and without mica at different level of pH. Halo zone surrounding the colony was measured and the solubilizing efficiency was calculated by the ratio of solubilizing diameter and growth diameter multiply with 100 following Khandeparker's method.

- Ten potassium solubilizing isolates from soils of different tea gardens of Darjeeling were identified to its nearest species based on 16s rRNA sequence data from MTCC, Chandigarh. The most prominent KSM were identified as *Serratia sp, Bacillus sp, Enterobacter sp, Lelliotia sp, Staphylococcus* sp and *Klebsiella* sp.

- Compatibility test was done by dual and triplicate inoculation of *Serretia* with *Enterobactor* and Serretia with *Lelliotia*, *Bacillus* and *Klebsiella* on agar plate. Compatibility test of isolated bacteria showed that none of the isolates inhibited each other.

ii. ***Project title:*** Development of Microbial Inoculants to Improve Growth and Productivity of Darjeeling and Assam Tea (Funded by NMHS, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi, Govt. of India)

- The specific tea gardens were selected to cover all tea growing areas of Darjeeling hills. From each gardens at least two samples of rhizospheric, non-rhizospheric soil and leaf samples nearer to the sampling area were collected.

- Collected soil samples from different Tea Gardens of Darjeeling were isolated for microbes in rhizospheric and non-rhizospheric soil by serial dilution up to 10^{-7}. A total of 66 microbes have been isolated from rhizospheric samples and pure culture of isolated microbes was stored at 4˚C for further identification and mass production. Morphological study of each microbe is in progress by gram staining methods under microscope. Physiological analysis of isolated microbes with starch hydrolysis, casein hydrolysis, phosphate solubilization etc. are in progress.

- Sequencing of V4 region of 16S rRNA gene amplicons has been completed and ITS regions sequencing is underway at NCCS, Pune. Bioinformatics analysis of 16S rRNA gene amplicon sequencing of tea rhizosphere and non-rhizosphere soils is underway.

C.2.3 Soil Analytical Services:

- ❖ From April 2020 to March 2021, total 408 soil samples and 04 leaf samples received from various gardens of Darjeeling were tested and analytical report has been sent to the concerned garden along with recommendations for rectifying mineral deficiencies, correcting soil pH and preparing fertilizer schedules of individual gardens.

D. IHBT Palampur (Himachal Pradesh)

i. **Project title -** Development of machines for tea harvesting and mechanization of tea cultural operations (completed) .The salient progress are as follows:

- *One man plucking machine (model ASPEE TLPH25), Two men plucking machine (model OCHIAIV8 World 1210), Hand Shear (blade length 27 cm, width 3.4 cm, handle 34.5 cm, weight 1.46 kg, with collection bag of volume 0.05 cu* m) and Hand plucking (Manual standard plucking) were employed for tea leaf harvesting. All mechanical plucking methods resulted in extension plucking interval from 6-7 days (Hand plucking) to 10-12 days, consequently reduced number of total plucking during the entire season and maydays requirement. Overall maydays requirement reduced one-sixth to one-eighth with one man plucking machine and to one-ninth to one eleventh with two men plucking machine in pruned and unpruned tea plantation areas. Even shear plucking also reduced the labour requirement to half.

- The results showed that there was depression in the tea bushes plucked with the mechanical methods i.e. shear, one man plucking machine and two men plucking machine in comparison to hand plucking. Similar trend was observed in case of Stomatal Conductance (gs), where there was a general drift of reduction (in stomatal conductance of tea bushes) in all the mechanical methods in comparison to manual plucking.

- It was observed that mechanical methods of spraying were more economical than manual method of spraying. Unit cost of spraying was lowest with battery operated sprayer and its efficiency was almost double than the manual sprayer. However, for speedy coverage of area, the power sprayer was 6 times efficient than the manual sprayer with little less cost.

- The leaf shorter machine shows the success of the unit as three grades of tea i.e. cut leaves, fine leaves (1-leaf & bud, and 2-leaf & bud) and rough/course leaves i.e. more than two leaf & bud were considered while tabulating the result. It is evident

than that of hand plucking, plucking of leaf up to 600-1000 kg fresh tea leaves in a day.

ii. **Project title** *: Development of new clones through integration of conventional and non-conventional methods of breeding for productivity, quality and stress tolerance (completed)*

- Establishment of breeding plot with the newly introduced varieties for hybridization work- Crosses were made among eight (SA-6 X UPASI-9, UPASI-9 X SEF-02, SA-6 X AV-2, UPASI-9 X KANGRA Asha, UPASI-9 X BS-49, UPASI-9 x BS-68) parental types comprising six cross combinations, under the ongoing inter-varietal hybridization programme for improvement of china hybrid tea genotypes, with the objectives to improve yield, quality and blister blight resistance

- Studies were undertaken on clonal compatibility for developing biclonal seed stocks in the tea experimental plot and thereby ensuring the development of biclonal seed stocks through controlled hybridization.

- Controlled hybridization was carried out between the compatible clonal combinations; F1 progenies were raised and different F1 progenies planted under field conditions (third year of plantation) are presently being characterized on morphological basis with respect to plant height (m), no. of shoots, shoot length (mm), leaf length (cm), leaf width (cm), internode length (cm) and plant spread (diameter in m), for their initial growth and vigour. The potential F1 progenies have also been short listed for propagation to evaluate their performance as good multipliers under nursery conditions.

- Some Mother bushes of selected clones (a) 03-6, (b) 03-55, (c) 03-70 and (d) 03-104. Among the four selected clones, 03-6 was found superior for plant height (1.72 m) and total polyphenol content 14.65 %. Whereas, clone 03-55 showed total polyphenol content of 13.01 % and was found superior for shoot length (155 cm) and plant spread diameter (2.35 m). However, clone 03-70 was found superior for shoot length (159 cm) and total polyphenol content of 15.53 %. Clone 03-104 was found to be superior for no. of shoots (35) and having total polyphenol content of 11.68 %. Also all these selected clones showed resistance against blister blight. Clone 03-70 exhibited higher amount of total polyphenol content and shoot length compared to other disease resistant clones which can be used as potential new clones.

- **Selection of Purple Tea genotypes-** The cuttings of purple tea were planted under field conditions. The 14 plants of five genotypes (PT-5, PT-7, PT-9, PT-12 and PT-17) were raised in 2-2 rows each respectively. Among the selected purple tea genotypes, PT-7 showed higher anthocyanin content of 1.98% during April and 2.00 % during May and PT-8 showed anthocyanin content of 2.38% and 2.36% during the month of April and May respectively. Whereas, PT-8 also showed higher content of TPC during April (17.55). Therefore, PT-8 with higher total phenolic content and higher anthocyanin content compared to other purple tea clone can be used as a potential new purple tea clone.

E. Visva-Bharati University, Santiniketan, W.B.

Project title: Development of bio-pesticide against fungal diseases of tea using phosphate solubilizing rhizobacteria (completed)

- The potentials of selected biocontrol strains (which were selected from two different sources: tea rhizosphere and *Lycopodium* rhizosphere) against the tea pathogens *Pestalotia* and *Fusarium* have been tested.

- Two Burkholderia species viz., *B. tropica* and *B. unamae* isolated from Lycopodium rhizosphere and one rod shaped Gram negative isolate from a clonal tea cultivar have shown tremendous chitinase producing ability. They utilize different types of chitin substrates (shrimp, insect wings, colloidal chitins, and chitins obtained from fungal mycelia including *Pestalotia*) efficiently and produce either chitosan or simple sugars. The chitinase obtained from the biocontrol strain was partially purified taking cell free supernatant, 80 percent ammonium sulfate cut, dialysis followed by gel electrophoresis. The chitinase treated chitin substrates which was mainly consisted of chitosan compounds induce a number of defence activities in experimental dicot plants. The activities which were induced are phenyl alanine ammonia lyase, chitinase, beta glucanase and peroxidase.

- Using the same biocontrol organisms the potentials were checked to prevent aging- and senescence-inducing ethylene production. During second year it was reported this in only one biocontrol strain in a qualitative manner. Subsequently it was checked in detail about the ACC deaminase producing potential of the strains and quantified it. It is known that 1-aminocyclopropane-1-carboxylic acid (ACC) is normally converted into ethylene by ACC oxidase but some efficient PGPR strains can convert it into alfaketo butyrate and ammonia thus preventing unwanted ethylene generation and thus prevent early aging and senescence. All the three strains produce this enzyme very efficiently which works in tea plants too.

- Siderophore production and its quantification was done in all the strains isolated from different TV clones both from their rhizo- and phyllo-sphere as well as from the strains isolated from Lycopodium rhizosphere. Parallaly antipathogenic study by the strains against tea pathogens have also been conducted. A fantastic positive correlation is observed between siderophore production and anti pestalotia activity in *in vitro* studies.

- A few young tea plants are being maintained in green house of the University. The biocontrol strains were tested for their survivability in these potted tea plant rhizosphere. In an regular interval re-isolation of the strains with their multiple antibiotic resistance have been checked. The results indicate very good survivability of the biocontrol strains over a period of one year.

- The ultimate target of all experiments is to prepare an effective bio-formulation which is suitable for killing fungal tea pathogens, will not kill the indigenous beneficial soil microflora and can add some value to the crop field. For this reason *Trichoderma* was islated from tea garden soils, and also checked the ability of the isolates whether they have potential antagonism with beneficial soil microflora or not. The experimental results indicated that they do not have any antagonism with potent (both commercial and experimental isolates) *Trichoderma* spp. Both the biocontrol strains and the *Trichoderma* species worked in combination. They also do not kill nitrogen fixing cyanobateria. All these findings indicate the suitability of the organisms to be very effective in tea crop application.

- The ability of the biocontrol strains was also checked to induce immunity in the crop plants by studying the expression of host defence genes. The ability of one Gram negative isolate isolated from a TV clone to colonize the root system of tea plants as well as to colonize on chickpea plant (a non tea annual crop) was tested through

fluorescence dye and GFP binding study confirming its ability to colonize the root systems of tea plant.

- The inocula of the cultures can be encapsulated in calcium alginate for longer preservation and easier application. All the four strains are well kept and maintained in the laboratory of the University. The potent inocula have immense potentials and are expected to be used for testing in tea crop, further certification and commercial application etc.

F. Zonal Office Tea Board India, Palampur

- One project on Comparative evaluation and feasibility of R&D technologies available on the field management in tea gardens of H.P. with the objectives of technology demonstration and transfer through adaption in the field of STGs. The experimental Layout of Field demonstrations was done with new planting materials brought from the nurseries from other tea growing states such as Darjeeling, West Bengal to evaluate their performance in the traditional area of HP.

- Demonstration was conducted for revival of dilapidated tea technologies through usage of Heave Tea Pruner, Pruning, skiffing , lane cutting and Telescopic tree pruner machine towards regulation of shade by measured lopping and excess shade thinning.

- Initiative was taken for young tea establishment and management, through pitting, filling, planting and frame formation steps – all through method demonstration.

- Varieties like AV-2, TINALI, RR-144, TV-1, TV-9, S3A3 , PB-312, CP-1 were supplied to STGs for small block planting and studying their growth rhythm, flushing and branching pattern vis-à-vis each other and against the standard Kangra Jat.

- Mother Bushes of varieties as above are under development.

- Project-Palampur funding has enabled greater spread of knowledge on varietal character, as also soil-water conservation, and overall field management practices, in multi-cropping and species environment, in association with orchard crops. Fields adopted and the blocks developed already are serving as demonstration units.

- In association with STW, University and KVK, attempts are being made to make variety adoption and technology improvement and implementation at farmers' level.

Regulatory issues: In the areas of regulatory research activities, Tea Board used to address technical barriers to trade (TBTs), Non-Tariff Barriers (NTBs) and obtained technical information related to pesticide residue and MRLs etc from Tea research Institutes (TRIs) and submit the same to different Govt Departments/regulatory bodies (CIB&RC, FSSAI, BIS etc) for their consideration and adoption in the development of standards and their revision from time to time.

Meetings and Workshops:

- 13th meeting of the *Technical Group on PPC* was organized through VC on 19th November 2020. Various issues related to pesticide residues were discussed in the meeting.

- PPC ver. 12 (November 2020) was released for the Tea industry.

- The 75th TRLC meeting was organized through VC on 24th November 2020 with an objective to review the progress of R&D activities under report.

Representatives of Research Directorate have attended various virtual meetings (Council of Management , Trustee, Scientific Advisory Committee etc) organized by Tea Research Institutes and Govt. Regulatory Bodies .

CHAPTER - 6

TEA PROMOTION

Introduction:

One of the primary functions of the Tea Board is to undertake promotional activities with an objective of making India the leading supplier of quality teas globally. Promotional efforts are geared towards increasing awareness of the many varieties and categories of Indian teas with an aim of increasing market share of Indian teas in the targeted markets and increasing domestic consumption. Focused attention is being given to selected countries, where there is higher potential for increasing export. Indian exporters are also being provided with all possible support to encourage exports and marketing of Indian varieties in the overseas countries.

One of the main functions of the Promotion Directorate of Tea Board is to carry out generic promotional activities aimed at increasing the Brand Equity and demand for Indian tea in the international markets and consumption of tea in the domestic market. India accounts for about 11% of the world's total tea exports and ranks 4th after Kenya, China and Sri Lanka. India is the second largest producer of tea after China. Furthermore, India is the largest producer and consumer of black teas in the world. Quantity of tea exports from India was around 200-250 million kgs during the last decade. Total exports registered during the financial year 2020-21 was 203.79 million kgs.

Overview of Tea exports from India during 2020-21

India registered tea export of 203.79 million kg valued at Rs. 5311.53 crores during 2020-21 as compared to 241.34 million kg valued at Rs. 5457.10 crores during 2019-20.

In brief the comparative position is presented below:

2020-21					2019-20				
Qty in m. kg	Value in Rs. crs.	Value in m. USD	Unit Price Rs/Kg.	Unit Price ($/Kg.)	Qty in m. kg	Value in Rs. crs.	Value in m. USD	Unit Price Rs/Kg.	Unit Price ($/Kg.)
203.79	5311.53	716.86	260.64	3.52	241.34	5457.10	768.93	226.11	3.19

The major destination wise export scenario is placed at Annexure - 1.

Overview of Promotional activities during 2020-21

During 2020-21, owing to the spread of the Corona virus pandemic throughout the world, there was not much scope to conduct on-ground promotional activities due to the restrictions in the wake of the lockdowns imposed worldwide. However, Tea Board carried out various promotional activities by organizing virtual B2B meetings as well as Buyer-Seller Meets with the tea importers of the important export destinations such as Egypt, UAE, Russia, USA etc. in association with the respective Embassies/Missions/Consulates in those countries. The Board also maintained liaison work with the tea trade, attended to trade enquiries,

addressed various issues related to quality and safety regulations for key markets. It has kept the tea trade informed of developments related to exports as well as dissemination of market and trade information through its overseas office located in Moscow and the Head Office to enhance demand for Indian tea and increase market shares in the key markets of Russia, Kazakhstan, Iran, Egypt, USA, Germany, Japan, UAE etc. Other activities included undertaking various publicity functions for maintaining the image of India Tea and in influencing public opinion in a positive manner toward Tea Board India. Sustained campaign through Social Media such as Twitter, Facebook also proved to be very effective in increasing awareness about varieties of Indian teas.

Some of the key events which were organized during the financial year 2020-21 are enumerated below:

May 2020

Promotional Campaign in the run-up to International Tea Day

International Tea Day – 21st May – was celebrated in a befitting manner through launch of various initiatives on the Social Media platforms of Tea Board – Facebook, Twitter and Instagram. Owing to the nationwide lockdown in the wake of the Corona virus pandemic, there was not much scope to do on-ground promotional activities. Therefore, special emphasis was laid on spreading awareness about this special day through digital platforms. 'India Tea & Me' contest was launched on Facebook in the run-up to International Tea Day, which proved to be extremely popular. Contestants posted over one thousand photographs, videos, gifs etc. depicting their special 'India Tea' moments.

In Assam, which contributes over 50% of the tea production of India, useful messages about International Tea Day and its significance were sent to stakeholders and consumers through Bulk SMS mechanism.

In South India, advertisements were designed and published in vernacular dailies in Tamil Nadu, Kerala and Karnataka to commemorate International Tea Day on May 21, 2020. Tea promotional events and promotional jingles were broadcast on vernacular radio stations. In order to reach people at the grassroots level, an initiative for sending Bulk SMS in the local vernacular languages in Tamil Nadu, Kerala and Karnataka was also done.

June 2020

Special edition e-auction

On 21st May, about 300 tea gardens throughout India had participated in a symbolic move to pluck and process the finest two leaves and a bud. Their plantation management and staff worked tirelessly to prepare some excellent teas. These limited edition teas were crafted with utmost skill and care to represent the exceptional attributes, taste and flavour of Indian tea varieties and types.

These teas were offered at the International Tea Day Special Edition e-Auction on 22nd June, 2020. The special auction was organized in all the six (06) registered auction centers across the country i.e. Kolkata, Guwahati, Siliguri, Cochin, Coonoor and Coimbatore and was governed by Pan India Auction Rules. The initiative was publicized through the Social Media platforms and the names of the top 10 tea gardens fetching the highest prices at this special auction were posted on the Social Media platforms.

July 2020

Owing to the nationwide lockdown in the wake of the Corona virus pandemic and subsequent ban on any kind of public gatherings, there was not much scope to do on-ground promotional activities. Moreover, with people working from home, an increased activity is being witnessed by the general public on social media platforms as these have now become the principle means of reaching out to a wider audience in the current scenario of social distancing. Therefore, special emphasis was laid on spreading awareness about the health benefits of Indian teas through our digital platforms. Creatives on the preparation of India Tea with other beneficial ingredients such as ginger, cardamom, saffron, turmeric, cinnamon, honey, lemon etc. were shared on our Facebook and Twitter handles. Our followers were also made aware of the different varieties of teas through interesting interactive content through a special segment 'Did You Know'. A video showcasing the tea gardens which fetched the highest prices at the International Tea Day Special Edition Pan-India e-auction was also shared on our Facebook page, which had a reach of more than 2, 25,000 viewers.

August 2020

Virtual B2B meet of Indian Tea Exporters with importers and other stakeholders of Egypt

A Virtual B2B meet of Indian Tea Exporters with importers and other stakeholders of Egypt was organized jointly by Embassy of India, Cairo and Tea Board India on 24th August 2020.

The underlying principle behind organizing this B2B meet was to develop networking opportunities and to generate the requisite business leads for Indian tea exporters to Egypt.

His Excellency Shri Rahul Kulshreshth, Ambassador of India to Egypt, Embassy of India, Cairo, gave the much needed leadership for this event with the aim to facilitate Indian tea exports to Egypt. Several distinguished speakers graced the virtual B2B meet, including His Excellency Shri Rahul Kulshreshth, Ambassador of India to Egypt, Embassy of India, Cairo, Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, Mr. Ahmed Youssif Mansour, Vice Chairman, General Authority of Supply Commodities, Cairo, Dr Ehab Morad, Executive Director, National Food Security Authority, Cairo, Mr Sameh Zaki, Deputy Chairman, Cairo Chamber of Commerce, Mr.Kabeer Khaled, Central Buying Manager, Lulu Group, Cairo, Mr. Mohamed Heiza, Managing Director, Misr Vision, Cairo, Mr Vivek Goenka, Chairman, Indian Tea Association, Mr Prashant Bhansali, Vice President, The United Planters' Association of Southern India, Mr Dipak Shah, Chairman, South India Tea Exporters Association, and several other dignitaries and tea importers from Egypt as well as tea exporters from India. About 60 delegates participated in this virtual B2B meet.

Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, said that in the year 2019, India produced nearly 1390 million kgs and exported about 248 million kgs of teas. India produces a wide variety of teas – Darjeeling, Assam, Nilgiri, Kangra, Dooars-Terai, Sikkim, Tripura etc. and also manufactures all types of teas – black, green, white, yellow, Oolong, Orthodox, CTC etc. India also supplies teas in various formats – bulk teas, packaged teas, tea bags, specialty teas, instant teas, RTD, premixes etc. Traditionally, Egypt has been an important trading partner for India.

Mr Sameh Zaki, Deputy Chairman, Cairo Chamber of Commerce, expressed his appreciation for organizing such an event bringing together importers and exporters.

Mr. Mohamed Heiza, Managing Director, Misr Vision, Cairo said that Egypt is still a purely loose tea market, more than 95% of the consumption is in the form of loose tea.

The virtual B2B meet proved to be a valuable platform for sharing of views, gaining insights into the Egyptian market and led to a very fruitful discussion.

Virtual B2B Meet for North-East Tea Sector with a focus on Uttar Pradesh

In order to boost the demand of Teas from the North-East, Tea Board India organized a Virtual B2B Meet for North-East Tea Sector with a focus on Uttar Pradesh on 18th August 2020. The Meet attracted wholesalers and retailers from the UP and NCR Region so that they engage in hard core business with the sellers from the North- East.

This was an effort to increase demand for teas from the North-East including Assam and making their genuine taste, flavour, aroma & health-giving properties available in the non-tea growing states having low PCC such as UP, Jharkhand, Bihar, Odisha.

In his inaugural address, Dr. K. K. Dwivedi, Commissioner & Secretary, Government of Assam highlighted that Govt of Assam has always been giving special attention to tea industry. It was the first industry allowed to be opened during lockdown and that Specialty tea is the future. Govt of Assam is coming up with special packages for the Assam tea planters producing specialty teas like green tea, organic tea, white tea, yellow tea, etc.

The Deputy Chairman of Tea Board India – Mr. P K Sahoo stressed upon popularizing Assam Tea as it is world famous and it is not simply a drink made from some green leaves but a healthy beverage for human life. Stating that NE Region contributes about 53% of the Indian tea production and therefore, there is a reason for promotion of NE Teas in an extensive manner.

Executive Director, North East Zone, Tea Board India – Mr. Sanjio Kumar mentioned that Tea Board had carried out an intensive awareness campaign for Assam Teas in Odisha during March'20 and Tea Board has plans to extend this to other states such as UP, Bihar and Jharkhand as there is lot of potential in this region that is lying untapped. He invited the buyers from UP to form a group and to undertake a visit to North East for exploring business opportunities, which Tea Board India may facilitate.

Interactive Meeting via Video Conferencing with major exporters and Associations

An Interactive Meeting was held via Video Conferencing with major exporters and Tea Associations on 10th August 2020 on the issue of the "Way Forward for Indian Tea Exports in the Current Situation." The meeting was chaired by Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board. The meeting was attended by Shri Vivek Goenka, Chairman, ITA, Shri Anshuman Kanoria, Chairman, Indian Tea Exporters Association, Mr. C. Shreedharan, Chairman, UPASI Tea Committee, Shri Prashant Bhansali, Vice-President, UPASI, Shri Dipak Shah, Chairman, South India Tea Exporters Association, Shri Raj Bansal of Tea Association of India, besides major exporters.

September 2020

Meeting with Stakeholders of North Bengal on 4th September 2020

A virtual meeting was organized with stakeholders of the North Bengal Tea Industry on 4th September 2020 with the objective of exploring the export potential of teas from North Bengal.

Giving a background to this meeting, Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, said that during the 241st Board Meeting held on November 30, 2019, Shri Bipan Syngal, Board Member had requested to organize a seminar for the benefit of the stakeholders of the North Bengal tea industry to deliberate on how to increase the tea exports from Dooars-Terai regions.

Regarding the above agenda, the Deputy Chairman stated that Quality is the most important parameter i.e. the teas should be confirming to the standards of "Exportable quality". It was of supreme importance to ensure that the teas to be exported must be of superior quality.

Speaking at the meeting, Shri Bipan Syngal said that Import-Export seminars should be arranged in Siliguri, Dooars, Terai, and Darjeeling in order to educate the stakeholders about export requirements. He further stated that North Bengal should get prominence in the tea business.

The Board Member said that people don't know much about Dooars and Terai teas and therefore special promotional initiatives should be taken up for Dooars and Terai teas. Direct export infrastructure should be built in Siliguri and exporters should be given subsidy on freight charges. Export clusters should be formed.

Shri Sujit Patra, Secretary, Indian Tea Association stated that Export support needs to be extended to prospective buyers. The producers should be taken to potential markets and the international buyers should be invited here and the teas should be showcased. There is a need to market the teas under 'Brand Bengal'.

The second half of the meeting was dedicated to Darjeeling. Shri Anshuman Kanoria, Chairman, Indian Tea Exporters Association stated that apart from the export market, there is also a need to develop the domestic market. More marketing is needed for domestic market. Generic promotion campaigns should be organized. There should be a level playing field for Darjeeling in the domestic market.

Shri Ashok Lohia, Chairman, Chamong Tee Export Pvt Ltd, advocated the necessity of protecting Darjeeling GI. Darjeeling tea is today surviving only because of GI. He further stated that even with 25-30% crop loss, due to lack of demand, prices are not moving up.

Virtual B2B Meet for promotion of teas of the Northeast with a focus on Bihar and Jharkhand

The second virtual meet in the series of Virtual B2B Meets for North-East Tea Sector was organized for Bihar and Jharkhand on 18th September 2020. The Virtual Meet attracted wholesalers and retailers from the targeted states where they engaged in hard core business with the sellers from the North-East. Buyers, wholesalers, retailers, growers and packeteers from Bihar and Jharkhand participated in the virtual meet.

At the meeting, Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, said India is the 2nd largest producer of tea and 4th largest exporter with exports of 252 million kg. Our country's average per capita consumption is low as compared to world standards with India being in the 20th position, he added.

Dr. S Siddharth, Principal Secretary, Department of Industries, Bihar, urged Tea Board to open a Tea Auction Centre in Kishanganj in order to help growers to sell their produce locally. He requested the tea growers from Northeast to come to Kishanganj to put up processing and manufacturing facilities.

Dr. S Saravana Kumar, Secretary, Department of Agriculture, Bihar, highlighted that only Kishanganj district in Bihar has tea plantations.

The Northeast tea industry was represented by McLeod Russel, Siang Tea & Industries, Anderson Tea Estates, Papumpare Tea Estate, Siru Rijo Tea Co, Borgang Tea Co, Vishnu Tea Company from the states of Assam, Tripura, Arunachal Pradesh and Meghalaya.

Buyers, wholesalers, retailers, growers and packeteers from Bihar and Jharkhand participated in the virtual meet.

Virtual B2B Meet for India Tea Promotion and further penetration with focus on United Arab Emirates (UAE) and other potential Gulf Countries such as Kuwait, Oman and Qatar on September 28, 2020

A Virtual B2B Meet for India Tea Promotion and further penetration with focus on United Arab Emirates (UAE) and other potential Gulf Countries such as Kuwait, Oman and Qatar was organized on September 28, 2020. Keeping in view the renewed focus on exports of Indian teas and the importance of the aforesaid Gulf countries from import perspectives, Tea Board India in collaboration with the Consul General India, Dubai organized a virtual buyer-seller meet on September 28, 2020.

October 2020

Virtual Tea Conclave organized on 7th October, 2020

A Virtual Tea Conclave comprising of digital conferences, exhibition of different varieties of tea & products related to the tea industry as well as buyer-seller meets was organized by the Confederation of Indian Industry (CII) in association with Tea Board India and the Assam government on 7th October, 2020. The Tea Conclave was virtually inaugurated by Shri Chandra Mohan Patowary, Hon'ble Minister of Transport, Industry & Commerce, Parliamentary Affairs and SEED, Government of Assam in presence of Dr K.K. Dwivedi, Commissioner & Secretary to the Industries & Commerce Department of Assam Government.

The prominent speakers at the inaugural session included Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, Shri Sanjio Kumar, Executive Director, Tea Board India and others. The virtual Tea Conclave had virtual stalls similar to regular exhibitions where producers & manufacturers were able to display their products in the stalls and buyers and tea connoisseurs visited the stalls virtually. There were also buyer seller meets, both B2B and B2C.

Virtual B2B Meet organized for Russia market on 12th October, 2020

A Virtual B2B Meet was organized by Tea Board India in collaboration with Embassy of India, Moscow on 12th October 2020 for enhanced marketing of the Indian Tea sector in Russia. The main objectives of this B2B meet were to explore ways and means of increasing Indian tea exports to Russia, to explore avenues of suitable collaboration with major supermarket retailers, in order to facilitate steady supply of Indian teas (bulk as well as packaged) and preserving dedicated shelf space for display of Indian tea brands, and for giving thrust on value added tea exports in addition to exports in bulk form.

Speaking at the meeting, His Excellency Shri D. B. Venkatesh Varma, Ambassador, Embassy of India, Russian Federation, urged exporters to establish joint ventures with Russian companies for high quality packaging of Indian teas. Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, said that there is a need to tie up with supermarkets, retail chains and to form Joint Ventures with Russian companies to increase India's market share. The meeting saw the presence of major importers, officials of Embassy of India, Moscow, representatives from tea associations in India such as ITA, ITEA, UPASI, SITEA, and large number of Indian tea exporters. About 100 stakeholders from both sides participated in the Virtual Meet.

Tea Board's participation in virtual edition of Biofach India from 29-31 October, 2020

Tea Board India participated in the 12th edition of BIOFACH INDIA (International Exhibition and Conference for Organic Products) & 3rd Edition of NATURAL EXPO INDIA (International Exhibition and Conference for Natural Products), organised by Nuernberg Messe India, held in a digital format from October 29-31, 2020. Both events were held under the aegis of Agricultural & Processed Food Products Export Development Authority (APEDA), Ministry of Commerce and Industry, Government of India and aimed to e-connect all the key players from the Organic and Natural Industry over a single platform. Apart from the main Exhibition and a conference program, a series of concurrent events such as CEO's Forum, International Buyer- Seller Meet, Vendor Development Program etc. were the other highlights of this event. Buyers from more than 50 Countries participated in this event and B2B Meetings were held with Overseas & Domestic Buyers.

Promotion of Indian Tea at Delhi Bazaar, Moscow, from October 9-11, 2020

"Delhi Bazaar" is an Indian fair held in the centre of Moscow with a market of Indian goods and a food court of Indian restaurant. Lectures and workshops for fans of Indian culture and visitors are also organized during the event. Five varieties of Indian loose teas were displayed during the event held from October 9-11, 2020, namely Darjeeling, Assam Orthodox, Assam CTC, Nilgiri Orthodox and Sikkim. Tea tasting for the above five varieties of teas was also organized for the visitors. The tea was highly praised for its taste and fragrance. The visitors yearned to buy Indian teas and were eager to know where teas of such good quality could be purchased.

November 2020

Tea Board's participation in Assocham Ayush Mela, 30 October-1 November 2020

Tea Board participated in the virtual edition of Assocham Ayush Mela from 30th October-1st November 2020 by taking up a virtual stall and exhibiting different varieties of Indian teas. The Expo provided a platform for business houses and individuals engaged in Yoga, Ayurveda, Homeopathy, Herbal, Unani and Siddha to showcase their products and services. The event also provided an opportunity to meet eminent and renowned professionals and speakers from different facets of Industry. The virtual mela also offered opportunity of interactions, business to business meetings, showcasing of products by manufacturers, exporters and other allied services.

Dr. Rajesh Kotecha, Secretary, Ministry of AYUSH, Government of India, was a Special Guest at the inaugural session of the Mela. On behalf of Tea Board India, Shri S. Soundararajan, Director Tea Development addressed a Technical Session on Health

Benefits of Tea. Besides the session on Health Benefits of Tea, there were other sessions such as Immunity & Homeopathy Conference, Vitamin D Session, and Session on the Role of Medicinal Plants etc.

Virtual B2B Meet with USA, 16th November 2020

A virtual B2B meet was organized by Tea Board India in association with Consulate General of India, New York, with tea exporters from India and the tea fraternity and importers from USA on 16th November 2020. Shri Randhir Jaiswal, Consul General, admitted that Indian tea has a decent presence in the US but we can do much better. There is a lot of scope to bring new products to connoisseurs. We have to add value to tea, modernize the food processing industry and also liberalize the industry. He said there is lot of scope to strengthen the tea engagement between India and US.

Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India, while giving his keynote address, said that India and USA share a long and warm relationship so far as tea is concerned. Tastes of US and India are similar in terms of tea-drinking. India is blessed with diverse agro-climatic conditions and has a variety of teas from different origins - Darjeeling, Assam, Nilgiri, Kangra, Dooars-Terai, Sikkim etc. USA is a large consumer of tea and India has the capability to meet all the requirements of US. India produces a wide variety of teas and also manufactures all types of teas – black, green, white, yellow, Oolong, Orthodox, CTC etc. India also supplies teas in various formats – bulk teas, packaged teas, tea bags, specialty teas, instant teas, RTD, premixes etc. India caters to the needs of the tea drinking population all over the world. India is a one stop solution for all varieties of teas.

Speaking on the tea scenario in USA, Mr. Peter Goggi, President of the US Tea Association and Specialty Tea Institute, said that the tea industry in US has been impacted by Covid-19. However, the in-home consumption and specialty tea segment has seen a growth. The key trends being observed as regards tea in the US are health and wellness, “naturalness”, product engagement and sustainability across the supply chain.

Speaking on the current trend of tea in USA, Ms. Lairaine Miller, General Manager, North America Tea revealed that 50% of US consumers drink tea in average week and 39% say they are drinking more tea since Covid. She also stated that there was increasing consumption of hot tea. Whereas currently there is a ratio of 50:50 in iced tea vs. hot tea consumption occasions, the hot tea occasions were growing more than iced tea. She further revealed that 70% of growth was driven by health benefits, with sleep and digestion leading the category, while “Immunity” was the emerging opportunity.

The other important speakers at the meeting were Ms.Cindi Bigelow, Director and CEO, Bigelow Tea Company, Ms. Amy Dubin, Founder Janam Tea, Mr. Azam Monem, former chairman, Indian Tea Association, Mr. Anshuman Kanoria, Chairman, Indian Tea Exporters Association, Mr. Prashant Bhansali, President, the United Planters Association of Southern India, Mr. Dipak Shah, Chairman, South Indian Tea Exporters Association and others.

Virtual B2B Meet for Promotion & Revival of North East Teas: Focus Andhra Pradesh & Telangana, 25th November 2020

The third meet in the series of Virtual B2B Meets for North-East Tea Sector was organized for the states of Andhra Pradesh and Telangana on 25th November 2020.

The important speakers at the meeting were Shri Prabhat Bezboruah, Chairman, Tea Board, Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board, Shri S V Giridhara Rao, Joint Director Department of Industries and Commerce, Govt of Andhra Pradesh, Mr. Ramakanthnani, President, Federation of Telangana Chambers of Commerce and Industry (FTCCI), Mr. Surendra Agarwal, Secretary, Telangana Tea Merchants' Association and others.

Second Virtual Session of the Tea Conclave on Global Market Linkages and Business Development, 26th November 2020

The second Virtual Session of the Tea Conclave on Global Market Linkages and Business Development was organized by Tea Board India and Confederation of Indian Industry 26th November 2020. The important speakers at the meeting were Shri Prabhat Bezboruah, Chairman, Tea Board, Shri S. Soundararajan, Director Tea Development, Shri Bidyananda Barkakoty, Chairman, The Tea Conclave & Proprietor, Mahalaxmi Tea Estate, Mr Dan Bolton, Founder, The Tea Journey and others.

Sponsorship and Virtual Stall at 19th CII Brand Conclave, 28th November 2020

Tea Board India sponsored and put up a Virtual Stall at 19th CII Brand Conclave held on 28th November 2020, where the different varieties of Indian teas such as Darjeeling, Assam, Nilgiri, Kangra, Masala Chai etc. were displayed. Professor Philip Kotler, iconic legend in the domain of world marketing, was the focal speaker at the 19th edition of Brand Conclave.

December 2020

Tea Board's participation in World Tea & Coffee Expo, December 9-11, 2020

Tea Board India participated in the virtual edition of World Tea & Coffee Expo held from December 9-11, 2020 by taking up a virtual stall and displaying Darjeeling, Assam, Nilgiri, Kangra, Sikkim, Dooars-Terai and other varieties of teas. This year, the virtual edition of World Tea & Coffee Expo was held in conjunction with Drink Technology India- International trade fair for beverage, dairy and liquid food industry and Packmach Asia Expo- International trade fair for processing and packaging industry. During the duration of the exhibition, various conferences on Industrial Automation & Packaging, Innovation in Beverages, E-Commerce and Packaging, Newer and Sustainable Technologies, Sustainability & Packaging etc. were held. Buyer Seller Meetings were also held during the exhibition.

Sponsorship of 73rd Foundation Day of Assam Tea Tribes Students Association, 27-28 December 2020

Tea Board sponsored the 73rd Foundation Day of Assam Tea Tribes Students Association, held at Lakua, District Charaideo, Assam, on 27-28 December 2020. Assam Tea Tribes Students Association has been playing a vital role in strengthening the Tea Tribes community of Assam.

January 2021

Tea Board's participation in the Indian fair "Delhi Bazaar" held at Moscow from January 22-24, 2021

Tea Board India participated in "Delhi Bazaar", an Indian fair held in the centre of Moscow, from January 22-24, 2021. Five varieties of Indian loose teas were displayed during the

event, namely Darjeeling, Assam Orthodox, Assam CTC, Nilgiri Orthodox and Sikkim. Tea tasting for the above five varieties of teas was also organized for the visitors. The tea was highly praised for its taste and fragrance. The visitors yearned to buy Indian teas and were eager to know where teas of such good quality could be purchased.

Tea Board's participation in "Geographical Indication Festival of India (GIFI)"

Tea Board India displayed the teas registered as Geographical Indications (GIs) i.e. Darjeeling, Assam, Nilgiri and Kangra at the "Geographical Indication Festival of India (GIFI)", a virtual Conference with the theme of "Strengthening, Promoting and Empowering GIs and its Producer Community" held from 9th January 2021 to 8th February 2021. This event was organized with the aim to connect consumers and producers, showcase & promote all the registered GIs of India on a single platform, and to improve livelihood and economy of rural community.

Tea Board's participation in "Atmanirbhar Bharat 2021" held at Udaipur, Rajasthan

Tea Board participated in the conference cum exhibition "Atmanirbhar Bharat 2021" held at Udaipur, Rajasthan on 11th& 12th January 2021. Posters and banners on the health benefits of tea were displayed during the event. An advertisement on the health benefits of tea was also published in the souvenir released on the occasion.

Tea Board's sponsorship of "Assam Cha Jonogusthee Jatiya Moha Sabha" held at Duliajan, Dibrugarh, Assam

Tea Board sponsored "Assam Cha Jonogusthee Jatiya Moha Sabha" held at Duliajan, Dibrugarh, Assam from 23-25 January 2021. The Assam Cha Jonogusthee Jatiya Moha Sabha is a united platform of over 100 castes and communities which belong to the Greater Tea Tribes Communities of Assam. Tea Board sponsored 200 stalls put up at the event for showcasing various products, including teas, produced by the Tea Tribes, SHGs and Cultural Groups.

February 2021

Tea Board India's participation in the virtual edition of Biofach/Vivaness e-special 2021

Tea Board India participated in the virtual edition of Biofach/Vivaness e-special 2021, one of the leading international trade fairs dedicated to 100% organic products, organized by Nürnberg Messe from 17-19 February, 2021. The exhibition witnessed display of a comprehensive range of certified organic products, including tea. There were seminars and conferences on relevant topics such as 'India – the land of Ayurveda witnesses a surging growth as an emerging leader in organic, sustainable and responsible consumption', 'The organic movement and the market in Japan', 'Successful entry into the US market for organic foods' etc. Tea Board India displayed the varieties Indian teas and promotional literatures on Indian tea, both in the English and German languages on the platform.

Tea Board India's participation in the 4th Emerging North East

Tea Board India participated in a 3-day event consisting of a Business Conference and Exhibition called "4th Emerging North-East 2021" organized by ASSOCHAM at Guwahati on February 19 and at Dibrugarh in Assam during February 20-21 through a built-up stall. Shri Rameswar Teli, Union Minister of State for Food Processing Industries, was the Chief Guest at the event.

During the Business & Networking Conference on 19/02/2021, Shri S. Soundararajan, Director of Tea Development, spoke about the primacy & various features of the Tea Industry in the North Eastern region, including Assam, and the role of Tea Board in developing & strengthening the ecosystem thereon.

The stall at Dibrugarh exhibited the various types of Indian tea for promoting Indian tea and for creating awareness about them. The health and wellness benefits of tea were adequately explained to all the streaming visitors. The stall exhibited the tea packets of a couple of FPOs in the region. Shri Rameswar Teli, Union Minister of State for Food Processing Industries, graced the occasion and visited Tea Board's stall. He praised Tea Board's initiative of promoting the teas of the small tea growers.

Tea Board India's participation in Virtual B2B Meet for Promotion & Revival of North East Teas with a focus on Odisha

As a plan of generating business leads for the tea sellers from the North-East Region, a virtual BSM focusing on the state of Odisha, having comparatively low per-capita consumption (PCC) for tea in the country, was organized on February 10, 2021. A number of tea buyers from Odisha were connected with ten (10) tea sellers from the North-East on an interactive mode in a structured format.

Tea Board India's sponsorship of "Tea Preparation and Brewing Competition" organized at Tezpur, Assam

Tea Board India in association with Tezpur Online (an e-commerce platform) organised North-East India's first State Level "Tea Preparation & Brewing Competition" entitled - "Brew your Way" on February 21, 2021 at Tezpur, Assam.

The competition took place across the three defined categories viz. "Milk Tea", "Non-milk tea (liquor)" & "Infusions based on mixology" based on pure "Assam Tea" where 34 participants from across the state took part. Three winners from each category were awarded cash rewards along with certificates and gift hampers.

The event, being the first of its kind in the North East, evoked tremendous response from the participants and the guests and had been able to generate awareness and interest about Assam's single origin Tea and its flavor, aroma & character.

Export Conclave at Guwahati, Assam

An "Export Conclave" was held on 19/02/21 in Guwahati, where a MOU was signed between the Assam Govt and the IIFT towards giving fillip to export promotion from the potential districts of Assam. Shri Chandra Mohan Patowary, Minister of Industries & Commerce, Govt. of Assam, and Dr. KK Dwivedi, Principal Secretary to the Govt. of Assam, Industries & Commerce Dept, shared various initiatives undertaken by the State Government towards export promotion from the region. Upon invitation from the Industries & Commerce

Department of the Assam Government, Shri Joydip Biswas, Deputy Director Tea Promotion, participated in the Export Conclave. During his presentation, Shri Biswas briefly touched upon the legacy & traditions of the Assam Tea Industry and spelt out various initiatives taken by Tea Board in the recent past for the NER.

Promotional initiative for Indian Tea in the Nilgiris

In order to create more awareness among the visiting tourists to the Nilgiris, the Tea Board, Zonal Office, Coonoor fabricated 10 numbers of traffic barricades promoting Indian teas and handed them over to the Superintendent of Police, Nilgiris on 9th February 2021.

March 2021

Tea Board's participation in Indus Food 2021

Tea Board India participated in Indus Food 2021 held at India Exposition Mart, Greater Noida, on March 20-21, 2021. Indus Food is one of the most comprehensive and expansive trade show and exhibition on food, beverage and dairy products. The exhibition gathered some of the prominent global buyers from F&B industry to meet selected Indian suppliers in order to showcase the country's best line-up of food & agri products to global buyers.

The trade fair was inaugurated by Chief Guest Shri Pratap Chandra Sarangi, Hon'ble Minister of State for Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) and Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Dairying.

Over 330 exporters set up their pavilions across a variety of sectors. Indus Food 2021 also saw participation from four states of India, with the thematic participation of Industry & MSME Departments of the states of Odisha, Haryana, Tamil Nadu and Jammu & Kashmir. Over 800+ global buyers from more than 52 countries visited the event in 2021. Business delegations from African countries, EU, Gulf countries, Bangladesh, Belarus, Nepal, Russia, Tajikistan, Turkey, UAE, Uzbekistan and USA attended the event.

Annexure-1

MAJOR COUNTRY WISE EXPORTS DURING 2020-21

Country	2020-21					2019-20				
	Qty (M.Kgs)	Value (Cr.Rs.)	Value (Mill US$)	Unit Price (Rs/Kg)	Unit Price ($/Kg)	Qty (M.Kgs)	Value (Cr.Rs.)	Value (Mill US$)	Unit Price (Rs/Kg)	Unit Price ($/Kg)
Russian Fed	35.60	645.87	87.10	181.39	2.45	44.81	712.77	100.43	159.05	2.24
Ukraine	2.49	47.20	6.35	189.17	2.55	3.48	53.24	7.50	152.83	2.15
Kazakhstan	9.19	204.27	27.63	222.04	3.01	9.02	161.19	22.71	178.81	2.52
Other CIS	1.80	38.87	5.24	215.94	2.91	2.21	40.63	5.73	185.43	2.61
Total CIS	**49.08**	**936.21**	**126.32**	**190.75**	**2.57**	**59.52**	**967.83**	**136.37**	**162.65**	**2.29**
United Kingdom	10.26	311.82	42.07	303.88	4.10	10.97	262.26	36.95	239.12	3.37
Netherlands	3.07	140.62	18.97	458.38	6.18	3.69	139.73	19.69	379.17	5.34
Germany	8.46	262.88	35.49	310.85	4.20	9.36	250.13	35.24	267.37	3.77
Ireland	1.89	102.25	13.83	545.00	7.32	1.77	104.03	14.66	589.38	8.30
Poland	5.66	125.94	16.99	222.33	3.00	5.81	107.84	15.20	185.47	2.61
U.S.A	12.06	507.14	68.56	420.77	5.68	12.50	379.02	53.41	303.34	4.27
Canada	1.93	82.13	11.09	424.72	5.75	2.02	67.98	9.58	335.88	4.73
U.A.E	13.60	339.93	45.99	249.94	3.38	12.61	280.00	39.45	222.00	3.13
Iran	28.35	756.21	101.74	266.85	3.59	46.86	1293.03	182.19	275.96	3.89
Saudi Arabia	4.98	144.59	19.53	291.28	3.92	5.59	149.47	21.06	267.62	3.77
EGYPT (A.R.E)	1.34	19.57	2.64	145.71	1.97	3.15	40.98	5.77	130.08	1.83
Afghanistan	0.76	11.17	1.51	146.41	1.99	2.17	26.84	3.79	123.89	1.75
Bangladesh	0.31	10.64	1.46	344.12	4.71	2.03	27.19	3.83	134.30	1.89
China	11.88	214.95	28.97	180.93	2.44	12.72	200.16	28.20	157.42	2.22
Singapore	1.12	37.46	5.07	337.19	4.53	0.85	19.90	2.80	234.13	3.30
Sri Lanka	1.39	28.43	3.86	204.63	2.78	1.88	31.80	4.48	168.82	2.38
Kenya	0.67	11.69	1.58	172.55	2.36	0.51	8.25	1.16	160.87	2.27
Japan	3.43	153.62	20.73	448.36	6.04	5.19	191.36	26.96	369.07	5.20
Pakistan						3.29	35.02	4.93	106.59	1.50
Australia	2.71	113.80	15.37	418.09	5.67	2.48	89.01	12.54	359.64	5.07
Other countries	40.84	1000.48	135.09	244.98	3.31	36.37	785.27	110.67	215.54	3.04
Total	**203.79**	**5311.53**	**716.86**	**260.64**	**3.52**	**241.34**	**5457.10**	**768.93**	**226.11**	**3.19**

Photographs

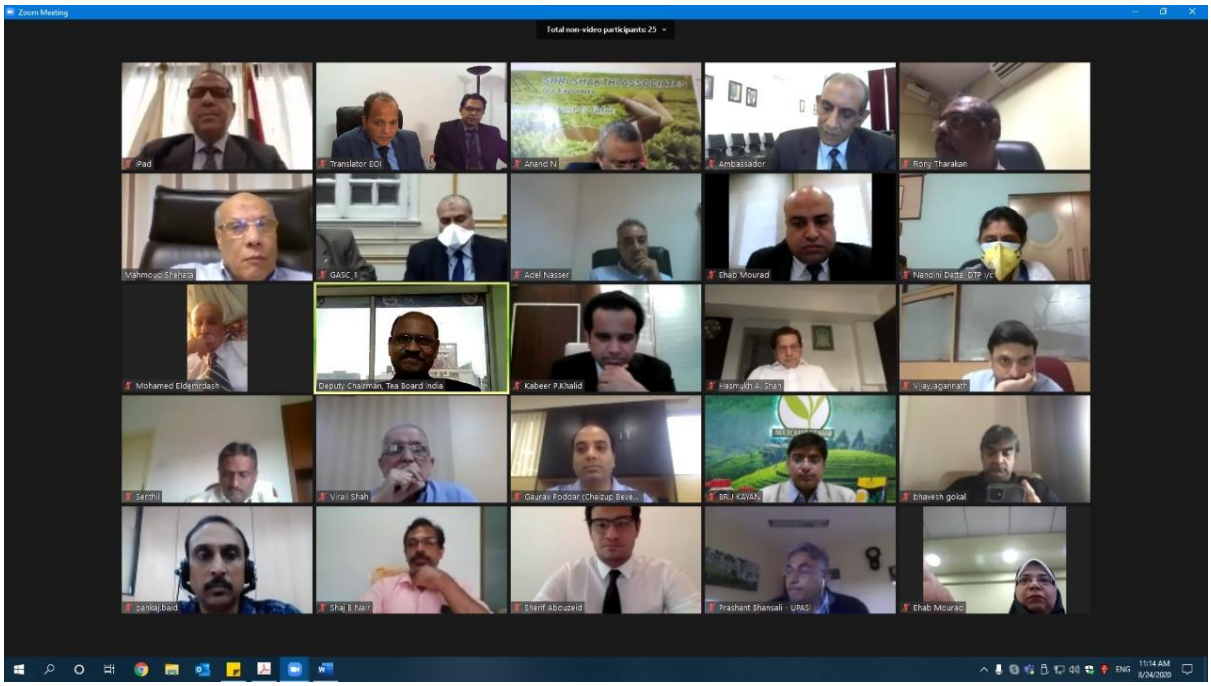

Virtual B2B meet of Indian Tea Exporters with importers and other stakeholders of Egypt organized in association with Embassy of India, Cairo, on 24th August, 2020

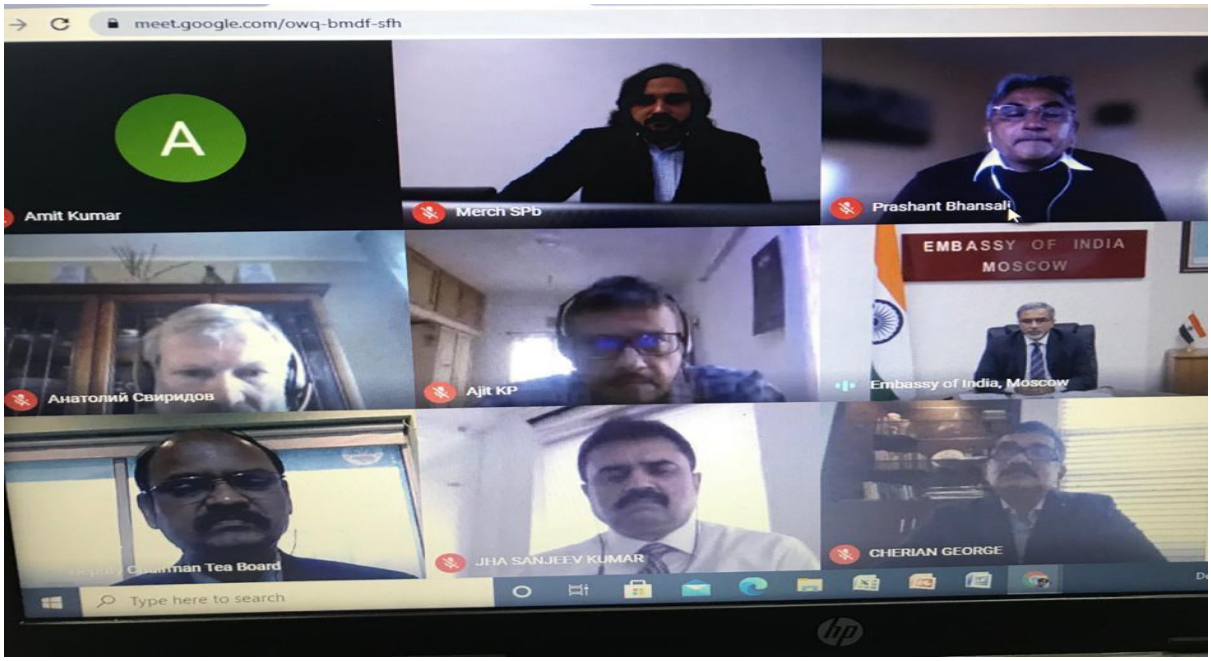

Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India (bottom left) at the virtual B2Bmeet organized for the Russian market on 12th October, 2020

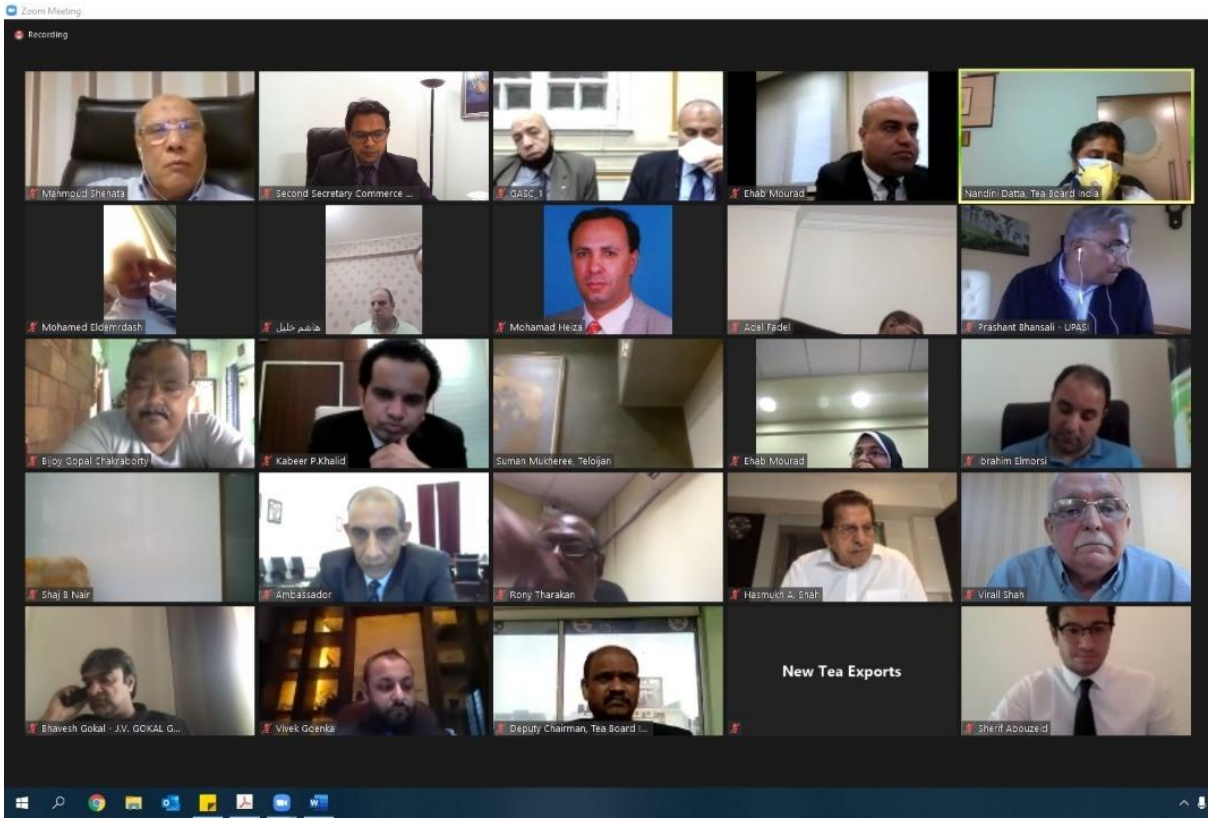

H.E. Shri D.B. Venkatesh Varma, Ambassador of India to the Russian Federation, addressing the virtual B2B meet organized for the Russian market on 12th October, 2020

Presentation on Health Benefits of Tea presented by Tea Board India at the virtual edition of Assocham Ayush Mela on 30th October, 2020

Tea Board India's virtual stall at the virtual edition of Assocham Ayush Mela, 30th October-1st November, 2020

Tea Board India's virtual stall at the virtual edition of Assocham Ayush Mela, 30th October-1st November, 2020

Promotion of Indian tea at Delhi Bazaar held in Moscow from October 9-11, 2020

Promotion of Indian tea at Delhi Bazaar held in Moscow from October 9-11, 2020

Virtual B2B meet organized by Tea Board India in association with Consulate General of India, New York, with tea exporters from India and the tea fraternity and importers from USA on 16th November 2020

Shri P.K. Sahoo, Deputy Chairman, Tea Board India (top) at the virtual B2B meet organized by Tea Board India in association with Consulate General of India, New York, with tea exporters from India and the tea fraternity and importers from USA on 16th November 2020

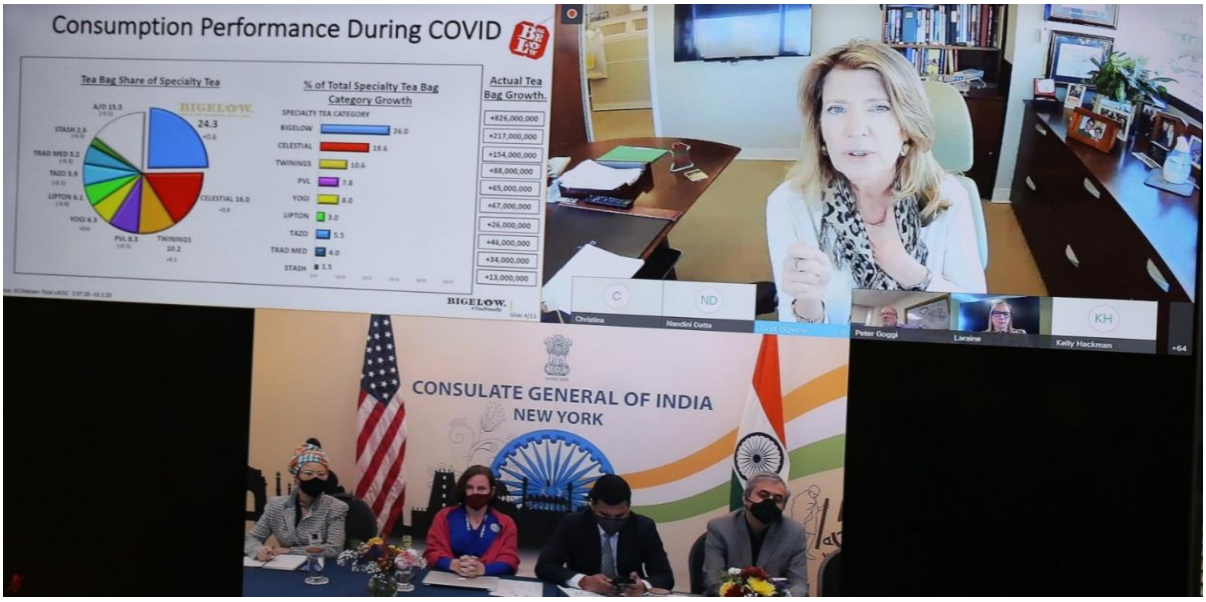

Virtual B2B meet organized by Tea Board India in association with Consulate General of India, New York, with tea exporters from India and the tea fraternity and importers from USA on 16th November 2020

Indian Tea promotion at Delhi Bazaar held in Moscow from January 22-24, 2021

Tea Board India's participation at 4th Emerging North East, Dibrugarh, Assam, February 20-21, 2021

Tea Board India's sponsorship of "Tea Preparation and Brewing Competition" organized at Tezpur, Assam on February 21, 2021

Tea mocktails on display at the "Tea Preparation and Brewing Competition" organized at Tezpur, Assam on February 21, 2021

Tea Board India's participation at Indus Food 2021, Greater Noida, March 20-21, 2021

CHAPTER - 7

LICENSING

Introduction:

The Licensing Branch is a vital wing of the Board for implementation of various statutory and regulatory orders issued by the Government of India from time to time. Licensing Branch is responsible for carrying out various licensing activities which includes issuance of various licenses to stakeholders for carrying out tea business along with other activities like formulating regulatory policies, amendment of existing Control Orders, preparation of guidelines for issuance of licenses, monitoring and regulation of the activities of stakeholders to ensure proper implementation of different directives of Central Government and Tea Board issued from time to time. The department is also responsible for monitoring of the auction system, monitoring quality of exports and imports, etc. which are significant to the tea trade.

Regulatory Provisions

In exercise of the powers conferred by Sub-Section (3) and (5) of Section 30 of the Tea Act, the following statutory provisions notified by Central Government are in existence which governs the entire licensing and regulatory activities:-

1. **The Tea (Marketing) Control Order, 2003**
2. **The Tea (Distribution & Export) Control Order, 2005**
3. **The Tea Waste (Control) Order, 1959**
4. **The Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989**

Introduction of online licensing system

Board has introduced online licensing system from April, 2018 onwards for issuance and renewal of all kind of licensing applications under various Control Orders. This online licensing system has replaced the existing manual process of submitting hard copy of licensing applications with improved and transparent online process, timely disposal of applications, online status tracking etc.

Details of licenses issued

The number of licenses issued across the country for the financial period 2020-21 along with the quantum of revenue generated is tabulated below:

Sl No	Control Orders	Nature of License Registration	No. of licenses/ registration/certificates issued
1	The Tea (Marketing) Control Order, 2003	NOC to manufacturing units	26
		Registration to manufacturing units	30
		Buyer Registration	216
		Broker License	24

Sl No	Control Orders	Nature of License Registration	No. of licenses/ registration/certificates issued
	The Tea (Marketing) Control Order, 2003	Auction Organizer License	7
		Certificate to Mini Tea Factory	14
2	The Tea (Distribution & Export) Control Order, 2005	Exporter License	534 (468 fresh, 65 Renewal and Permanent 1)
		Distributor License	41
3	The Tea Waste (Control) Order, 1959	Tea Waste License	638 (265 fresh and 373 renewal)
4	The Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989	Tea Warehouse License	129 (71 fresh and 58 renewal)
5	The Tea Act, 1953	Planting permit, Extension/ replacement planting permit	7
6	GSR 694 (E) dated 11.10.99 issued by Ministry of Health and Family Welfare, Government of India	Registration of flavour tea manufacturer	25
7	Foreign Trade policy, Government of India	Registration cum Membership Certificate (RCMC)	174 (134 fresh and 40 renewal)
8	The Tea Act,1953	Recording of change of ownership of registered estates	6
		Recording of change of ownership of registered factories	18
		Garden Registration	2
		Total	**1891**

Total Rs.1,96,35,317/- (excluding GST) revenue has been collected in terms of license fee and registration fee during the financial year 2020-21.

Regulatory Provisions:

- The followings have been proposed during the year 2020-2021 to ensure minimizing regulatory compliances as well as to implement Govt.'s policy on 'Ease of doing business'.

- Auto renewal of exporter license, tea waste license and tea warehouse license on receipt of application fee.
- Reducing current documents required for issuances of various licenses/permits/registration certificates.

➢ In order to ensure remunerative prices to the small tea farmers, Tea Board has floated fresh tender for conducting a study on Price Sharing Formula under the Tea (Marketing) control Order, 2003 since the earlier study was done in 2008.

E-Auction under Pan India Module:

Tea Auction is a means of disposing the teas produced to a wide range of buyers in a competitive manner for fair discovery of price. Public tea auctions has always played a key role as the main vehicle for primary marketing of tea in India for more than a century ever since the first tea auction centre set up in Calcutta in 1861. Public tea auctions handle only loose tea in bulk packages. The stakeholders involved are Auction organizers, Producers of 'made tea' (sellers), Auctioneers/Brokers, Buyers and warehouses, all of them being registered stakeholders of Tea Board.

There are Seven (07) registered auction centres in the country viz., Kolkata, Siliguri, Guwahati, Coonoor, Cochin, Coimbatore & Tea Serve where auctions are presently being conducted through electronic platform provided by Tea Board under Pan India e-action mechanisms.

The quantum of tea sold and purchased through e-auction under Pan India Module during the financial year 2020-2021are as follows:

Auction Centre	**April 2019 to March 2020**		**April 2020 to March 2021**	
	Quantity (Million Kgs)	**Price (Rs/kg)**	**Quantity(Million Kgs)**	**Price (Rs/kg)**
Kolkata Leaf	131.42	171.67	100.08	232.69
Kolkata Dust	34.27	162.13	29.29	224.73
Total Kolkata	**165.68**	**169.70**	**129.36**	**230.89**
Guwahati Leaf	119.54	137.26	101.19	215.85
Guwahati Dust	51.03	145.76	46.49	222.33
Total Guwahati	**170.57**	**139.80**	**147.69**	**217.89**
Siliguri Leaf	123.13	135.22	114.46	200.95
Siliguri Dust	16.23	130.46	15.71	194.42
Total Siliguri	**139.36**	**134.67**	**130.17**	**200.17**
Cochin Leaf	6.09	138.82	10.00	159.50
Cochin Dust	36.58	115.84	34.93	154.00
Total Cochin	**42.66**		**44.93**	**155.22**
Coonoor Leaf	38.99	83.99	51.14	135.72
Coonoor Dust	18.69	88.03	17.87	132.65
Total Coonoor	**57.68**	**85.30**	**69.02**	**134.92**
Coimbatore Leaf	4.25	93.35	7.44	141.46

Coimbatore Dust	8.96	97.41	8.04	137.82
Total Coimbatore	**13.21**	**96.11**	**15.48**	**139.57**
Tea Serve Leaf	**0.00**	**0.00**	2.66	118.97
Tea Serve Dust	**0.00**	**0.00**	2.04	124.49
Total Tea Serve	**0.00**	**0.00**	**4.70**	**121.36**
Grand Total	**589.17**	**139.18**	**541.34**	**197.88**

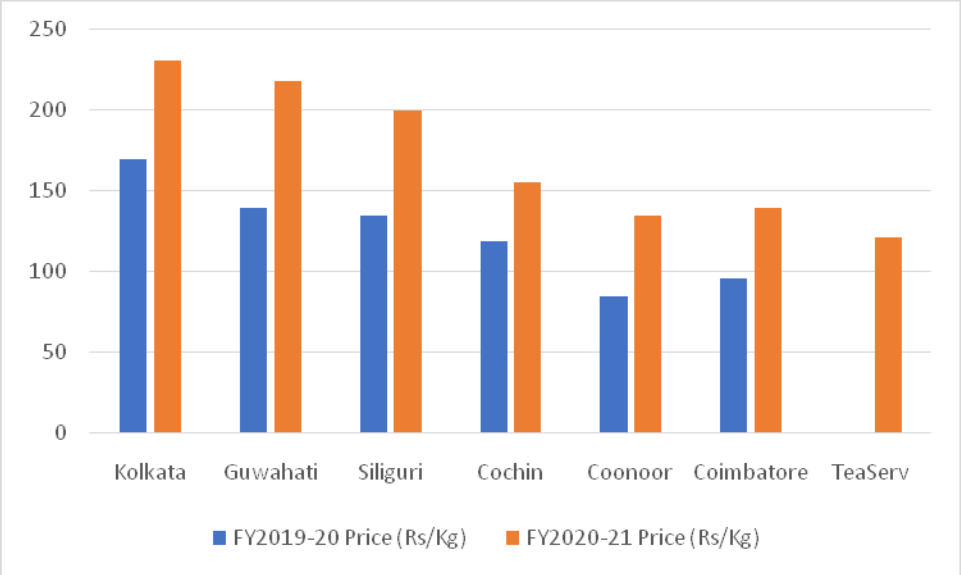

As on 31st March, 2021 (FY 2020-21), an amount of Rs. 4.35 crores (including taxes) has been collected by Tea Board from the post-sale transactions.

Milestones achieved:-

- **Implementation of Jorhat Auction Platform:-** Apart from the existing auction system, Tea Board had also taken active initiative in setting up of a separate electronic auction platform for Jorhat to cater to the need of Assam tea cluster. This was done considering the contribution of Assam teas (more than 50%) towards the total tea production of the country. This auction platform is at present catering the need of teas of Assam cluster with various value added services like central warehousing, logistics to the buyer for delivery of teas, etc. Tea Board has selected M/s. Mjunction Services Ltd. as the operator of Jorhat auction through tender process. The Jorhat auction has been started operating w.e.f. 1st June 2020. The highest price achieved through this platform for the period from June, 2020 to March, 2021 is Rs. 940/- for Orthodox tea against an all India average price of Rs. 223.26/-. Board for the 1st time has also started experimenting with ex-factory auctioning through this platform.

- **TEASERVE**: TEASERVE, governed by INDCOSERVE, Government of Tamil Nadu has adopted the Pan India module of Tea Board from October 2020.

- **Moving towards cloud environment**: On the infrastructure front of the auction system, Board had moved towards latest technology of hosting the entire services in cloud environment for which MeiTY empanelled cloud service provider (M/s. Cyfuture India Pvt. Ltd.) has been selected by the Board through tendering process. This has also enabled Board to reduce the cost on the auction infrastructure. The entire hosting infrastructure of e-auction has been migrated into cloud environment w.e.f. 25.05.2020.

- **Auction Reforms**:-IIM, Bangalore was engaged to study the existing e-auction platform for requisite reforms, if any. One of the key recommendations of IIM is introduction of Japanese Auction Model. In this regard the necessary system development has been completed and the Pilot run has been held on 3rd March, 2021 at Coonoor, Coimbatore and Tea serve centres.

CHAPTER - 8

STATISTICS

Introduction:

Primary functions of Statistics Branch of Tea Board is to collect, collate and dissemination of statistical information relating to all aspects of tea industry and trade covering area under cultivation, production, productivity, types of tea produced in the country, primary market prices, export and destination of exports on tea and workers employed in tea plantations etc. Such information forms a crucial input for the policy matters of the Board, the Government and the Industry.

Dissemination of Statistical Information:

Information on weekly auction prices, monthly production and export data are disseminated in the website of the Board - www.teaboard.gov.in in the public domain for the trade, industry, research scholars etc.,

Monitoring of Tea Prices:

The Statistics Branch has been monitoring and providing required information on auction prices to Ministry of Commerce, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution in connection with the construction of Wholesale Price Indices (WPI) of Plantation Crops and Index of Industrial Production (IIP) respectively. The retail price of tea at different cities/towns is also being compiled by the Statistics Branch.

Taxes & Duties:

Excise Duty: **12.5%** ad-valorem on Instant Tea falling under heading 2101.2010

Export Duty: Nil

Import Duty: Nil on teas imported by Export Oriented Units (EOU) and Special Economic Zone (SEZ) units for the purpose of re-export. However, teas imported for domestic markets would attract basic import duty of 100% plus 10% surcharge plus special additional duty of 4% on basic duty and surcharge (w. e. f. 1st March, 2002).Concessionary rate of 7.5% basic duty plus other normal surcharges apply to imports from Sri Lanka up to a volume of 15 M Kgs per calendar year.

Goods and Service Tax:

The present rate of GST on Tea is 5% i.e. 2.5% CGST + 2.5% SGST. In case of inter-state supply, the rate of IGST on Tea is 5%.

STATUS OF TEA INDUSTRY AND TRADE DURING THE YEAR 2019-20

PRODUCTION:

India tea production during 2020-21 is 1283.03 million kgs decreased by 77.78 million kgs over 2019-20 due initial lockdown conditions existed due to COVID-19 and adverse climatic conditions that prevailed in major tea growing areas in North India.

The major tea growing States Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala contribute 97.36% of the total tea production while the remaining production contributed by other tea growing States. Out of the total tea production, CTC contributes 91% while the contribution of Orthodox and Green Tea at 9%.

ORGANISED SECTOR:

There were 1569 tea estates. This sector has an established 923 manufacturing Units. During 2020-21, the Organized Sector share of production is seen at 49.71%.

SMALL TEA GROWERS:

Small Growers contribution to total tea production is increasing year to year. During the year 2020-21 small growers' share of production is seen at 50.29%.

EXPORTS:

Tea Exports were 203.79 million kgs in quantity with value realization of Rs. 5311.53 Crs in 2020-2021. It was lower by 37.55 million kgs in quantity and Rs. 145.57 Crs in value as compared to 2019-2020. But the unit price realization was Rs. 260.64 per Kg in 2020-21, improved by Rs.34.53 per Kg. as compared to 2019-20.

.

Exports of Tea from India

Year	Quantity (Million Kgs)	Value (Rs Crs)	Unit Price (Rs/kg)	Bulk Tea		Value added tea	
				Qty (Million Kgs)	Value (Rs.Crs.)	Qty (Million Kgs)	Value (Rs.Crs.)
2019-20	241.34	5457.10	226.11	212.30	4226.97	29.04	1230.13
2020-21	203.79	5311.53	260.64	171.67	3800.35	32.12	1511.18

It is observed that during 2020-21 about 15.76% of total exports are in the value added form (packet tea, tea bags and instant tea) resulting in improved value realisation, while rest is expored in the bulk form.

IMPORT OF TEA INTO INDIA

During the year 2020-21, tea imports stands at 27.75 million kgs with CIF value of Rs. 464.24 Crs as against 15.54 million kgs with CIF value of Rs. 231.76 Crs in 2019-20. Tea Imports increased in 2020-21 primarily due to decline in tea production and value addition for re-exports.

TEA PRICE AT AUCTION

During the year under report about 43% of total tea produced in the country was sold through public auctions remaining through other modes.

Tea Prices which were stagnant for a long period improved during 2020-21 due to lesser production. The North India auction average price increased by Rs.67.81 per kg (45.65%) and the South India auction average price increased by Rs.43.88 per kg (45.46%) as compared to 2019-20. The All India auction average price during 2020-21 was increased by Rs.59.32 per kg (43.09%) as compared to 2019-20.

Year	North India		South India		All India	
	Qty. (Million Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)	Qty. (Million Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)	Qty. (Million Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)
2019-20	477.10	148.55	126.44	96.52	603.54	137.65
2020-21	407.38	216.36	139.66	140.40	547.04	196.97

Domestic Retention:

The apparent domestic retention of tea for the year 2020-21 was around 1107 million kg as against 1135 million kg in 2019-20.

CHAPTER - 9

LABOUR WELFARE

I. Introduction:

Supporting welfare measures for securing better working conditions and improvement of amenities and incentives for workers and their dependents is one of the objectives and functions of the Tea Board, as mandated in the Tea Act 1953. Since the regulatory and welfare of plantation workers fall under the ambit of Plantation Labour Act and the same being implemented by the concerned State Governments, the welfare activities undertaken by the Board are supplemental in nature and cover general welfare measures. The labour welfare measures were undertaken under the Human Resource Development component (HRD) of overall Tea Development & Promotion Scheme of the Board during the MTF Period (2017-18 to 2019-20 which was further extended till 31.03.2021. The welfare schemes of Tea Board are gender neutral.

II. Labour Welfare Committee:

The Labour Welfare Committee of the Board guides in its capacity as an Advisory Body of the Board. The Board is assisted towards implementation of the various labour welfare activities by the Labour Welfare Committee of the Board which comprised of the following members during the year under report:

1. Dy. Chairman, Tea Board, Ex-officio Chairman of the Committee
2. Shri Rupesh Gowala
3. Shri P. Mohanan
4. Shri Sunil Kirwai

III. Meetings of the Board/ Welfare Committee:

During the year under report the Board/ Welfare Committee met on the following dates:

Meeting Number	Date of the meeting	Place/Mode
242nd Meeting of the Board	10th September, 2020	Kolkata/VC
243rd Meeting of the Board	1st December, 2020	Kolkata/VC
244th Meeting of the Board	23rd March, 2021	Kolkata/VC

IV. HRD Components:

The components were aimed towards achieving improvements in the life and living conditions of the Tea Plantation workers and their dependents on the following three broad areas:

(A) HEALTH:

i) **Capital grants for hospital (Not Tea Garden Hospital)/medical clinics adjacent to tea garden areas towards extension of treatment facilities and also purchase of medical equipment, accessories and ambulance in non-traditional areas and reservation of beds in some hospitals for workers and their dependents**:

Assistance was allowed for specialized medical facilities for the treatment of T.B. Cancer, Leprosy, Eye, Heart, Kidney disease etc., which were not available for tea garden workers and their dependents in the Tea Garden Hospitals; Grants were also allowed for purchase of equipment like X-Ray plant, surgical instruments, ambulance in non-traditional areas etc. required for specialized treatment; Provision was also there for sanction of special cases, necessary recurring grants towards maintenance of beds in hospitals for tea garden patients.

Quantum of grant: 30% of the capital cost of the equipment was to be borne by the applicant and Board's grant was limited to the extent of 70% of the capital cost of the equipment with a ceiling limit of Rs 8.00 Lakhs, whichever was lower.

ii) **Financial assistance for disabled persons/cancer and heart patients/Kidney transplantations in specialty hospitals dependent on tea plantation workers**:

Assistance was allowed to the disabled persons dependent on workers for purchasing wooden crutches calipers shoes, artificial limb, hearing aids, wheel chairs and tri-cycle with and pedaling system etc.; Special provision was there to provide financial assistance to dependents of Tea Plantation workers for cancer and heart ailments in specialty hospitals.

Quantum of grant: a) **For disabled persons**- Actual expenditure maximum ceiling limit up to Rs 50000.00 whichever was lower. b) Financial assistance towards cancer and heart patient in specialty hospital dependent on tea plantation workers was provided on actual basis.

(B) EDUCATION:

i) **Educational stipend for the wards of tea plantation workers**:

Incentive was extended to the wards of workers in the form of stipend.

Quantum of grant: For tuition fees on actual basis subject to ceiling limit up to Rs.20000.00 and for hostel charges on actual basis of 2/3rd of hostel charges subject to ceiling limit up to Rs 20000.00

ii) **Special scheme of Nehru Award for the wards of tea plantation worker**:

Tea Board implemented a special scheme known as "Nehru Award" for the meritorious students of tea plantation workers.

Quantum of grant: The scheme provided lump sum grant @ Rs.8000.00 for class X / Secondary level and Rs.10000.00 for class XII / H.S. level for the wards of tea plantation worker.

iii) **Scheme for book and school uniform grant to the needy and deserving wards of closed tea garden workers or those affected by severe natural calamities**:

Assistance was given mainly to the needy students of closed tea gardens to buy books or

uniform for continuing their study.

Quantum of grant: Rs.4000.00 per ward per annum.

iv) **Financial Assistance for Bharat Scouts & Guides**:

The Board's grant under the financial Assistance Scheme towards Bharat Scouts & Guides covered for payment towards salary and allowances for maintenance of posts of Districts Scouts / Guide Organizers; re-imbursement of training camp charges; payment for holding rallies, rally-cum-camps, jamborees etc. and matching grant for purchase of uniform to teagarden scouts/guides etc.

Quantum of grant: (a) Monthly salary for full time district Scouts/ Guide Organizer was Rs.10,000.00 and the rate of conveyance allowance was fixed at a flat rate of Rs. 5000.00 per month.

Training camps: Meal and Tiffin chargesRs.500.00 per head per day; Incidental charges @

Rs 200.00 per candidates per training& Conveyance allowance up to Rs.200.00.

Annual District Rally: Meal and Tiffin charges not more than Rs.500.00 per head per day; Incidental charges Rs.200.00 & Conveyance allowance up to Rs.200.00.

State Rally/ Camporees: Meal and Tiffin charges Rs.500.00 per head per day; Conveyance allowance up to Rs.200.00.

National Jamboree: Meal and Tiffin charges not exceeding Rs.500.00 per head per day; Incidental charges @Rs200.00 per candidates per training& Conveyance allowance up to Rs.200.00.

Uniform Grant: Rs.2500.00 per head per annum.

(C) TRAINING:

Scheme of Tea Board for financial assistance towards short term vocational training/health & hygiene course for the wards of tea plantation workers & their dependents:

For creation of more and more employment opportunities to the people in tea plantation area, the Board extended financial assistance to the authorities of the institutions/ organizations involved in the activities of conducting vocational training course. The grant was sanctioned for the purpose of conducting vocational Training courses viz. acquiring skills like plumbing, masonry, electrical /TV repair, carpentry, construction sanitary units etc. amongst the wards of tea plantation workers and their dependents only for a duration of three months to one year for each course of vocational training.

Quantum of grant: Maximum of Rs.2.00 lakhs for a course with a minimum duration of three months to one year.

(D) STUDIES ON TEA PLANTATION:

A. Objective: To undertake any need based Studies/Pilot schemes on crucial aspects of the tea industry through professional institutes like IIPM, IIM, ICWAI and also by other agencies.

B. Quantum off Fund: As per need and approval from time to time.

C. Agreement: The institute/organization should make an Agreement with the Board as would be designed by the Board

D. Eligibility: i. The institute/organization should be Govt. recognized/approved
ii. The institute/organization should have TIN/TAN/PAN no.

Mode of Payment: Through e-transfer/RTGS/NEFT.

Table : 1

COMPONENT –HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT													
STATE-WISE FINANCIAL DISBURSEMENT AND PHYSICAL ACHIEVEMENT DURING 2020-21													
		Health			Education					Training			
State	**Activity**	Purchase of medical equipment	Financial Assistance for disabled persons for aid equipments	Finacial assistance for cancer/heart patients(no)	Stipend (no)	Nehru Award (no)	Book & School uniform grant for Gardens affected by natural calamity / closed gardens	Bharat Scouts & Guides - Training Camps/ Rallies, Jamborees/ Compares (No. of camps and no. of student beneficiaries)		Vocational training (no. of courses and no. of student beneficiaries)		XI Plan Capital Grant - school /college (no)	Others (Including bank charges)	**TOTAL**
Assam	Amt lakh	--	--	--	30.31	2.28	--	--		--		--	1.76	**34.35**
	Physical	--	--	--	400	26	--	--	--				--	
West Bengal	Amt lakh	--	--	--	36.23	5.20	5.08	7.2		--		--	--	**53.71**
	Physical	--	--	--	263	56	127	--	3	--	--	--	--	
Tamil Nadu	Amt lakh	--	--	--	1.59	0.78	--	--		--		--	--	**2.37**
	Physical	--	--	--	7	9	--	--	--	--		--	--	
Kerala	Amt lakh	--	--	--	18.27	1.14	0.64	--		--		--	--	**20.05**
	Physical	--	--	--	75	14	16	--	--	--		--	--	
Himachal Pradesh	Amt lakh	--	--	--	0.08	--	--	--		--		--	--	**0.08**
	Physical	--	--	--	1	--	--	--		--		--	--	
All India	Amt lakh	--	--	--	86.48	9.40	5.72	7.20	0.00	--	--	--	1.76	**110.56**
	Physical	--	--	--	746	105	143	0	3	--	--	--	0	**997**

Table: 2

HRD including SCSP+TASP			
Major Activity	**Fund Utilized (Rs. In Lakh)**	**No. of beneficiaries**	**No. of Events/ No. of beneficiaries**
HRD-Health	--	--	--
HRD-Education	195.43	1561	1557.00
HRD-Training	--	--	--
Total	**195.428**	**1561**	**1557**

Table : 3

Physical and Financial Achievement for the F Y 2020-21 (till 31-03-21)															
	North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal & Uttrakhand			All India Total		
Major Activity	**Fund Utilized (Rs. In Lakh)**	**No. of beneficiaries**	**No. of Events/ No. of beneficiaries**	**Fund Utilized (Rs. In Lakh)**	**No. of beneficiaries**	**No. of Events/ No. of beneficiaries**	**Fund Utilized (Rs. In Lakh)**	**No. of beneficiaries**	**No. of Events/ No. of beneficiaries**	**Fund Utilized (Rs. In Lakh)**	**No. of beneficiaries**	**No. of Events/ No. of beneficiaries**	**Fund Utilized (Rs. In Lakh)**	**No. of beneficiaries**	**No. of Events/ No. of beneficiaries**
HRD-Health	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
HRD-Education	32.59	426	426	91.10	732	729	71.19	400	400	0.55	3	2	195.42	1561	1557
HRD-Training	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

CHAPTER - 10

HINDI CELL

Introduction

With the enforcement of the constitution on 26 January, 1950, Hindi became the Official Language of the Union of India according to Article 343(1) of the constitution of India. Government of India was entrusted with the duty to promote the propagation and development of the Official Language Hindi, so that it may serve as a medium of expression of all the elements of the composite culture of India.

The Hindi Cell of the Board has the nodal responsibility for effective implementation of Official Language Policy of the Government of India, the Official Language Act 1963 and rules 1976 made there under. The work related to Official Language Policy and translation of important documents of the Board, is being performed under the supervision of Deputy Director (Official Language)

Compliance of Sec. 3 (3) of O.L. ACT 1963:

During the period 2020-2021 provisions/sections including section 3(3) of the Official Language Act, 1963 which is the main regulatory Act guiding Official Language Policy of the Government of India, were fully complied with.

Correspondence in Hindi:

All letters received in Hindi were invariably replied to in Hindi itself during the year under review. Vigorous efforts were made for achievement of Programme 2020-21 and target laid therein.

Reports in Hindi:

Various reports like Annual Administrative Report, Annual Accounts, and Annual Audit Report of the Board were prepared in Hindi for submission to the parliament. Apart from this, Quarterly Progress Report and Annual Assessment Report regarding progressive use of Hindi, were prepared in Hindi and sent regularly to Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry.

Organising Hindi Workshop

During the year under review three Hindi Workshops were organized from time to time in which Assistants/Senior Assistants/Assistant Administrative Officers and other officers of the Board were trained in doing official work in Hindi. Faculties from different Government offices conducted the classes. This resulted in a favourable orientation and inclination amongst officials towards functional Hindi.

Organising Hindi Week:

With a view to create awareness regarding official Language and accelerate its use in Official work, Hindi week was organized from 22-26th February, 2021. During the course of the week, several competitions were held and there was active participation of the employees. Similar programme were organized in regional offices of the Board in India.

Hindi website

In the era of e-governance when internet has become a powerful medium, Tea Board is running its website in Hindi also on www.teaboard.gov.in because even today Hindi is the language of the most of the Indian populace. Vigorous efforts were taken to update the Hindi website of the Board and make it match with English version, which is a continuous process.

Participation in TOLIC activities.

Board actively participated in the various promotional activities pertaining to usage of Official Languages, coordinated by Town Official Language Implementation Committee (TOLIC), Kolkata.

Meeting of OLIC of the Board:

The meeting of Official Language Implementation Committee (OLIC) were held in each quarters wherein useful decisions were taken.

Incentive Scheme for Use of Hindi in Official Work:

Tea Board promoted and propagated the incentive scheme in Head Office as well as its regional offices in India in order to accelerate the use of Hindi. The officials and employees were benefited by these Schemes. Some employees participated and were awarded with cash prize.

Annual Programme for transacting the Official work in Hindi

In pursuance of Official Language Resolution 1967, department of OL issues programme every year to speed up propagation and development of OL Hindi and also to accelerate its progressive use for official purpose. The Annual programme of the year 2020-21 is a continuation of this, whereby considerable progress has been made in the use of Hindi in the Official transaction. The prescribed target has been achieved to some extent. However, English continues to be in use in the Board.

CHAPTER - 11

VIGILANCE CELL

The Secretary of Tea Board acts as Chief Vigilance Officer of the Board. The overall activities of the Vigilance Cell are being done under the supervision of Chief Vigilance Officer. The total strength of vigilance Cell is two apart from Secretary.

The main function of the vigilance Cell is to implement the directives of the Government/the Central Vigilance Commission, all of which is done on a regular basis. The Vigilance Cell also attends various queries and submits monthly and quarterly report to the Government. As per the advice of Chief Vigilance Officer the directives of CVC in respect of tender and preventive vigilance etc. are being followed in the Board in every respect. The Law Officer is also working as Vigilance Officer. Another important activity of vigilance cell is the observance of Vigilance Awareness Week every year as per directive of the Central Vigilance Commission during which all the employees of Tea Board are administered oath in the form of messages on efficiency and transparency while highlighting the basics mission of the awareness. During the year the Vigilance Cell has not received any complaint and there is no pending Vigilance case as on date.

CHAPTER - 12

REPORT ON LEGAL, IPR CELL AND RTI ACT, 2005

Tea Board's Legal Cell is working under the Law Officer. The Legal Cell of Tea Board is attending to all legal matters of the Board as and when referred to by the officers of Tea Board in Head office/Regional Offices. The Cell is also liaisons officer with the Board's empanelled Solicitors/Law Firms, legal consultants and Central Government Counsels on behalf of the Board. The number of cases pending as on 31.03.2021 was 129. During the year under review, 07 new cases arose and 23 cases disposed of. As on 31.03.2021 the total number of pending cases was 113.

The IPR Cell is looking after all matters relating to Intellectual Property Rights including administration of various logo mark/word mark registered by the Board under different statues in India and abroad. The Cell, in the year under report has issued 1513 number of Certificate of origin (COO) certifying the genuineness of Darjeeling tea prior to its export. Moreover, the Cell has issued 29 and fresh permissions and renewed 155 permissions for use of the mark of Darjeeling, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox, Assam Logo, Nilgiri logo, India Tea Logo and Dooars-Terai Logo and thus collected Rs.2128847.83.as part of IEBR.

The RTI Cell is responsible for dealing with all matters relating to the disposal of applications and appeal made under the Right to Information Act, 2005 and sending monthly as well as yearly return to the Ministry. The Law Officer is the Nodal Officer and one among the three designated Public Information officers. In the year under report, the37 applications received under the Right to Information Act have been disposed of.